खण्ड-507, अंक-03
गुरुवार, 18 माघ, शक संवत् 1940
(07 फरवरी, 2019 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

-: 0 :-

(अधिकृत विवरण)

(सत्रहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2019)

(खण्ड 507 में 10 अंक हैं)
उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ (भारत)
2019

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 रुपये, महसूल सहित रु0 724.25 रुपये।

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
उपस्थिति सदस्य	1-7
वित्तीय वर्ष 2019-2020 के आय-व्ययक सम्बन्धी साहित्य वितरण की सूचना	9
वित्तीय वर्ष 2019-2020 के आय-व्ययक प्रस्तुतीकरण	9-35
प्रस्तुत बजट पर नेता प्रतिपक्ष द्वारा व्यंगात्मक टिप्पणी	35-36
औचित्य के प्रश्न की सूचनायें	36
बजट को सरल तरीके से समझने हेतु केरल एवं राजस्थान की भांति 'बजट एट ए ग्लान्स' या 'बजट इन ब्रीफ' बनाने के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न	36-37
मा0 सदस्यों के क्षेत्र का विकास कार्य कराये जाने हेतु स्वीकृत 5 करोड़ रुपये पक्ष व विपक्ष को समान रूप से स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न	38-40
आज नियम 311 के अन्तर्गत लायी गयी सूचना तमकुहीराज में जहरीली शराब पीने से हुई मृत्यु में मृतक आश्रितों को मुआवजा दिये जाने व दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की मांग	41
नियम-301 के अन्तर्गत सूचनायें	42-43
गोरखपुर विकास प्राधिकरण द्वारा लोहिया इन्क्लेव फेज-1 योजना में निजी बिल्डर्स से भी निचले स्तर पर जाकर नागरिकों से छल-कपट और धोखाधड़ी की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	43-44
जनपद रामपुर के तहसील शाहाबाद में कतिपय गांवों में बांध बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	44
जनपद गोण्डा में राजकीय महाविद्यालय एवं महिला महाविद्यालय की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	45
जनपद महाराजगंज के आई0पी0एल0 चीनी मिल, सिसवां का चीनी कोटा बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	45
जनपद झांसी के विधान सभा क्षेत्र गरौठा में एरच के पास डिफेन्स कॉरीडोर को बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे से जोड़े जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	45
जनपद बरेली की धामपुर चीनी मिल में बाहर से आने वाले गन्ने पर रोक लगाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	46
जनपद शाहजहांपुर के विकास खण्ड जैतीपुर व मदनापुर के अन्तर्गत कतिपय ग्राम पंचायतों में विद्युत उपकेन्द्र स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में	46

विषय	पृष्ठ-संख्या
आगरा महानगर के अन्तर्गत दयालबाग के नगला बूढ़ी में श्री मोहन आनन्द से श्री धर्मपाल बघेल के आवास तक सड़क एवं नाली की मरम्मत एवं निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	46
जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र कुशीनगर में प्रधानमंत्री आवास योजना में हो रहे भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	47
जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज के अन्तर्गत बुढ़ूपुर, नरेन्द्रपुर व सबरहद में पूर्व स्वीकृत सब-स्टेशनों का निर्माण कार्य प्रारम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	47
जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र किठौर के ग्राम हसनपुरकला के नाले की मरम्मत एवं चौड़ीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	48
जनपद सिद्धार्थनगर के ब्लाक भनवापुर में राजकीय कन्या इण्टर कालेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	48
जनपद मिर्जापुर के विकास खण्ड छानबे में ग्राम चतुरिया में कर्णावती नदी पर रपटा का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	48-49
जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र खागा के कतिपय मार्गों का सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	49
जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड अकबरपुर के कुर्की बाजार के न्यू टाण्डा सब-स्टेशन से विद्युत सप्लाई सुचारु रूप से कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	49
जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के अन्तर्गत अति गरीब मुसहर परिवार की जमीन भू-माफियों से मुक्त कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	49-50
जनपद सहारनपुर के ब्लाक पुवांरका के ग्राम गदनपुरा से ग्राम गाठेडा रजबहे के पुल तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	50
जनपद जौनपुर के विधान सभ क्षेत्र शाहगंज में बाईपास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	50
जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा में वृद्ध, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन वितरण में की जा रही धांधली से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	51
जनपद उन्नाव के ब्लाक औरास में अग्निशमन केन्द्र की स्थापना कराये जाने	51

विषय	पृष्ठ-संख्या
संस्थागत वित्त, कर एवं निबन्धन अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या क0नि0-2-2422/ग्यारह-9(42)-17-उ0प्र0ऐक्ट-1-2017-आदेश(163)-2018, दिनांक 26 दिसम्बर, 2018 (सदन के पटल पर रखी गयी)	51
उ0 प्र0 आवास एवं विकास परिषद् का आर्थिक चिट्ठा एवं आय-व्यय खाता वित्तीय वर्ष 2014-2015 (सदन के पटल पर रखा गया)	52
उ0 प्र0 आवास एवं विकास परिषद् का आर्थिक चिट्ठा एवं आय-व्यय खाता वित्तीय वर्ष 2015-2016 (सदन के पटल पर रखा गया)	52
उत्तर प्रदेश सरकार के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन संख्या-2 वर्ष 2018 (सदन के पटल पर रखा गया)	52
उत्तर प्रदेश सरकार के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन संख्या-3 वर्ष 2018 (सदन के पटल पर रखा गया)	52
श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा (जारी)	52-108
भाषण के मध्य कतिपय सदस्य द्वारा की गई टिप्पणी पर श्री अध्यक्ष द्वारा हस्तक्षेप	108-111
श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा	111-124
बजट भाषण में हुई लिपिकीय त्रुटि को नियम 315 के तहत ठीक करने का अनुरोध	124-127
बजट भाषण में हुई लिपिकीयय त्रुटि को संशोधित करने के अनुरोध पर श्री अध्यक्ष के निर्देश	128-130
नियम 51 के अन्तर्गत सूचनायें	130-131

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सत्रहवीं विधान सभा

गुरुवार, दिनांक 07 फरवरी, 2019 ई0

(विधान सभा की बैठक में दिन के 11 बजे अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य-363

1. अक्षयवर लाल गोंड, श्री — बहराइच
2. अगयश राम सरन वर्मा, श्री — पीलीभीत
3. अजय कुमार, डॉ0 — इलाहाबाद
4. अजय कुमार लल्लू, श्री — कुशीनगर
5. अजय कुमार सिंह ''अजय सिंह'', श्री — बस्ती
6. अजय प्रताप सिंह, ''लल्ला भइया'' कुंवर — गोण्डा
7. अजीत कुमार उर्फ राजू यादव, श्री — सम्भल
8. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
9. अजीत पाल सिंह, श्री — कानपुर देहात
10. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
11. अदिति सिंह, सुश्री — रायबरेली
12. अनिल कुमार दोहरे, श्री — कन्नौज
13. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
14. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
15. अनिल सिंह, श्री — उन्नाव
16. अनीता, श्रीमती — अम्बेडकर नगर
17. अनीता लोधी राजपूत, डा0 — बुलन्दशहर
18. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती — बहराइच
19. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
20. अनूप प्रधान, श्री — अलीगढ़
21. अबरार अहमद, श्री — सुल्तानपुर
22. अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा, श्री — प्रतापगढ़
23. अभिजीत सिंह सांगा, श्री — कानपुर नगर
24. अमर सिंह, श्री — फर्रुखाबाद
25. अमर सिंह चौधरी, श्री — सिद्धार्थनगर
26. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
27. अम्बरीश सिंह पुष्कर एडवोकेट, श्री — लखनऊ
28. अरूण कुमार, डॉ0 — बरेली
29. अरूण कुमार यादव, श्री — आजमगढ़
30. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
31. अलका राय, श्रीमती — गाजीपुर
32. अवतार सिंह भड़ाना, श्री — मुजफ्फरनगर
33. अवधेश सिंह, प्रो0 (डा0) — वाराणसी
34. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री — खीरी
35. अविनाश त्रिवेदी, श्री — लखनऊ
36. अशोक कुमार सिंह चन्देल, श्री — हमीरपुर
37. आजाद अरिमर्दन, श्री — आजमगढ़
38. आनन्द स्वरूप शुक्ल, श्री — बलिया
39. आर0 के0 वर्मा, डॉ0 — प्रतापगढ़
40. आर0 के0 सिंह पटेल, श्री — चित्रकूट
41. आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती — प्रतापगढ़
42. आलमबदी, श्री — आजमगढ़
43. आशीष कुमार सिंह ''आशू'', श्री — हरदोई
44. आशुतोष उपाध्याय, श्री — देवरिया
45. आशुतोष टण्डन ''गोपाल जी'', श्री — लखनऊ

46. इकबाल महमूद, श्री — सम्भल
47. इकराम कुरैशी, हाजी — मुरादाबाद
48. इन्द्र प्रताप उर्फ खब्बू तिवारी, श्री — फैजाबाद
49. इरफान सोलंकी, हाजी — कानपुर नगर
50. उज्जवल रमण सिंह, श्री — इलाहाबाद
51. उदयभान सिंह, चौ0 — आगरा
52. उपेन्द्र तिवारी, श्री — बलिया
53. उपेन्द्र सिंह, श्री — बाराबंकी
54. उमाशंकर सिंह, श्री — बलिया
55. उमेश मलिक, श्री — मुजफ्फरनगर
56. ओमकार सिंह, श्री — बदायूं
57. ओमकुमार, श्री — बिजनौर
58. ओम प्रकाश राजभर, श्री — गाजीपुर
59. कपिल देव अग्रवाल, श्री — मुजफ्फरनगर
60. कमल रानी, श्रीमती — कानपुर नगर
61. कमल सिंह मलिक, श्री — हापुड़
62. कमलेश शुक्ल, श्री — देवरिया
63. कमलेश सैनी, श्रीमती — बिजनौर
64. करण सिंह पटेल, श्री — फतेहपुर
65. कल्पनाथ पासवान, श्री — आजमगढ़
66. कारिन्दा सिंह, श्री — मथुरा
67. काली प्रसाद, श्री — देवरिया
68. किशन लाल राजपूत, श्री — पीलीभीत
69. कुशाग्र सागर, श्री — बदायूं
70. कृष्णपाल मलिक, श्री — बागपत
71. कृष्णा पासवान, श्रीमती — फतेहपुर
72. केसर सिंह, श्री — बरेली
73. कैलाश नाथ शुक्ल, श्री — बलरामपुर
74. कैलाश नाथ सोनकर, श्री — वाराणसी
75. कैलाश सिंह राजपूत, श्री — कन्नौज
76. गंगा, श्री — कुशीनगर
77. गरिमा सिंह, श्रीमती — अमेठी
78. गिरीश चन्द्र यादव, श्री — जौनपुर
79. गुलाब देवी, श्रीमती — सम्भल
80. गौरी शंकर, श्री — जालौन
81. चन्द्रपाल कुशवाहा, श्री — बांदा
82. चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल, श्री — बस्ती
83. चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, श्री — चित्रकूट
84. चेतन चौहान, श्री — अमरोहा
85. चेतराम, श्री — शाहजहांपुर
86. छत्र पाल सिंह गंगवार, श्री — बरेली
87. जगदीश सोनकर, श्री — जौनपुर
88. जगन प्रसाद गर्ग, श्री — आगरा
89. जटाशंकर त्रिपाठी, श्री — कुशीनगर
90. जमुना प्रसाद सरोज, डॉ0 — इलाहाबाद
91. जय देवी, श्रीमती — लखनऊ
92. जय प्रताप सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
93. जवाहर लाल राजपूत, श्री — झांसी
94. जितेन्द्र पाल सिंह उर्फ बिल्लू, श्री — मेरठ
95. जितेन्द्र वर्मा, श्री — आगरा
96. जी0 एस0 धर्मेश, श्री — आगरा
97. ज्ञानेन्द्र, श्री — महाराजगंज
98. डी0 सी0 वर्मा, डॉ0 — बरेली
99. डेनजिल जे0 गोडिन, डा0 — नाम-निर्देशित
100. तसलीम अहमद, श्री — बिजनौर
101. तेजपाल सिंह नागर, श्री — गौतमबुद्ध नगर
102. तेजेन्द्र निर्वाल, श्री — शामली
103. त्रिवेणी राम, श्री — गाजीपुर
104. दयाराम चौधरी, श्री — बस्ती
105. दल बहादुर, श्री — रायबरेली
106. दलवीर सिंह, श्री — अलीगढ़

107. दारा सिंह चौहान, श्री मऊ
108. दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे, श्री सन्तकबीरनगर
109. दिनेश खटिक, श्री मेरठ
110. दिनेश चौधरी, श्री जौनपुर
111. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
112. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
113. देवमणि द्विवेदी, श्री सुल्तानपुर
114. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
115. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री कासगंज
116. देवेन्द्र सिंह राजपूत, श्री कासगंज
117. देवेन्द्र सिंह लोधी एडवोकेट, श्री बुलन्दशहर
118. धनन्जय कन्नौजिया, श्री बलिया
119. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
120. धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव, श्री बाराबंकी
121. धर्मेन्द्र कुमार सिंह शाक्य उर्फ ''पप्पू भइया'', श्री बदायूं
122. धीरेन्द्र बहादुर सिंह, श्री रायबरेली
123. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्ध नगर
124. नईम उल हसन, श्री बिजनौर
125. नन्द किशोर गुर्जर, श्री गाजियाबाद
126. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
127. नरेन्द्र पाल सिंह, कुं0 जालौन
128. नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री सीतापुर
129. नरेश सैनी, श्री सहारनपुर
130. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
131. नसीर अहमद खां, श्री रामपुर
132. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
133. नाहिद हसन, श्री शामली
134. निर्मला संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
135. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
136. नीकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
137. नीलम करवरिया, श्रीमती इलाहाबाद
138. नील रतन सिंह पटेल 'नीलू', श्री वाराणसी
139. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
140. पक्षालिका सिंह, रानी आगरा
141. पवन कुमार उर्फ पवन केडिया, श्री कुशीनगर
142. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
143. पारसनाथ यादव, श्री जौनपुर
144. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
145. प्रकाश चन्द्र द्विवेदी, श्री बांदा
146. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
147. प्रतीक भूषण सिंह, श्री गोण्डा
148. प्रदीप कुमार, श्री सहारनपुर
149. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
150. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
151. प्रभुनारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
152. प्रमोद उटवाल, श्री मुजफ्फरनगर
153. प्रवीण कुमार सिंह, श्री इलाहाबाद
154. प्रेम नारायण पाण्डेय, श्री गोण्डा
155. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
156. फागू चौहान, श्री मऊ
157. बन्दना सिंह, श्रीमती आजमगढ़
158. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
159. बल्देव सिंह औलख, श्री रामपुर
160. बहोरन लाल मौर्य, श्री बरेली
161. बाबा गोरखनाथ, श्री फैजाबाद
162. बाबू राम पासवान, श्री पीलीभीत
163. बावन सिंह, श्री गोण्डा
164. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमती बुलन्दशहर
165. बिहारीलाल आर्य, श्री झांसी
166. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
167. बृजभूषण राजपूत उर्फ गूड्डू भइया, श्री महोबा

168. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
169. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
170. बृजेश कुमार प्रजापति, श्री बांदा
171. बैजनाथ रावत, श्री बाराबंकी
172. ब्रिजेश, श्री सहारनपुर
173. भगवती प्रसाद सागर, श्री कानपुर नगर
174. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र
175. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
176. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
177. मनीषा अनुरागी, श्रीमती हमीरपुर
178. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
179. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
180. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
181. मन्जू शिवाज, डॉ0 गाजियाबाद
182. ममतेश शाक्य, श्री कासगंज
183. मसूद अखतर, श्री सहारनपुर
184. महबूब अली, श्री अमरोहा
185. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
186. महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सीतापुर
187. महेन्द्र सिंह खडगवंशी, श्री अमरोहा
188. महेश कुमार गोयल, श्री आगरा
189. महेश त्रिवेदी, श्री कानपुर नगर
190. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
191. माधवेन्द्र प्रताप, कुंवर हरदोई
192. माधुरी वर्मा, श्रीमती बहराइच
193. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहांपुर
194. मुकुट बिहारी, श्री बहराइच
195. मुकेश चन्द्र वर्मा, श्री फिरोजाबाद
196. मूलचन्द्र सिंह, श्री जालौन
197. मो0 आजम खां, श्री रामपुर
198. मो0 मुजतबा सिद्दीकी, श्री इलाहाबाद
199. मोहम्मद असलम ''राइनी'' (एडवोकेट), श्री श्रावस्ती
200. मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
201. मौ0 फईम इरफान, श्री मुरादाबाद
202. मौहम्मद अब्दुल्ला आजम खां, श्री रामपुर
203. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
204. योगेश धामा, श्री बागपत
205. योगेश वर्मा, श्री खीरी
206. रजनीकान्त मणि त्रिपाठी, श्री कुशीनगर
207. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
208. रत्नाकर मिश्र, श्री मिर्जापुर
209. रफीक अन्सारी, श्री मेरठ
210. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
211. रमाशंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
212. रमेश चन्द्र दिवाकर, श्री औरैया
213. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
214. रवि कुमार सोनकर, श्री बस्ती
215. रविन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री भदोही
216. रवि शर्मा, श्री झांसी
217. रवीन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
218. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
219. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
220. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
221. राकेश सिंह, श्री रायबरेली
222. राकेश सिंह बघेल, श्री सन्तकबीरनगर
223. राजकुमार अग्रवाल, श्री हरदोई
224. राजकुमार उर्फ राजू यादव, श्री मैनपुरी
225. राजबाला, श्रीमती रामपुर
226. राजमणि कोल, श्री इलाहाबाद
227. राजवीर दिलेर, श्री अलीगढ़
228. राजीव तरारा, श्री अमरोहा
229. राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भइया, श्री बदायूं
230. राजीव सिंह ''पारीछा'' श्री झांसी
231. राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती, श्री प्रतापगढ़

232. राजेश अग्रवाल, श्री बरेली
233. राजेश कुमार मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल,श्री बरेली
234. राजेश कुमार सिंह (चुन्नू), श्री मुरादाबाद
235. राजेश गौतम, श्री सुल्तानपुर
236. राधा कृष्ण शर्मा, पं0 बदायूं
237. राधा मोहन दास अग्रवाल, डॉ0 गोरखपुर
238. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकरनगर
239. राम कृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
240. रामगोपाल पप्पू लोधी, श्री फिरोजाबाद
241. राम गोविन्द चौधरी, श्री बलिया
242. राम चन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
243. राम नरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
244. राम नरेश रावत, श्री रायबरेली
245. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
246. राम प्रताप सिंह, श्री आगरा
247. राम प्रताप उर्फ शशिकांत वर्मा, श्री बलरामपुर
248. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
249. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
250. रामवीर उपाध्याय, श्री हाथरस
251. रामानन्द बौद्ध, श्री कुशीनगर
252. राहुल प्रकाश, श्री मिर्जापुर
253. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
254. रितेश पाण्डेय, श्री अम्बेडकर नगर
255. रीता बहुगुणा जोशी, प्रो0 लखनऊ
256. रोशन लाल वर्मा, श्री शाहजहांपुर
257. लाखन सिंह, श्री औरैया
258. लाल जी वर्मा, श्री अम्बेडकर नगर
259. लाल बहादुर, श्री कौशाम्बी
260. लीना तिवारी, श्रीमती जौनपुर
261. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
262. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
263. विक्रम सिंह, श्री फतेहपुर
264. विक्रम सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
265. विक्रमाजीत मौर्य, श्री इलाहाबाद
266. विजय कुमार कश्यप, श्री मुजफ्फरनगर
267. विजय पाल (आढ़ती), श्री हापुड़
268. विजेन्द्र सिंह, श्री बुलन्दशहर
269. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
270. विनय शंकर तिवारी, श्री गोरखपुर
271. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
272. विनोद कुमार कटियार, श्री कानपुर देहात
273. विपिन कुमार 'डेविड', श्री एटा
274. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
275. विमलेश पासवान, डा0 गोरखपुर
276. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
277. वीर विक्रम सिंह, प्रिंस शाहजहांपुर
278. वीरेन्द्र, श्री एटा
279. वीरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री फैजाबाद
280. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री फैजाबाद
281. शरद कुमार अवस्थी, श्री बाराबंकी
282. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
283. शारदा प्रसाद, श्री चन्दौली
284. शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली, श्री आजमगढ़
285. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
286. शीतल पाण्डेय, श्री गोरखपुर
287. शीतला प्रसाद ''पप्पू पटेल'', श्री कौशाम्बी
288. शुचिस्मिता मौर्या, श्रीमती मिर्जापुर
289. शैलेन्द्र यादव ललई, श्री जौनपुर
290. शैलेश कुमार सिंह ''शैलू'', श्री बलरामपुर

291. शोभा सिंह चौहान, श्रीमती फैजाबाद
292. श्याम धनी, श्री सिद्धार्थनगर
293. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
294. श्याम बिहारी लाल, डॉ0 बरेली
295. श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
296. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा
297. श्री राम चौहान, श्री सन्तकबीर नगर
298. श्रीराम सोनकर, श्री मऊ
299. संगम लाल गुप्ता, श्री प्रतापगढ़
300. संग्राम यादव, श्री आजमगढ़
301. संगीत सिंह सोम, श्री मेरठ
302. संगीता बलवन्त, डा0 गाजीपुर
303. संगीता यादव, श्रीमती गोरखपुर
304. संजय, श्री बुलन्दशहर
305. संजय गर्ग, श्री सहारनपुर
306. संजय प्रताप जायसवाल, श्री बस्ती
307. संजय यादव, श्री बलिया
308. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
309. संजीव कुमार, श्री सोनभद्र
310. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
311. संजीव राजा, श्री अलीगढ़
312. संजू देवी, श्रीमती अम्बेडकर नगर
313. सतीश चंद्र शर्मा, श्री बाराबंकी
314. सतीश चन्द्र द्विवेदी, डॉ0 सिद्धार्थनगर
315. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
316. सत्यदेव पचौरी, श्री कानपुर नगर
317. सत्यपाल सिंह बघेल, श्री फिरोजाबाद
318. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
319. सत्य प्रकाश अग्रवाल, ''कैलाश डेरी वाले'' श्री मेरठ
320. सत्यवीर त्यागी, श्री मेरठ
321. सन्त प्रसाद, श्री गोरखपुर
322. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
323. सहेन्द्र सिं चौहान, श्री बागपत
324. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
325. साधना सिंह, श्रीमती चन्दौली
326. सावित्री कठेरिया, श्रीमती इटावा
327. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री इलाहाबाद
328. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
329. सुखदेव राजभर, श्री आजमगढ़
330. सुनीता, श्रीमती गाजीपुर
331. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
332. सुनील दत्त द्विवेदी, श्री फर्रुखाबाद
333. सुनील वर्मा, श्री सीतापुर
334. सुभाष त्रिपाठी एडवोकेट, श्री बहराइच
335. सुरेन्द्र नारायण सिंह, श्री वाराणसी
336. सुरेश कुमार, श्री शामली
337. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
338. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
339. सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री लखनऊ
340. सुरेश तिवारी, श्री देवरिया
341. सुरेश राही, श्री सीतापुर
342. सुरेश्वर सिंह, श्री बहराइच
343. सुशान्त कुमार सिंह, कुं0 बिजनौर
344. सुशील कुमार शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
345. सुशील सिंह, कुं0 चन्दौली
346. सुषमा पटेल, श्रीमती जौनपुर
347. सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
348. सूर्यभान सिंह, श्री सुल्तानपुर
349. सोमेन्द्र तोमर, डॉ0 मेरठ
350. सोवरन सिंह यादव, श्री मैनपुरी
351. सोहिल अख्तर अंसारी, श्री कानपुर नगर
352. सौरभ श्रीवास्तव, श्री वाराणसी
353. स्वाती सिंह, श्रीमती लखनऊ
354. स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री कुशीनगर
355. हरगोविन्द भार्गव, डा0 सीतापुर

356. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री — खीरी
357. हरिओउम यादव, श्री — फिरोजाबाद
358. हरिशंकर माहौर, श्री — हाथरस
359. हरीराम, श्री — सोनभद्र
360. हरेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ0 — जौनपुर
361. हर्षवर्धन बाजपेयी, श्री — इलाहाबाद
362. हाकिम लाल बिन्द, श्री — इलाहाबाद
363. हृदय नारायण दीक्षित, श्री — उन्नाव

नोट :-मुख्यमंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मुस्लिम वक्फ, हज (राज्य मंत्री) (श्री मोहसिन रजा) भी सदन में उपस्थित थे।

(सदस्य श्री अजय कुमार लल्लू द्वारा खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर।)

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य अभी नहीं आप अपना स्थान ग्रहण करें। पहले बजट प्रस्तुत होना है। आप मा0 वित्त मंत्री जी।

नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

मा0 अध्यक्ष जी, इनको आज कभी भी थोड़ा सा समय दे दीजियेगा।

श्री अध्यक्ष-

अभी नहीं बजट पेश होने के बाद।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मान्यवर, बजट पेश होने के बाद ही सही।

[11.01]

वित्तीय वर्ष 2019-2020 के आय-व्ययक सम्बन्धी साहित्य वितरण की सूचना

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, अब मा0 वित्त मंत्री जी बजट प्रस्तुत करेंगे। माननीय सदस्यों को वर्ष 2019-2020 के आय-व्ययक संबंधी साहित्य वितरित किये जाने हेतु की गई व्यवस्था इस प्रकार है।

''हां'' सभाकक्ष में समस्त महिला सदस्य तथा सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर एवं मुरादाबाद, सम्भल, रामपुर, अमरोहा, मेरठ एवं बागपत, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, बुलन्दशहर एवं अलीगढ़, हाथरस, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद एवं कासगंज, एटा, मैनपुरी, बदायूं, बरेली एवं पीलीभीत, शाहजहांपुर, खीरी, सीतापुर, हरदोई एवं उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर एवं फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा, औरैया, कानपुर देहात एवं कानपुर नगर जिलों के समस्त सदस्यगण अपना साहित्य प्राप्त करेंगे और 'नहीं' सभाकक्ष में नाम-निर्देशित सदस्य एवं शेष अन्य जिलों के समस्त माननीय सदस्गण अपना साहित्य प्राप्त करने का कष्ट करें। बजट की प्रतियां बांट दी जायें।

(सभी सदस्यों को बजट की प्रतियां वितरित की गईं।)

(मा0 वित्त मंत्री जी के खड़े होने पर।)

(मेजों की थपथपाहट)

[11.03]

वित्तीय वर्ष 2019-2020 के आय-व्ययक का प्रस्तुतीकरण

वित्त मंत्री (डॉ0 राजेश अग्रवाल)-

मा0 अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से मैं सिर्फ वित्तीय वर्ष 2019-20 का आय-व्ययक प्रस्तुत करते हुए अपनी भावनाओं को प्रोफेसर ''वसीम बरेलवी'' की इन पंक्तियों के माध्यम से उद्धृत करना चाहूंगा।

हवा का रूख बदल देने का हौसला भी है ताकत भी,
निभाते हैं, अगर कोई भी वादा कर लिया हमने।
सफर अपना किसी तूफान के डर से नहीं रूकता,
इरादा कर लिया तो फिर, इरादा कर लिया हमने।

मान्यवर, हम सभी अवगत हैं कि अध्यात्म आस्था और सांस्कृतिक समागम का महापर्व कुंभ 15 जनवरी 2019 से तीर्थराज प्रयागराज में प्रारंभ हो चुका है। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि कुंभ मेले की महत्ता एवं ऐतिहासिकता के दृष्टिगत यूनेस्को द्वारा कुंभ मेले को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का स्तर दिया गया है। प्रयागराज नगर को भारतीय संस्कृति और कला के बड़े सुंदर चित्रों से सजाया गया है। उत्तर प्रदेश में सनातन संस्कृति पल्लवित-पुष्पित हुई है। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या, भगवान कृष्ण की जन्म स्थली मथुरा, भगवान शिव की नगरी काशी उत्तर प्रदेश में ही विद्यमान है। जिस तरह से सनातन धर्म अनादि कहा जाता है। उसी प्रकार प्रयागराज की भी महिमा का कोई आदि अनंत नहीं है। कुंभ को भारतीय संस्कृति का महापर्व कहा गया है। जिस समय बृहस्पति मेष राशि पर हो तब चन्द्रमा और सूर्य मकर राशि पर हों उस समय अमावस्या के तीर्थराज प्रयाग में कुंभ का पर्व का योग होता है।

मेषराशिं गते जीवे मकरे चन्द्रभास्करौ।
अमावस्यां तदा योगः कुम्भाख्यस्तीर्थ नायके।।

कुंभ मेले को दिव्य, भव्य और स्वच्छ स्वरूप प्रदान करने के लिए सरकार कृत-संकल्पित है। कुंभ मेले में भारत तथा संपूर्ण विश्व से लगभग 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, जिसमें 5 हजार से अधिक प्रवासी भारतीय भी सम्मिलित हैं। इस कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को अक्षयवट और सरस्वती कूप के दर्शन प्रथम बार सुलभ हुआ है। प्रयागराज को देश के कई प्रमुख महानगरों से हवाई मार्ग से जोड़ा गया है। कुंभ में स्वच्छता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। इस बार कुंभ में एक लाख बाईस हजार पांच सौ बायो-डाईजेस्टर टॉयलेट स्थापित किए गए हैं। साथ ही 25 हजार से अधिक डस्टबिन लगाये गये हैं।

मान्यवर, मैं माननीय सदन के समक्ष बजट प्रस्तुत करने के इस सुअवसर पर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा गरीबों, वंचितों, मजदूरों, किसानों, हर वर्ग के कमजोर तथा गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले नागरिकों के उत्थान हेतु भारत सरकार की उज्जवला योजना, आयुष्मान भारत योजना, जन-धन योजना, मुद्रा योजना, उजाला योजना जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाओं द्वारा दिये गये अद्वितीय योगदान के लिए उनका अभिनन्दन करते हुए हृदय से आभार प्रकट करता हूं।

भारत सरकार के अन्तरिम बजट 2019-20 में लघु एवं सीमांत किसानों के खातों में 6 हजार रुपये दिये जाने की घोषणा की गई है, परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश के तीन चौथाई किसानों को इसका सीधे-सीधे लाभ मिलेगा। किसानों को कृषि ऋण पर 2 से 5 प्रतिशत छूट की घोषणा से भी उन्हें लाभ प्राप्त होगा। गैर संगठित मजदूर, जिनकी संख्या उत्तर प्रदेश में बहुतायत है, उनके लिए घोषित पेंशन योजना का लाभ सबसे अधिक उत्तर प्रदेश को मिलेगा। यह सरकार गरीबों के सहयोग के लिए कृत संकल्पित है, इसलिए शैक्षिक संस्थानों और नौकरियों में आर्थिक आधार पर 10 प्रतिशत का आरक्षण सुनिश्चित किया है। 5 लाख रुपये तक की आय को करमुक्त रखने से मध्यम वर्ग के करदाताओं, छोटे व्यापारी, वेतनभोगी, पेंशनभोगी और वरिष्ठ नागरिकों को लाभ होगा। कामधेनु योजना, मत्स्य पालकों के कल्याण हेतु अलग से विभाग बनाये जाने की घोषणा, कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में अपनी अहम भूमिका निभायेंगी।

हमने विकास की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कुशल एवं विश्व श्रेणी की आधारभूत सुविधाओं का प्रावधान, अपने युवाओं को रोजगार प्राप्त करने में समर्थ बनाने के लिए शिक्षा तथा कौशल विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। छोटे तथा सीमांत किसानों पर विशेष ध्यान देते हुए कृषि ऋण, उर्वरकों की सुलभ उपलब्धता, सिंचाई तथा विपणन व्यवस्था की गई है। ग्रामीण विकास, उद्योग एवं कारीगरों के उत्थान तथा शहरी क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन के लिए विभिन्न सशक्त योजनाओं के माध्यम से अनेक उपाय किये गये हैं। कमजोर वर्ग हमेशा हमारे राजकोष का लक्ष्य होना चाहिए। यह हमारा विश्वास है, मत है तथा हमारी अभिन्न मानवता के हृदय की पुकार है।

वर्ष 2019-2020 के आय-व्ययक में सम्मिलित मुख्य योजनाओं और कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत करने से पूर्व वर्तमान वित्तीय वर्ष 2018-2019 में हमारी सरकार द्वारा किसानों के हित, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास तथा विभिन्न क्षेत्रों में उठाये गये महत्वपूर्ण कदमों और उपलब्धियों का विवरण इस सम्मानित सदन के समक्ष रखना चाहूंगा।

जन समस्या निवारण-

जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु प्रभावी व्यवस्था की गई है। आई0जी0आर0एस0 के अन्तर्गत शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करते हुए कुल 86 लाख 97 हजार संदर्भों में से 81 लाख 22 हजार प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया गया तथा प्राप्त शिकायतों का प्रभावी अनुश्रवण किया जा रहा है।

माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा अपने विवेकाधीन कोष से गम्भीर बीमारियों, कैंसर, हृदय रोग के उपचार, किडनी प्रत्यारोपण तथा अग्निकाण्ड एवं दुर्घटना आदि से प्रभावित प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2018-2019 में अब तक 2 अरब 4 करोड़ 61 लाख 22 हजार रुपये की सहायता प्रदान की गई है।

मान्यवर, प्रदेश के गौरव माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा प्रदेश के उत्थान में अप्रतिम योगदान को मैं, इन पंक्तियों के साथ व्यक्त करना चाहूंगा :-

जब इरादा बना लिया ऊंची उड़ान का,
फिर देखना फिजूल है, कद आसमान का।

उद्योग-

निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट, 2018 का सफल आयोजन किया गया। देश-विदेश के शीर्ष निवेशकों, उद्योगपतियों द्वारा प्रदेश में विभिन्न उद्योगों एवं इकाइयों की स्थापना के लिए 4 लाख 68 हजार करोड़ रुपये के निवेश सम्बन्धी एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किये गये। भारतवर्ष के गौरव आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कर कमलों से प्रथम चरण में 61 हजार करोड़ की 81 विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के द्वारा बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान लागू किया गया। बुन्देलखण्ड में डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर की स्थापना का निर्णय लिया गया, जिसमें 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश के साथ ढाई लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। पहली बार 21 से 23 जनवरी, 2019 के मध्य वाराणसी में प्रवासी भारतीय दिवस का सफल आयोजन किया गया, जिससे प्रदेश में उद्योग स्थापना को बढ़ावा मिलेगा।

अवस्थापना सुविधाओं का विकास-

लखनऊ से गाजीपुर वाया आजमगढ़ प्रवेश नियंत्रित (ग्रीन फील्ड) पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे परियोजना का शिलान्यास किया गया। इस एक्सप्रेस-वे से गोरखपुर को जोड़ने के लिए 91 किलोमीटर गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के निर्माण का निर्णय लिया गया है। बुन्देलखण्ड के विकास हेतु झांसी से जालौन-उरई-बेला होते हुए आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे तक 06 लेन का राष्ट्रीय राजमार्ग, जिसकी लम्बाई 296 किलोमीटर है, के संबंध में भूमि अधिग्रहण का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। मेरठ से प्रयागराज तक 600 किलोमीटर लम्बे एक्सप्रेस-वे परियोजना की डी0पी0आर0 बनाये जाने का निर्णय लिया गया है।

कृषि एवं सम्बद्ध सेवायें-

कृषि निवेश पर देय अनुदान को डी0बी0टी0 के माध्यम से भुगतान करने वाला देश में उत्तर प्रदेश पहला राज्य बना। 32 लाख 47 हजार किसानों को कृषि अनुदान के 6 सौ 57 करोड़ 19 लाख रुपये का डी0बी0टी0 के माध्यम से सीधे भुगतान किया गया। मण्डी समिति में अब किसान ही अध्यक्ष या उपाध्यक्ष होंगे। किसान अपना उत्पाद किसी भी मण्डी में बेचने के लिए स्वतंत्र है। ''एक देश एक बाजार'' बनाने के लिए राज्य में यूनीफाईड लाइसेंस की फीस को एक लाख रुपये से घटाकर 10 हजार रुपये किया गया है। किसानों की आय दोगुना करने के उद्देश्य से ''द मिलियन फार्मर्स स्कूल कार्यक्रम'' एवं लखनऊ में अन्तर्राष्ट्रीय कृषि कुम्भ का सफल आयोजन किया गया। देश में पहला अन्तर्राष्ट्रीय धान अनुसंधान केन्द्र फिलीपीन्स की शाखा वाराणसी में स्थापित हुई। 4 करोड़ से अधिक किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किये गये।

प्रदेश में पहली बार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों की 4 हजार 700 मीट्रिक टन से अधिक सरकारी खरीद की गई। किसानों को 66 लाख किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किये गये। किसानों की उपज का सही मूल्य दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश की 100 मण्डियों को राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नैम) पोर्टल से लिंक किया गया। वर्तमान वर्ष में 58 लाख 72 हजार कुन्तल बीज का वितरण किया गया एवं वर्ष 2019-20 में 60 लाख 51 हजार कुन्तल बीज का वितरण का लक्ष्य है। सरकार के विशेष प्रयास से किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जा रही है। वर्ष 2019-20 में 77 लाख 26 हजार मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य रखा गया है।

गन्ना किसानों को सुविधायें-

मुझे यह बताते हुए अत्यन्त हर्ष है कि हमारी सरकार द्वारा कार्यभार संभालने के उपरान्त अब तक 35 लाख गन्ना किसानों को लगभग 52 हजार करोड़ रुपये गन्ना मूल्य का भुगतान किया जा चुका है। यह अब तक का रिकार्ड भुगतान है। पेराई सत्र 2017-18 में खरीदे गये गन्ने की मात्रा के आधार पर साढ़े चार रुपये प्रति कुन्तल की दर से 430 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता चीनी मिलों को प्रदान की गई। वर्तमान में राज्य सरकार की सार्थक नीतियों के फलस्वरूप प्रदेश का गन्ना क्षेत्रफल लगभग 5 लाख हेक्टेयर बढ़कर लगभग 28 लाख हेक्टेयर हो गया है। इससे चीनी का उत्पादन 125 लाख टन से अधिक होने का अनुमान है।

पेराई सत्र 2018-19 हेतु अगेती प्रजाति हेतु 325 रुपये, सामान्य प्रजाति हेतु 315 रुपये एवं अस्वीकृत प्रजाति हेतु 310 रुपये प्रति कुंतल गन्ना मूल्य निर्धारित किया गया।

खाद्य एवं रसद-

वर्ष 2018-19 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 1 हजार 735 रुपये प्रति कुन्तल की दर से 11 लाख 27 हजार 195 किसानों से 52 लाख 92 हजार मीट्रिक टन गेहूं की रिकार्ड खरीद 6 हजार 459 क्रय केन्द्र स्थापित कर की गई। किसानों को 72 घण्टे के अन्दर कुल 9 हजार 232 करोड़ का आर0टी0जी0एस0 द्वारा भुगतान किया गया। विपणन वर्ष 2019-20 हेतु 1,840 (एक हजार आठ सौ चालीस) रुपये प्रति कुन्तल की दर से 6 हजार क्रय केन्द्रों के माध्यम से गत वर्ष की भांति किसानों से गेहूं क्रय किया जाना प्रस्तावित है।

मान्यवर, खरीफ विपणन वर्ष 2018-19 के अन्तर्गत प्रदेश में प्रथम बार मक्का खरीद का शुभारंभ किया गया। एक हजार 700 रुपये प्रति कुन्तल की दर से 1 हजार 339 किसानों के माध्यम से 5 हजार 116 मीट्रिक टन की खरीद की गई, जिसके सापेक्ष 8 करोड़ 70 लाख रुपये का भुगतान उनके खातों में सीधे किया गया।

खरीफ विपणन वर्ष 2018-19 के अन्तर्गत धान कॉमन के न्यूनतम समर्थन मूल्य 1 हजार 750 रुपये प्रति कुन्तल तथा धान ग्रेड-ए का समर्थन मूल्य 1 हजार 770 रुपये प्रति कुन्तल की दर से 3 हजार 173 क्रय केन्द्रों के माध्यम से जनवरी, 2019 के अन्त तक 5 लाख 86 हजार 535 किसानों से 43 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीद की जा चुकी है, जिसके सापेक्ष 7 हजार 110 करोड़ रुपये का भुगतान सीधे उनके खातों में किया गया।

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अन्तर्गत महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने तथा उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु प्रदेश में इस योजना के अन्तर्गत गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों की महिलाओं को 1 करोड़ 9 लाख एल0पी0जी0 कनेक्शन निःशुल्क उपलब्ध कराये गये हैं।

नगरीय क्षेत्र में उचित दर की दुकानों के सफल ऑटोमेशन के उपरान्त ग्रामीण क्षेत्रों की समस्त 67 हजार से अधिक उचित दर दुकानों में ई-पॉस मशीनें स्थापित कर खाद्यान्न वितरण की कार्यवाही की जा रही है।

कानून व्यवस्था-

प्रदेश में कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक है कि पर्याप्त संख्या में पुलिस बल उपलब्ध हो। पुलिसकर्मियों का मनोबल सुदृढ़ बना रहे, इसके लिए पुलिस बल को आधुनिक तकनीक और हथियारों से लैस किया जाना आवश्यक है। इस हेतु एक लाख 23 हजार 619 आरक्षियों एवं समकक्ष पदों हेतु भर्ती की कार्यवाही प्रारम्भ की गई है। इनमें से 27 हजार आरक्षी व समकक्ष पदों के कर्मी प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके हैं एवं दो हजार तीन सौ सत्रह कर्मी प्रशिक्षणाधीन हैं। 42 हजार कर्मियों की भर्ती के लिए परीक्षा सम्पन्न हो चुकी है तथा शेष 50 हजार कर्मियों के लिए शीघ्र परीक्षा आयोजित करायी जायेगी। अग्निशमन व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए 2 हजार 65 कर्मियों की भर्ती की जा रही है। अग्निशमन विभाग द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया को ऑन लाइन किया गया है।

प्रदेश में दैवीय तथा अन्य आपदाओं में राहत पहुंचाने के लिए राज्य आपदा मोचन बल की 3 कम्पनियां क्रियाशील की जा चुकी हैं। इसके अतिरिक्त 3 अन्य कम्पनियों के गठन की कार्रवाई की जा रही है। यूपी-100 परियोजना में व्यापक सुधार एवं विस्तार हेतु एक हजार 600 दो पहिया वाहनों की व्यवस्था की गई है। बेहतर प्रयासों के फलस्वरूप नवम्बर, 2018 में यूपी-100 का औसतन रिस्पांस टाइम हमारे संकल्प-पत्र की घोषणा के अनुरूप 14 मिनट रहा।

होमगार्ड्स स्वयंसेवकों का ड्यूटी भत्ता 375 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिदिन किया गया तथा होमगार्ड्स कल्याण कोष की धनराशि 5 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दी गई है।

वस्तु एवं सेवाकर-

वाणिज्य कर विभाग को दिसम्बर, 2018 तक 53 हजार 198 करोड़ 54 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ है। जी0एस0टी0 के राजस्व में 22.4 प्रतिशत की वृद्धि होने से वर्ष 2018-19 के 9 माह में कोई प्रतिपूर्ति की राशि भारत सरकार से नहीं ली गयी है। जी0एस0टी0 के अन्तर्गत 4 सौ 36 करोड़ 51 लाख तथा वैट के अन्तर्गत 3 सौ 99 करोड़ 64 लाख रुपये के रिफण्ड वर्ष में दिये गये हैं। जी0एस0टी0 के अन्तर्गत प्रदेश में 7 लाख 75 हजार नये पंजीयन हो चुके हैं। पंजीयन हेतु करयोग्य वार्षिक टर्नओवर की सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 40 लाख रुपये तक तथा 5 करोड़ रुपये तक टर्नओवर वाले व्यापारियों को मासिक रिटर्न के स्थान पर त्रैमासिक रिटर्न भरने की व्यवस्था आगामी वित्तीय वर्ष से की जा रही है। मुख्यमंत्री व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत पंजीकृत व्यापारियों हेतु बीमा राशि 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख प्रति व्यापारी कर दिया गया है। नेचुरल गैस पर वैट के अन्तर्गत अतिरिक्त कर की दर समाप्त कर दिये जाने से यूरिया के मूल्य कम हो गये हैं, जिसका लाभ किसानों को मिला है।

ग्राम्य विकास-

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत अब तक 11 लाख 53 हजार आवास स्वीकृत किये जा चुके हैं तथा 10 लाख 09 हजार आवास निर्मित कर लाभार्थियों को दिये जा चुके हैं। अवशेष आवास भी 31 मार्च, 2019 तक की निर्धारित अवधि में पूर्ण कर लिये जायेंगे। इस योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले 71 लाख आवास विहीन एवं कच्चे आवासों में निवास करने वाले परिवारों को पक्का आवास 31 मार्च, 2019 तक उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।

मान्यवर, उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2017-2018 में 7 लाख 71 हजार आवास पूर्ण कर आवास निर्माण में सम्पूर्ण भारत में उत्तर प्रदेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। भारत सरकार ने इस अभूतपूर्व प्रगति की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत भी किया है।

नगर विकास-

प्रधानमंत्री आवास योजना सबके लिए आवास (शहरी) मिशन के अन्तर्गत भारत सरकार ने ए0एच0पी0 के लिए 1 लाख 28 हजार 93 तथा बी0एल0सी0 के लिए 7 लाख 99 हजार 598 आवास स्वीकृत किये हैं। अटल नवीकरण एवं शहरी रूपांतरण मिशन (अमृत) योजना के अन्तर्गत प्रदेश के 60 शहरों को आच्छादित किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी योजना के अन्तर्गत नागरिक सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए 10 नगरों के विकास हेतु एक हजार 758 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं।

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)-

वर्तमान में कुल 12 हजार 7 वार्डों में से 11 हजार 791 वार्डों को ओ0डी0एफ0 किया जा चुका है। 635 नगर निकाय स्वघोषित ओ0डी0एफ0 हो चुके हैं। अब तक 8 लाख 32 हजार 46 व्यक्तिगत शौचालय बनाये जा चुके हैं। ऐसे परिवार जिनके घरों में स्थान उपलब्ध

नहीं हैं, उनके लिये अब तक कुल 30 हजार 419 सामुदायिक शौचालय सीटों तथा आम जनता की सुविधा के लिए सार्वजनिक स्थानों पर 28 हजार 42 सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कराया गया है।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)-

इस योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2018-19 में प्रदेश में कुल 97 लाख 30 हजार 877 व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराते हुए सभी जनपदों के 822 विकास खण्डों, 58 हजार 770 ग्राम पंचायतों एवं 97 हजार 641 गांवों को बेस लाइन सर्वे, 2012 के अनुरूप खुले में शौच से मुक्त कर दिया गया है। बेस लाइन सर्वे, 2012 के अतिरिक्त पात्र पाये जाने वाले परिवारों को विशेष अभियान चलाकर शौचालय की सुविधा से आच्छादित करने का कार्य किया जा रहा है।

मेट्रो परियोजनायें-

लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना फेज-1 'ए' के अन्तर्गत लगभग 23 किलोमीटर लम्बे नार्थ-साउथ कॉरिडोर का कार्य किया जा रहा है। यह कॉरिडोर चौधरी चरण सिंह अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से प्रारम्भ होकर मुंशी पुलिया पर समाप्त होगा। परियोजना के प्राथमिक सेक्शन ट्रांसपोर्ट नगर से चारबाग का व्यावसायिक संचालन 05 सितम्बर, 2017 को प्रारम्भ हो चुका है। सम्पूर्ण कॉरिडोर का संचालन, मुख्य मेट्रो संरक्षा आयुक्त से स्वीकृति प्राप्त होने पर, शीघ्र प्रारम्भ किया जायेगा।

गाजियाबाद मेट्रो रेल परियोजना का विस्तार किया जा रहा है। कानपुर, आगरा एवं मेरठ में मेट्रो रेल सेवा प्रारम्भ किये जाने हेतु भारत सरकार द्वारा निर्गत मेट्रो रेल नीति, 2017 के अनुसार डी0पी0आर0 तैयार कर अनुमोदन हेतु भारत सरकार को भेजी गयी है।

नोएडा से ग्रेटर नोएडा के मध्य 29 किलोमीटर की लम्बाई में मेट्रो रेल परियोजना का उद्घाटन 25 जनवरी, 2019 को किया गया।

सिंचाई-

विभिन्न नदी-नालों पर 523 तटबंधों का निर्माण किया गया है जिनकी कुल लम्बाई 3 हजार 868 किलोमीटर है। बाढ़ प्रभावित जनपदों में बाढ़ नियंत्रण एवं जलोत्सारण की कुल 223 परियोजनायें प्रगति पर हैं।

प्रदेश में विलुप्त हो रही नदियों के पुनर्जीवन एवं संरक्षण हेतु 08 नदियां चिन्हित की गयी हैं। प्रथम चरण में बरेली की अरिल, बदायूं की स्रोत, उन्नाव की सई, अयोध्या की तमसा, बस्ती की मनोरमा, वाराणसी की वरूणा तथा गोरखपुर की आमी नदी को शामिल किया गया है। राम गंगा मुख्य बांध एवं सैडिल बांध, कालागढ़ को स्वचालित कराया गया।

ऊर्जा-

प्रदेश में विद्युत आपूर्ति में भी रिकार्ड वृद्धि हुई है। चालू वित्तीय वर्ष में 20 हजार 62 मेगावाट पीक मांग की आपूर्ति की गयी। विद्युत मांग के अनुरूप पारेषण तंत्र की क्षमता को 92 हजार 556 एम0वी0ए0 से बढ़ाकर 1 लाख 14 हजार 157 एम0वी0ए0 किया गया है। साथ ही प्रदेश में नवम्बर, 2018 तक लगभग 43 हजार सर्किट किलोमीटर की विभिन्न क्षमताओं की पारेषण लाइनें स्थापित की गई हैं।

सौभाग्य योजना के अन्तर्गत दिसम्बर, 2018 तक प्रदेश के 74 लाख इच्छुक परिवारों को विद्युत संयोजन दिये जाने का लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है। बी0पी0एल0 परिवारों को

निःशुल्क बिजली संयोजन दिया जा रहा है तथा प्रदेश के सभी जनपदों में एण्टी थेफ्ट थाने स्थापित किये जा रहे हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष में दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के अन्तर्गत सभी राजस्व गांवों का विद्युतीकरण किया गया है। बिजली की बचत करने के लिए उजाला योजना के अन्तर्गत 3 करोड़ 40 लाख एल0ई0डी0 बल्ब वितरित कर उत्तर प्रदेश, देश में दूसरे स्थान पर रहा। इससे 900 मेगावाट बिजली की बचत भी हुई। प्रदेश के सभी विकास खण्डों में निजी नलकूपों के ऊर्जीकरण हेतु किसानों को शासकीय अनुदान का लाभ मिल रहा है।

वन एवं पर्यावरण-

विगत दो वर्षों में प्रदेश के वनावरण व वृक्षावरण में 676 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर व्यापक जन सहभागिता से एक दिन में 9 करोड़ 66 लाख पौधों का रिकार्ड रोपण किया गया। वन विभाग द्वारा अन्य विभागों के सहयोग से कुल 11 करोड़ 71 लाख पौधे रोपित किये गये। वर्ष 2019-20 में प्रदेशवासियों की सहभागिता व सहयोग से 22 करोड़ पौधे रोपित करने का लक्ष्य है। गंगा ग्रामों के समग्र विकास हेतु गंगा हरीतिमा अभियान चलाया गया।

सूचना प्रौद्योगिकी-

हमारी सरकार द्वारा प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रोजगार सृजन तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के उद्योगों की स्थापना के उद्देश्य से प्रदेश में आई0टी0 पार्कों की स्थापना किये जाने से 150 करोड़ रुपये के निवेश एवं लगभग 15 हजार रोजगार की सम्भावनायें हैं। शत-प्रतिशत ई-टेंडरिंग प्रणाली को लागू किया गया है। 206 शासकीय सेवाओं के संबंध में जनसेवा, लोकवाणी केन्द्र तथा ई-सुविधा के माध्यम से अब तक 15 करोड़ 50 लाख लोगों को लाभान्वित किया गया है। इन्वेस्टर्स समिट में इलेक्ट्रॉनिक तथा आई0टी0 क्षेत्र के निवेशकों द्वारा 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक निवेश के एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किये गये, जिससे लगभग डेढ़ लाख से अधिक व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा।

शिक्षा-

जन सामान्य की सुविधा के लिए प्रदेश के निजी विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों से ली जाने वाली फीस को विनियमित करने के लिए उत्तर प्रदेश स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम, 2018 लागू किया गया है।

प्रदेश में बेसिक शिक्षा के अधीन शासकीय तथा अशासकीय लगभग 2 लाख 65 हजार विद्यालय संचालित हैं। शैक्षिक सत्र 2018-19 में लगभग 9 करोड़ 43 लाख पाठ्य पुस्तकों तथा 2 करोड़ 34 लाख कार्य पुस्तिकाओं का वितरण कराया गया है। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2019-20 में बच्चों के चिन्हीकरण, पंजीकरण एवं नामांकन हेतु नवीन कार्यक्रम शारदा स्कूल हर दिन आयें संचालित किया है। शैक्षिक सत्र 2018-19 में परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में 41 हजार 556 सहायक अध्यापकों की भर्ती की गई है।

राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक के 10 हजार 768 एवं प्रवक्ता के 3 हजार 794 पदों पर भर्ती की कार्रवाई की जा रही है तथा अतिशीघ्र विद्यालयों में सहायक अध्यापक तथा प्रवक्ता उपलब्ध हो जायेंगे। शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के कुल 4 हजार 150 पदों का सृजन करते हुए 01 अप्रैल, 2018 से प्रारम्भ नवीन शैक्षिक सत्र से प्रदेश में 149 पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इण्टर कालेज संचालित किये गये हैं।

शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्र में 37 राजकीय इण्टर कालेजों में शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के कुल 851 पद सृजित करते हुए नवीन शैक्षिक सत्र में विद्यालय संचालित किये गये हैं।

उच्च शिक्षा विभाग में शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर एक हजार 566 पदों पर नियुक्तियां की गई हैं तथा निकट भविष्य में 315 पदों पर नियुक्तियां की जानी हैं।

समाज कल्याण-

समाज कल्याण के क्षेत्र में सरकार द्वारा विशेष रूप से अत्यन्त कल्याणकारी कार्यों को किया जा रहा है। अनुसूचित जाति के लगभग 25 हजार तथा सामान्य जाति के लगभग 8 हजार निर्धन परिवारों की पुत्रियों की शादी हेतु 66 करोड़ 31 लाख रुपये का अनुदान दिया गया।

राज्य सरकार द्वारा दिव्यांगजन भरण-पोषण अनुदान 300 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिमाह किया गया। गत वर्ष 9 लाख 40 हजार लाभार्थियों को इस योजना से लाभान्वित किया गया था। इस वित्तीय वर्ष में लगभग 38 हजार नये लाभार्थियों को इस योजना से लाभान्वित किया गया है।

सरकार द्वारा विधवा पेंशन हेतु आयु सीमा की बाध्यता समाप्त कर दी गयी है। इस वित्तीय वर्ष में गत वर्ष की तुलना में लगभग 2 लाख 63 हजार अधिक लाभार्थियों को इस योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया गया।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक 38 लाख 69 हजार पात्र वृद्धजनों को वृद्धावस्था पेंशन के अन्तर्गत लाभान्वित किया जा चुका है।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्रों के लिए 94 पंडित दीन दयाल राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय संचालित किये जा रहे हैं। यहां पर मैं, हमारी सरकार के सबका साथ, सबका विकास की भावना को इन शब्दों में व्यक्त करना चाहूंगा :-

सभी का साथ न होता हमारा धर्म, तो फिर,
हम एक दरिया से, छोटी सी झील हो जाते।

पर्यटन-

प्रदेश को पर्यटन की दृष्टि से विश्व स्तर पर लाये जाने के लिए सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन पर विशेष बल दिया जा रहा है। अयोध्या में दीपोत्सव का दिव्य आयोजन कर 'गिनीज बुक' में स्थान दर्ज कराया गया। गोरखपुर में स्थित पर्यटन स्थलों का विकास तथा रामगढ़ ताल में वाटर स्पोर्ट्स की व्यवस्था की जा रही है। आगरा एवं मथुरा क्षेत्र के विशिष्ट पर्यटन विकास हेतु विश्व बैंक के सहयोग से प्रो-पुअर पर्यटन योजना संचालित है, जिसमें 70 प्रतिशत व्यय विश्व बैंक द्वारा वहन किया जायेगा। जनपद सीतापुर में नैमिषारण्य स्थित मंदिरों के पर्यटन विकास कार्य हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2 करोड़ 17 लाख रुपये व्यय किया जा रहा है। वाराणसी में सांस्कृतिक केन्द्र, फिल्म सिटी तथा प्रवासी भारतीय भवन के निर्माण आदि हेतु वर्ष 2018-19 में अब तक लगभग 150 करोड़ रुपये व्यय किया गया है। मथुरा में प्राचीन काल के 50 ऐतिहासिक जलकुण्डों एवं तालाबों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। बरसाना में होली का भव्य आयोजन किया गया। गढ़ मुक्तेश्वर में सांस्कृतिक एवं प्राचीन धरोहरों को संरक्षित किये जाने का कार्य किया जा रहा है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य-

प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 2 हजार 205 चिकित्सकों की तैनाती के आदेश निर्गत किये गये तथा 4 हजार 31 नर्सों के रिक्त पदों को भरे जाने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में पहली बार 100 एडवान्स लाईफ सपोर्ट एम्बुलेन्स क्रियाशील की जायेंगी। प्रदेश में 2 हजार 329 उपकेन्द्रों एवं 750 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर के रूप में सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रदेश में सस्ते दर पर गुणवत्तापूर्ण औषधि उपलब्ध कराने हेतु राजकीय चिकित्सालयों में प्रथम चरण के अन्तर्गत 100 जन औषधि केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं।

प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में 5 जिला चिकित्सालयों का राजकीय मेडिकल कालेज के रूप में उच्चीकरण तथा 8 नये राजकीय मेडिकल कालेजों की स्थापना की कार्रवाई प्रगति पर है। प्रदेश में उच्चकोटि की शिक्षा एवं चिकित्सा हेतु गोरखपुर एवं रायबरेली में एम्स के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। ''आयुष्मान भारत, नेशनल हेल्थ प्रोटेक्शन मिशन'' के अन्तर्गत 1 करोड़ 18 लाख परिवारों के लगभग 06 करोड़ व्यक्तियों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये धनराशि तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा राजकीय एवं सूचीबद्ध निजी चिकित्सालयों के माध्यम से दी जा रही है।

लगभग 10 लाख 10 हजार ऐसे पात्र लाभार्थी जो किन्हीं कारणों से आयुष्मान भारत, नेशनल हेल्थ प्रोटेक्शन मिशन योजना की सुविधा से वंचित रह गये हैं, को इसी योजना की भांति लाभ प्रदान किये जाने हेतु राज्य सरकार द्वारा अपने संसाधनों से ''मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान'' से आच्छादित किया जायेगा जिसके लिए 111 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है।

परिवहन-

प्रदेश के सभी परिवहन कार्यालयों में वाहन-4 एवं सारथी-4 साफ्टवेयर लागू होने से लोगों को ऑन लाइन आवेदन फीस भुगतान की सुविधा प्रदान की जा रही है। बस सेवा से वंचित प्रदेश के 14 हजार 561 असेवित गांवों को बस सेवा से जोड़ा गया। प्रदेश के सभी संभागों में ऑन लाइन परमिट की शुरूआत करने वाला उत्तर प्रदेश, देश में दूसरा राज्य बना। प्रदेश तथा जम्मू एवं कश्मीर तथा हिमांचल प्रदेश के बीच बस संचालन हेतु परिवहन समझौता किया गया। अयोध्या से नेपाल स्थित जनकपुर के मध्य बस सेवा का शुभारम्भ किया गया।

अन्य विकासोन्मुख कार्य-

औद्योगिक विकास की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए 4 लाख 73 हजार किसानों द्वारा ऑन लाइन पंजीकरण कराया गया।

बाल श्रम उन्मूलन हेतु नया सवेरा योजना प्रारम्भ की गई, जिसके अन्तर्गत 18 हजार 376 बाल श्रमिकों को शिक्षा से जोड़ा गया। श्रमिकों के समग्र विकास के लिए अब तक 44 लाख 78 हजार निर्माण श्रमिकों का पंजीकरण कराया गया है। कार्यस्थल पर श्रमिक की मृत्यु की दशा में 5 लाख रुपये, स्थायी विकलांगता पर 3 लाख रुपये एवं आंशिक विकलांगता पर 2 लाख रुपये की सहायता दी जाती है। अब तक 867 रोजगार मेलों का आयोजन कर एक लाख से अधिक अभ्यर्थियों को रोजगार दिया गया।

प्रधानमंत्री जन-धन योजना के अन्तर्गत 4 करोड़ 87 लाख खाते खोले गये, जिसके सापेक्ष 3 करोड़ 85 लाख खातों हेतु रुपे डेबिट कार्ड निर्गत किये गये। मुद्रा योजना के अन्तर्गत 1 करोड़ 18 लाख लाभार्थियों को 51 हजार 650 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किये गये।

उत्तर प्रदेश दिवस पर हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री जी द्वारा रियो ओलम्पिक गेम्स में पदक विजेता पी0वी0 सिन्धु, साक्षी मलिक तथा दीपा करमाकर को एक-एक करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गयी। 14 विशिष्ट खिलाड़ी रानी लक्ष्मीबाई एवं लक्ष्मण पुरस्कार से सम्मानित किये गये।

वर्ष 2018-19 में वर्तमान में कार्यरत 6 हजार 587 सहकारी दुग्ध समितियों के माध्यम से प्रतिदिन 3 लाख 31 हजार किलोग्राम दूध का उपार्जन कर प्रतिदिन 1 लाख 80 हजार लीटर नगर क्षेत्र में दुग्ध विक्रय किया जा रहा है।

व्यापारियों एवं उद्यमियों की समस्याओं को चिन्हित करते हुए उनके निराकरण, सामाजिक सुरक्षा एवं बीमा संबंधी योजनाओं को लागू कराने, विभिन्न विभागों द्वारा लागू कानूनों, नियमों का समय-समय पर परीक्षण करने, परामर्श देने एवं सरलीकरण करने तथा व्यापारी कल्याण कोष की स्थापना किये जाने हेतु उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है। भारत सरकार के वाणिज्य कल्याण मंत्रालय के गठन की घोषणा से व्यापारियों को उससे सीधे जुड़कर अपनी समस्यायें रखकर समाधान पाने का एक मंच प्राप्त होगा।

बुन्देलखण्ड क्षेत्र की विशिष्ट प्राकृतिक संरचना, जल संसाधन का अभाव, कम उत्पादकता, अपर्याप्त अवस्थापना, आर्थिक एवं सामाजिक सुविधायें तथा निरन्तर प्राकृतिक आपदायें, जैसे सूखा आदि मुख्य समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए बुन्देलखण्ड क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति देने के लिए बुन्देलखण्ड विकास बोर्ड का गठन किया गया है।

पूर्वांचल क्षेत्र के समग्र विकास हेतु दिशा-निर्देश दिये जाने, सामाजिक आर्थिक विकास के अवरोधक तत्वों तथा कारणों को चिन्हित कर उनका निराकरण, प्राथमिकताओं को तय करने, सामाजिक एवं आर्थिक विकास की समग्र कार्य योजना बनाने आदि के लिए पूर्वांचल विकास बोर्ड का गठन किया गया है।

राज्य सरकार द्वारा हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए प्रदेश के कई शहर चयनित हुए हैं। कुशीनगर में एयरपोर्ट शीघ्र संचालित हो जायेगा। गौतमबुद्धनगर के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की स्थापना का कार्य किया जा रहा है।

राज्य की आय के संशोधित अनुमान के अनुसार प्रदेश की विकास दर स्थिर (2011-2012) भावों पर वर्ष 2017-2018 (संशोधित अग्रिम अनुमान) में 7 प्रतिशत आकलित हुई है।

राज्य आय के संशोधित अनुमान के अनुसार प्रदेश की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय वर्ष 2016-2017 में 50 हजार 92 रुपये आकलित हुई है जो वर्ष 2017-2018 में बढ़कर 55 हजार 456 रुपये हो गई है।

मान्यवर, अब मैं, प्रमुख विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं में प्रस्तावित बजट व्यवस्था का उल्लेख करना चाहूंगा :-

कानून व्यवस्था-

- प्रदेश के 36 नये थानों के निर्माण, पुलिसकर्मियों एवं पी0ए0सी0 के प्रशिक्षण क्षमता में विस्तार तथा पुलिसकर्मियों के लिए बैरक निर्माण हेतु 700 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पुलिस विभाग में टाईप-ए एवं टाईप-बी के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु 700 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में नवसृजित जनपदों में 07 पुलिस लाइनों के निर्माण हेतु 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में 57 फायर स्टेशनों पर आवासीय तथा अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पुलिस आधुनिकीकरण हेतु 204 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास-

- सरकारी क्षेत्र की बन्द पड़ी चीनी मिलों के पुनर्संचालन हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- सहकारी क्षेत्र की बन्द पड़ी चीनी मिलों को पी0पी0पी0 पद्धति से पुनर्संचालित किये जाने हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

कृषि एवं सहकारिता-

- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना हेतु 892 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- नेशनल क्रॉप इन्श्योरेंस प्रोग्राम हेतु 450 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- उर्वरकों के पूर्व भण्डारण योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2019-2020 के बजट में 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

कृषि विपणन-

- भण्डारण की व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए 40 मण्डी स्थलों में प्रत्येक 5 हजार मीट्रिक टन के भण्डार गृह राज्य भण्डारण निगम की पार्टनरशिप में निर्मित कराने का कार्य आरम्भ किया गया है।
- प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में लग रहे 500 हाट-पैठ का विकास 150 करोड़ रुपये की लागत से मण्डी परिषद् द्वारा कराये जाने का निर्णय लिया गया है।

कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान-

- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत 13 कृषि विज्ञान केन्द्रों के सुदृढ़ीकरण हेतु 36 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

- जनपद गोण्डा में कृषि महाविद्यालय (कैम्पस) की स्थापना हेतु निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

पशुपालन एवं दुग्ध विकास-

- प्रदेश में गौ वंश संवर्द्धन हेतु सरकार प्रतिबद्ध है। इस हेतु पशु पालन एवं दुग्ध विकास के अलावा अन्य विभागों का भी सहयोग लिया जा रहा है। प्रदेश में मदिरा की बिक्री पर विशेष फीस अधिरोपित की गई है जिससे प्राप्त होने वाले अनुमानित राजस्व 165 करोड़ रुपये का उपयोग प्रदेश के निराश्रित एवं बेसहारा गौ वंश के भरण-पोषण हेतु किया जायेगा।
- ग्रामीण क्षेत्रों में गौ वंश के रख-रखाव एवं गौशाला निर्माण कार्य हेतु 247 करोड़ 60 लाख रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- शहरी क्षेत्रों में कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना हेतु 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पं0 दीन दयाल उपाध्याय लघु डेयरी योजना के संचालन हेतु 64 करोड़ रुपये की व्यवस्था है, जिसके अन्तर्गत 10 हजार इकाइयों की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है।
- मथुरा में नई डेयरी की स्थापना हेतु 56 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- उत्तर प्रदेश दुग्ध नीति, 2018 के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों हेतु वित्तीय वर्ष 2019-2020 के बजट में 5 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- दुग्ध संघों तथा समितियों का सुदृढ़ीकरण, पुनर्गठन एवं विस्तारीकरण, कृषक प्रशिक्षण, तकनीकी निवेश, पशु प्रजनन तथा स्वास्थ्य कार्यक्रम योजनाओं हेतु 93 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

मत्स्य-

- मत्स्य पालक फण्ड हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मत्स्य पालक विकास अभिकरण को वित्तीय सहायता हेतु लगभग 8 करोड़ 82 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

ग्राम्य विकास-

- प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण हेतु वित्तीय वर्ष 2019-2020 के बजट में 6,240 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के क्रियान्वयन हेतु 3,488 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- बुन्देलखण्ड, विन्ध्य क्षेत्र एवं गुणता प्रभावित ग्रामों में पाईप पेयजल योजना हेतु 3,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम हेतु 2,954 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन हेतु 1,393 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण हेतु वित्तीय वर्ष 2019-20 के बजट में 429 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन हेतु 224 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2019-20 में 1008 करोड़ रुपये की धनराशि की व्यवस्था विकास कार्यों हेतु एवं 201 करोड़ 60 लाख रुपये की व्यवस्था जी0एस0टी0 के भुगतान हेतु प्रस्तावित है।

पंचायती राज-

- स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण हेतु 6,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अन्त्येष्टि स्थलों के विकास हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश की ग्राम पंचायतों में 750 पंचायत भवनों का निर्माण कराये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2019-20 के बजट में 14 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- कांजी हाउस की स्थापना एवं पुनर्निर्माण कराये जाने हेतु 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को खेल और रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रोत्साहित करने हेतु युवक मंगल दल योजना के लिए 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

लघु सिंचाई-

- निःशुल्क बोरिंग योजना हेतु 55 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मध्यम गहरे नलकूप योजना के अन्तर्गत 70 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश के पठारी क्षेत्रों में सिंचाई हेतु सामुदायिक ब्लास्ट कूपों के निर्माण तथा जीर्णोद्धार हेतु 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास-

- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे हेतु 1194 करोड़ रुपये, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे हेतु 1,000 करोड़ रुपये तथा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे हेतु 1,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के साथ डिफेन्स कॉरिडोर विकसित किये जाने के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु 500 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- आगरा-लखनऊ प्रवेश नियंत्रित 06 लेन एक्सप्रेस-वे (ग्रीन फील्ड) परियोजना के सुदृढ़ीकरण हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अवस्थापना एवं औद्योगिक निवेश नीति, 2012 के क्रियान्वयन हेतु 600 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- नई औद्योगिक नीति ''औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति, 2017'' हेतु 482 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन योजना, 2003 हेतु 120 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन योजना, 2012 हेतु 180 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग-

- एक जनपद एक उत्पाद योजना हेतु 250 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने हेतु मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश के परम्परागत कारीगरों यथा बढ़ई, दर्जी, टोकरी बुनकर, सुनार, लोहार, कुम्हार, हलवाई, नाई, मोची, राजमिस्त्री के उत्थान के लिए विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना प्रारम्भ की गई है जिसके लिए 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रोत्साहन नीति, 2017 के क्रियान्वयन हेतु 10 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग-

- पावरलूम बुनकरों को रियायती दर पर बिजली उपलब्ध कराये जाने हेतु 150 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- उत्तर प्रदेश हैण्डलूम, पावरलूम, सिल्क, टेक्सटाइल्स एण्ड गारमेन्टिंग पालिसी, 2017 हेतु 50 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

खादी एवं ग्रामोद्योग-

- मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना हेतु 5 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में मिट्टी के कार्य करने वाले शिल्पियों के परम्परागत व्यवसाय को नवाचार के माध्यम से संरक्षित एवं संवर्द्धित करने हेतु उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड का गठन किया गया है। माटी कला समन्वित विकास कार्यक्रम के संचालन हेतु 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य-

- ''आयुष्मान भारत नेशनल हेल्थ प्रोटेक्शन मिशन'' योजना हेतु 1,298 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना हेतु 291 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- आयुष्मान भारत नेशनल हेल्थ प्रोटेक्शन मिशन योजना की सुविधा से वंचित पात्र लाभार्थियों के लिए राज्य सरकार द्वारा अपने संसाधनों से मुख्य मंत्री जन आरोग्य अभियान से आच्छादित करने हेतु 111 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश के जनपदों में 100 शैय्यायुक्त चिकित्सालयों की स्थापना हेतु 47 करोड़ 50 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

चिकित्सा शिक्षा-

- प्रदेश के चिन्हित जिला चिकित्सालयों को मेडिकल कालेजों में उच्चीकृत किये जाने की योजना के अन्तर्गत 908 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के विभिन्न कार्यों हेतु 907 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जनपद बलरामपुर में किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के सेटेलाइट सेण्टर की स्थापना हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- संजय गांधी पी0जी0आई0, लखनऊ के विभिन्न कार्यों हेतु 854 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- डॉ0 राम मनोहर लोहिया संस्थान के विभिन्न कार्यों हेतु 396 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- ग्रामीण आयुर्विज्ञान संस्थान, सैफई हेतु 357 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- कैंसर संस्थान, लखनऊ के विस्तार एवं विकास हेतु 248 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- माननीय अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ की स्थापना हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में एक आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

नागरिक उड्डयन-

- प्रदेश में हवाई पट्टियों के निर्माण, विस्तार तथा सुदृढ़ीकरण हेतु 1000 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जेवर एयरपोर्ट हेतु भूमि अधिग्रहण के लिए 800 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अयोध्या में एयरपोर्ट हेतु 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- उत्तर प्रदेश नागर विमानन प्रोत्साहन नीति, 2017 तथा रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के अन्तर्गत वायुसेवा उपलब्ध कराये जाने हेतु 150 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

वन एवं पर्यावरण-

- इस वर्ष मनरेगा वित्त पोषित वृक्षारोपण की 3 नई योजनायें ''मुख्य मंत्री सामुदायिक वानिकी योजना'', ''मुख्यमंत्री फलोद्यान योजना'' एवं ''मुख्यमंत्री कृषक वृक्ष धन योजना'' प्रारम्भ की गई है।
- उत्तर प्रदेश प्रतिकारात्मक वनरोपण निधि प्रबन्ध योजना के क्रियान्वयन हेतु 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

राजस्व-

- वित्तीय वर्ष 2019-20 में प्रदेश के विभिन्न मण्डलों, जनपदों तथा तहसीलों के अनावासीय तथा आवासीय भवनों के चालू निर्माण कार्य, नवनिर्माण एवं पुनर्निर्माण तथा भूमि क्रय एवं भवनों के रख-रखाव हेतु 237 करोड़ 95 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- आपदा मोचन निधि में 1 हजार 820 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मुख्य मंत्री किसान एवं सर्वहित बीमा योजना हेतु 845 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

लोक निर्माण-

- वित्तीय वर्ष 2019-20 में लोक निर्माण विभाग के अधीन सड़कों के निर्माण हेतु 13,135 करोड़ रुपये की व्यवस्था तथा सड़कों के अनुरक्षण हेतु 3,522 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- पुलों के निर्माण एवं रख-रखाव हेतु 2,100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- ग्रामों तथा बसावटों को पक्के सम्पर्क मार्गों से जोड़ने हेतु विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत वर्ष 2019-20 में कुल 850 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अन्तर्राज्यीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित मार्गों एवं अन्य महत्वपूर्ण मार्गों का चौड़ीकरण तथा सुदृढ़ीकरण किया जाना है। इसके लिए वर्ष 2019-20 में 1,174 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वित्तीय वर्ष 2019-20 में केन्द्रीय मार्ग निधि योजना हेतु 2,010 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- विश्व बैंक की सहायता से प्रस्तावित उत्तर प्रदेश कोर रोड नेटवर्क परियोजना के अन्तर्गत मार्ग निर्माण कार्यों हेतु 350 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- एशियन डेवलपमेंट बैंक की सहायता से प्रस्तावित उत्तर प्रदेश मुख्य जिला विकास परियोजना के अन्तर्गत मार्ग निर्माण हेतु 614 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- नाबार्ड वित्त पोषित आर0आई0डी0एफ0 योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में मार्गों के नवनिर्माण, चौड़ीकरण तथा सुदृढ़ीकरण एवं सेतुओं के निर्माण हेतु 702 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- विशेष क्षेत्र कार्यक्रम के अन्तर्गत पूर्वांचल की विशेष योजनाओं हेतु 300 करोड़ रुपये तथा बुन्देलखण्ड की विशेष योजनाओं के लिए 200 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

सिंचाई-

- मध्य गंगा नहर योजना द्वितीय चरण हेतु 1,727 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना के कार्यों हेतु 1,812 करोड़ 56 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अर्जुन सहायक परियोजना हेतु 953 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- सरयू नहर परियोजना फेज-3 समादेश क्षेत्र विकास एवं जल प्रबन्ध कार्यक्रम हेतु 500 करोड़ रुपये तथा अर्जुन नहर परियोजना समादेश क्षेत्र विकास एवं जल प्रबन्ध कार्यक्रम हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- बाढ़ नियंत्रण एवं जल निकासी परियोजनाओं हेतु 1,100 करोड़ 61 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- कनहर सिंचाई परियोजना हेतु 500 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- बाणसागर परियोजना हेतु 122 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

आवास एवं शहरी नियोजन-

- अवस्थापना सुविधाओं के विकास संबंधी कार्यों हेतु 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- कानपुर मेट्रो रेल परियोजना तथा आगरा मेट्रो रेल परियोजना हेतु 175-175 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वाराणसी, मेरठ, गोरखपुर, प्रयागराज एवं झांसी में मेट्रो रेल परियोजनाओं के प्रारम्भिक कार्यों हेतु 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरीडोर रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजना हेतु 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

नगर विकास-

- प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी हेतु 5,156 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अमृत योजना हेतु 2,200 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- स्मार्ट सिटी मिशन योजना हेतु 2,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- स्वच्छ भारत मिशन, शहरी योजना हेतु 1,500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मुख्य मंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना हेतु 426 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पंडित दीन दयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना हेतु 200 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

नियोजन-

- बुन्देलखण्ड की विशेष योजनाओं के लिए वर्ष 2019-2020 मे रुपये 810 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- त्वरित आर्थिक विकास योजना के लिए 1,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

बेसिक शिक्षा-

- समग्र शिक्षा अभियान हेतु 18 हजार 485 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम हेतु 2,275 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क 01 जोड़ी जूता, 02 जोड़ी मोजा तथा 01 स्वेटर उपलब्ध कराये जाने हेतु 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क यूनीफॉर्म वितरण हेतु 40 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वनटांगिया ग्रामों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना हेतु 5 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वित्तीय वर्ष 2019-20 में स्कूल बैग वितरण हेतु 110 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- उत्तर प्रदेश में कक्षा 3 से संस्कृत शिक्षा प्रदान की जाती है। वर्तमान वर्ष में परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत लगभग 7 हजार शिक्षकों को उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के सहयोग से वाग् व्यवहार में संस्कृत सम्बन्धी प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

माध्यमिक शिक्षा-

- सैनिक स्कूलों की स्थापना हेतु 26 करोड़ 57 लाख रुपये की व्यवस्था की गयी है।
- राजकीय इण्टर कालेजों (बालक तथा बालिका) की स्थापना हेतु 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है।
- प्रदेश के युवाओं को हमारी प्राचीन परम्पराओं से जोड़ने के लिए संस्कृत की शिक्षा को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है। इस हेतु संस्कृत पाठशालाओं को सहायक अनुदान उपलब्ध कराये जाने के लिए 242 करोड़ रुपये की व्यवस्था तथा सहायता प्राप्त संस्कृत विद्यालयों एवं महाविद्यालयों को अनुदान हेतु 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

उच्च शिक्षा-

- समस्त कालेजों एवं विश्वविद्यालयों में वाई-फाई की सुविधा योजना हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अन्तर्गत विभिन्न कार्यों हेतु 160 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में ''गुरूश्री गोरक्षनाथ शोधपीठ'' की अवस्थापना मदों के लिए 63 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में अटल सुशासन पीठ की स्थापना हेतु 2 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- माननीय अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में डी0ए0वी0 कालेज, कानपुर में सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना हेतु 5 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- सहारनपुर में विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- संस्कृत की उच्च शिक्षा हेतु काशी विद्यापीठ को अनुदान दिये जाने के लिए 21 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय हेतु 21 करोड़ 51 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

प्राविधिक शिक्षा-

- भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, लखनऊ की स्थापना पी0पी0पी0 मोड के अन्तर्गत की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2019-20 के बजट में इस हेतु 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जनपद मिर्जापुर एवं प्रतापगढ़ में इंजीनियरिंग कालेजों की स्थापना हेतु क्रमशः 8 करोड़ रुपये एवं 4 करोड़ रुपये की धनराशि की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- हरकोर्ट बटलर प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के सुदृढ़ीकरण एवं विकास हेतु 11 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

महिला एवं बाल कल्याण-

- मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं शिक्षा के स्तर में वृद्धि करने तथा उनके भविष्य को उज्जवल बनाने तथा महिलाओं के प्रति सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने एवं उनके प्रति सम्मान भाव जागृत करने के उद्देश्य से आगामी वित्तीय वर्ष से कन्या सुमंगला योजना लाई जा रही है। इसके लिए 1200 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पुष्टाहार कार्यक्रम हेतु 4,004 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- निराश्रित विधवाओं के भरण-पोषण तथा उनके बच्चों की शिक्षा हेतु अनुदान की मद में 1,410 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

- आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को मानदेय के भुगतान हेतु 1,988 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- नेशनल न्यूट्रिशन मिशन हेतु 335 करोड़ रुपये तथा शबरी संकल्प अभियान हेतु 200 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- किशोरी बालिका योजना हेतु 156 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- महिला सम्मान कोष हेतु 103 करोड़ 70 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

समाज कल्याण-

- विभिन्न वर्गों के निर्धन छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना हेतु कुल 4,433 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है, जिसमें अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं हेतु 2037 करोड़ रुपये, पिछड़ा वर्ग हेतु 1516 करोड़ रुपये, सामान्य वर्ग हेतु 850 करोड़ रुपये तथा अनुसूचित जनजाति हेतु 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था सम्मिलित है।
- वृद्धावस्था तथा किसान पेंशन योजना के अन्तर्गत 2,579 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- उत्तर प्रदेश में गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवारों के पुत्रियों की शादी हेतु सभी वर्गों के लिए मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना हेतु 250 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के अन्तर्गत 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण-

- शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2019-20 के बजट में 600 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

अल्पसंख्यक कल्याण-

- अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना हेतु 942 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अरबी-फारसी मदरसों के आधुनिकीकरण हेतु 459 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

दिव्यांगजन कल्याण-

- दिव्यांगों को भरण-पोषण अनुदान हेतु 621 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

- कुष्ठावस्था विकलांग भरण-पोषण अनुदान हेतु 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मानसिक, मंदित आश्रय गृह स्थापित कराये जाने की योजना है। तीन केन्द्र स्थापित हैं तथा 07 केन्द्रों की स्थापना हेतु 18 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

मैं, सदन को अवगत कराना चाहूंगा कि सरकार आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशा बहुओं, ग्राम प्रहरियों, प्रान्तीय रक्षकों और मिड-डे-मील योजना के अन्तर्गत रसोइयों का मानदेय पुनरीक्षित करने पर विचार कर रही है।

धर्मार्थ कार्य-

- जनपद वाराणसी स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर विस्तारीकरण योजना के क्रियान्वयन हेतु श्री काशी विश्वनाथ विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद् का गठन किया गया है। गंगा घाट से विश्वनाथ मंदिर तक मार्ग के विस्तारीकरण एवं सौन्दर्यीकरण हेतु 207 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में ''वैदिक विज्ञान केन्द्र'' की स्थापना हेतु 16 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

संस्कृति-

- मथुरा-वृन्दावन के मध्य ऑडिटोरियम के निर्माण हेतु 8 करोड़ 38 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- सार्वजनिक रामलीला स्थलों में चाहरदीवारी निर्माण हेतु 5 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वृन्दावन शोध संस्थान के सुदृढ़ीकरण हेतु 1 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

पर्यटन-

- उत्तर प्रदेश बृज तीर्थ में अवस्थापना सुविधाओं हेतु 125 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अयोध्या के प्रमुख पर्यटन स्थलों के समेकित विकास हेतु 101 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- गढ़ मुक्तेश्वर के पर्यटन स्थलों के समेकित विकास हेतु 27 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पर्यटन नीति, 2018 के क्रियान्वयन हेतु 70 करोड़ रुपये तथा प्रो-पुअर टूरिज्म के लिए 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- वाराणसी में लहरतारा तालाब, कबीर स्थल एवं गुरू रविदास की जन्मस्थली सीरगोवर्धनपुर का सुदृढ़ीकरण किया जाना प्रस्तावित है।
- प्रयागराज में ऋषि भारद्वाज आश्रम एवं श्रृंगवेरपुर धाम का विकास किया जाना प्रस्तावित है।
- विन्ध्याचल एवं नैमिषारण्य का विकास किया जाना प्रस्तावित है।
- बौद्ध परिपथ में सारनाथ, श्रावस्ती, कुशीनगर, कपिलवस्तु, कौशाम्बी एवं संकिसा का विकास किया जाना प्रस्तावित है।
- शाकुम्भरी देवी एवं शुक्रताल का विकास किया जाना प्रस्तावित है।
- राजापुर चित्रकूट में तुलसी पीठ का विकास किया जाना प्रस्तावित है।
- बहराइच में महाराजा सुहेलदेव स्थल एवं चित्तौरा झील का विकास किया जाना प्रस्तावित है।
- लखनऊ में बिजली पासी किले का विकास किया जाना प्रस्तावित है।

न्याय-

- प्रदेश के नवसृजित जनपदों एवं नवसृजित न्यायालयों में आवासीय एवं अनावासीय भवनों के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु 1,075 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में मल्टीलेवेल पार्किंग एवं एडवोकेट चैम्बर के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2019-2020 के बजट में 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के उपयोगार्थ कांफ्रेंस हाल के निर्माण हेतु घनराशि की व्यवस्था बजट में प्रस्तावित है।
- वाणिज्यिक विवादों के शीघ्र निस्तारण हेतु कामर्शियल कोर्ट्स के संचालन के लिए 10 करोड़ 86 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

मान्यवर, विभागवार महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों हेतु आय-व्ययक में की गई व्यवस्थाओं का विवरण प्रस्तुत करने के पश्चात् इन पंक्तियों के साथ मैं, राजकोषीय सेवाओं का विवरण प्रस्तुत कर रहा हूं :-

हम ऐसा दरिया हैं जो एक-एक कतरे का,
कोई भी मांग ले, सारा हिसाब दे देंगे।

राजकोषीय सेवायें-

राज्य वस्तु एवं सेवा कर तथा मूल्य संवर्धित कर-

राज्य वस्तु एवं सेवा कर तथा मूल्य संवर्धित कर से राजस्व प्राप्ति का अनुमान 77 हजार 640 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है।

आबकारी शुल्क-

आबकारी शुल्क से राजस्व प्राप्ति का अनुमान 31 हजार 517 करोड़ 41 लाख रुपये है।

स्टाम्प एवं पंजीकरण-

स्टाम्प एवं पंजीकरण से 19 हजार 179 करोड़ रुपये की प्राप्ति अनुमानित है।

वाहन कर-

वाहन कर से 7 हजार 863 करोड़ रुपये की प्राप्ति अनुमानित है।

वित्तीय वर्ष 2019-2020 के बजट अनुमान-

मान्यवर, अब मैं, वित्तीय वर्ष 2019-2020 के बजट अनुमानों के बारे में प्रमुख बिन्दुओं का उल्लेख करना चाहूंगा :-

- प्रस्तुत बजट का आकार 04 लाख 79 हजार 701 करोड़ 10 लाख रुपये (4,79,701.10 करोड़ रुपये) है, जो वर्ष 2018-2019 के बजट के सापेक्ष 12 प्रतिशत अधिक है।
- बजट में 21 हजार 212 करोड़ 95 लाख रुपये (21,212.95 करोड़ रुपये) की नई योजनायें सम्मिलित की गई हैं।

प्राप्तियां-

- वर्ष 2019-2020 में 04 लाख 70 हजार 684 करोड़ 48 लाख रुपये (4,70,684.48 करोड़ रुपये) की कुल प्राप्तियां अनुमानित हैं।
- कुल प्राप्तियों में 03 लाख 91 हजार 734 करोड़ 40 लाख रुपये (3,91,734.40 करोड़ रुपये) की राजस्व प्राप्तियां तथा 78 हजार 950 करोड़ 08 लाख रुपये (78,950.08 करोड़ रुपये) की पूंजीगत प्राप्तियां सम्मिलित हैं।
- राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व का अंश 02 लाख 93 हजार 39 करोड़ 17 लाख रुपये (2,93,039.17 करोड़ रुपये) है। इसमें स्वयं का कर राजस्व 01 लाख 40 हजार 176 करोड़ रुपये (1,40,176 करोड़ रुपये) तथा केन्द्रीय करों में राज्य का अंश 01 लाख 52 हजार 863 करोड़ 17 लाख रुपये (1,52,863.17 करोड़ रुपये) सम्मिलित है।

व्यय-

- कुल व्यय 04 लाख 79 हजार 701 करोड़ 10 लाख रुपये (4,79,701.10 करोड़ रुपये) अनुमानित है।

- कुल व्यय में 03 लाख 63 हजार 957 करोड़ 04 लाख रुपये (3,63,957.04 करोड़ रुपये) राजस्व लेखे का व्यय है तथा 01 लाख 15 हजार 744 करोड़ 06 लाख रुपये (1,15,744.06 करोड़ रुपये) पूंजी लेखे का व्यय है।

राजस्व बचत-

- वर्ष 2019-2020 में 27 हजार 777 करोड़ 36 लाख रुपये (27,777.36 करोड़ रुपये) की राजस्व बचत अनुमानित है।

राजकोषीय घाटा-

- वित्तीय वर्ष 2019-2020 में 46 हजार 910 करोड़ 62 लाख रुपये (46,910.62 करोड़ रुपये) का राजकोषीय घाटा अनुमानित है जो वर्ष 2019-2020 के लिए अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 2.97 प्रतिशत है।
- राज्य की ऋणग्रस्तता सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 29.98 प्रतिशत अनुमानित है।

समेकित निधि-

- समेकित निधि की प्राप्तियों से कुल व्यय घटाने के पश्चात् 09 हजार 16 करोड़ 62 लाख रुपये (9,016.62 करोड़ रुपये) का घाटा अनुमानित है।

लोक लेखा-

- लोक लेखे से 09 हजार 500 करोड़ रुपये (9,500 करोड़ रुपये) की शुद्ध प्राप्तियां अनुमानित हैं।

समस्त लेन-देन का शुद्ध परिणाम-

- वर्ष 2019-2020 में समस्त लेन-देन का शुद्ध परिणाम 483 करोड़ 38 लाख रुपये (483.38 करोड़ रुपये) अनुमानित है।

अन्तिम शेष-

- वर्ष 2019-2020 में प्रारम्भिक शेष 08 हजार 225 करोड़ 47 लाख रुपये (8,225.47 करोड़ रुपये) को हिसाब में लेते हुए अन्तिम शेष 8 हजार 708 करोड़ 85 लाख रुपये (8,708.85 करोड़ रुपये) होना अनुमानित है।

मान्यवर, मैं, माननीय मुख्यमंत्री जी एवं माननीया वित्त राज्य मंत्री जी तथा मंत्रि-परिषद् के अपने सभी माननीय सदस्यों का अत्यन्त आभारी हूं कि उनके सहयोग एवं परामर्श से तथा सभी विभागों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सहायता से बजट प्रस्तुत करने में सक्षम हो सका हूं। मैं, अपर मुख्य सचिव, वित्त एवं वित्त आयुक्त और वित्त विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति अपना आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने इस बजट को तैयार करने में बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया है।

मान्यवर, राजकोषीय अनुशासन को ध्यान में रखते हुए आय-व्ययक अनुमान तथा यथार्थपरक् लक्ष्य तय किये गये हैं। हमने घोटालों, घपलों और भ्रष्टाचार से मुक्त सरकार दी है। उस अमावस के अभेद्य अन्धकार को हमने अपनी पूर्णिमा की उज्जवलता से समाप्त किया है। अपने कालजयी पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहरी वाजपेयी जी के विचार-कन्धे से कन्धा लगाकर, कदम से कदम मिलाकर हमें अपनी जीवन यात्रा को ध्येय सिद्धि के शिखर तक ले जाना है, का अनुसरण कर रहे हैं। हम अपना कर्तव्यापालन कर रहे हैं, हमारी सफलता सुनिश्चित है। प्रदेश की जनता ने तीव्र विकास, बदलाव तथा पारदर्शिता की स्थापना के लिए सत्ता सौंपी है। हमें सेवा का अवसर मिला है और हम निष्पक्षता तथा सिद्धान्तप्रियता का परिचय दे रहे हैं।

मैं, वित्तीय वर्ष 2019-2020 के आय-व्ययक के प्रस्तुतीकरण का समारोप निम्न पंक्तियों से कर रहा हूँ :-

लहरों को साहिल की दरकार नहीं होती,
हौसला बुलन्द हो तो कोई दीवार नहीं होती,
जलते हुए चिराग ने आँधियों से ये कहा,
उजाला देने वालों की कभी हार नहीं होती।
वन्दे मातरम्

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्यों द्वारा मेजें थपथपायी गयीं)

श्री राजेश अग्रवाल-

मा0 अध्यक्ष जी, बजट में पिछली बार नेता प्रतिपक्ष ने बहुत अच्छे-अच्छे कटाक्ष किए थे, मैं आपके माध्यम से उनके स्वास्थ्य की कामना करता हूँ और चाहता हूँ कि वह फिर से उसी बुलन्द आवाज में बोलें। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

लेकिन आपने बजट मे कोई प्राविधान नेता प्रतिपक्ष के स्वास्थ्य के लिए नहीं किया है।

श्री राजेश अग्रवाल-

मान्यवर, ईश्वर न करें ऐसा हो लेकिन आगे से ध्यान रखूँगा।

श्री अध्यक्ष-

नेता प्रतिपक्ष क्या आप कोई शेर सुनायेंगे ?

[12.07] नेता प्रतिपक्ष द्वारा व्यंगात्मक टिप्पणी

नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

नहीं मान्यवर शेर नहीं सुनाऊँगा किन्तु मा0 वित्त मंत्री जी को मैं बधाई देना चाहता हूँ कि जितना मूर्ख देश की जनता को केन्द्रीय बजट के माध्यम से बनाया गया है उससे दुगना मूर्ख आपने प्रदेश की जनता को अपने बजट के माध्यम से बनाया है।

(विपक्ष की ओर से मेजे थपथपायी गयीं)

श्री राजेश अग्रवाल-

इसीलिए शायद आप मेज थपथपा रहे थे।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

हां, यह तो पूरे प्रदेश का बजट है। मैंने मेज थपथपायी है, क्या आपने कभी मेज थपथपायी है और जैसी आपकी आकांक्षा थी वैसा मैं बोला भी हूँ लेकिन कल जब मैं बोल रहा था तो डाक्टर साहब टेलीविजन देख रहे थे उसी दौरान उन्होंने किसी से लिख कर भिजवाया कि ज्यादा मत बोलिये, तेज आवाज में मत बोलिए, धीमे बोलिए। इसलिए मैं तेज आवाज में तो नहीं बोलूँगा लेकिन धीमी आवाज में अपकी बात का जवाब जरूर दूँगा...

[12.09] औचित्य के प्रश्न की सूचनायें

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 07 फरवरी, 2019 को नियम-300 के अन्तर्गत दो सूचनायें प्राप्त हुईं हैं। एक सूचना श्री प्रभुनारायण सिंह यादव तथा श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा की है और दूसरी सूचना श्री रितेश पाण्डेय की है। श्री रितेश पाण्डेय जी, आपकी सूचना बजट से संबंधित है। कृपया पहले आप अपनी बात संक्षेप में रख दीजिये।

***श्री अजय कुमार 'लल्लू'-**

माननीय अध्यक्ष जी, मुझे पहले सुन लीजिये। मेरी सूचना बहुत महत्वपूर्ण है।

श्री अध्यक्ष-

श्री रितेश पाण्डेय जी अपनी बात कहने के लिए खड़े हो गये हैं। लल्लू जी, कृपया आप अभी बैठिये।

बजट को सरल तरीके से समझने हेतु केरल एवं राजस्थान की भांति बजट एट ए ग्लान्स या बजट इन ब्रीफ बनाने के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न

श्री रितेश पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे नियम-300 की सूचना पर बोलने का अवसर दिया है। सदन में बजट पेश होते ही माननीय वित्त मंत्री जी द्वारा विधान सभा सदस्यों एवं आम नागरिकों को आय-व्ययक प्रस्तुतीकरण की समग्र जानकारी पुस्तकों द्वारा कराई जाती है, जो आय-व्ययक प्रस्तुत करने और समझने की प्रक्रिया को बहुत जटिल एवं दिग्भ्रमित बना देता है। आय-व्ययक की प्रमुख जानकारियों को सरल तरीके से माननीय सदस्यों एवं आम नागरिकों को समझने के लिए ''आय-व्ययक एक दृष्टि में'' नामक विवरणिका विस्तृत एवं पूर्ण बनाने की आवश्यकता है ताकि आय-व्यय स्रोतों एवं महत्वपूर्ण विभागों की प्रमुख योजनाओं पर होने वाले व्यय की जानकारी माननीय सदस्य एवं आमजन को मिल सके। मान्यवर, बजट बड़े धूमधाम से पेश किया जाता है और सरकार के एजेण्डे के नजरिये से पेश किया जाता है।

श्री अध्यक्ष-

आपका विषय आ गया है और आपका सुझाव सुन्दर है।

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री रितेश पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, बस दो मिनट में अपनी बात समाप्त करता हूं। अभी तक केरल और राजस्थान में 'बजट-एट ए ग्लान्स' और 'बजट इन ब्रीफ' नामक दो डाक्युमेण्ट निकाले जाते हैं जिसको यहां पर भी लागू करना चाहिये। इसमें बहुत पारदर्शी तरीके से डेटा रखा जाता है। इस सदन में डिबेट की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए 'बजट-एट ए ग्लान्स' नामक डाक्युमेण्ट यहां पर भी प्रस्तुत होना चाहिये जिससे आय-व्ययक की तुलना बहुत अच्छे तरीके से विगत वर्षों से की जा सके। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपसे इस पर व्यवस्था चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष-

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, माननीय सदस्य के सुझाव पर आप क्या कहना चाहेंगे।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, बजट पर सभी स्टेट सदस्यों को खूब बोलने का मौका मिलेगा। यह सूचना नियम-300 के अन्तर्गत आती नहीं आती है। इसलिये मैं समझता हूं कि इसको अग्राह्य किया जाये।

श्री रितेश पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरा सूचना सदन की कार्यवाही के बारे में है। यह नियम-300 में आता है। जो डाक्युमेण्ट माननीय सदस्यों को दिये जाते हैं वह कार्य-संचालन के अन्तर्गत ही आते हैं।

श्री अध्यक्ष-

यह नियम-300 में नहीं आता है। नियमावली में आप नियम-300 को पढ़ लीजिये। इस सदन के कार्य-संचालन से जुड़े नियम अथवा संविधान के वह अनुच्छेद जो सदन के कार्य संचालन से संबंधित हों, वह इसमें आयेंगे। आपका सुझाव अच्छा है और सरकार इस पर विचार कर लेगी।

नियम-300 में अगली सूचना श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा और श्री प्रभु नारायण सिंह यादव की है।

श्री अजय कुमार 'लल्लू'-

माननीय अध्यक्ष जी, कृपया मेरी बात को सुन लीजिये।

श्री अध्यक्ष-

आप अपनी बात किस नियम के अंतर्गत रखना चाहते हैं।

श्री अजय कुमार 'लल्लू'-

मान्यवर, यह नियम-311 के अंतर्गत है। यह बड़ा गम्भीर विषय है और सात लोगों की मृत्यु जहरीली शराब पीने से हो गई है।

श्री अध्यक्ष-

नियम-311 तो इस समय प्रतिबन्धित है। श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा जी अपनी बात कहने के लिए खड़े हो गये हैं। पहले उनको सुन लेने दीजिये।

मा0 सदस्यों के क्षेत्र का विकास कार्य कराये जाने हेतु स्वीकृत 5 करोड़ रुपये पक्ष व विपक्ष को समान रूप से स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न

***श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा-**

माननीय अध्यक्ष जी, प्रदेश की प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में जैसा कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने सदन के बाहर सूचना दी थी कि पांच करोड़ रुपये के विकास के काम कराये जायेंगे। मैं आपके माध्यम से यह अनुरोध करना चाहता हूं कि सत्ता पक्ष के स्टेट विधायकों के प्रस्ताव पर उनके क्षेत्र में काम स्वीकृत कर दिये गये हैं लेकिन विपक्ष के विधायकों के प्रस्ताव पर उनके काम स्वीकृत नहीं किये जा रहे हैं।

मान्यवर, हम सभी लोग इस सदन के मेम्बर हैं और हम लोग अपने-अपने क्षेत्र से चुनकर आते हैं। हमें लग रहा है कि हम लोगों को दोहरे तौर पर देखा जा रहा है। हम लोग विधायक हैं, चुनकर आते हैं। क्षेत्र की जनता की अपेक्षाएं हर मा0 सदस्य से हैं, इसलिए आपसे हमारा अनुरोध है कि यह औचित्य का प्रश्न है।

श्री अध्यक्ष-

यह विषय कल भी आया था। कल तो आप इसमें कह चुके थे।

नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

मान्यवर, यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। संसदीय कार्य मंत्री जी भी इस चीज के गवाह रहे हैं कि हम लोग भी तीन बार सत्ता में रहे हैं। मुख्य मंत्री मा0 मुलायम सिंह यादव जी के साथ दो बार और श्री अखिलेश यादव जी के साथ एक बार, लेकिन मुख्य मंत्री जी की जो भी घोषणा सदस्यों के लिए हुई है उसमें कभी भेद नहीं किया गया है। अगर सत्ता पक्ष को दिया गया है तो विपक्ष को भी दिया गया है। यह पहली बार हो रहा है। हमारी भी सरकार में सड़कें दी जाती थीं। हैंडपाइप दिये जाते थे तो वह सबको दिये जाते थे और इनका नारा है कि ''सबका साथ, सबका विकास''। मान्यवर, हम लोगों से अधिकारी कह रहे हैं कि आप जाकर जिलाध्यक्ष से अलग से लिखवा लाइए। क्या हम विपक्ष के लोग इतने गये-गुजरे हो गये हैं कि हम लोग जाकर भाजपा के अध्यक्ष से कहेंगे कि हमारे क्षेत्र में सड़क दे दीजिए। हम लोगों को डूबकर मर जाना अच्छा होगा क्योंकि आदमी अपनी जमींर को नहीं खो सकता है, लेकिन यह भेदभाव उचित नहीं है। अध्यक्ष जी आप भी इस सदन के सदस्य हैं और आपके क्षेत्र में तो हो गया होगा। आप सबके अध्यक्ष हैं और इस तरह से विसंगति न हो आप पूरे सदन के सदस्यों को अपने क्षेत्र में पांच करोड़ रुपये दे दें तथा भाजपा के सदस्यों को अपने क्षेत्र में पांच करोड़ दे दें। मान्यवर, आपसे मेरा निवेदन हैं और संसदीय कार्यमंत्री जी भी इस पर सहमत होंगे कि किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, यह सदन की नियमावली नहीं है।

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

आप इनको सुन लीजिए।

***श्री लालजी वर्मा-**

मान्यवर, विधान सभा में अलग से यह बजट लिया गया है कि प्रत्येक विधान सभा में 5 करोड़ रुपये सड़क के लिए बजट पास किया जाए। लोक निर्माण विभाग के पास यह कोई अलग से विभागीय बजट नहीं है और जब अलग से पास कराया गया है तो जब सभी विधान सभाओं के लिए पास कराया गया तो 325 विधान सभाओं में केवल विधायक चयन करें और बाकी जो शेष बचता है तो उसमें विधायक न चयन करें उस योजना को। वह किसी पार्टी का जिलाध्यक्ष चयन करे या सांसद चयन करे।

श्री अध्यक्ष-

आप यह पहले कह चुके हैं।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, यह दो तरह की व्यवस्था करने का जो प्रयास किया गया है यह निश्चित रूप से पहली बार इस तरह का भेदभाव करने का यह निर्णय लिया गया है। चूंकि विधान सभा ने यह बजट पास किया है और हर विधान सभा के लिए पास किया है, इसलिए आपसे निवेदन है कि आप इस पर कार्यवाही करा दें।

श्री अध्यक्ष-

सबका विषय आ गया है। यह जरूरी नहीं है कि इस पर सभी दलों के नेता बोलें।

श्री अजय कुमार 'लल्लू'-

मान्यवर, मेरी भी सुन लीजिए।

श्री अध्यक्ष-

इस पर सभी दलों के नेता बोलें यह जरूरी नहीं है। आपकी बात आ गयी है आप बैठ जाइए।

श्री अजय कुमार 'लल्लू'-

मान्यवर, मैं आपसे आग्रह करूंगा कि यह 5 करोड़ रुपया हम सब लोगों को भी दिया जाए।

***श्री सुरेश कुमार खन्ना-**

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान कृपापूर्वक नियम-300 की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। नियम-300 में जैसाकि अभी आपने दोहराया भी कि सदन का कार्य विनियमित होता हो तो मान्यवर, सदन का कार्य तो इससे विनियमित होता नहीं है। संविधान के किसी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं हुआ है और तीसरी बात यह है कि जो बात इसी सदन में एक बार आ चुकी हो उसको दोबारा लिया नहीं जा सकता। आपका कृपापूर्वक इस पर संरक्षण चाहते हैं। रही बात इनकी कि यह 2022 में आ रहे हैं। मान्यवर, सपने देखना बुरी बात नहीं है। लेकिन

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

ऐसा सपना जो हमारी चैन और नींद दोनों हराम कर दे वह नहीं देखना चाहिए। 2014 में इनकी सरकार थी, 2012 में इनकी सरकार बनी। 2014 में 73 एम0पी0 आये। तब इन्होंने सबक नहीं सीखा और उसका परिणाम यह हुआ कि 325 आ गये। और मान्यवर, अबकी बार इससे ज्यादा आने वाले हैं। अबकी बार सारे रिकार्ड टूटने वाले हैं। 2019 में जिस दिन केंद्र सरकार का बजट आया है उस दिन से गठबंधन की तो हवा निकल गयी है। गठबंधन बिलों में घुसा जा रहा है। अब तो पता ही नहीं चल रहा कि गठबंधन गया कहॉं। मान्यवर, यह नियम 300 में नहीं आता। इसलिए इसको अग्राहय किया जाये।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय खन्ना जी जब भाजपा के विधान मण्डल दल के नेता थे तो यही सपना देखते थे। आप लोग कहते थे कि हम लोग आयेंगे तो यह करेंगे। आपका सपना पूरा हो गया। तो आप यह कैसे कह सकते हैं कि मैं विधान मण्डल दल का नेता हूं तो मेरा सपना पूरा नहीं होगा। जबकि आप 2014 में और 2017 में घनघोर बेईमानी से आये। आप लोग गठबंधन से इतना भयभीत हैं कि जो पूरे देश में इस बात की चर्चा थी कि जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी सभी दलों में बोलचाल में बढ़िया, चालचरित्र में बढ़िया इनको माना जाता था। लेकिन गठबंधन ने इनको ऐसा मिर्ची कर दिया है कि कौन नेता कब क्या बोल रहा है सारी राजनीतिक मर्यादाओं को इन लोगों ने तोड़ दिया। चोर, डकैत यह कहना कोई राजनीति भाषा है। हम सब राजनीति में काम करते हैं और इस देश का दुर्भाग्य है कि एक पार्टी दूसरी पार्टी को गाली देने में इस स्थिति में आ गयी है कि हम बस, ट्रेन में चलेंगे तो जनता हम लोगों को गाली देने पर मजबूर होगी । गठबन्धन के विषय में दो-चार मंत्री भाजपा के नेताओं, अध्यक्ष के द्वारा जिन शब्दों का प्रयोग किया गया है चाहे प्रियंका गांधी के विषय में जिन शब्दों का प्रयोग किया गया है।

श्री अध्यक्ष-

आप विषय घुमा रहे हैं।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मान्यवर, इन्होंने ही शुरू किया था। मान्यवर, 05 करोड़ रुपया सड़क पर देने की जो बात है तो इसको सबको बराबर से दीजिए। इधर और उधर सबका विकास हो। मा0 अध्यक्ष जी, आप इसको किसी तरह से करवाइये।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, मेरा अनुरोध है कि इस विषय पर आप अपने चैम्बर में एक बैठक बुला लें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है। इस पर सहमति है। यह सुझाव ठीक है।

श्री अजय कुमार 'लल्लू'-

मान्यवर, नियम-311 में मेरा सुन लें।

श्री अध्यक्ष-

हम लोगों ने तय किया था कि 311 नहीं लेंगे।

[12.24] आज नियम-311 के अन्तर्गत लाई गई सूचना तमकुहीराज में जहरीली शराब पीने से हुई मृत्यु में मृतक आश्रितों को मुआवजा दिये जाने व दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की मांग

***श्री अजय कुमार 'लल्लू'-**

अध्यक्ष महोदय, बहुत महत्वपूर्ण विषय है। हमारे विधान सभा क्षेत्र तमकुहीराज में तरया थाने के अंतर्गत 07 लोग जहरीली शराब पीने से मर गये।

मान्यवर, अवध पुत्र उम्र 50 वर्ष चैन पट्टी, हीरालाल उम्र 35 वर्ष चैन पट्टी, गेंदा उम्र 45 वर्ष चैन पट्टी, चंचल जो बेदूपार के रहने वाले हैं और आज सुबह दो घटनायें हुई हैं रामवृक्ष पुत्र शिववचन बेदूपार खलवाटोला, विजय प्रकाश पुत्र विक्रम प्रसाद उम्र 50 वर्ष जो खैरटिया के निवासी हैं। हमने पूर्व में 02 जनवरी को मा0 मुख्य मंत्री जी को लिखित में दिया था और आगाह भी किया था कि जहरीली शराब की बिक्री जोरों पर है और कभी-भी इस तरह की घटना सामने आ सकती है। जनपद-आजमगढ़ में भी इसी तरह की घटना हो चुकी है। यह पूरी घटना पुलिस की संलिप्तता में हुई है और पुलिस की संलिप्तता के बिना अवैध शराब की बिक्री नहीं हो सकती है। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि तमकुहीराज की जो सी0ओ0, इंस्पेक्टर हैं उनके खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज करते हुए सस्पेंशन की कार्यवाही करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये और साथ-ही-साथ जिन लोगों की जान गई है उन लोगों को 50-50 लाख रुपये का मुआवजा घोषित करे और जो लोग अभी अस्पतालों में भर्ती हैं उनके इलाज की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का काम करें।

***संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

मा0 अध्यक्ष जी अभी सदन के समक्ष मा0 नेता कांग्रेस ने एक विषय उठाया है हम आपके माध्यम से पूरे सदन को आश्वस्त करना चाहते हैं कि किसी भी हालत में हम किसी को बचाना नहीं चाहेंगे। पोस्टमार्टम की जांच-रिपोर्ट में जो भी आयेगा अगर वह मौतें इसकी वजह से हुई हैं जैसा कि आपने बताया है तो निश्चित रूप से कार्रवाई करने में कोई कोर-कसर नहीं रहेगी, जो भी दोषी पाये जायेंगे उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी और यदि पुलिस की संलिप्तता पाई जाती है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जायेगी।

श्री अध्यक्ष-

अब तो पूरी बात आ गई है, अजय जी आप विषय को न बढ़ायें। अब तो पुलिस के बारे में भी बात आ गई है, कृपया आप बैठ जायें।

श्री अजय कुमार 'लल्लू'-

मान्यवर, उन लोगों को सरकार की तरफ से कुछ सहयोग अनुदान प्राप्त किया जायेगा ?

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

अजय जी बात हो गई है, उन्होंने कह दिया है।

[12.26] नियम-301 के अन्तर्गत सूचनायें

श्री अध्यक्ष-

अब मैं नियम-301 की सूचनायें लेता हूं।

आज कुल 29 सूचनायें प्राप्त हुईं। जिसमें 20 माननीय सदस्यों की सूचनायें स्वीकार की गयीं।

पहली सूचना डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल की गोरखपुर विकास प्राधिकरण द्वारा लोहिया इन्क्लेव फेज-1 योजना में निजी विल्डर्स से भी निचले स्तर पर जाकर नागरिकों से छल-कपट और धोखाधड़ी की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना श्रीमती राजबाला की जनपद रामपुर के तहसील शाहबाद के कतिपय गांवों में बांध बनाये जाने के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री प्रभात कुमार वर्मा की जनपद गोण्डा में राजकीय महाविद्यालय एवं महिला महाविद्यालय की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्री प्रेम सागर पटेल की जनपद महाराजगंज के आई0पी0एल0 चीनी मिल, सिसवां का चीनी कोटा बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में है, पांचवीं सूचना श्री जवाहर लाल राजपूत की जनपद झांसी के विधान सभा क्षेत्र गरौठा में एरच के पास डिफेन्स कॉरीडोर को बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस से जोड़े जाने के सम्बन्ध में है, छठी सूचना डा0 डी0 सी0 वर्मा की जनपद बरेली की धामपुर चीनी मिल में बाहर से आने वाले गन्ने पर रोक लगाये जाने के सम्बन्ध में है, सातवीं सूचना प्रिंस वीर विक्रम सिंह की जनपद शाहजहांपुर के विकास खण्ड जैतीपुर व मदनापुर के अन्तर्गत कतिपय ग्राम पंचायतों में विद्युत उपकेन्द्र स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में है, आठवीं सूचना श्री जगन प्रसाद गर्ग की आगरा महानगर अन्तर्गत दयालबाग के नगला बूढ़ी में श्री मोहन आनन्द से श्री धर्मपाल बघेल के आवास तक सड़क एवं नाली की मरम्मत एवं निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, नवीं सूचना श्री रजनीकांत मणि त्रिपाठी की जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र कुशीनगर में प्रधानमंत्री आवास योजना में हो रहे भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है, दसवीं सूचना श्री शैलेन्द्र यादव ''ललई'' की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज अन्तर्गत बुढ़ूपुर, नरेन्द्रपुर व सबरहद में पूर्व स्वीकृत सब-स्टेशनों का निर्माण कार्य प्रारम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में है, ग्यारहवीं सूचना श्री सत्यवीर त्यागी की जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र किठौर के ग्राम हसनपुरकला के नाले की मरम्मत एवं चौड़ी कराये जाने के सम्बन्ध में है, बारहवीं सूचना डा0 सतीश चन्द्र द्विवेदी की जनपद सिद्धार्थनगर के ब्लाक भनवापुर में राजकीय कन्या इण्टर कालेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में है, तेरहवीं सूचना श्री राहुल प्रकाश की जनपद मिर्जापुर के विकास खण्ड छानबे में ग्राम चतुरिया में कर्णावती नदी पर रपटा का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौदहवीं सूचना श्रीमती कृष्णा पासवान की जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र खागा के कतिपय मार्गों का सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, पन्द्रहवीं सूचना श्री राम अचल राजभर की जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड अकबरपुर के कुर्की बाजार के न्यू टाण्डा सब-स्टेशन से विद्युत सप्लाई सुचारु रूप से कराये जाने के सम्बन्ध में है, सोलहवीं सूचना श्री जटा शंकर त्रिपाठी की जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के अन्तर्गत अति गरीब मुसहर परिवार की जमीन भू-माफियाओं द्वारा मुक्त कराये जाने

के सम्बन्ध में है, सत्रहवीं सूचना श्री मसूद अख्तर की जनपद सहारनपुर के ब्लाक पुवांरका के ग्राम मदनपुरा से ग्राम गाठेडा रजबहे के पुल तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, अट्ठारहवीं सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज में बाईपास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, उन्नीसवीं सूचना श्री पवन कुमार उर्फ पवन केडिया की जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा में वृद्ध, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन वितरण में की जा रही धांधली से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है तथा बीसवीं सूचना श्री बृजेश कुमार की जनपद उन्नाव के ब्लाक औरास में अग्निशमन केन्द्र की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में है।

(सदन की सहमति से सभी स्वीकृत सूचनायें पढ़ी हुई मानी गई।)

निम्न माननीय सदस्यों की सूचनायें अस्वीकार कर दी गयी :-

1-श्री कारिन्दा सिंह,

2-श्री आनन्द स्वरूप शुक्ल,

3-श्री मूलचन्द्र सिंह निरंजन,

4-श्री नफीस अहमद,

5-श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा,

6-श्री संजय प्रताप जायसवाल,

7-श्री आजाद अरिमर्दन,

8-डा0 हरगोविन्द भार्गव तथा

9-श्री नरेश सैनी।

गोरखपुर विकास प्राधिकरण द्वारा लोहिया इन्क्लेव फेज-1 योजना में निजी बिल्डर्स से भी निचले स्तर पर जाकर नागरिकों से छल-कपट और धोखाधड़ी की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल-

[मान्यवर, पूरे प्रदेश में विकास प्राधिकरणों की स्थापना इस उद्देश्य से की गई है कि वे नगरो, महानगरों के विकास की सुनिश्चित योजना बनायेंगे, योजना के तहत आवासीय क्षेत्रों में कालोनियां विकसित करने वाले निजी विल्डर्स पर नियमानुसार नियंत्रण स्थापित करेंगे तथा आवश्यकतानुसार प्राधिकरण की कालोनियां भी विकसित कर सकेंगे। यह उम्मीद की जाती है कि प्राधिकरणों के द्वारा स्वयं विकसित कालोनियां विकास प्राधिकरणों पर लागू सभी नियमों का पालन सुनिश्चित करेगी।

गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने मई, 2015 में लोहिया इन्क्लेव फेज-1 कालोनी के नाम से विज्ञापन दिया और ब्रोश्योर प्रकाशित करके नागरिकों को सब्जबाग दिखाये और नागरिकों से करीब रु0 150 करोड़ वसूल लिये। मई, 2017 में इस कालोनी को नागरिकों को हैण्डओवर किया जाना था, लेकिन जनवरी, 2019 तक ये निर्माणाधीन हैं।

ब्रोश्योर में नागरिकों से वायदा किया गया था कि यह कालोनी चहारदीवारी से युक्त होगी, सड़कों के दोनों ओर पैदल चलने के लिए इण्टरलाकिंग पटरियां होंगी, दिखाये गये स्थलों पर पार्क होंगे, हर परिवार के लिये मानक के अनुसार पार्किंग प्लाट में निश्चित स्थान होगा, मकानों की पूर्व घोषित डिजाइन होगी, 11×6 फिट की कवर्ड बालकनी होगी, उच्च गुणवत्ता के बुडेन निर्माण होंगे।

लेकिन जब आवंटी अपने-अपने आवास देखने पहुंचे तो अपने को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। प्राधिकरण के अधिकारियों एवं अभियन्ताओं ने नागरिकों के साथ निजी बिल्डर्स से भी अधिक धोखाधड़ी और छल-कपट किया है।

कालोनी में चारों ओर से चहारदीवारी ही नहीं है। सड़कों के दोनों ओर की इण्टरलॉकिंग पटरियां गायब हैं, पार्किंग लाट की जमीनों में चार कमरे बनाकर इन्हें बेचा जा रहा है, ब्रोश्योर के विरुद्ध एक पूरे पार्क को पानी की टंकियों में बदल दिया गया, अधिकांश मकानों की बालकनी छोटे साइज की है और किसी भी बालकनी को कवर्ड नहीं किया गया। उच्च गुणवत्ता के बुडेन वर्क की हालात यह है कि मकानों में कोई लकड़ी का काम ही नहीं है। जो लकड़ी के दरवाजे लगाये गये हैं, उनकी प्लाई इतनी खराब है कि अभी ही फूल गई हैं।

शासनादेश के अनुरूप नागरिकों द्वारा पैसे पर प्राधिकरण को मई, 2017 के व्याज देना चाहिए था। लेकिन उल्टा चोर कोतवाल को डांटे की तरह प्राधिकरण आवंटियों को ब्याज देने की जगह 4 लाख रुपये मांग रही है।

अतः लोक महत्व के इस सुनिश्चित तथा अविलम्बनीय विषय पर उत्तर प्रदेश कार्य प्रक्रिया नियमावली के नियम-301 के तहत सदन के पटल पर वक्तव्य रखने हेतु निर्देशित करें।]

जनपद रामपुर के तहसील शाहाबाद में कतिपय गांवों में बांध बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती राजबाला-

[मान्यवर, अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र 38, मिलक, जनपद रामपुर की तहसील शाहबाद के ग्राम मढ़ोली, वीसरा, जौलपुर, जौलपुर की मण्डयया, घनश्यामपुर, वहपुरी, नानकार मण्डईया कली, खिरका, गौसमपुर, मझरा, गोविन्दपुरा, खिरका, सालेपुर, सोना, नवाबगंज, सूरजपुर, घोसीपुरा, सूपा, मदारपुर, मथुरापुर, मतवाली, विचपुरी, बुढ़पुर, असालतपुर, रेवड़ी किरा, दीपपुर, मंसुरपुर, कूप सादरा, ववनपुरी, पैगपुरा, चकफैटी, चमरौल, रामपुर, किशनपुर, वेहरूआ, ललवारा, चन्द्रापुर, जटपुरा, किशनपुर, सागरपुर, छोटा चन्दपुरा, भंया नंगला, पैपपुर, भापतपुर, जानकपुर, बूढ़पुर, निस्वी, निस्वा, रजौड़ा, नरखेड़ा, नरखेड़ी, पटरिया आदि में बाढ़ आ जाती है जिससे किसानों की फसलें बर्बाद हो जाती हैं। जनहित में उक्त स्थनों पर बांध बनवाया जाना नितान्त आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोकमहत्व के इस अविलम्बनीय विषयक की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई की मांग करती हूं।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद गोण्डा में राजकीय महाविद्यालय एवं महिला महाविद्यालय की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रभात कुमार वर्मा-

[मान्यवर, अवगत कराना है कि राजकीय महाविद्यालय एवं महिला महाविद्यालय की स्थापना कराने के सम्बन्ध में गोण्डा देवीपाटन मण्डल मुख्यालय होने के कारण बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले जिससे गरीब के बच्चे भी गोण्डा में ही रहकर शिक्षा प्राप्त कर सकें। मण्डल मुख्यालय पर उच्च शिक्षा के लिए राजकीय महाविद्यालय नहीं है। जनहित में मण्डल मुख्यालय पर राजकीय महाविद्यालय एवं महिला महाविद्यालय की स्थापना कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व/जनहित के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद महाराजगंज के आई0पी0एल0 चीनी मिल, सिसवां का चीनी कोटा बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रेम सागर पटेल-

[मान्यवर, जनपद महराजगंज के विधान सभा क्षेत्र 317, सिसवां अन्तर्गत आई0पी0एल0 चीनी मिल में किसानों का पिछला भुगतान न हो पाने के कारण चीनी का कोटा कम कर दिया गया है। जिससे किसानों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आई0पी0एल0 चीनी मिल को किसान प्रति माह 18 करोड़ का गन्ना दे रहा है जबकि चीनी का कोटा 2.5 करोड़ है जिससे मिल को भुगतान करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, सिसवां चीनी मिल में चीनी का ओवर स्टाक है जिससे किसानों को गन्ना का भुगतान नहीं हो पा रहा है, चूंकि जितना चीनी का उठान होगा उसका 85% भुगतान किसानों के गन्ने का होगा। जब तक चीनी की उठान का कोटा नहीं बढ़ेगा तब तक किसान को गन्ने का भुगतान नहीं बढ़ेगा। अतः आई0पी0एल0 चीनी का कोटा बढ़ाया जाये जिससे मिल चीनी बेच कर गन्ना किसानों का भुगतान हो सके।

आपके माध्यम से इस सम्मानित सदन का ध्यान अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर आई0पी0एल0 चीनी मिल, सिसवां का चीनी का कोटा तत्काल बढ़ाये जाने हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट कराये जाने की मांग करता हूं।]

जनपद झांसी के विधान सभा क्षेत्र गरौठा में एरच के पास डिफेन्स कॉरीडोर को बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे से जोड़े जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री जवाहर लाल राजपूत-

[मान्यवर, आपको अवगत कराना है कि जनपद झांसी के गरौठा विधान सभा में एरच के पास डिफेंस कॉरिडोर का निर्माण प्रस्तावित है। उक्त कॉरिडोर को यदि बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे (जो कि दिल्ली से चित्रकूट को जोड़ रहा है) से जोड़ दिया जाये तो पूरे बुन्देलखण्ड क्षेत्र को इसका लाभ मिलेगा तथा डिफेंस कॉरिडोर को व्यवसाय में लाभ होगा। उक्त कॉरिडोर को बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे से कनेक्ट किया जाना जनहित में आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई करने की मांग करता हूं।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद बरेली की धामपुर चीनी मिल में बाहर से आने वाले गन्ने पर रोक लगाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डा0 डी0 सी0 वर्मा-

[मान्यवर, सादर अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र 119, मीरगंज, बरेली की धामपुर चीनी मिल, मीरगंज में क्षेत्र के बाहर का गन्ना ट्रालों के द्वारा लाया जाता है, जोकि जनहित में बाहरी गन्ने को रोका जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्ब लोक महत्व के इस महत्वपूर्ण विषय पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद शाहजहांपुर के विकास खण्ड जैतीपुर व मदनापुर के अन्तर्गत कतिपय ग्राम पंचायतों में विद्युत उपकेन्द्र स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

प्रिन्स वीर विक्रम सिंह-

[मान्यवर, अवगत कराना है कि जनपद शाहजहांपुर की 131, कटरा विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत विकास खण्ड जैतीपुर व मदनापुर में विद्युत पावर स्टेशन स्थापित है। जिसकी दूरी 35 कि0मी0 से भी अधिक होने के कारण कई ग्राम पंचायतों के ग्रामवासियों को आये दिन विद्युत फॉल्ट होने के कारण विद्युत आपूर्ति में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत समस्या से इस क्षेत्र के कृषकों को अपनी फसल की सिंचाई करने के लिए समय से विद्युत आपूर्ति नहीं हो पा रही है और छात्रों को भी समय से बिजली आपूर्ति के अभाव में पठन-पाठन में असुविधा हो रही है। मेरे द्वारा जनहित में ग्राम पंचायत, मरेना, ग्राम पंचायत अमरेड़ी या ग्राम पंचायत खमरिया में विद्युत उपकेन्द्र की स्थापना हेतु कई बार जिला प्रशासन से लेकर शासन स्तर तक के उच्चाधिकारियों को लिखित व मौखिक शिकायत करने के बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। अतः जनहित में उपरोक्त ग्राम पंचायतों में से किसी एक ग्राम पंचायत में विद्युत सब-स्टेशन की स्थापना कराया जाना अति आवश्यक है। इस विद्युत सब-स्टेशन की स्थापना न होने से क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय जनता की लोक महत्व के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूं।]

आगरा महानगर के अन्तर्गत दयालबाग के नगला बूढ़ी में श्री मोहन आनन्द से श्री धर्मपाल बघेल के आवास तक सड़क एवं नाली की मरम्मत एवं निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री जगन प्रसाद वर्मा-

[मान्यवर, आगरा महानगर दयालबाग के नंगला बूढ़ी में श्री मोहन आनन्द के आवास से लेकर श्री धर्मपाल बघेल के आवास तक सड़क व नाली जर्जर है। बारिश के समय में यहां पानी भर जाता है। जिससे यहां के नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण यहां की जनता में भारी रोष है। जनहित में इस सड़क व नाली बनाना अति आवश्यक है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर दयालबाग के नंगला बूढ़ी में श्री मोहन आनन्द के आवास से लेकर श्री धर्मपाल बघेल के आवास तक की जर्जर सड़क व नाली का निर्माण कराने की मांग करता हूं।]

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र कुशीनगर में प्रधानमंत्री आवास योजना में हो रहे भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी-

[मान्यवर, सरकार द्वारा विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्हीं योजनाओं में से एक प्रधानमंत्री आवास योजना है। उक्त योजना सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के भ्रष्टाचार एवं उदासीनता के कारण धरातल पर यथारूप में कार्यान्वित नहीं हो पा रही है। जैसे कि मेरे विधान सभा क्षेत्र कुशीनगर में नगर पालिका अध्यक्ष, सभासदों एवं सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा गलत तरीके से 4000 लोगों का आवास के लिए सर्वे करा लिया गया। इस विषय में स्थानीय स्तर पर डूडा के परियोजना अधिकारी को जानकारी देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिससे स्थानीय जनता में भारी आक्रोश एवं निराशा व्याप्त है। उक्त प्रकरण में पूर्व की सूची को निरस्त कर पारदर्शी तरीके से सर्वे कराकर पात्र लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना की सर्वे सूची में शामिल किया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सराकर का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई करने की मांग करता हूं।]

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज के अन्तर्गत बुढ़ूपुर, नरेन्द्रपुर व सबरहद में पूर्व स्वीकृत सब-स्टेशनों का निर्माण कार्य प्रारम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री शैलेन्द्र यादव ''ललई''-

[मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र शाहगंज, जनपद जौनपुर के अन्तर्गत 33/11 सब-स्टेशन, बुढ़ूपुर व 33/11 सब-स्टेशन, पट्टी नरेन्द्रपुर व 33/11 सब स्टेशन, सबरहद जो पूर्व की सरकार में स्वीकृत किया गया था और कार्य भी शुरू हो गया था, परन्तु अभी तक उसे चालू नहीं कराया गया है, जिससे स्थानीय लोगों को असुविधा हो रही है और बार-बार उक्त तीनों सब-स्टेशनों को चालू किये जाने की मांग हो रही है।

अतः मैं इस अविलम्बनीय लोक महत्व के प्रश्न पर सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए सम्बन्धित तीनों सब-स्टेशनों को चालू कराये जाने की कार्रवाई की मांग करता हूं।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र किठौर के ग्राम हसनपुरकला के नाले की मरम्मत एवं चौड़ीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सत्यवीर त्यागी-

[मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र 46, किठौर, जनपद मेरठ के अन्तर्गत ग्राम हसनपुर कलां में एक टूटा-फूटा नाला बना हुआ है जिसमें पानी की निकासी नहीं है जिस कारण से गांव का गन्दा पानी इस नाले में भर जाता है तथा बरसात का पानी भी इसी नाले में भर जाता है। पानी की निकासी न होने के कारण इस नाले में जमा पानी में मच्छर व गन्दगी हो जाती है जिससे आस-पास के ग्रामवासियों का जीवन नरकीय बन गया है। जनहित में ग्राम हसनपुर कलां में आमकार के मकान से अंगुरी देवी के मकान तक लगभग 62 मीटर लम्बा व चौड़ाई नियमानुसार बनाया जाना नितान्त आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद सिद्धार्थनगर के ब्लाक भनवापुर में राजकीय कन्या इण्टर कालेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डा0 सतीश चन्द्र द्विवेदी-

[मान्यवर, सूच्य है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र 305, इटवा, जनपद सिद्धार्थनगर के भनवापुर ब्लाक के अन्तर्गत लड़कियों की शिक्षा के लिए कोई कन्या इण्टर कालेज नहीं है। यहां एक राजकीय कन्या इण्टर कालेज खोलने से भनवापुर ब्लाक के गांवों की लड़कियों को सुविधा प्राप्त होगी। अभी इन क्षेत्रों की लड़कियों को दूरस्थ स्थानों पर शिक्षा के लिए जाना पड़ता है। जनहित/छात्राओं के हित में भनवापुर विकास खण्ड के ग्राम तरहर में एक राजकीय कन्या इण्टर कालेज खोला जाना अति आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस महत्वपूर्ण विषय पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए राजकीय कन्या इण्टर कालेज खोले जाने हेतु कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद मिर्जापुर के विकास खण्ड छानबे में ग्राम चतुरिया में कर्णावती नदी पर रपटा का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राहुल प्रकाश-

[मान्यवर, मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र छानबे में विकास खण्ड छानबे में ग्राम चतुरिया में कर्णावती नदी के आर-पार जाने के लिए कोई रपटा न होने के कारण लगभग 20 गांव का आवागमन बाधित रहता है। रपटा का निर्माण न होने से जनता को 40 किमी0 की दूरी तय करके अपने गन्तव्य को जाना पड़ता है। कर्णावती नदी पर रपटा के निर्माण हो जाने से क्षेत्रीय जनता को मात्र 5 किमी0 की दूरी तय करके अपने गन्तव्य को पहुंच जायेंगे। जिससे क्षेत्रीय जनता को आवागमन में काफी सुविधा होगी। यहां की जनता की कई वर्षों से मांग है कि उक्त स्थल पर रपटा का निर्माण कराया जाय। यह जनहित का प्रकरण है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः इस लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए विकास खण्ड छानबे में ग्राम चतुरिया में कर्णानदी पर रपटा के निर्माण कराये जाने की मांग करता हूं।]

जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र खागा के कतिपय मार्गों का सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती कृष्णा पासवान-

[मान्यवर, जनपद फतेहपुर मे विधान सभा क्षेत्र खागा अन्तर्गत खागा-दामपुर मार्ग से भुरसण्डी गांव तक लम्बाई लगभग 7 किलोमीटर व रछपालपुर-बिछियावान मार्ग लम्बाई लगभग 8 किलोमीटर एवं विजयीपुर-धाता मार्ग लिखयी से दामपुर मार्ग तक लगभग 7-8 कि0मी0 हाईवे से टेनी होकर असोथर विजयीपुर मार्ग अति महत्वपूर्ण मार्ग है जिनकी चौड़ाई 03 मीटर है अत्यन्त व्यस्त रहते हैं जो सकरा होने के कारण लगातार दुर्घटनाएं होती रहती है जिनका चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए वक्तव्य की मांग करती हूं।]

जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड अकबरपुर के कुर्की बाजार के न्यू टाण्डा सब-स्टेशन से विद्युत सप्लाई सुचारु रूप से कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम अचल राजभर-

[मान्यवर, जिला अम्बेडकर नगर की विधान सभा क्षेत्र 281, अकबरपुर के विकास खण्ड अकबरपुर के अन्तर्गत कुर्की बाजार में न्यू टाण्डा 220 के0वी0 का विद्युत पारेषण स्थापित किया गया है, उक्त विद्युत पारेषण केन्द्र में 33/11 के0वी0ए0 का विद्युत सब-स्टेशन की स्थापना के समय संस्तुति की गयी थी कि उक्त विद्युत सब-स्टेशन के 03 कि0मी0 के क्षेत्र के दायरे में जो गांव आते हैं। उनमें 24 घण्टे विद्युत सप्लाई उक्त सब-स्टेशन से की जायेगी, परन्तु उक्त क्षेत्र में स्थित गांवों में उक्त विद्युत सब-स्टेशन से विद्युत सप्लाई नहीं की जा रही है, जिससे क्षेत्रीय जनता को अत्यधिक परेशानी हो रही है। उक्त समस्या के निदान हेतु सरकार से कई बार अनुरोध किया गया है, परन्तु अभी तक क्षेत्रीय जनता की समस्या का समाधान नहीं किया गया है, जिससे क्षेत्रीय जनमानस में अत्यधिक आक्रोश व्याप्त है।

अस्तु इस सम्मानित सदन का ध्यान एक अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।]

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के अन्तर्गत अति गरीब मुसहर परिवार की जमीन भू-माफियों से मुक्त कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री जटा शंकर त्रिपाठी-

[मान्यवर, खड्डा विधान सभा क्षेत्र में भू-माफियाओं द्वारा बोधी छापर, नरकहवा, छितौनी, कठाई भरपुरवा, पनियहवाय, मठिया, रामपुर गोनहा, हरपुरमाफी, बंधवा, विंध्याचलपुर, मठिया खुर्द, मरचहवा, शिवपुर, हरिहरपुर, भैसहा, बुलहवा आदि दर्जनों गांवों के गरीब मुसहर

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

परिवार, जिनको आज भी दो वक्त की रोटी की व्यवस्था करना एक बड़ी चुनौती है। ऐसे गरीब परिवार के लोगों की जमीन को भू-माफियाओं द्वारा अपने दबंगई के बल पर आज भी अवैध कब्जा जमाये हुए हैं।

महोदय ऐसे भू-माफियाओं से गरीब मुसहर परिवार की जमीन को मुक्त कराने के लिए प्रशासन को निर्देश देने की कृपा करें। जिससे भू-माफियाओं से गरीब मुसहर परिवार की जमीनों को मुक्त कराया जा सके।]

जनपद सहारनपुर के ब्लाक पुवांरका के ग्राम गदनपुरा से ग्राम गाठेडा रजबहे के पुल तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मसूद अख्तर-

[मान्यवर, जनहित में अविलम्बनीय लोकमहत्व के विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र 04, सहारनपुर के ब्लाक पुवांरका के ग्राम गदनपुरा से ग्राम आजमपुरा होते हुए ग्राम गाठेडा राजबहे के पुल तक सड़क का निर्माण नहीं होने से यहां के लोगों को अत्यधिक कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है। जनहित में उक्त सड़क का निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है।

अतः लोकमहत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उक्त प्रकरण पर शीघ्र कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद जौनपुर के विधान सभ क्षेत्र शाहगंज में बाईपास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

[मान्यवर, आपको अवगत कराना है कि जनपद जौनपुर की 365, शाहगंज विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत शाहगंज में बाईपास (सुल्तानपुर रोड से आजमगढ़ रोड होते हुए जौनपुर रोड की तरफ) न होने की वजह से जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। शाहगंज में अकबरपुर, आजमगढ़, वाराणसी, सुल्तानपुर, इलाहाबाद इत्यादि जगहों के लोगों का आना-जाना पड़ता है। शाहगंज बाजार जिसकी आबादी लगभग 26 हजार है, वहां के लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। व्यापार में भी प्रभाव पड़ता है। लगभग 3 से 4 घण्टा रोजाना जाम से जूझना पड़ता है। जिसमें कई मरीज, छात्र, किसान एवं अन्य परेशान होते हैं। जनहित में उक्त बाईपास का निर्माण कार्य किया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए उक्त सड़कों का नव निर्माण किये जाने हेतु कार्रवाई करने की मांग करता हूं।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा में वृद्ध, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन वितरण में की जा रही धांधली से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री पवन कुमार उर्फ पवन केडिया-

[मान्यवर, जनपद कुशीनगर के हाटा विधान सभा क्षेत्र में वृद्ध, विधवा व दिव्यांग पेंशन वितरण में धांधली हो रही है। पिछले एक वर्ष से समस्त औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद भी सम्बन्धित के खाते में पेंशन की राशि नहीं पहुंच रही है। विकास खण्ड और जिले के अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा पात्र जनों को बार-बार दौड़ाया जा रहा है। सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ न मिलने से जनता में असन्तोष व्याप्त है।

अतः नियम-301 के तहत लोकमहत्व के इस विषय पर सम्मानित सदन का ध्यानाकर्षण कराते हुए कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद उन्नाव के ब्लाक औरास में अग्निशमन केन्द्र की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री बृजेश कुमार-

[मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र मोहान, 164 के अन्तर्गत जनपद उन्नाव के ब्लाक औरास में अग्निशमन केन्द्र की कोई व्यवस्था नहीं है। औरास ब्लाक बहुत ही पिछड़े अंचल में स्थित है। यह मुख्यालय से दूर हरदोई बार्डर पर स्थित है। यहां पर गर्मी में अग्नि काण्ड की समस्यायें बहुतायत रूप से होती हैं। किसानों की फसलें जल जाया करती हैं। इस ब्लाक के आस-पास में 20-25 किलोमीटर में कोई भी अग्निशमन केन्द्र नहीं है। मुख्यालय से अग्निशमन की गाड़ियों को पहुंचने में बहुत लम्बा समय लगता है। जिससे अग्नि काण्ड से पीड़ित मकान या फसलें जलकर स्वाहा हो जाती हैं। यह क्षेत्र की बहुत ही भीषण समस्या है।

मैं इस लोक महत्व के प्रश्न पर आपका ध्यान आकृष्ट करता हूं और सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग करता हूं।]

संस्थागत वित्त, कर एवं निबन्धन अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या क0नि0-2-2422/ग्यारह-9(42)-17-उ0प्र0ऐक्ट-1-2017-आदेश(163)-2018, दिनांक 26 दिसम्बर, 2018

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से संस्थागत वित्त, कर एवं निबन्धन अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या क0नि0-2-2422/ग्यारह-9(42)-17-उ0प्र0ऐक्ट-1-2017-आदेश(163)-2018, दिनांक 26 दिसम्बर, 2018 को उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 2017) की धारा 166 की अपेक्षानुसार सदन के पटल पर रखता हूं।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

उ0 प्र0 आवास एवं विकास परिषद् का आर्थिक चिट्ठा एवं आय-व्यय खाता वित्तीय वर्ष 2014-2015

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उ0 प्र0 आवास एवं विकास परिषद् का आर्थिक चिट्ठा एवं आय-व्यय खाता वित्तीय वर्ष 2014-2015 को उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद् अधिनियम, 1965 की धारा-63 की उपधारा (5) के खण्ड (क) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूं।

उ0 प्र0 आवास एवं विकास परिषद् का आर्थिक चिट्ठा एवं आय-व्यय खाता वित्तीय वर्ष 2015-2016

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उ0 प्र0 आवास एवं विकास परिषद् का अर्थिक चिट्ठा एवं आय-व्यय खाता वित्तीय वर्ष 2015-2016 को उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद् अधिनियम, 1965 की धारा-63 की उपधारा (5) के खण्ड (क) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूं।

उत्तर प्रदेश सरकार के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक वर्ष 2018 का प्रतिवेदन संख्या-2

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों पर 31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लिए उत्तर प्रदेश सरकार वर्ष 2018 प्रतिवेदन संख्या-2 को संविधान के अनुच्छेद-151(2) के अधीन सदन के पटल पर रखता हूं।

उत्तर प्रदेश सरकार के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक वर्ष 2018 का प्रतिवेदन संख्या-3

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन जनरल एवं सोशल सेक्टर 31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लिए उत्तर प्रदेश सरकार वर्ष प्रतिवेदन संख्या-3 वर्ष 2018 को संविधान के अनुच्छेद-151(2) के अधीन सदन के पटल पर रखता हूं।

श्री अध्यक्ष-

7, 8, 9, 10 में कुछ नहीं है।

श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा†

श्री अध्यक्ष-

अब हम श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर पहले से जारी चर्चा को प्रारंभ करने जा रहे हैं। माननीय सदस्यगण इस पर बोलेंगे। भारतीय जनता पार्टी की सदस्य संख्या ज्यादा है इसलिए इधर से दो और विपक्ष की ओर से एक माननीय सदस्य बोलेंगे। वर्मा जी क्या आप कुछ कहना चाह रहे है ?

† दिनांक 06 फरवरी, 2019 की कार्यवाही से।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, मेरा निवेदन यह है कि संख्या तो ज्यादा है लेकिन प्रस्ताव सत्तापक्ष की ओर से रखा जा चुका है और माननीय मुख्यमंत्री जी से विस्तार से उत्तर भी देंगे तो इसलिए एक-एक ही कर दीजिए। चूंकि विपक्ष के लोगों को ज्यादा कहना है, सत्तापक्ष को तो कहना ही है।

श्री अध्यक्ष-

मैं प्रत्येक सदस्य को सात-आठ मिनट देना चाहता हूं।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, ठीक है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय नेताओं ने ज्यादा समय लिया। ज्यादा-से-ज्यादा सदस्य बोल लें इसलिए सात-आठ मिनट में अपनी बात कह दें, दस मिनट तक नहीं जाना चाहिए।

श्री रफीक अंसारी-

माननीय अध्यक्ष जी, आपका ध्यान इधर ज्यादा होना चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

बिल्कुल। अगर इसी प्रकार सदन चलता है तो कोई माननीय सदस्य बचेगा नहीं जिसे बोलने का अवसर प्राप्त न हो।

श्री रफीक अंसारी-

मान्यवर, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

मैंने कल श्रीमती सरिता भदौरिया जी का नाम पुकारा था, आप अपनी बात छः-सात मिनट में कहिएगा।

***श्रीमती सरिता भदौरिया-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे माननीय श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर हो रही चर्चा पर बोलने का अवसर प्रदान किया उसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित करती हूं। माननीय अध्यक्ष जी, वैसे तो मुझे अपनी सरकार के बजट के कुछ बिंदुओं पर और माननीय राज्यपाल के अभिभाषण के कुछ बिन्दुओं पर चर्चा करनी है। लेकिन मेरा मन कर रहा है, मैं इटावा से विधायक हूं इसलिए आज हमारे नेता विरोधी दल के द्वारा जो 2022 में गठबन्धन के आधार पर सरकार लाने का सपना देखा जा रहा है, वहीं से प्रारम्भ करूं। 2022 में उन्होंने अपने दल को सरकार में लाने की बात कही है लेकिन उनका गठबन्धन 2019 के लिए हुआ है तो 2019 में तो उन्होंने वैसे ही स्वीकार कर लिया है कि हम सरकार में नहीं आ रहे हैं, वे 2022 में सरकार में आ रहे हैं। वे 2019 में सरकार में क्यों नहीं आ रहे है इसके लिए मैं गठबन्धन पर छोटी-सी कहानी सुनाती हूं, जनकपुर में सीता का स्वयंवर था, कोई भी धनुष

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

को तोड़ नहीं पा रहा था, सारे लोग चिंतित थे। उसी समय एक राजा खड़े हुए और उन्होंने कहा कि अगर हम सामूहिक रूप में धनुष का खण्डन कर दें तो राजा जनक ने कहा कि आप धनुष तो सामूहिक रूप में तोड़ेंगे लेकिन ये सीता का स्वयंवर है।

(इसी मध्य 12 बजकर 37 मिनट पर अधिष्ठाता श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव पीठीसीन हुए।)

विवाह की व्यवस्था कैसे बनेगी तो उन्होंने कहा कि हम बाद में युद्ध कर लेंगे और युद्ध के बाद जो जीतेगा, फिर तय होगा कि विवाह किसके साथ होना है। मुझे इटावा की जनता ने यह कह कर भेजा है कि गठबन्धन के सहारे जो धनुष तोड़ने का सपना देख रहे हैं, वह लोकतंत्ररूपी सीता को वरण करने का सपना छोड़ दें क्योंकि लोकतंत्र की भावी नायक सीता देश की मान और मर्यादा है। इसलिए इस गठबन्धन के सहारे लोकतंत्र में विजय प्राप्त करने का सपना छोड़ दें। माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश सर्वाधिक संख्या में बड़ा, सर्वाधिक नौजवानों का प्रदेश है। अब संख्या में बड़े होने के नाते, नौजवानों की संख्या अधिक होने के नाते पिछली सरकारों का जो रवैया रहा है, उन्होंने अपना आचरण माननीय राज्यपाल के अभिभाषण के समय प्रस्तुत करने का काम किया। उन्होंने जब सरकार चलायी तो जाति के आधार पर, अपराध के आधार पर, अपराधियों को संरक्षण देने के आधार पर, साम्प्रदायिक दंगे करवाने के आधार पर, भ्रष्टाचार के आधार पर और हमारे उत्तर प्रदेश के लोगों की यह विडम्बना रही कि हमारी पहचान उन्होंने अपराध, अपराधी, चोरी-डकैती, लूट, अपहरण वाले प्रदेशों में करवाने का काम किया। इसलिए जो उनका कहना था, जो उनके सरकार की कार्य-शैली थी, वह उस दिन हमारे सदन में उन्होंने प्रस्तुत करने का काम किया।

मुझे खेद है, जो उन्होंने पोस्टर दिखाये थे, गाय के, किसानों के, उनको यह कहना चाहिए था कि उत्तर प्रदेश में गाय को रखने की व्यवस्था के कारण हमारे प्रदेश के मुख्य मंत्री के चेहरे पर चिन्ता की लकीरें हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं और लगभग उत्तर प्रदेश में 80 प्रतिशत काम गौ के संरक्षण का, गौ के सम्वर्धन का पूरा हो चुका है। हम लगे हैं, हम गाय की व्यवस्था कर रहे हैं लेकिन यह तो अपनी सरकार में गायों को कटवाने का काम करते थे, इसलिए इनको गाय पर चर्चा करने का कोई अधिकार नहीं था, गाय पर पोस्टर दिखाने का अधिकार नहीं था। ये बात कर रहे हैं किसानों की, ये बात कर रहे हैं गाय की, हमारे मुख्य मंत्री जी और उनकी सरकार ने किसानों के लिए जो किया, वह मुझे लगता है कि इससे पहले किसी भी सरकार ने नहीं किया होगा। नेता विरोधी दल यहां पर मौजूद हैं, मैंने पहले कहा कि इनकी सरकारों ने हमारी जो पहचान बनाकर छोड़ी थी, उस पहचान के कारण आज मैं कहना चाहती हूं कि 'क्या मिलिए ऐसे लोगों से, जिनकी फितरत छुपी रहे और नकली चेहरा सामने आए, असली सूरत छुपी रहे' और 2022 में आने के सपने देखते हैं। (सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) नेता विरोधी दल, आपने पहले ही स्वीकार किया है कि आप 2019 में इस गठबन्धन के सहारे, इस जातिवाद के सहारे, इस सत्तालोलुप और भ्रष्टाचार जैसे अपने इन गुणों के सहारे देश की सत्ता में आने वाले नहीं हैं। देश की जनता तय कर चुकी है कि हम देश के भावी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी को ही चुनने वाले हैं। ये नारे लगा रहे थे कि 'योगी बाबा मस्त हैं', पोस्टर दिखा रहे थे, मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि अगर यह कहते कि उत्तर प्रदेश में जो गौचर की भूमि है, उसको खाली कराने का कितना

काम किया गया है, उसके ऑकड़े ये सदन में मांगते और सदन में यह कहने का काम करते कि कौन से ऐसे लोग हैं जो हमारी गौ-चर की भूमि पर कब्जा किए हुए हैं, हमारे तालाबों की भूमि पर कब्जा किए हैं, उनके आंकड़े इस सदन में मांगने का काम करते तो हम सब को प्रसन्नता होती और इनके कथन का स्वागत करते। लेकिन नहीं, यह प्रश्न उठा रहे हैं। मैं इनको बताना चाहती हूं कि भूल गए जब खाद और बीज के नाम पर आपकी सरकारों में किसानों को लाइन लगवा कर लाठियां खाने के लिए मिलती थी, सहकारी केन्द्रों पर लाठियां भांजी जाती थी। लेकिन आज हमारी सरकार में किसानों को खाद और बीज तो उपलब्ध हो ही रहा है, 80 प्रतिशत सब्सिडी पर उनको कृषि यन्त्र, उपकरण, खेती की व्यवस्था के लिए अनुदान, उसको उन्नत बीज और उन्नत फसल पैदा करने के लिए प्रशिक्षण, ये तमाम व्यवस्थाएं हमारी प्रदेश सरकार ने हमारे किसानों के लिए करने का काम किया है। हमारी सरकार का जब बजट आया तो उन्होंने सीधे लघु और सीमान्त किसानों के लिए 6 हजार रुपये देने की बात कही।

असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों को प्रतिवर्ष 36 हजार रुपये देने की बात कही। नई-नई फसलों के प्रशिक्षण दिये जा रहे हैं। हमारी सरकार के समय सर्वाधिक धान की खरीद हुई। तैंतालिस लाख मैट्रिक टन और 52.92 लाख मैट्रिक टन गेंहू की खरीद हुई। पैसा सीधा किसानों के खाते में भेजने का काम किया गया। हमने आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में आयुष्मान भारत जैसी योजना को लाकर बड़ा काम किया है। मुझे लगता है कि पूरी दुनिया में स्वास्थ्य के क्षेत्र में यह सर्वाधिक बड़ी योजना है। जिसमें गरीबों के परिवारों को पांच लाख तक का इलाज मुफ्त में कराने की व्यवस्था की गई है। हमारे मुख्य मंत्री जी इस समय सदन में नहीं है, लेकिन मैं अपने सभी साथी विधायकों के माध्यम से उनको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं।

उन्होंने अपने कोष से अपनी व्यवस्था से इस प्रदेश के गरीबों को मुफ्त में बड़ी बीमारियों के इलाज कराने की व्यवस्था की है और बड़ी बीमारियों के कारण जो गरीब मरता था मुझे लगता है कि ऐसा कोई भी विधायक नहीं होगा जिसने अपने पत्र और अपनी सहमति के माध्यम से तीन या चार करोड़ रुपये दिलवाने का काम ना किया हो। मैंने इटावा के लोगों को अपने पत्र के माध्यम से लगभग तीन करोड़ रुपये गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को दिलवाने का काम किया है। उनका यह कदम स्वागत करने के योग्य है। आदरणीय अध्यक्ष जी दस दिन में पैसा खाते में पहुंच जा रहा है और इनकी सरकार ने अपने आस-पास के लोगों को बीमारी के नाम पर मुख्यमंत्री कोष से सीधी सहायता दे दी जाती थी। वह बीमार नहीं होते थे वह फर्जी बिल बनवा लेते थे और उनको मुख्यमंत्री कोष से सहायता दी जाती थी। यह चरित्र था इनका और आज हमारा यह चरित्र है कि दस दिन के अंदर यह पैसा खाते में पहुंच जा रहा है। हमने स्वच्छता के क्षेत्र में बड़ा काम किया है। हमने शौचालय बनाए हैं, हमने स्वच्छता के माध्यम से गंभीर बीमारियों पर अंकुश लगाने का काम किया है। उनका रेशियो घटा है। हमने शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़ा काम किया है। हमको प्रसन्नता होती है कि जब हम अपने क्षेत्र में निकलते हैं तो बच्चे कंधे पर बैग डाले हुए, स्वेटर पहने हुए, ड्रेस पहने हुए और बस्ते में किताबें भरी हुई हैं और कॉन्वेंट जैसी शिक्षा पाने के लिए उत्साह से बढ़े चले जाते हैं यह देख हमको बहुत प्रसन्नता होती है। अपनी सरकार के द्वारा उठाए हुए शिक्षा के क्षेत्र में इस कदम के कारण प्रधानमंत्री आवास में 2022 तक हमने लोगों को कहा था कि हम लोग गरीब के सर

पर छत देने का काम करेंगे। हमने नौजवानों को कौशल विकास योजना के माध्यम से प्रशिक्षित कराने का काम किया है। हमने लगभग 4 लाख नौजवानों को रोजगार देने में उनका सहयोग हमारी सरकार के माध्यम से प्राप्त हुआ है। पहले नौजवान पुलिस की भर्ती में बैठा करता था वह शिक्षक के लिए परीक्षा दिया करता था। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय उससे पैसे लिए जाते थे। हमारे यहां कितने ही उदाहरण ऐसे हैं इस पुलिस की भर्ती में बाप और बेटा एक ही पद पर चयनित हुए हैं। मैं इनकी सरकार का आईना दिखाने का काम कर रही हूं कि एक ही परिवार के लोग एक ही घर के लोग इण्टरव्यू में सिफारिश करके पैसा लेके लोगों को भर्ती कराने का काम किया करते थे और आज वह नौजवानों की चिंता कर रहे हैं, आज वह महिलाओं की चिन्ता कर रहे हैं। महिलाओं की चिन्ता करना वह अपका काम नहीं है। आपकी सरकार ने इस तरह से महिलाएं लूटी जाती थीं, पीटी जाती थीं, घसीटी जाती थीं और पेड़ों पर उल्टी लटकाई जाती थीं। आप अपनी सरकार का वैयक्तिक चरित्र क्या भूल गए हैं। मैं आपको बताना चाहती हूं कि आज महिलाएं केवल आदरणीय मोदी जी के एक श्लोग्न से उन्होंने कहा कि इस देश में बेटी बचनी चाहिए और इस देश की बेटी पढ़नी चाहिए, क्योंकि लिंगानुपात के अन्तर के कारण इस देश में भयानक संकट का सामना करने के लिए हम लोगों को सामना करना पड़ेगा इसलिए उन्होंने बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ का नारा दिया और आज उस एक नारे के कारण महिला सशक्तीकरण के विभिन्न कार्यक्रम हमारी सरकार के द्वारा चलाए जा रहे हैं। हमने महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के क्षेत्र में चाहे वह विधवा पेंशन की बात हो, चाहे विकलांग पेंशन की बात हो, चाहे उनको तमाम तरह के दिए गए अनुदानों की बात हो। हमने उनका सहयोग करने का काम किया है। हमने सामूहिक विवाह के माध्यम से उत्तर प्रदेश में यह साबित करने का काम किया है कि गरीब की बेटी विवाह के लिए सरकार की धरोहर है। सरकार इसकी चिन्ता करेगी सरकार सामूहिक विवाह के माध्यम से उसका विवाह कराने का प्रयास करेगी। हमने जो कहा था कि ''सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयः'' हमने उसको पूरा करने का काम किया है। हर क्षेत्र में हमारी सरकार ने काम किया है।

अभी कुम्भ की चर्चा हो रही थी। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, हमारे लोगों ने कुम्भ के एक ही पक्ष का जिक्र करने का काम किया लेकिन कुम्भ का एक दूसरा पक्ष भी था जिसको मुझे लगता है कि हम सब लोगों ने मिलकर देखने का काम किया है। कुम्भ क्षेत्र में साधु-सन्तों के द्वारा पूरे देश के तमाम लोगों को आमंत्रित करके बाल विवाह पर चिन्ता करने का काम किया गया। महिला सशक्तीकरण पर चिन्ता व्यक्त करने का काम किया गया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं को एक वट वृक्ष के रूप में रखकर कुम्भ के अन्दर लोगों को समझाने का, लोगों के मन में संकेत और सन्देश देने का काम किया गया। यह कुम्भ का दूसरा स्वरूप था जिसमें भारत की संस्कृति, जिसमें भारत का धर्म, जिसमें भारत की मान्यता, जिसमें भारत की मर्यादा पूरे रूप से आच्छादित हो रही थी। मैं भी कुम्भ में गई थी और जब अक्षय वट के दर्शन करके वापस आ रही थी, मैं इस सदन में सत्य कह रही हूं कि सब लोग जो कुम्भ से निकल रहे थे, वे पीछे से नारे लगा रहे थे योगी जी जिन्दाबाद, योगी जी जिन्दाबाद। कुम्भ का ऐसा अद्भुत दृश्य था। वहां महिलाएं स्नान कर रही थीं, महिलाओं के सम्वर्धन और सशक्तीकरण के लिए योजनाएं बनाई जा रही थीं लेकिन क्या आपने अपनी सरकार में कभी ऐसा कुछ करने का काम

किया, नहीं किया। इन्होंने सैफई में सैफई महोत्सव के नाम पर प्रदेश का करोड़ों और अरबों रुपया खर्च करके वहां पर केवल नृत्यांगनाओं का नाच देखने का काम किया। यह इनका असली चेहरा है, यह इनका असली चरित्र है। हम कहते हैं कि हम सबका साथ करेंगे और सबका विकास करेंगे तो हमने वह करके भी दिखाया है और ये कहते हैं कि हम सबका साथ लेंगे लेकिन विकास अपना ही करेंगे और ये वही करने के लिए तैयार हैं। आज इन्होंने जातीय आधार पर गठबंधन बनाया है और गठबंधन की धमकी देने का काम कर रहे हैं लेकिन ये गठबंधन आपको वर्ष 2019 में देखने का काम करेगा। लोग कह रहे हैं, लोग तैयार हैं, हर क्षेत्र में हमारी सरकार काम कर रही है, चाहे वह महिलाओं का क्षेत्र हो, किसानों का क्षेत्र हो, मजदूरों का क्षेत्र हो, नौजवानों का क्षेत्र हो, शिक्षा का क्षेत्र हो, स्वास्थ्य का क्षेत्र हो। सरकार द्वारा महिलाओं को उज्ज्वला योजना में गैस कनेक्शन दिए गए। सौभाग्य योजना के अन्तर्गत गॉवों को बिजली से आच्छादित करने का काम किया गया। हर क्षेत्र में हमारी सरकार ने इतना काम किया है कि गांव-गांव कैम्प लग रहे हैं विधवा पेंशन के, वृद्धा पेंशन के और फॉर्म भरे जा रहे हैं। विकलांगों की पेंशन के फॉर्म भर करके उनके एकाउण्ट में सीधे पैसा दिए जाने की व्यवस्था की जा रही है। ऐसी सरकार हमारी है, इस सरकार के माध्यम से हमने इस प्रदेश की जनता की सेवा करने का काम किया है। मैं इतना जरूर कहूंगी कि आप तो गाय कटवाते थे और हम गाय बचाते हैं। इटावा के लोगों ने हमको यह कह कर भेजा है कि हमारी गौशालाएं बन गई हैं, उसमें गायें रखी जाएँगी और आपको चिन्ता करने की जरूरत नहीं है। लेकिन जो लोग गाय कटवाते थे, मैं आपसे नहीं कर रही, मैं एक लाइन उनके लिए केवल अवश्य कहूंगी कि कह दो जाकर उन मौत के सौदागरों से कि-

हम तुम्हारी कोई चाल चलने नहीं देंगे

हमारा खून ही तेल बनकर जलेगा,

हम तुम्हारी ऐसी कोई मशाल जलने नहीं देंगे।

इसलिए एक गठबंधन तो क्या आप सौ गठबंधन कर लें। वर्ष 2019 के लिए तो आपने स्वयं स्वीकार किया लेकिन वर्ष 2022 के लिए हम चेतावनी देकर जा रहे हैं कि अगर आपका ऐसा ही रवैया रहा, आपका ऐसा ही आचरण रहा तो वर्ष 2022 आपके लिए मुंगेरी लाल के हसीन सपनों की तरह होगा। मान्यवर, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं एक अन्तिम बात कहूंगी कि कोलकाता में एक कार्यक्रम हुआ, पूरे देश की निगाहें टी0वी0 पर लगी हुईं थीं लेकिन वहां एक बार भी 'भारत माता की जय' नहीं बोला गया। हम भारत की भूमि को केवल भूमि का कोई टुकड़ा नहीं समझते। भारत हमारी मातृ भूमि है और हम उसको अपनी मां की तरह, अपनी आराध्या की तरह पूजते हैं। जब हम भारत माता की जय बोलते हैं तो हम देश की सवा सौ करोड़ जनता की जनभावनाओं की, आकांक्षाओं की पूर्ति की सौगंध लेते हैं। इसलिए हम कहते हैं 'भारत माता की जय'। मा0 अध्यक्ष जी, आप सबको बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री विनोद कुमार कटियार-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। मैं इसके लिए आपका हृदय से बहुत-बहुत आभारी हूं। अधिष्ठाता महोदय, मा0 राज्यपाल के द्वारा जिस समय सदन में अभिभाषण करना शुरू किया गया। हम सिर्फ एक सरकार की बात नहीं कर रहे हैं। पूरे देश के सबसे बड़े प्रदेश के सदन में जिस तरह से चर्चा हो रही थी, जिस तरह से उन्होंने प्रस्ताव रखा था, जिस तरह से उन्होंने सरकार की उपलब्धियों को बताना शुरू किया था। ऐसा लग रहा था कि आजादी के बाद उत्तर प्रदेश में अगर सबसे ज्यादा कभी काम हुआ है तो इस सरकार ने वह काम 22 महीने में करके दिखाया है लेकिन विपक्ष इसको सहन नहीं कर सका, सुन नहीं सका। हम तो पहली बार के विधायक हैं, आप लोग दूसरी, तीसरी और चौथी बार विधायक बन कर आए होंगे लेकिन माननीय राज्यपाल जब सदन में खड़े होकर अपना भाषण पढ़ रहे थे तो जो दृश्य आपने दिखाया, जिस तरह से आपने गोले फेंकने का काम किया उस पर एक ही कहावत है कि 'बिना विचारे जो करे सो पीछे पछताये, काम बिगाड़ो आपनो जग में होए हसाए'।

निश्चित रूप से आज यह परिलक्षित हो रहा है। आप क्या समझाना चाहते हैं, क्या बताना चाहते हैं, क्या सदन को दिखाना चाहते हैं ? निश्चित रूप से यदि आपके घर में, परिवार में बच्चे सुन रहे होंगे तो आपको भी इसके लिए माफ नहीं करेंगे क्योंकि सरकार का पैसा है और हम जनसेवा से, जनता के पैसे से चुनकर आते हैं। जनता हमारी जनार्दन होती है और जनता के पैसे का इस तरह से तिरस्कार करना कोई अच्छी बात नहीं है। आज सरकार के द्वारा उच्च लाभकारी योजनाएं चल रही हैं। अध्यक्ष जी, मैं एक कोटेशन से अपना भाषण शुरू करूँगा- 'हर सितारा चांद के करीब नहीं होता, नेता हो योगी आदित्यनाथ जैसा मुकद्दर से हर किसी को नसीब नहीं होता', आसरा इस जहां में मिले न मिले, मुझको तेरा सहारा चाहिए, 'इंसानियत इंसान को बना देती है, लगन हर मुश्किल को आसान बना देती है, लोग यूं ही नहीं जाते मंदिर में पूजा करने, आस्था ही पत्थर को भगवान बना देती है', 'जीवन एक परीक्षा है दोस्तों, सिद्ध स्वयं को करना होगा, समय कसौटी है हम सब की उस पर खरा उतरना होगा'। निश्चित रूप से हम सभी लोगों का दायित्व बनता है कि सरकार की जो अच्छी नीतियां है उसको इस तरफ से नहीं उस तरफ से पीठ थपथपा कर बताना चाहिए। बहुत सारी नयी योजनाएं आयी हुई हैं उसमें एक बहुत बड़ी योजना 'एक जनपद-एक उत्पाद' की आयी है। इस योजना के माध्यम से जहां पर 7,500 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया और उसके माध्यम से 5 वर्षों में 20 लाख रोजगार लोगों को मिलने जा रहा है। यह एक बहुत बड़ी योजना है इसके लिए कम से कम हम सब लोगों को एक साथ मिलकर माननीय मुख्य मंत्री जी को, माननीय मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहिए। 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' एक बहुत बड़ी योजना है और इस योजना के माध्यम से गरीब लोग, पिछड़ी जातियों के लोग और जो जीवन में कुचले हुए लोग हैं जिनको कभी कोई रोजगार नहीं मिलता है उनके सम्मान के लिए यह योजना लायी गयी है उसके लिए हम सभी लोगों को मिलकर इस सरकार की सराहना करनी चाहिए लेकिन सराहना न करने के ऐवज में हम सब लोग माननीय राज्यपाल के अभिभाषण पर

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

गोले फेंकते हैं, पत्थर फेंकते हैं। यह बहुत ही निन्दनीय है। आज हमारी सरकार के द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान किया जा रहा है। प्रदेश सरकार के सहयोग से 'प्रासाद योजना' एवं 'स्वदेश दर्शन योजना' के अंतर्गत अयोध्या सहित मथुरा-वृंदावन, गोरखपुर, प्रयागराज, नैमिषारण्य, वाराणसी, विन्ध्याचल आदि स्थलों पर पर्यटन स्थापित किया जा रहा है। अयोध्या में गत वर्ष आयोजित किये गये दीपोत्सव में 3 लाख 31 हजार दीप जलाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। यह कोई छोटी-मोटी बात नहीं है। देश के उत्थान के लिए उत्तर प्रदेश के इसी सदन में जिस तरह से माननीय योगी जी के द्वारा कार्य किये जा रहे हैं यह बहुत ही सराहनीय हैं। आज किसान कल्याण के तहत कृषकों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए मेरी सरकार ने सक्रिय प्रयास किए हैं। मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत 43 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीद हुई है। यह रिकार्ड है और आज से पहले इतनी धान की खरीद नहीं हुई है। 72 घण्टे में 9,231.99 करोड़ रुपये का ऑनलाइन भुगतान किया गया। क्या यह छोटी-मोटी बात है कम से कम आप सभी लोगों को इसकी सराहना करनी चाहिए। हमारे गन्ना मंत्री जी यहां बैठे हैं और लल्लू जी कह रहे थे कि गन्ना मंत्री जी ने क्या किया? आज उत्तर प्रदेश में कुल 117 चीनी मिलों को 1,112 लाख मी0 टन गन्ने की रिकार्ड पेराई के फलस्वरूप 120.50 लाख टन चीनी का उत्पादन किया गया है।

अब तक 32.47 लाख किसानों को 657.19 करोड़ रुपये के कृषि अनुदान का भुगतान सीधा किसान के खातों में किया गया। यह एक बहुत ही सराहनीय काम है। आवास की योजना और विकास के क्षेत्र में हमारे यहां पर 2018 में इन्वेस्टर्स समिट हुई। वर्ष, 2018 में जो इन्वेस्टर्स समिट हुई, तो जितना हमारा बजट था उतने लागत के एम0ओ0यू0, 04 करोड़ लाख से ज्यादा लागत के एम0ओ0यू0 साइन किये गये। यह भी एक रिकार्ड है। इसके लिए मा0 योगी सरकार की भूरि-भूरि प्रशंसा करके धन्यवाद देना चाहिए आप सब लोगों को कि जितना बजट था उतने बजट का पैसा निवेश के माध्यम से उत्तर प्रदेश में लाने का काम किसी सरकार ने किया तो वो योगी सरकार ने किया और, उसके माध्यम से एक छोटा सा इलेक्ट्रानिक डिपार्टमेन्ट, आपके शासन काल में जिसका कोई महत्व नहीं होता था, उसने जब प्रधानमंत्री का भी जब 61 करोड़ के एम0ओ0यू0 साइन हो तो 41 करोड़ के सिर्फ उसी डिपार्टमेन्ट के माध्यम से आज उत्तर प्रदेश में ही नहीं पूरे हिन्दुस्तान में इलेक्ट्रानिक के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश अग्रणी की भूमिका में आ गया है। यह देन किसकी है, यह भाजपा सरकार की देन है, योगी सरकार की देन है और हमारे देश के श्रद्धेय प्रधानमंत्री मा0 मोदी जी के दिखाये गये रास्ते की देन है। आज आयुष्मान भारत विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है। इसके माध्यम से एक परिवार को 05 लाख तक का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा मिलने वाला है। यह कोई छोटी-मोटी योजना नहीं है, इतनी बड़ी योजना और इतना बड़ा पुण्य का कार्य, मुझे नहीं लगता है कि आजादी के पहले किसी सरकार ने किया था। उत्तर प्रदेश में ये लागू हुआ। देश के प्रधानमंत्री को इसके लिए शत-शत नमन करना चाहिए, उनको वन्दन करना चाहिए और उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री ने लागू कराया उनका भी अभिवादन करना चाहिए, उनको भी इस बात के लिए उत्तर प्रदेश में इतना बड़ा स्वास्थ्य मिशन लागू करने पर धन्यवाद देना चाहिए।

श्री अधिष्ठाता-

समाप्त कर दीजिए।

श्री विनोद कुमार कटियार-

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण विद्युतीकरण के माध्यम से 1,50,000 से ज्यादा मजरों का विद्युतीकरण किया गया। यह भी कोई छोटी-मोटी बात नहीं है। आज जहां जाइये वहां लाइट मिलती है। आप के जमाने में अन्धकार मिलता था अब रोशनी मिलती है। अब दूधिया रोशनी मिलती है। इस रोशनी में हम सबका अभिवादन करना चाहिए। हमारे बिजली मंत्री अभी यहीं हैं। मा0 मुख्य मंत्री जी का और भाजपा की सरकार का यह प्रयास है कि किसी को अंधेरे में नहीं रखा जायेगा सबको उजाला दिया जायेगा और उजाले के माध्यम से 1,50,000 मजरों का विद्युतीकरण किया गया है। यह बहुत ही सराहनीय कदम है इसके लिए मा0 मुख्य मंत्री और योगी सरकार की आप सब लोगों को तारीफ करनी चाहिए। इसमें एक दोहा है-

''जिसे है दर्द दुनियां का, सकुन से सो नहीं सकता।
जमाने भर की दौलत वह सिर पर ढो नहीं सकता।
वतन को लूटने वालों, सुदामा बनकर तुम देखो।
जो नंगे पांव चलता है, वो कांटे बो नहीं सकता।''

श्री अधिष्ठाता-

धन्यवाद-धन्यवाद, समाप्त करिए।

श्री विनोद कुमार कटियार-

हमारे अध्यक्ष जी जिस तरह से इस सदन को संचालित कर रहे हैं। सत्तापक्ष हो चाहे विपक्ष हो, सब लोगों का बहुत अच्छे से आदर कर रहे हैं। उनके लिए है-

''माला टूटी मन की तो बिखर जायेंगे,
कुछ इधर जायेंगे, कुछ उधर जायेंगे।
मातृ से द्रोह करके मिलेगा ही क्या,
क्यारियां जल पावन को तरस जाओगी।
मेड़ ढह जायेगी, रूट मिट जायेगा,
वन पशु सम्पदा सारी चर जायेंगे।
कितने दूर निकल आये रिश्ते को निभाते-निभाते,
खुद को खो दिया अपनों को पाते-पाते।

श्री अधिष्ठाता-

समाप्त कर दीजिए अब। कटियार जी समाप्त करिए।

श्री विनोद कुमार कटियार-

वो कहते हैं क्यूं मुस्कराते हो और हम थक गये अपने दुःख छिपाते-छिपाते। जख्म तेरे सीने में जब भर जायेंगे आंसू भी मोती बनकर बिखर जायेंगे।

यह मत पूंछना कि किस-किस ने धोखा दिया वरना कुछ अपनों के भी चेहरे उतर जायेंगे।

श्री अधिष्ठाता-

समाप्त करिये, समाप्त करिये।

श्री विनोद कुमार कटियार-

अधिष्ठाता महोदय अभी हमारे क्षेत्र की चर्चा कहां हुई है।

श्री अधिष्ठाता-

बैठ जाईये, समाप्त हो गया। मनोज पाण्डेय जी।

श्री विनोद कुमार कटियार-

चलिये, धन्यवाद।

***श्री मनोज कुमार पाण्डेय-**

माननीय अधिष्ठाता जी, मैं महामहिम राज्यपाल जी द्वारा दिये गये अभिभाषण पर नेता विरोधी दल के भाषण से अपने को सम्बद्ध करते हुये कहना चाहता हूं कि महामहिम राज्यपाल जी ने इस सदन में जो सरकार द्वारा तैयार किये गये अभिभाषण को पढ़ा, शायद उन्होंने इस भाषण की लिखी हुई पुस्तक को पहले पढ़ा होता तो शायद वह इस सदन में उसे न पढ़ते। हम कह सकते हैं कि महामहिम राज्यपाल जी द्वारा पढ़े गये अभिभाषण में उत्तर प्रदेश के न गरीब, न नौजवान, न मजदूर, और गांव में रहने वाले ग्रामीणों की कोई चिन्ता नहीं की गयी। बल्कि हम कह सकते हैं कि आज उत्तर प्रदेश में एक जो बड़ा संकट उनके ऊपर है बेरोजगारी, गरीबी का, किसानों के इस संकट का महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में कहीं न कहीं मखौल उड़ाया गया है। भाषण की शुरूआत में है ''सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः'' माननीय अधिष्ठाता महोदय हम कह सकते हैं कि अगर इसको गहराई से देखा जाय तो यह तो हो सकता है कि ''मैं सुखमयाः बाकी बचे सब दुखमयाः''। कहीं पर सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरमयाः जो उदाहरण दिया गया है, यह कहीं परिपालन नहीं हो रहा है। आज उत्तर प्रदेश का किसान एक बड़े और भारी संकट से गुजर रहा है। एक तरफ जहॉ उत्तर प्रदेश के किसानों की आवश्यकता पर मिलने वाली डी0ए0पी0 और यूरिया उसमें 5-5 किलों खाद कम कर दी गयी, चोरी कर दी गयी, वही उल्टा उसके ऊपर भारी रकम बढ़ाकर उसकी कीमत में बढ़ोत्तरी भी कर दी गयी। यह सच है कि पूरे उत्तर प्रदेश में सर्वे करा लिया जाय और यह रिर्पोट भी है कि उत्तर प्रदेश में 27 प्रतिशत से अधिक नहरों में पानी गया ही नहीं। अगर कहीं पानी गया भी, तो हेड से टेल तक नहीं पहुंच पाया। कारण यह रहा, कि उत्तर प्रदेश में नहरों की सफाई नहीं हो पायी। यह हम नहीं कहते, बल्कि यह उत्तर प्रदेश का रहने वाला किसान कहता है कि जब-जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकारें आई है, किसान यह मान लेता है कि हेड से टेल तक पानी अब पहुंच जायेगा। यह कहते हैं कि हम किसान की आय दोगुनी कर देंगे और हम उस कदम पर आगे बढ़ चुके हैं। केन्द्र सरकार ने भी बड़ी-बड़ी घोषणायें की थीं, 15-15 लाख रुपये खातों में जायेगा और दो-दो करोड़ नौजवानों को रोजगार

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

दिया जायेगा। लेकिन आज किसान का संकट देख लीजिये। एक चीज के लिये हम भारतीय जनता पार्टी की सरकार को धन्यवाद भी देंगे, कि उन्होंने कहा था कि हम 2 करोड़ नौजवानों को रोजगार देंगे उसमें एक काम तो हो गया कि जिस खेत को पहले एक व्यक्ति ताकता था अब उस गांव में किसान के घर में रोस्टर बनता है कि सुबह खेत को कौन ताकेगा, दोपहर में कौन ताकेगा और रात में कौन ताकेगा। पूरे किसान के घर को इन्होंने रोजगार दे दिया, उसके बाद भी उस किसान का खेत आज छुट्टा जानवरों के कारण बच नहीं पा रहा है। सरकार कहती है कि हम छुट्टा जानवरों के लिये गौशाला बनायेंगे, निराश्रित और आवारा पशुओं को रखने की व्यवस्था करेंगे। हमने भी सुना है कुछ ब्लाकों और विकास खंडो में इस तरह की योजना आ रही है। मैनें एक ब्लाक का सर्वे कराया, मेरा ही ब्लाक है सर्वे में आया कि एक विकास खंड में लगभग 40 हजार आवारा पशु हैं। हमने पूछा कि जो प्रस्तावित गौशाला है उसमें कितने छुट्टा आवारा जानवर रखे जायेंगे तो जवाब आया 150 से 200। माननीय अधिष्ठाता महोदय, जिस ब्लाक में जिस विकास खंड में 40 हजार आवारा पशु होंगे तो कैसे उस गौशाला के अंदर रखे जायेंगे यह एक बड़ा सवाल है। किसान संकट में है और इसकी वजह से बड़ी दुर्घटनायें भी हुयीं हैं और कई लोगों की इन आवारा पशुओं की चोट से, टक्कर से, एक्सीडेंट से मृत्यु भी हुयी है। जिस गाय माता को हम भी मानते हैं लेकिन आज उस गाय माता का क्या हश्र हो रहा है। आज उनके साथ क्या घटनायें घट रही हैं, रोज एक्सीडेंट में हमारी गाय माता मारी जा रही हैं और दूसरी तरफ किसान कहीं न कहीं भुखमरी की कगार पर पहुँच रहा है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, किसान कहीं न कहीं बड़े संकट में है। गेहूं क्रय केंद्र, धान क्रय केंद्र के आज बुरे हाल हैं। कुछ भी सरकार कह ले, अपनी पीठ थपथपा ले, लेकिन आज इन केन्द्रों पर बिचौलियों और दलालों का कब्जा है और असली किसान का आज भी बिना बिचौलिये के, बिना दलालों के धान क्रय नहीं हो पा रहा है। आज भी वह अपना धान सीधे क्रय क्रेन्द्र पर नहीं दे पा रहे हैं और जब यह कहा गया है कि यदि उत्तर प्रदेश या इस देश का किसान खुशहाल नहीं होगा, हम उत्तर प्रदेश और देश के बढ़ने की कल्पना नहीं कर सकते हैं, तो कहीं न कहीं आज किसान इस सरकार में हाशिये पर है। इसलिए हम कहना चाहते हैं, स्वास्थ्य सेवाओं पर बड़ी बात होती है। हम माननीय अखिलेश यादव जी को धन्यवाद देंगे कि स्वास्थ्य सेवाओं में एक बड़ी छलांग लगाने का काम हमारी सरकार ने किया था। 108, 102 एम्बुलेंस शुरू की गई थी, जॉच को भी मुफ्त कर दिया गया था और मरीजों की संख्या अस्पतालों में बढ़ गई थी। अधिष्ठाता महोदय, आज स्थिति यह है कि जिला अस्पतालों में मरीजों की संख्या कम हो गई है, जॉच नहीं हो पा रही है। जो सी0टी0 स्कैन मशीनें या जॉच की मशीनें खराब हो गई हैं, वह आज तक भी नहीं बन पाईं हैं। उदाहरण है, रायबरेली की सी0टी0 स्कैन मशीन विगत पॉच महीने से खराब है। आज पॉच महीने हो गये हैं, उसका कोई पुरसाहाल नहीं है, सी0टी0 स्कैन मशीन नहीं बन पा रही है। यही स्थिति उत्तर प्रदेश की सड़कों की भी है। माननीय अखिलेश जी की देखरेख और उनके नेतृत्व में देश की सबसे बड़ी 6 लेन, आगरा एक्सप्रेस-वे रोड बनी। सरकार ने निर्णय लिया कि हम सारे मुख्यालयों को 4 लेन से जोड़ने का काम करेंगे और पहली सरकार थी जिसने चाहे लोहिया गॉव के सवाल पर,

चाहे जनेश्वर मिश्र गॉव के सवाल पर, गॉव की बसावटों को पक्के सड़क मार्ग से जोड़े जाने का काम किया, एक ऐतिहासिक काम सड़कों पर हुआ। बड़े दुख के साथ आपको बताना चाहते हैं, इस बात के हम खुद गवाह है कि हमने सड़कों के लिए सरकार में 59 पत्र लिखे। उन 59 में एक जैसा उत्तर आया कि वित्तीय संसाधन की उपलब्धता पर विचार किया जायेगा। हम सरकार से पूछना चाहते हैं कि वित्तीय संसाधन जुटाने की जिम्मेदारी किसकी है? यह विपक्ष तो नहीं जुटायेगा और गॉव का रहने वाला गरीब जो कच्चे मार्ग में चल रहा है, वह भी इन संसाधनों, साधनों को जुटाने का काम नहीं करेगा। जो जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश की जनता ने सरकार को दी है, सरकार अगर इसका निर्वहन नहीं करेगी तो इसकी मार केवल विपक्ष और जनता पर पड़ेगी, हम समझते हैं कि यह न्याय नहीं है। यही स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की है। नाम बहुत अच्छे-अच्छे आये, ऐसे नाम आये जिन पर कहीं न कहीं हम लोगों को भी कोई दिक्कत नहीं है, पं0 दीन दयाल उपाध्याय समग्र ग्राम योजना, हम लोगों ने भी कई नाम दिये हैं कि इन गॉवों को कर दीजिए, सी0डी0ओ0 साहब को दिया। अधिष्ठाता महोदय, बाद में पता चला कि इस पर बजट की कोई व्यवस्था नहीं है, जबकि एक तरफ 2012 से 2017 तक उत्तर प्रदेश की तत्कालीन सरकार ने लोहिया समग्र ग्राम योजना शुरू की, जो भी लोहिया ग्राम योजना चयनित हुई, उनमें जहॉ आवास दिये गये, वहीं 800 मीटर सी0सी0 सड़कों का भी काम हुआ। दो तरफ से मार्गों से जोड़ने का भी काम हुआ। विद्युतीकरण का भी काम हुआ, नये ट्रान्सफार्मर लगाये गये, तो ऑगनबाड़ी देने का भी प्राविधान किया गया था। आखिर कौन सा मजाक उड़ाया जा रहा है, समग्र ग्राम योजना के नाम पर? इसलिए हम कह सकते हैं कि महामहिम राज्यपाल जी ने जो अपने अभिभाषण में पढ़ा है, वह कहीं न कहीं सरकार का बनाया हुआ, तथ्यों से परे, वास्तविकता से परे और आज गॉवों में जो समस्यायें हैं, गॉव के गरीब को, किसानों को, नौजवानों को, उनको अनदेखा किया गया है और कहीं न कहीं उनके साथ धोखा किया गया है, इसलिए मैं नेता प्रतिपक्ष के दिये गये वक्तव्य से अपने को सम्बद्ध करते हुए अपनी बात आपके समक्ष इस सदन में रखता हूं, आपने समय दिया। आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री राम प्रताप सिंह-**

मा0 अधिष्ठाता जी, आपने हमें श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद्। हम लोग प्रथम बार से इस सदन के सदस्य हैं लेकिन मैंने छोटे में एक पिक्चर देखी थी हम नहीं सुधरेंगे। जब पहली बार सदन में आये थे उस समय जो दृश्य उत्पन्न हुआ वही दृश्य आज दो वर्ष बाद श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण के अवसर पर विपक्ष ने उत्पन्न किया है क्योंकि इन्होंने तय किया है कि हम नहीं सुधरेंगे। उनके ऊपर गोले फेंके गये, मुझे तो कष्ट है कि इन्होंने अपने सदस्य की भी चिन्ता नहीं की वह अभी अस्पताल में हैं, इन्हीं के कृत्यों के कारण। जो सीख ये लोग देते हैं उसके कारण एक सदस्य के जीवन पर भी खतरा उत्पन्न हो सकता था। महोदय, मैं एत्मादपुर के खदौली ब्लॉक ऐसे क्षेत्र से आता हूं जहां मैं समझता हूं कि शायद आलू वहां सबसे ज्यादा पैदा होता है। हम सभी जानते हैं कि आलू का जो खेत होता है वह सपाट होता है हमारी माताएं और बहनें जब शौच के लिए जाया करती थीं तो मैं सोचता था कि दिन के उजाले में उनके साथ क्या स्थिति

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बनती होगी। लेकिन आज मैं सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं कि इज्जतघर अगर किसी ने देने का काम किया तो वह मोदी जी और योगी जी ने किया है। बहुत बड़ी-बड़ी बातें हो रही थीं इनके तो मंत्री ही जेल में थे इज्जतों के कारण से तो ये लोग जानते होंगे कि महिला की इज्जत कैसे की जाती है। अभी थोड़ी देर पहले एक सदस्य बोल रहे थे शराब के बारे में कि शराब का अवैध कारोबार होता है। मैं नहीं कहता इसी सदन के दो सदस्य जिसमें से एक सदस्य इस समय भी मौजूद हैं और एक इनके नेता जो इनके चाचा श्री हैं जो इस सदन के सदस्य हैं उन्होंने अपनी फिरोजाबाद की सभा में यह कहा कि अवैध शराब और जमीनों पर कब्जा कराने का काम समाजवादी पार्टी के लोग किया करते थे इस बात को समाजवादी पार्टी के विधान सभा के सदस्यों ने कहा है और उन्हीं के परिवार के एक व्यक्ति ने उनको राक्षस भी कहा है। तो शराब और अवैध कब्जों की बात क्या करते हैं हम सब जानते हैं कि बन्द दुकान तुम्हारी खुली हमारी, यह नारा अगर किसी ने दिया था तो समाजवादी पार्टी के लोगों ने दिया था और लोगों की दुकानों और जमीनों को लूटने का काम किया था। इनकी सरकार तो केवल घोषणा की सरकार रही, केवल घोषणा करते थे मैं विधान सभा एत्मादपुर से आता हूं हमारे यहां वर्ष 2014 में पेयजल योजना का शुभारम्भ हुआ था 9 करोड़ रुपए की योजना थी तीन साल इनकी सरकार थी इन्होंने 9 करोड़ के सापेक्ष 20 लाख रुपए अवमुक्त किया। आज मैं अपनी सरकार को धन्यवाद् देना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने उस योजना को पूर्ण कराने का काम किया है और अब वह योजना पूर्ण होने जा रही है। मेरे से वरिष्ठ सदस्य बैठे हैं उन्होंने किसी से कहा कि तुमको पैंट और कमीज दिलवायेंगे और पैसे दे दिये 10 रुपए इस प्रकार से इन्होंने केवल घोषणा की, घोषणा के अलावा समाजवादी पार्टी की सरकार ने कोई काम नहीं किया था। आज कुम्भ की बात हो रही है, मैं अपने मा0 सदस्यों से कहना चाहूंगा कि शाम के समय अगर टी0वी0 चैनल को खोलकर देखेंगे तो चैनल पर एक ही बात आयेगी योगी-योगी, मोदी-मोदी, इतनी अच्छी व्यवस्था कुम्भ मे कभी नहीं हुई, यह बात हम नहीं कहते हैं जो जनता वहां जाती है और होकर आती है वह कहती है। मैं आपसे भी निवेदन करना चाहता हूं कि आप भी वहां एक बार जाना और लौटकर अपने दिल पर हाथ रखकर कहना कि वास्तव में वह व्यवस्थाएं हुई हैं या नहीं। बहुजन समाज पार्टी की ओर से बहुत सी बातें आयी हैं मैं उनको दोहराना नहीं चाहता। नेता, बसपा बैठे हैं उन्होंने पिछली बार बहुत उधम मचाया था और कल भी बोले थे, एक दलित समाज की बिटिया जिसकी आगरा में हत्या हुई थी कल भी उस पर बोले थे लेकिन अपने ज्ञान को थोड़ा मजबूत करें मा0 अधिष्ठाता महोदय उसके ताऊ के लड़के ने उसकी हत्या की थी। सभी लोग जेल में हैं, तीनों मुल्जिम जेल में हैं, रासुका लगने की तैयारी हो रही है और हमारी सरकार ने पॉच लाख रुपया उनके परिवार को आर्थिक सहायता देने का भी काम किया है, पहले जानकारी कर लिया करें उसके बाद बोला करें। इधर समाजवादी पार्टी के मा0 सदस्य बोल रहे थे कि उनके अनुषांगिक संगठन, अरे महात्मा गॉधी को तो हम लोग मानते हैं अगर महात्मा गांधी को आपने माना होता तो श्री राज्यपाल महोदय के सामने इस दृश्य को उत्पन्न नहीं करते अगर आप लोग अहिंसा के पुजारी होते। इन्होंने कहा कि उनके अनुषांगिक संगठन।

मैं इस सदन के अंदर चुनौती देकर कहना चाहता हूं कि या तो आप माफी माँगों, वरना सिद्ध करो सुश्री पूजा शकुनि पाण्डेय और उनका पति श्री अशोक पाण्डेय भारतीय जनता पार्टी के किसी आनुषांगिक संगठन का सदस्य नहीं है और वे दोनों गिरफ्तार होकर जेल गये हैं। केवल असत्य के अलावा आपके पास कुछ नहीं है। आज आप दोनों लोग एक हुए है। हम सबके नेता स्वर्गीय ब्रह्मदत्त द्विवेदी जी की आत्मा भी दुःखी होगी, जहाँ वह होगी। गेस्ट हाउस काण्ड को भूल गये, जिनको गुण्डा कहा, आज उनके साथ जाकर बैठ गये। आपने पहले नारा दिया था कि ''चढ़ गुण्डों की छाती पर, मोहर लगा दो हाथी पर'', लेकिन अब आप नारा दे रहे हैं ''गुण्डे चढ़ जाओं छाती पर, मोहर लगा दो हाथी पर''। अगर आप में थोड़ी भी शर्म बाकी होती, तो ऐसा काम कदापि नहीं करते। इन्हीं के लोगों ने कहा था कि मेरी हत्या का प्रयास हुआ, मेरे साथ क्या-क्या व्यवहार किया गया, फलाने गुण्डे हैं। पिता की चिन्ता नहीं की, पिता को गुण्डा कहा और बुआ की गोद में जाकर बैठ गये। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की यह तो स्थिति है। आज कोई अपराधी थाने के अंदर चाय नहीं पीता। इनके यहां जब अपहरण होते थे तो फिरौती को वसूलने का काम मैनपुरी में हुआ करता था। आज अपराधी या तो हवालात में होगा या जेल में होगा, लेकिन थाने में बैठकर चाय नहीं पी रहा होगा, उसका सम्मान नहीं हो रहा होगा। मैं जिस क्षेत्र से आता हूं वहां पानी की दिक्कत है, लेकिन इस बार मैं मा0 सिंचाई मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि 20-20 वर्ष से जहाँ नहर और बम्बे नहीं आये थे, आज 20 वर्ष के बाद वहां नहर और बम्बे से पानी पहुँचाने का काम किया गया है। आज ट्यूवल का कनेक्शन अलग हो रहा है। किसानों को विद्युत निर्बाध उपलबध करायी जा रही है। वह समय से अपने फसलों की सिंचाई कर पा रहे हैं। दिन में 10 घण्टे विद्युत मिल रही है। इनके समय में किसान खेत पर बैठकर बिजली आने का इंतजार करके घर चले जाया करते थे, लेकिन उन्हें पता नहीं होता था कि बिजली कब आयेगी। हमारे एक वरिष्ठ मित्र यहां बैठे हैं, उनके यहां भी आलू की खेती होती है, लेकिन क्या यह सच नहीं कि इस बार एक क्विंटल आलू की कीमत रू0 1600/- और रू0 800/- कट्टा मिला है। अधिष्ठाता महोदय, जब नई फसल आती है तब आलू की कीमत गिरती है। किसान इस उम्मीद में आलू कोल्ड स्टोरेज में रखे रहता है कि अभी और दाम बढ़ेगे, इस कारण से कुछ आलू किसानों का नुकसान हुआ है। आगरा के अंदर शहरी क्षेत्र में गंगाजल आ गया है। हम लोग जानते हैं गंगाजल शुद्ध होता है और उसके फिल्टरेशन के बहुत अच्छे प्लांट लगे हैं। उसका वितरण शुरू हुआ है और अभी काम चल रहा है। मैं माननीय योगी जी को धन्यवाद देना चाहूंगा कि उन्होंने सारी बाधाओं को दूर करते हुए पैसा देने का काम किया है। आगरा के अंदर पेयजल की जो समस्या थी, आज शुद्ध जल आगरा को मिल रहा है। हमारे से पहले जो सरकारे थीं, हम लोगों को कष्ट होता था कि हमारे बच्चों को कैसे ड्रेस दिये जाते थे, आज प्राईमरी विद्यालय का बच्चा भी कान्वेन्ट स्कूलों के बच्चों से अच्छी ड्रेस पा रहा है, इसके लिए हमारी सरकार बधाई की पात्र है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप अपनी बात को समाप्त करिये।

श्री राम प्रताप सिंह-

अधिष्ठाता महोदय, मैं दो बातें कहकर अपनी वाणी को विराम दूँगा। खनन घोटाला और मूर्ति घोटाला। अभी तो पूछताछ शुरू हुई है, लोग घबड़ा गये। कह रहे हैं कि ये सी0बी0आई0/ई0डी0 का दुरुपयोग हो रहा है। अभी मूर्ति घोटाले में किसी से बात हुई है। आपको क्यों डर लगता है, क्या चोर की दाढ़ी में तिनका है ? अब यह लड़ाई दो तरह के लोगों के बीच है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी मा0 मोदी एवं मा0 योगी की सरकार और दूसरी ओर भ्रष्टाचारी है। ये भ्रष्टाचारी पश्चिम बंगाल में एक दिखे थे। आज दो तरह के ताकतों के बीच में लड़ाई है। अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। जय हिन्द, जय भारत, बन्दे मातरम्।

***श्री धनन्जय कनौजिया-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम श्री राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के समर्थन में बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं हृदय से आपका आभार प्रकट करता हूं। माननीय अधिष्ठाता जी, जैसाकि महामहिम राज्यपाल जी ने अपने अभिभाषण में सदन को आश्वस्त किया, बताया कि किस तरह से आदरणीय योगी जी की सरकार ने प्रदेश की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को पुनर्स्थापित करने का कार्य किया है। निश्चित रूप से यह कहा जा सकता है कि किसी भी व्यक्ति अथवा स्थान की पहली पहचान उसके नाम से होती है तो जिस तरह से मा0 योगी जी ने 18 अक्टूबर, 2018 को इलाहाबाद का नाम प्रयागराज के रूप में पुनर्स्थापित किया। 23 नवम्बर, 2018 को फैजाबाद का नाम अयोध्या के नाम पर पुनर्स्थापित किया। मैं बेल्थरा रोड विधान सभा क्षेत्र के सम्मानित क्षेत्रवासियों की तरफ से योगी महाराज जी को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। दूसरी तरफ, यशस्वी प्रधानमंत्री जी के प्रयास से 'यूनेस्को' ने कुम्भ को ऐतिहासिक और पौराणिक मान्यता प्रदान करते हुये इसे विश्व जगत के समक्ष मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में घोषणा किया और आज हम कह सकते हैं कि कुम्भ स्नान सिर्फ एक मेले के रूप में नहीं रह गया है बल्कि 'दिव्य कुम्भ, भव्य कुम्भ' के रूप में पूरे विश्व में चर्चा का विषय है तथा सनातन धर्म के प्रेमियों के आस्था को बल प्रदान कर रहा है। पिछली सरकार ने कुम्भ के आयोजन के लिए 1700 हेक्टेयर मेला क्षेत्र के रूप में रखा था लेकिन इस बार आदरणीय योगी जी की सरकार ने इसे लगभग दोगुना करते हुए 3200 हेक्टेयर के रूप में मेला क्षेत्र का विस्तार किया है। पिछली सरकार में कुम्भ स्नान के लिए आये हुये लोगों की संख्या 12 करोड़ थी, इस बार मात्र 20 दिन में ही 15 करोड़ लोगों ने कुम्भ में आस्था की डुबकी लगायी है। कुम्भ की सफलता का दूसरा सबसे बड़ा पैमाना है राजस्व और योगी जी की सरकार ने मात्र 4200 करोड़ रुपये का बजट इस कुम्भ के लिए आवंटित किया था उसके सापेक्ष इस 50 दिन के कुम्भ मेले के आयोजन से सरकार को रु0 1,20,000 करोड़ का राजस्व प्राप्त होने जा रहा है। यह अपने आप में ही कुम्भ मेले की सफलता को दर्शाता है और सरकार की गम्भीरता को प्रस्तुत करता है। इसके साथ ही इस कुम्भ मेले से 06 लाख लोगों को रोजगार भी मिला और आज हम यह कह सकते हैं कि कुम्भ मेला एक वैश्विक (ग्लोबल) मेला के रूप में आयोजित हो रहा है और तमाम देशों के लोगों के

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अध्यात्म का केन्द्र बना हुआ है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि इसकी सफलता और भव्यता को देखकर यह कहा जा सकता है कि आज विश्व की जनसंख्या को दो भागों में बॉटा जा सकता है। एक वो जो कुम्भ में स्नान कर चुके हैं, एक वो जो अभी कुम्भ के स्नान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। योगी महाराज जी के नेतृत्व में पिछले दो वर्षों से अयोध्या में अद्वितीय दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया है और पिछली बार 3 लाख 31 हजार दिये जलाकर, दीपों का पर्व दीपावली मनाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

जबकि पूर्ववर्ती सरकारों में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ और अगर कुछ हुआ तो उन्होंने तुष्टिकरण की राजनीति को आधार बनाकर कार्य करने का कार्य किया। उन्होंने दिए जलाने की बात तो दूर बहुसंख्यक समाज के लोगों का दिल जलाने का कार्य किया है।आज भा0ज0पा0 की सरकार आस्था और विश्वास के आधार पर आगे बढ़ रही है। सनातन प्रेमियों की आस्था को मजबूत कर रही है और सरकार के प्रति जनता में यह विश्वास पैदा हो रहा है कि यही भारतीय जनता पार्टी की सरकार है जो विकास को आगे बढ़ा रही है। गॉव, गरीब, किसान के विकास के लिए कार्य कर रही है और सबका साथ सबका विकास का सपना साकार कर रही है। जबकि हम गैर भा0ज0पा0 की सरकारों पर नजर डालें, आजादी के बाद साठ वर्षों तक देखें तो जिस तरह से तुष्टिकरण की राजनीति इस प्रदेश में हुई तमाम ऐसे उदाहरण हैं जिसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि जो एक राजनीतिक परिवेश बना प्रदेश में, उससे प्रदेश की सांस्कृतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों का दोहन हुआ। विदेशी संस्कृति और संस्कार का प्रचार प्रसार हुआ और इस प्रकार के दोहन की भरपाई अगर किसी संगठन ने किया तो उस संगठन का नाम है ''राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ'' जो मात्र विश्व का सबसे बड़ा एक संगठन ही नहीं है बल्कि भारत माता की आत्मा है। महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण के समय जिस तरह का बर्ताव विपक्ष द्वारा किया गया उसकी जितनी भी निन्दा की जाए वह कम है। प्रदेश के महामहिम राज्यपाल प्रदेश के लिए प्रथम नागरिक होते हैं यह बहुत ही सुखद क्षण और गौरव का क्षण होता है जब राज्यपाल के अभिभाषण के समय पूरा सदन विधान सभा के सदस्य और विधान परिषद के सदस्य, माननीय मुख्यमंत्री जी, मा0 नेता प्रतिपक्ष सब लोग उपस्थित रहते हैं और ऐसे समय में एक विराट व्यक्तिव के राज्यपाल महोदय के ऊपर इस तरह का अराजकता का बर्ताव करना याद दिलाता है जिस तरह से देश की सीमा पर पाकिस्तानी सेना भारतीय सैनिकों पर गोलाबारी करती है और उसकी आड़ में आतंकवादी भारत की सीमा में प्रवेश करते हैं आतंकवादियों का मनोबल बढ़ता है, ठीक उसी प्रकार विपक्ष ने जिस तरह से अराजकता का माहौल यहां खड़ा किया इससे इनके संरक्षण में पल रहे गुण्डागर्दी और भ्रष्टाचार करने वाले, अराजकता का माहौल खड़ा करने वाले लोगों का मनोबल बढ़ता है ठीक उसी तरह का कार्य इन्होंने सदन के सामने प्रस्तुत किया।

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करें।

(श्री शाह आलम जी का नाम पुकारा गया।)

श्री धनन्जय कन्नौजिया-

मैं महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर शर्मा जी द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर..

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त कर दीजिए दूसरे माननीय सदस्य का नाम पुकार लिया गया है।

श्री धनन्जय कन्नौजिया-

मैं कहना चाहता हूँ देश की आबादी की बीस प्रतिशत आबादी उत्तर प्रदेश में रहती है और उत्तर प्रदेश की सरकार ने जिस तरह से स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका का योगदान दिया है उत्तर प्रदेश के साढ़े तीन करोड़ परिवारों तक पहुँची जनहित योजनाओं को..

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करें बैठ जाएं ज्यादा टाइम हो गया।

श्री धनन्जय कन्नौजिया-

एक मिनट और दे दें। मान्यवर, मेरे बेल्थरा रोड विधान सभा क्षेत्र में अग्निशमन केन्द्र के निर्माण आवश्यकता है।

श्री अधिष्ठाता-

बैठिए अब।

श्री धनन्जय कन्नौजिया-

साथ ही 1995 से बेल्थरा रोड तहसील के रूप में है यह सर्किल के रूप में बनाया जाए और नगरा को नगर पंचायत के रूप में स्थापित किया जाए। इसी निवेदन के साथ मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करता हूं। अपनी वाणी का विराम देता हूं। जय हिन्द जय भारत।

***श्री शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली-**

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी द्वारा प्रस्तुत अभिभाषण के संबंध में नेता प्रतिपक्ष द्वारा प्रस्तुत संशोधन प्रस्ताव के पक्ष में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं अपने आपको नेता प्रतिपक्ष और अपने बहुजन समाज पार्टी के नेता मा0 श्री लालजी वर्मा जी द्वारा कही गयी सभी बातों से संबद्ध करता हूं। मैं उन बातों को दोहराना नहीं चाहता हूं। हमारे एक माननीय सदस्य भाई उज्ज्वल रमण जी ने बिल्कुल सही कहा, मुझे उनकी बात बिल्कुल सही लगी कि यकीनन अगर महामहिम राज्यपाल महोदय उस अभिभाषण की पुस्तिका को पूरा पढ़ लेते तो शायद यहां प्रस्तुत न करते। उसमें असत्य का पुलिन्दा है, बिल्कुल दिशाहीन है, बल्कि मैं तो कहता हूं कि वह सरकार की जुमलेबाजी की लिखित एक पुस्तिका है, उससे ज्यादा और कुछ नहीं है। मैं विरोध के लिए विरोध नहीं करता। मैं एक सोशल वर्कर टाईप का आदमी हूं, राजनीति कम करता हूं, समाज की चिन्ता ज्यादा करता हूं। मेरा मानना है कि किसी भी दल की सरकार को अगर जनता आशीर्वाद देती है, वह अगर मैनडेट लेकर आता है, सदन में बैठता है, केन्द्र में बैठता है तो उसका धर्म है कि वह निष्पक्ष होकर अपनी जनता के साथ एक समान व्यवहार करे। राजा वही

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

होता है जनता ने जिसको मैनडेट दिया, उसमें यह नहीं होना चाहिए कि यह मेरा वोटर है, यह दूसरे का वोटर है, जाति-धर्म को भुलाकर कार्य करना चाहिए। व्यक्तिगत तौर पर उसका जाति और धर्म हो सकता है, राजा का कोई धर्म और जाति नहीं है, जो अफसर लोग ताकत मिलने के बाद यह भूल जाते हैं। यह बड़ा अच्छा हमारा लोकतांत्रिक ढ़ांचा है कि हमें हर 5 साल बाद फिर परीक्षा में जाना होता है। हमने अक्सर देखा है, हम यह सब भूल जाते हैं कि हमें 5 साल बाद फिर जनता के बीच में जाना है और इतना नशे में आ जाते हैं कि मानों अब हमें 50 साल के लिए सत्ता मिल गयी हो, हम बिल्कुल अमर हैं। अभी हमारे कई भाइयों ने और हमारी बहन गठबंधन की बातें कह रही थीं कि गठबंधन करके भी क्या बिगाड़ लेंगे, 2019 सामने है और आप तो 2022 की बातें कर रहे हैं। ठीक है चिन्ता किस बात की है, अगर हम सही हैं और हम अपने कार्यों से संतुष्ट हैं तो हमें चिन्ता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। हम 3-4 महीने बाद फिर इसी सदन में मिलेंगे और देखियेगा कि जनता का क्या मैनडेट है। मेरा मानना है कि इसमें कोई दो मत नहीं है कि आज प्रदेश की अधिकतर जनता दुःखी है और यह बात किसी विद्वान ने कही है, मैं बताना चाहता हूं कि ''एक आंसू भी हुकूमत के लिए खतरा है, तुमने देखा ही नहीं आंखों का समुन्दर''। वह देश के सिपाही जो हमारे लिए जान लगा देते हैं, वह पुलिस के आफीसर्स जो रातों में अपने बच्चों को छोड़कर, अपने परिवार को छोड़कर गाड़ियां लेकर दौड़ते हैं, सायरन बजाते हैं ताकि आम जनता अपने घरों में चैन की नींद सो सके, हम आप सुरक्षित रह सकें। बुलन्दशहर का वायरल वीडियो हमने भी देखा है और आपने भी देखा है। एक जाबांज ईमानदार इंस्पेक्टर के सिर पर गोली मारकर उसको गाली देकर कहा गया कि मरा या नहीं मरा। मेरा सरकार पर सीधा-सीधा इल्जाम है कि सरकार मुल्जिमों को बचा रही है। जो असली मुल्जिम हैं, वह अभी घूम रहे हैं। ठीक है आप सत्ता में है, इसमें कोई दो राय नहीं कि आप इस वक्त एब्पसोल्यूट मजार्टी में हैं, जनता ने आपको आशीर्वाद दिया था। चाहे किसी भी तरह से दिया हो, चाहे आपकी जुमलेबाजी से भ्रमित होकर दिया था। अब यह आपको तय करना है कि आप इसको आगे चलाना चाहते हैं वरना कोई बात नहीं, जो जैसा करेगा, वह आने वाले दिनों में उसके सामने आयेगा। इसमें बहुत बहस की जरूरत मैं नहीं समझता। हमें यह जनता पर ही छोड़ देना चाहिए। मैं इस पर बहुत ज्यादा नहीं कहना चाहता। मुबारकपुर, आजमगढ़ से जीतकर दूसरी बार जनता ने मुझे भेजा है। क्षेत्र के लिए भी कुछ जिम्मेदारियां रहती हैं, उसके लिए भी कुछ बातें रखना चाहता हूं। मा0 संसदीय कार्यमंत्री जी बैठे हुए हैं।

मेरा बहुत विनम्र अनुरोध है कि मेरी विधान सभा में एक गांव पड़ता है अमीलो इस प्रदेश में आबादी के हिसाब से दूसरा बड़ा गांव है पिछले दिनों उसको नगर पालिका से जोड़ दिया गया वहां की जनता अक्सर मुझसे कहती रही मैंने कई बार कहा भी आपको पत्र भी भेजा था मेरा अनुरोध है कि एक बार आप उसको दिखवा लें अगर आपके मानक के हिसाब से सही होता हो तो उसको नगर पंचायत या नगर पालिका घोषित कर दें 30-35 हजार की आबादी है दूसरा एक कस्बा है जहॉनागंज यहां की भी आबादी 20 हजार के ऊपर है वहां पर पिछले दिनों आप लोगों ने सर्वे भी कराया था उसकी घोषणा नगर पंचायत की रहती है मेरा अनुरोध है कि उसको भी प्रायरिटी में लेकर अगर कर दें तो मैं आपका निजी तौर पर आभारी रहूंगा। मेरा क्षेत्र बहुत पिछड़ा है गरीबों का क्षेत्र है बुनकरों का क्षेत्र है, मजदूरों का क्षेत्र है वहां

पर एक बस डिपो पिछली सरकार ने बनाया मैं उनका आभारी हूँ लेकिन पैसा काफी लग गया है और वह इफेक्टिव तरीके से अब भी नहीं चल पा रहा है वहां पर बसों का आवागमन ठीक से नहीं है उसको दिखवा लें और दिखवाकर जो कमियॉ हैं उन्हें ठीक करा दें ताकि उसका लाभ जनता को मिल सके । महोदय वह पिछड़ा क्षेत्र है और एजूकेशन की बहुत कमी है। इसलिए मैं सरकार से विशेष रूप से अपने मुबारकपुर कस्बे में बच्चियों के लिए विद्यालय की और एक इण्टर स्कूल की मांग करता हूं मुबारकपुर विधान सभा के लिए आई0टी0और एक इंजीनियरिंग कालेज की मांग करता हूं बुनकर क्षेत्र है वहां की रोजी रोटी लाइट की सप्लाई पर निर्भर करती है मैं वहां के लिए 24 घंटे लाइट की मांग करता हूं क्योंकि उनकी रोजी रोटी उसी पर निर्भर है इन्हीं बातों के साथ अपनी बात खत्म करता हूं आपने मुझे बोलने का मौका दिया मैं आपका आभारी हूं।

श्री योगेन्द्र उपाध्याय-

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे माननीय राज्यपाल के अभिभाषण पर माननीय विधायक श्री सुनील शर्मा जी के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं। चार फरवरी को इस सदन में क्या हुआ..

(विपक्ष के अनेक सदस्यों द्वारा पॉच फरवरी कहने पर।)

श्री योगेन्द्र उपाध्याय-

ठीक है पॉच फरवरी को क्या हुआ उसमें लोकतंत्र की मर्यादा तार-तार हुई उस दिन लोकतंत्र शर्मशार हुआ लोगों ने देखा मीडिया ने देखा प्रिंट मीडिया ने जीवन्त चित्रण प्रस्तुत किया इलेक्ट्रो मीडिया ने जीवन्त दिखाया जनता ने पढ़ा और जब जनता ने पढ़ा तो उसे महसूस हुआ कि क्या यह जम्हूरियत है। आप लोगों ने संसदीय राजनीतिक प्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया। आप लोगों ने ऐसा किया कि लोग यह सोचने पर मजबूर हो गए कि जिन लोगों को हमने चुनकर भेजा था अपनी समस्याओं के निदान के लिए जिन लोगों को हमने चुनकर भेजा था एक विचार विमर्श करेंगे और प्रदेश का भला करेंगे इसके लिए वह लोग क्या कर रहे थे। दो पंक्तियों में कहना चाहूंगा।

(इसी मध्य 01 बजकर 38 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुये।)

''न तेरी शान कम हुई होती न तेरा रुतबा कम हुआ होता।
न तेरी शान कम हुई होती न तेरा रुतबा कम हुआ होता।
जो तूने विरोध किया जरा सलीके से किया होता। जरा सलीके से किया होता।''

मान्यवर, उस दिन महामहिम पर निशाना लगाकर उनको निशाना बनाकर कागज के गोले फेंके जा रहे थे हवाई जहाज उड़ाए जा रहे थे मखौल बना दिया था पूरे सदन को। मान्यवर, हालत यह हुई कि हुड़दंग हो रहा था कुछ मेजों पर चढ़े थे कुछ डेस्क पर चढ़े हुए थे जो शीटें इनके बैठके के लिए हैं उन पर चढ़कर सीटियॉ बजाई जा रही थीं मान्यवर, हवाई जहाज उड़ाए जा रहे थे यह लोकतंत्र का मंदिर है।

इसका जर्रा-जर्रा उस दिन कराह उठा था। मान्यवर, संस्कारों का अभाव है इसलिये ऐसा हो रहा है। किसी बच्चे को उपहार न दिया जाए तो वह थोड़ी देर रोएगा, लेकिन अगर किसी बच्चे को संस्कार न दिये जाएं तो वह जिन्दगी भर रोएगा, जिन्दगी भर रोएगा और यदि राजनीतिक दल के लोगों को संस्कार न दिए जाएं तो उसके कर्मों से प्रदेश रोएगा, देश रोएगा,

जनता रोएगी और यह पावन मन्दिर रोएगा और ऐसा हुआ है। इन लोगों ने इस पावन मन्दिर की मानहानि की, इसके मान को इसके सम्मान को ठेस पहुँचाई जिसकी निन्दा होनी चाहिये और आपके संरक्षण में कोई ऐसी व्यवस्था बननी चाहिये कि इसकी पुनरावृत्ति न होने पाए। [x x x]

(इस मध्य सदस्य श्री मौ0 फईम इरफान तथा श्री इरफान सोलंकी द्वारा अपने स्थान पर खड़े होकर टोका-टाकी करने पर व्यवधान।)

श्री अजय कुमार 'लल्लू'-

मा0 अध्यक्ष जी, यह संसदीय शब्द नहीं है इसलिये इसे कार्यवाही से निकलवा दीजिये।

श्री अध्यक्ष-

उन्होंने जम्हूरियत को 'मुन्नी' कहा है। इसे देख लिया जायेगा। आप बहुत सीनियर मेम्बर हैं, आप बैठ जाईये।

श्री योगेन्द्र उपाध्याय-

मा0 अध्यक्ष जी, माननीय श्री राज्यपाल जी का अभिभाषण सरकार की उपलब्धियाँ होती हैं, उसकी नीतियाँ होती हैं, उसकी भावी योजनाएं होती हैं, जनता के लिये उसके भावी कार्यक्रम होते हैं इसलिये उसको गम्भीरता से सुनना चाहिये। उस पर गम्भीरता से मनन होना चाहिये, चिन्तन होना चाहिये, मंथन होना चाहिये और उस मंथन से जो अमृत निकले उसका जनता में वितरण होना चाहिये। यह सदन इसीलिये है।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है। अब आप समाप्त कीजिये।

श्री योगेन्द्र उपाध्याय-

मान्यवर, अभी तो शुरू किया है। आपके आते ही शुरू किया था। यह अभिभाषण गॉव, गरीब और किसान, बेरोजगार नौजवान, महिलाओं के सम्मान, उद्योगों के उत्थान, प्रदेश के स्वाभिमान और देश के अभिमान का प्रतीक है और यह इस अभिभाषण से लक्षित होता है। यह एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय है जिसने प्रदेश का स्वाभिमान बढ़ाया है। 'सबका साथ सबका विकास' जो हमारी राजनीतिक थीम है उसकी यह एक छोटी-मोटी गीता है। इसका अध्ययन होता तो देखते कि इस समय जो कुम्भ चल रहा है वह विश्व की मानवता का सबसे बड़ा समागम है जिसको पूरा विश्व अद्भुत दृष्टि से देख रहा है और जिसमें भारतीय दर्शन से पूरी दुनिया को अवगत कराया जा रहा है। सिर्फ भारतीय दर्शन से ही नहीं अवगत कराया जा रहा है बल्कि यहां की सांस्कृतिक धरोहरों को सजाया जा रहा है। मा0 अध्यक्ष जी, माननीय प्रधानमंत्री जी ने कुम्भ को ''मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर'' की मान्यता यूनेस्को से दिलवाई है। माननीय योगी जी ने इलाहाबाद का नाम प्रयागराज, फैजाबाद का नाम अयोध्या करके हमारी सांस्कृतिक अनुभूति को जीवन्त किया है और हमारी सांस्कृतिक धरोहरों को सजाया है। करोड़ों जन का यह समागम और इसकी सुव्यवस्था और प्रबन्धन देखकर विश्व है, अचम्भित है। वहां पर जो विकास कार्य हुए हैं उसको देखकर पूरा भारत और भारतवासी अभिभूत और अचम्भित हैं। विकास किसके लिये होना चाहिये? राजनीति विकास का एक औजार है। विकास समृद्धशाली लोगों के लिये हो या समृद्धि जिन दरवाजों तक पहुँचाई जाए उन लोगों के लिये हो ?

नोट-[x x x] यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

यह तय करना होगा ? यह एक बहुत बड़ा प्रश्न है। उन लोगों ने समृद्धशाली लोगों के लिए विकास कराया था हमने समृद्धि दूर-दराज तक पहुँचे इसके लिए विकास कराया है। हमारी सरकार ने अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के लिए सोचा है, जो परंपरागत कारीगर हैं दर्जी, कुम्हार, मोची, धोबी, बढ़ई, लुहार और बुनकर इनका सम्मान और स्वाभिमान कैसे बढ़े, इनकी आर्थिक दृष्टि और व्यवसाय का नया रास्ता कैसे खुले यह सोच दिया है इस अभिभाषण ने, 'वन डिस्टिक वन प्रोडेक्ट' अब हर जिले में ऐसे कारीगर हैं जिन्होंने कुछ न कुछ अपनी कला से उस जिले का नाम जीवंत किया है, वहां के प्रोडक्ट को जीवंत किया है। वह बेचारे वहीं पर अनस्कील्ड कारखानों में सीखते हैं लेकिन उसको अपने प्रोडक्ट का स्थान बनाये रखते हैं पूरे देश में, पूरे प्रदेश में, हमारी सरकार ने मा0 योगी जी की सरकार ने उस 'वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट' की योजना बनाकर उस कौशल को संरक्षण प्रदान किया है और उन नौजवानों को जो इस व्यवसाय से जुड़े हैं उन व्यवसायियों को 7500 करोड़ का ऋण देकर रोजगार के अवसर उत्पन्न कराये और उनको आधुनिक तकनीक से जोड़कर पूरे अंतराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार कैसे कर सके यह अभिभाषण में उल्लेख किया गया है। इसका उल्लेख अभिभाषण में पढ़ा गया होता तो शायद यह बात नहीं कहते। इनका पूरा प्रदेश सैफई था। सड़क बनती थी तो सैफई में बनती थी, अस्पताल बनते थे तो सैफई में बनते थे, पुल बनते थे तो सैफई में बनते थे, फ्लाई ओवर बनते थे तो सैफई में बनते थे, शिक्षा केन्द्र खुलते थे तो सैफई में खुलते थे यहां तक की जब आगरा जो अन्तर्राष्ट्रीय शहर है पर हवाई अड्डा खोलने की बात आई तो उसे भी सैफई में ले जाने लगे। मुम्बई वालियों के ठुमके लगते थे तो वह भी सैफई में लगते थे। हमने यह नहीं किया। जिस इज्जत घर की बात अभी हो रही थी मा0 राम प्रताप जी कर रहे थे वह इज्जत घर दिए गये हैं।

प्रदेश में कुल 1 करोड़ 71 लाख, महिलायें उजाला होने से पहले खेत, खलिहान और मैदान में शौचादि के लिए जाती थीं या फिर रात होती थी तब जाती थीं लेकिन हमारी सरकार ने उनकी इज्जत बनाये रखने के लिए इज्जत घर दिए, शौचालय दिए। जिनके पास घर नहीं थे गर्मी में, ठंड में लू के थपेड़ों में पड़े रहते थे। ऐसे बेघरों के ग्रामीण क्षेत्र में 10.09 लाख और शहरी क्षेत्र में 09.33 लाख आवास हमारी सरकार ने उपलब्ध कराये हैं। मान्यवर, चिकित्सा और शिक्षा एक आम आदमी की जरूरत होती है। यहां पर बैठे लोगों ने कभी-कभी कहा होगा या कहते सुना होगा कि डा0 साहब मेरे बच्चे को बचा लीजिए चाहे मेरा घर पूरा बिक जाये, मेरे माँ-बाप को बचा लीजिए चाहे मेरा घर-घूरा बिक जाये। चिकित्सा की इतनी आवश्यकता होती है। हमारी सरकार ने इस ओर ध्यान दिया है और अब प्रदेश में 8 नए मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो रहा है, 5 जिला चिकित्सालय अपग्रेडेशन की श्रेणी में जा रहे हैं, आगरा एक एस0एन0 मेडिकल कॉलेज हुआ करता है तीन प्राचीनतम् मेडिकल कॉलेजों में से आगरा का एक एस0एन0 मेडिकल कालेज है भारत के जिसमें बड़े-बड़े वी0आई0पी0 आते थे और इलाज कराते थे। इसी प्रदेश के मा0 पूर्व मुख्यमंत्री मा0 कमलापति त्रिपाठी जी का इलाज होते हुए वहां पर देखा गया है। लेकिन आज पिछले 15 साल की दुर्दशा में वहां पर आम आदमी इलाज कराने नहीं जाता है, गरीब आदमी मजबूरी में चला जाये तो चला जाए नहीं तो वह भी नहीं जाता है। ''प्रधानमंत्री स्वास्थ्य रक्षा योजना'' के अन्तर्गत इसके अपग्रेडेशन के लिए उसमें

सुपरस्पेशलिटी विभाग खोलने के लिए 120 करोड़ रुपया दिया गया है और मा0 योगी जी की सरकार ने 80 करोड़ रुपये देकर स्वास्थ्य सुरक्षा योजना में उसका शिलान्यास किया है। अब आगरा के लोगों को दिल्ली, मुम्बई, कलकत्ता, जयपुर और लखनऊ नहीं जाना पड़ेगा उनका इलाज वहीं पर होगा। इलाज आम आदमी के घर तक पहुँचे यह हमारी सरकार ने किया है

माननीय अध्यक्ष जी, मैं एक बात और कहना चाहता हूं। मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता पानी है। आगरा में अकबरकाल से पानी की समस्या है क्योंकि वहां का भू-जल खारा है और यमुना मैली हो गई है। 'राम तेरी गंगा मैली हो गई, पापियों के पाप धोते-धोते' यह राजकपूर जी ने फिल्म में दिखाया गया है लेकिन 'कृष्ण तेरी यमुना मैली हो गई दिल्ली और ओखला के नाले ढोते-ढोते' की आज स्थिति हो गई है। इस समस्या के निराकरण के लिए आगरा में गंगा जल लाने का एक प्रोजेक्ट बना था। हम पन्द्रह साल से सुनते आ रहे थे कि 'गंगा जल आयेगा, आगरा की प्यास बुझायेगा, गंगा जल आयेगा, आगरा की प्यास बुझायेगा।' न बाबा आता था और न घण्टा बजता था। अब हमारे बाबा योगी जी आ गये, इस तरह बाबा भी आ गये और घण्टा भी बज गया। दूसरे बाबा हमारे आदरणीय सुरेश कुमार खन्ना जी हैं। मैंने माननीय नगर विकास मंत्री जी और माननीय मुख्यमंत्री जी को गंगा जल प्रोजेक्ट में आने वाली सब बाधाओं से अवगत कराया और बताया कि किस तरह प्रशासन और शासन उदासीन था, प्रोजेक्ट को देखता नहीं था, फाइलें उलझी रहती थी। जिसके बाद गंगा जल प्रोजेक्ट की सब बाधायें दूर हुई और 09 जनवरी, 2019 का दिन आगरा के लिए इतिहास का वह दिन बना जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने रिमोट का बटन दबाया और यमुना मइया के शहर में गंगा मइया ने प्रवेश किया। मैं माननीय नगर विकास मंत्री जी को अवगत कराना चाहूंगा कि आधा आगरा में गंगा जल आ गया है लेकिन आधा आगरा इसमें अभी आना शेष है। वहां का जो ठेकेदार है वह उस काम को पूरा नहीं कर रहा है और काम में व्यवधान उत्पन्न कर रहा है। सरकारी व्यवस्था उसको आर्थिक दण्ड तो दे सकती है लेकिन मैं आपसे अनुरोध करूँगा कि उसको क्रिमिनल दण्ड भी मिलना चाहिये। माननीय अध्यक्ष जी, हमारे माननीय सदस्य श्री सुनील कुमार शर्मा जी ने माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव रखा है मैं उसका समर्थन करता हूं। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से श्रीमती आराधना मिश्रा जी नहीं हैं, माननीय मसूद अख्तर जी कृपया आप बोलिये।

***श्री मसूद अख्तर-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे महामहिम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका हृदय से आभारी हूं। माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश की जनसंख्या चार राष्ट्रों की जनसंख्या से ज्यादा है इसलिये उत्तर प्रदेश का देश में एक खास महत्व है। सामाजिक दृष्टि से हो या राजनीतिक दृष्टि से उत्तर प्रदेश से ही देश को नेतृत्व मिलने का काम होता आया है। माननीय अध्यक्ष जी, महामहिम राज्यपाल जी का अभिभाषण

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सुनकर लगता है कि सरकार के पास अपनी उपलब्धि का कोई ठोस कार्यक्रम नहीं है। यह सरकार हर मोर्च पर विफल रही है। चाहे कानून-व्यवस्था का मामला हो। चाहे बेरोजगारों को रोजगार देने का मामला हो। चाहे भुखमरी से किसानों की आत्महत्या करने का मामला हो, दलित उत्पीड़न, अल्पसंख्यक समुदाय का उत्पीड़न या फिर खास तौर से महिलाओं के उत्पीड़न के मामले में यह सरकार विफल रही है। हमारा देश और हमारा उत्तर प्रदेश कृषि प्रधान है। अगर हम किसानों की बात करें, तो हर सरकार और मौजूदा सरकार ने भी सरकार में आने से पहले किसानों के लिए बड़े-बड़े वायदे करने का काम किया था। मान्यवर, आज किसानों की आय दोगुनी करने के लिए यह सरकार दम भरती है, लेकिन किसानों के अपने अनाज का समर्थन मूल्य भी सही तरह से नहीं मिल पाता है। बिचौलियों के जरिए किसानों का उत्पीड़न हो रहा है। खासतौर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गन्ना किसान परेशान हैं। उन्होंने जो गन्ना उत्पाद किया है वह भी मिलों में सही तरह से सप्लाई नहीं हो रहा है। पिछले साल का गन्ना मूल्य भी किसानों को अभी तक नहीं मिल पाया है। मैं आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूं कि किसानों के लिए उनके उत्पीड़न को रोकने के लिए और बिचौलियों को खत्म करने के लिए सरकार की तरफ से कोई कदम आना चाहिए। इसी तरह से बड़े-बड़े वायदे किये गये थे कि बेरोजगारों को रोजगार दिये जाएंगे, लेकिन आज लाखों वकैंसियां होने के बावजूद भी उनको नहीं भरा जा रहा है।

नौजवानों ने भारतीय जनता पार्टी को इसलिए वोट दिया था कि उन्हें उम्मीद थी कि उनके अच्छे दिन आयेंगे, लेकिन आज उन बेरोजगार युवकों को कहना पड़ रहा है कि अच्छे दिन तो दूर की बात हमारे वह पुराने दिन ही लौटा दीजिए तो अच्छा होगा। आज बेरोजगार युवक खून के आंसू रोने को मजबूर हैं। मेरा परिवार परेशान है। आज मुझे कहना पड़ रहा है कि जो बड़े-बड़े वायदे महिला उत्पीड़न को खत्म करने के लिए किये गये थे वह धरातल पर नजर नहीं आ रहे हैं। आज मैं कह सकता हूं कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसा देश है जो महिला उत्पीड़न के मामले में नम्बर-1 पर है। मान्यवर, पुलिस बेखौफ है। कल मा0 मुख्यमंत्री जी बंगाल में एक रैली को सम्बोधित कर रहे थे। रैली में मा0 मुख्यमंत्री जी बोल रहे थे कि उत्तर प्रदेश में जो विपक्षी पार्टियां हैं उनके गुंडे दर-दर भटकने को मजबूर हो गये हैं और वह प्रदेश छोड़ने को भी मजबूर हो गये हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि जिस तरह से उत्तर प्रदेश में क्राईम रेट बढ़ रहा है और 2017 में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी थी तो जिसमें लूट, डकैती, हत्याएं, अपहरण उससे ज्यादा आज रिकार्डेड हैं। विपक्षी पार्टियों के गुंडे जब डरकर उत्तर प्रदेश से भाग गये हैं तो आज कौन क्राईम कर रहा है? आज उनको किसका संरक्षण प्राप्त है? उत्तर प्रदेश में जो क्राईम रेट बढ़ रहा है आज वह कौन कर रहा है? जब विपक्षी पार्टियों के गुंडे भाग गये हैं तो क्या सत्ता पार्टी के सत्ता पक्ष के गुंडे क्राईम को करने का काम कर रहे हैं? मान्यवर, यह एक गंभीर विषय है। मैं आखिर में चिकित्सा के मामले में कहना चाहता हूं कि आज भी दूरदराज गांव के जो हॉस्पिटल हैं, सामुदायिक केंद्र हैं वहां पर आज भी कोई सुविधा नहीं है। आज भी गरीब लोगों को भी झोलाछाप डॉक्टरों के चंगुल में फंसने को मजबूर होना पड़ रहा है और उसके लिए भी इसमें कोई प्राविधान नहीं किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में बड़े-बड़े वायदे किये गये हैं, लेकिन बहुत सारे स्कूल आज भी ऐसे हैं जहां बच्चों को फटी हुई टाट पट्टी पर बैठकर पढ़ने को मजबूर होना पड़ रहा है। छतें टपक रही

हैं और वहां टॉयलेट नहीं हैं। अगर मैं उन स्कूलों का नाम लूंगा तो बहुत देर हो जाएगी। मैं कहना चाहता हूं कि आज भी प्राथमिक शिक्षा में हम लोग बहुत पीछे हैं।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि श्री राज्यपाल के अभिभाषण में शिक्षा के लिए कुछ नहीं कहा गया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए 08 अस्पताल को बढ़ाकर उसको मेडिकल कालेज का दर्जा देने का काम किया है। उसमें मै कहना चाहता हूं कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश का सहारनपुर का एस0पी0डी0 अस्पताल जो इस स्थिति में है कि उसको बढ़ाकर मेडिकल कालेज का दर्जा किया जा सकता है। उसमें पूरा एरिया भी है सारी सुविधायें भी हैं। मेरा अनुरोध है कि सहारनपुर में जो मेडिकल कालेज चल रहा है जिसका चौथा साल शुरू हो चुका है। उसमें चौथे साल के बच्चे आ चुके हैं लेकिन आज तक वहां पर ट्रामा सेंटर सुचारू रूप से नहीं चल पाया है। जो बच्चे वहां से निकलकर डाक्टर बनेंगे जब वह मरीजों का इलाज करेंगे तो जब वह वहां सीख ही नहीं पायेंगे तो वह क्या इलाज करेंगे। माननीय अध्यक्ष जी, केंद्र सरकार ने 13 सेंट्रल युनिवर्सिटी देने का काम किया है। लेकिन इतने बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में जिससे ज्यादा संख्या सिर्फ चार राष्ट्रों की है। उत्तर प्रदेश में एक भी सेंट्रल युनिवर्सिटी कायम करने का काम अपनी घोषणा में नहीं किया है। अध्यक्ष जी, मेरा अनुरोध है कि उत्तर प्रदेश में एक सेंट्रल युनिवर्सिटी कायम हो। बच्चों के पढ़ने के लिए एक केंद्रीय विद्यालय बने। आखिर में कहना चाहता हूं कि सहारनपुर में मेरे क्षेत्र में एक बहुत बड़ी आबादी वाला गागालेहडी गॉव है जो 25 हजार से भी अधिक आबादी वाला है। मैंने पहले भी यह बाद सदन में उठायी थी। मेरा अनुरोध है कि उसको नगर पंचायत का दर्जा दे दिया जाये। मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

(श्री अध्यक्ष द्वारा सदस्य श्रीमती नीलम करवरिया का
नाम पुकारे जाने पर वह अनुपस्थित थीं।)

श्री करण सिंह पटेल-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद करता हूं। मा0 अध्यक्ष जी, इस सदन में मैं पहली बार सदस्य के रूप में आया हूं। मैं संगठन में काम करता रहा हूं। यहां पहली बार आने पर मैंने देखा कि जो विरोध पक्ष है उसका काम विरोध करना है। हम भारतीय जनता पार्टी के लोग विरोध का ही काम नहीं करते हम लोग चाहे जिस भी पार्टी के लोग हों जो अच्छा कार्य करते हैं हम उनका भी सम्मान करते हैं। बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी के द्वारा जो समरसता का कार्य किया गया, जो संविधान बनाया गया। हमने उनके पांच के पांचों प्रमुख स्थानों पर उनके स्मारक बनवाये हैं। यहां पर जो चर्चायें हुयी उन चर्चाओं में पूरे प्रदेश के लिए मा0 श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण में पूरे प्रदेश के लोगों के लिए कार्य किया गया है। योगी जी की सरकार वंचितों के लिए, किसानों के लिए गरीबों के लिये, शोषितों के लिए कार्य कर रही है। वह सभी लोगों के लिए कार्य कर रही है। कल से मैं यहां पर देख और सुन रहा हूं। कल कई लोगों ने कुम्भ मेले के विषय में चर्चा की है। कुम्भ मेला भव्य मेला है। हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। और जितना भव्य इस बार बनाया गया है।

मान्यवर, उसे कोई भी भूल पाने की स्थिति में नहीं है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने गंगा की भव्यता, निर्मलता, अविरलता एवं स्वच्छता को देखकर अपने को स्नान करने से रोक नहीं पाये। कल हमारे एक सदस्य महोदय जी बोलें कि यहां पर लूट हुई है, इस विषय पर मैं यह कहना चाहूंगा कि ''जाकि रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी फिर तैसी''। जिन्होंने 2-जी घोटाला, कॉमन वेल्थ गेम घोटाला किया है उनको आज कुंभ मेलें में भी लूट दिखाई पड़ रही है। कुछ लोगों ने कुंभ मेले पर टिप्पणियॉ भी की कि कौन कितने सालों से नहा रहे हैं, कौन कितनी बार नहाया। हमने किसी भी धर्म या किसी भी संस्कृतिक धरोहर पर सोचने के लिए, काम करने के लिए एवं उसको अग्रणी बनाने के लिए हमने प्रदेश का नाम ऊँचा किया है जिस प्रदेश में सब लोग रहते हैं, चाहे वह पक्ष एवं विपक्ष के हों। हमने सरदार वल्लभ भाई पटेल की सबसे ऊँची प्रतिमा बनाई है जो विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा है जबकि वह कांग्रेस पार्टी के सदस्य थे। इस समय सदन में अजय कुमार लल्लू जी उपस्थित नहीं है जोकि मा0 अध्यक्ष जी के लिए हर समय समस्या बने रहते हैं। वह अपनी पार्टी से सीखे हुए हैं। भारत के पहले प्रधानमंत्री भारतवर्ष को समस्याएं ही देते रहे हैं। उन्होंने भारत को पाकिस्तान की समस्या, कश्मीर की समस्या जो कि अधिग्रहीत पाकिस्तान में चला गया।

श्री अध्यक्ष-

करण सिंह जी आप राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलिये।

श्री करण सिंह पटेल-

मान्यवर, मैंने केवल उदाहरण दिया है। इस प्रकार से हमारे यहां खालिस्तान, लिट्टे एवं उलफा की समस्याएं आ गईं और एक समस्या भारत में तो ऐसी आ गई कि जब श्री राम को ही एकदम से नदारद कर दिया गया। जो कार्य लुहार, कुम्हार, बढ़ई, सुनार, हलवाई, मोची, नाई एवं मिस्त्रियों के लिए विश्वकर्मा सम्मान योजना के अंतर्गत किया गया है आज तक इनको इतना सम्मान नहीं मिला है जो सम्मान इनके कार्यों एवं उत्पाद के द्वारा मिला है। पूरे देश में किसानों के लिए हितकर हुआ करता था वह बीच में एकदम से बन्द हो गया था आज मा0 योगी जी सरकार एवं हमारी सरकार ने इन लोगों को ऐसा स्थान दिया है कि इनकी आय बढ़ेगी, इनका सम्मान बढ़ेगा। इसी प्रकार से कल बिजली की बात आई। कुछ ने कहा कि बिजली का मूल्य भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बढ़ा दिया है। बिजली के मूल्य अवश्य बढ़े हैं लेकिन जो भी बिजली के मूल्य बढ़ाये गये हैं उसके पहले याद कर लिया जाए कि जब दूसरी सरकारें थीं तब 2-3 घण्टे ही बिजली आती थी और हर किसान को डीजल का इंजन रखना पड़ता था, उनको सिंचाई के लिए डीजल खरीदने के लिए काफी पैसा खर्च करना पड़ता था लेकिन बिजली के दाम बढ़ने से उत्तर प्रदेश का हर किसान प्रसन्न है क्योंकि डीजल से सिंचाई करने पर ज्यादा पैसे लगते थे इसलिए बिजली के दाम बढ़ने से किसान को डीजल का पैसा नहीं देना पड़ रहा है। आज उत्तर प्रदेश में 16-20 घण्टे बिजली आ रही है इसलिए उनको डीजल की व्यवस्था नहीं करनी पड़ती है आज किसान लाभ में है। ऐसी बहुत-सी चीजें आई हैं कल सुनने में आया कि कक्षा-4 में पढ़ने वाला बच्चा पहाड़ा नहीं पढ़ पाता है, कक्षा-8 के बच्चे को जोड़-घटाना नहीं आता है। आज की तारीख में इस सरकार को 22 महीने हो गये

हैं। कक्षा-4 एवं कक्षा-8 में पढ़ने वाले बच्चे का एडमिशन कब हुआ था क्योंकि उसने सोचकर रखा था कि नकल करके पास हो जाऊँगा तो पढ़ने की क्या जरूरत है। आज इस सरकार में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं उच्च शिक्षा की नकलविहीन परीक्षाएं हुई हैं। इसके लिए मैं मा0 मुख्यमंत्री जी एवं मा0 डॉ0 दिनेश शर्मा जी को धन्यवाद देता हूं।

जो भी कार्य यहां पर कराये जा रहे है उन कार्यों में हम लोगों का, भारतीय जनता पार्टी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। अभी किसी शख्स ने यहां पर कहा कि अस्पतालों में मरीजों की संख्या कम हुई है, बिल्कुल कम हुई है। जो पहले संख्या हुआ करती थी, भारत के स्वच्छता अभियान के तहत अध्यक्ष जी, जो कार्य हुआ है उससे गंदगी दूर हुई है, गंदगी से ही बीमारी फैलती है। भारतवर्ष स्वच्छ हुआ है, यहां पर इज्जतघर बनाए गए हैं, यहां पर शौचालय बनाए गए हैं, जिससे स्वच्छता हुई है इसीलिए आज मरीजों की संख्या कम हुई है। (सत्तापक्ष के मा0 सदस्यों द्वारा मेजे थपथपाई गयीं) जिस प्रकार कुंभ में व्यवस्था की गयी है, इस बार 04 तारीख को 5 करोड़ लोग एक साथ स्नान किए हैं, लेकिन एक भी दुर्घटना वहां पर नहीं हुई है, एक भी व्यक्ति वहां पर डूबा नहीं है। मैं वहां पर देखकर आया हूं, ऐसी व्यवस्था की गयी है कि वहां की भव्यता को देखकर, रात में सुनहरी लाइटों को देखकर, लगता है कि स्वर्ग भारत के प्रयागराज में उतर आया है। (सत्तापक्ष के मा0 सदस्यों द्वारा मेजे थपथपाई गयीं) महिलाओं के वस्त्र बदलने के लिए समुचित व्यवस्था की गयी है, लोगों को नहाने के लिए घाट बनाए गए हैं उन घाटों में बालू की जो बोरियां रखी गयी हैं उन पर लोगों को रूकने नहीं दिया जा रहा है, आगे जाकर सरपत का पियरा डाला गया है, वहां पर पानी सूख जाता है, इससे घाट में तनिक भी गंदगी नहीं होने पाती है।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका समय समाप्त हो रहा है।

श्री करण सिंह पटेल-

बिल्कुल, मैं आपके निर्देशों का पूरा-पूरा पालन करूंगा। बातें तो बहुत हैं लेकिन आपने मुझे टोका है तो मैं अपने क्षेत्र की दो-तीन बातें रखकर अपनी बातें समाप्त करता हूं। मैं बिन्दकी विधान सभा से आता हूं, बिन्दकी तहसील है लेकिन अभी तक बिन्दकी तहसील में कोई मुंसिफ कोर्ट नहीं है, वहां मुंसिफ कोर्ट की आवश्यकता है। बिन्दकी नगर में कोई भी डाक बंगला नहीं है, कोई भी निरीक्षण भवन नहीं है, कोई भी आता-जाता है तो उसके रूकने का स्थान नहीं है। वहां पर जो 22 महीने पहले की जो परंपरा चली आ रही है वह खत्म होगी, उसे खत्म कर दिया जाय, वहां पर डाक बंगला बना दिया जाये। मेरे जिले और आपके जिले के मध्य में एक स्थान रामपुर उन्नाव में है और मेरे जिले में आदमपुर घाट आता है। अगर उस आदमपुर घाट से पीपे का पुल बना दिया जाएगा तो उन्नाव और फतेहपुर की दूरी बहुत कम हो जाएगी। रिश्तेदारी के लिए लोगों को आना-जाना पड़ता है, व्यवसाय के लिए लोगों को आना-जाना पड़ता है तो इससे लोगों को बहुत सहूलियत होगी। इन्हीं शब्दों के साथ आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हुआ अपनी बात समाप्त करता हूं कि आपने मुझे यह सौभाग्यशाली अवसर प्रदान किया।

श्री अध्यक्ष-

माननीय श्री कमल सिंह मलिक जी।

***श्री कमल सिंह मलिक-**

मान्यवर, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का अवसर प्रदान किया। मान्यवर, वह दृश्य वास्तव में शर्मसार करने वाला दृश्य था जिस प्रकार का व्यवहार यहां पर प्रतिपक्ष द्वारा किया गया वह वास्तव में लोकतांत्रिक जीवन मूल्यों का पूरी तरह से हनन था। मान्यवर, मैं जब शाम को अपने घर गया तो मेरी पत्नी का फोन आया और उसने पूछा कि कहां थे आप, यहां तो बहुत पत्थरबाजी हो रही थी। (हंसी) सदन में जो दृश्य था, टीवी पर जब वो गोले चलते हैं तो ऐसा लगता है कि पत्थर चल रहे हों। मान्यवर, मैं कहना चाहूंगा कि मानवीय स्वभाव का एक आयाम होता है कि जब वह भीड़ का हिस्सा होता है तो उसको कुछ नहीं पता होता है, सारे संस्कार गायब हो जाते हैं और जो प्रतिपक्ष के माननीय सदस्य बेहोश हो गए थे, अगर उनसे अब पूछो कि आप क्या कर रहे थे तो वे भूल जाएंगे कि वे क्या कर रहे थे। मैं आपसे आग्रह करूंगा, आप पीठ के माननीय अध्यक्ष है, महामहिम को पुनः अगले वर्ष यहां आकर अभिभाषण करना है।

कोई ऐसी व्यवस्था करें कि विरोध की कोई सीमा हो, यह असीमित है। मान्यवर, संविधान प्रदत्त प्रतिपक्ष को भी अधिकार का मतलब, विरोध के अधिकार का मतलब यह नहीं कि हम अराजक हो जायें, हम क्रूर हो जायें। मान्यवर, मैं अपनी सरकार की, जिसकी महामहिम ने अपने अभिभाषण में चर्चा की, उसकी नीतियों की, उसके फण्डामेंटल और बेसिक चीजों पर चर्चा करूँगा। हमारी सरकार ने 4-5 चीजों पर जो बेसिक चीजें हैं जो लोकतांत्रिक इतिहास में आज तक किसी सरकार ने काम नहीं किया। एक तो हमारे आध्यात्मिक और सनातन जीवन मूल्यों के प्रति, सांस्कृतिक जीवन मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और संकल्पता, स्वास्थ्य और शिक्षा, सड़क, ऊर्जा और कानून, इस पर उत्तर प्रदेश के लोकतांत्रिक इतिहास में हमारी सरकार ने जो काम किए हैं, वह सराहने वाले हैं। सर्वप्रथम जो इलाहाबाद का नाम बदल कर प्रयागराज किया गया और फैजाबाद का नाम बदल कर अयोध्या किया गया, यह हमारे आध्यात्मिक जीवन मूल्यों के प्रति हमारी सरकार की संकल्पबद्धता को दर्शाता है। मान्यवर, आज जो कुम्भ लगा है, इस बात का प्रमाण है, अपने सनातन जीवन मूल्यों के प्रति, अपने सांस्कृतिक जीवन मूल्यों के प्रति रूचि रखने वाला कोई मुख्यमंत्री भारतीय जीवन-दर्शन को किस प्रकार से वैश्विक विश्व पटल पर, सांस्कृतिक विश्व पटल पर अपने आप को रिप्रजेण्ट कर सकता है, यह कुम्भ उसका बेहतरीन उदाहरण है। कुम्भ के अन्दर जाकर देखिए, मैं तो प्रतिपक्ष के सभी मा0 सदस्यों से कहता हूं कि एक बार जरूर कुम्भ में जायें क्योंकि आपके समय में भी कुम्भ लगा था और आप उस समय भी देख करके आए थे और आज भी देखा होगा। मैं भी कुम्भ गया था, अगर आपने एक कागज का टुकड़ा फाड़ दिया तो वहां पर खड़ा हुआ सफाई कर्मचारी देखता है, जमीन पर नहीं गिरने देता और उसको उठा लेता है, कहीं कोई गन्दगी नहीं। किस प्रकार का नजारा है, आप जाकर देखेंगे कि पूरी दुनिया से आए हुए श्रद्धालु भारतीय जीवन दर्शन का किस प्रकार से अनुभव कर रहे हैं। आज उसी के ऊपर यूनेस्को ने हमें पुरस्कृत किया है।

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मान्यवर, स्वास्थ्य और शिक्षा, मैं पहले स्वास्थ्य के बारे में बात करूँगा। लोकतांत्रिक इतिहास में भारतीय जनता पार्टी, एन0डी0ए0 की सरकार को छोड़कर उन सारी सरकारों ने किस प्रकार से सरकारी व्यवस्थाओं को तार-तार करने का काम किया था। 70-80 के दशक के बाद अस्पतालों को किस प्रकार से मरूस्थल बना दिया गया था, वहां न डाक्टर थे, न सुविधाएँ थीं। आज जब नेता प्रतिपक्ष के भाषण को मा0 उज्जवल रमण सिंह जी पढ़ रहे थे, वह कह रहे थे, आयुष्मान जैसी योजना, जिसको पूरे विश्व ने सराहा है, पूरे विश्व के अन्दर आप कल्पना करिए, एक रिक्शा चलाने वाला, एक मोची, एक मजदूर, एक वंचित और दलित का मैक्स जैसे हास्पिटल में इलाज होगा, क्या किसी को इसकी कल्पना थी? जहाँ डेढ़ सौ करोड़ की आबादी का देश हो, यहां उज्जवल रमण सिंह जी ने कहा कि एक भी मरीज का आयुष्मान योजना के द्वारा इलाज नहीं हुआ, सरकार झूठ बोलती है, फरेब करती है। मैं उनको बता देना चाहता हूं, वह इलाहाबाद से आते हैं।

पूरे ऑकड़े हैं, देख लेना, 58779 मरीजों को जो आयुष्मान योजना के कार्ड मिले हैं, 1403 मरीज इलाज के लिए गए हैं, 1133 मरीजों के खाते में उनका पैसा ट्रान्सफर हो गया है, निश्चित रूप से आपकी विधान सभा के अन्दर भी इनकी अच्छी खासी संख्या 400-500 की रही होगी, लेकिन आप उसके अन्दर एक भी रोगी को नहीं देख पाए। मान्यवर, मैं शिक्षा के बारे में बात करूँगा। किस प्रकार की शिक्षा की व्यवस्था थी, स्कूलों की क्या दशा थी? कुकुरमुत्ते की तरह पब्लिक स्कूल घरों में खुलते थे, एक टीचर होती थी, पढ़ाया करती थी और स्कूलों के अन्दर कोई छात्रों की संख्या नहीं, कोई छात्राओं की संख्या नहीं।

आज वह स्कूल जो सरकारी व्यवस्था से बने हुए हैं, वह आज चमचमाते हुए स्कूल हैं। हमारे बच्चे बेहतरीन ड्रेस के साथ अंदर जाते हैं। हमारे बच्चों को एक योग्य टीचर पढ़ाते हैं। टीचरों की स्थिति सभी लोगों को पता है। आज जिसके ऊपर यह लोग चीखते हैं इन्होंने अयोग्य टीचरों से और उसके कारण से जो वातावरण बना था उसमें बदलाव आ रहा है। आम जनता का विश्वास जुड़ गया है कि मेरे बच्चों को शिक्षा मिलेगी तो सिर्फ पब्लिक स्कूल में मिलेगी। मान्यवर, हमारी अल्पकाल की उत्तर प्रदेश की सरकार ने इस विश्वास को बहाल करने के लिए हम लोग संकल्पबद्ध हैं कि हमारा बच्चा प्राइमरी में पढ़कर भी एक अच्छा आफीसर बन सकता है। उस समय सत्तर के दशक या अस्सी के दशक से पहले की बात याद करेंगे तो हम सब लोग प्राइमरी स्कूल के पढ़े हुए लोग हैं। हमारे भी बच्चे इससे आई0ए0एस0 बने, हमारे भी इससे डॉक्टर बनें, हमारे भी इससे इंजीनियर बनें, लेकिन आज की स्थिति एक शर्मसार करने वाली स्थिति है। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को जिस प्रकार से तार-तार किया गया। मान्यवर, सभी लोगों को पता है और पूरा देश जानता है। प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के समय में किस प्रकार से पूरे देश के अंदर सड़कों का जाल बिछाया गया और आज उसी योजना को लेकर के हम लोग कई गुना गति से हमने देश के अंदर सड़कें बनाने का काम किया है। जिस समय पूर्ववर्ती सरकारों के अंदर जो सड़कें बनती थी आज उससे पांच गुना छः गुना अधिक सड़के नित्य प्रति लगभग पचास किलोमीटर हाईवे सिक्स लेन, फोर लेन, सिक्सटीन लेन हाईवे बन रहे हैं। अभी घोषणा की मेरठ मेरे करीब में है, हम लोग हापुड़ के रहने वाले हैं। मेरठ से निकलकर के दुनिया का सबसे बड़ा हाईवे नेशनल हाईवे हम लोग बनाने जा रहे हैं

जो प्रयागराज तक जाएगा। ऐसे तीन-चार और हाईवे की घोषणा हुई है जिसमें पहले से काम चल रहे हैं यह सभी लोग जानते हैं। मान्यवर, कानून के बारे में जरूर आपसे बात करूंगा। मेरे विपक्ष के सभी मा0 साथी जानते हैं कि किस प्रकार की व्यवस्था थी, किस प्रकार का वातावरण पूरे देश के अंदर था कि बहन बेटियां निकलने की स्थिति में नहीं थी। हम स्वयं भी अपनी बहन बेटियों को बाजार के अंदर ले जाने के लिए कान्फिडेंस डेवलप नहीं कर पाते थे कि लोग फब्तियां कसेंगे, लोग बुरी निगाहों से देखेंगे। हमने उन सारे रोमियों का ठोक करके इलाज करने का काम किया है। आज हमारी बहन बेटी बाजार के अंदर किसी भी समय अपने पूरे आन-बान-शान के साथ जा सकती है। हम परिवार के अंदर बैठे हुए लोगों को कोई चिंता नहीं होती। बहन बेटियों ने पढ़ने जाना तक बंद कर दिया था। ऐसी बहन बेटियां जो बहुत योग्य थी अगर वह पढ़ती तो कल्पना चावला बन सकती थी, खिलाड़ी बनती तो साइना नेहवाल बन सकती थी। उन सारी बहन बेटियों ने जब असुरक्षित वातावरण देखा तो बहुत समय से पहले शादी करने के लिए मजबूर हुए और उनको अपने ससुराल भेज दिया गया इस प्रकार का वातावरण था। आज बहन बेटियां पूरे शान के साथ कंधे से कंधा मिलाकर के देश की तरक्की में देश में सब का साथ सबका विकास में हमारे साथ खड़ी हुई हैं। मान्यवर, किस प्रकार आज प्रतिपक्ष का पूरे देश में प्रतिपक्ष उत्तर प्रदेश से लेकर बंगाल तक, बंगाल से लेकर केरल तक, केरल से लेकर आंध्रा तक एक बात को चीखता है लोकतंत्र बचाओ हमें लोकतंत्र बचाना है और लोकतंत्र बचाने की बात करते हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप उत्तर प्रदेश वाला बताईये।

श्री कमल सिंह मलिक-

मैं कहता हूं कि लोकतंत्र को, जब से भाजपा की सरकार आई है तो पूरे उत्तर प्रदेश की जनता ने लोकतंत्र को अगवा किया है। आप भारतीय जनता पार्टी की सरकार को छोड़ दें तो पूर्ववर्ती सरकारों के अंदर जिस प्रकार से लोकतंत्र सरकारों का हनन हुआ जिस प्रकार से संवैधानिक संस्थाओं को व्यक्तिगत संपन्नता और परिवार की विलासता के लिए खड़ा किया गया, अपनी भौतिक प्रतिष्ठा के लिए खर्च किया गया। आज वर्तमान में पता है कि लोकतंत्र क्या चीज है। मैं अपने साथियों से मा0 प्रतिपक्ष के साथियों से कहूंगा कि क्या लोकतंत्र के लिए हमारी सरकार स्वराज्य के लिए प्रतिबद्धित सुशासन के लिए प्रतिबद्धित है और उस सरकार में हमारे साथ खड़े होकर और एक लोकतंत्र की जो स्पष्ट कल्पना है जो जनता के सामने पहुंचाए जो कुछ ऐसी नीतियां हैं जिनको आप निश्चित रूप से सरकार के साथ खड़ा हो सकते हो, लेकिन प्रतिपक्ष का संविधान प्रदत्त जो विरोध है उसको अगर साथ में खड़े होंगे तो वोट नहीं कटेगा। वोट तो उस दिन कटता है आपका जो सरकार जनहित के कल्याण के लिए नीतियां लेकर के आती है आप उसके बाद भी हमारे साथ नहीं खड़े होते तो निश्चित रूप से जनता को मैसेज जाता है कि आप लोग कोई अच्छा काम हो उसके लिए तैयार ही नहीं हो।

मान्यवर, मैं गढ़मुक्तेश्वर, हापुड़ से आता हूं। हापुड़ के लिए मैं अपनी सरकार को कोटि-कोटि धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अपने यशस्वी मुख्यमंत्री को धन्यवाद देना चाहता हूं कि प्रदेश के चार तीर्थों में अयोध्या, मथुरा, काशी और उसके बाद गढ़मुक्तेश्वर का नाम आता है।

मेरी सरकार ने गढ़मुक्तेश्वर को वैदिक सिटी बनाने का एक प्रोजेक्ट तैयार किया है। हरिद्वार जब उत्तराखण्ड में चला गया तो उसके बाद उत्तर भारत में गंगा जी का ऐसा कोई अच्छा तट नहीं था। सृष्टि के आदिकाल से वेदों और पुराणों में गढ़मुक्तेश्वर की चर्चा है। मेरे गढ़मुक्तेश्वर को वैदिक सिटी बनाने के लिए सरकार ने 27 करोड़ रुपये का बजट में प्रावधान किया है। मान्यवर, हमारे यहां गढ़मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा का एक सांस्कृतिक मेला लगता है और कार्तिक पूर्णिमा मेला में अभी मा0 मुख्यमंत्री जी वहां गए थे। चूँकि वहां दोनों मेले गंगा जी के तट के दोनों तरफ लगते हैं तो उन्होंने हापुड़ से उसको पुल से जोड़ने की घोषणा की है। मैं उनका कोटि-कोटि धन्यवाद करता हूं। मैं उनको इस बात के लिए धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे मेले को राजकीय मेला घोषित किया है। मान्यवर, मेरे वहां शिक्षा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के लोकतांत्रिक इतिहास में आज तक कोई विश्वविद्यालय नहीं खुला जबकि वी आर पार्ट ऑफ द एन0सी0आर सिंस 1985। हम लोग एन0सी0आर0 में आते हैं लेकिन अगर आप हमारी दशा देखेंगे, मेरे यहां गंगा जी के तटों के गॉवों को देखेंगे तो ऐसा लगता है कि कहॉ एन0सी0आर0 की वे गगनचुम्बी इमारतें और कहॉ हमारा क्षेत्र। इसलिए मैं इस सदन से, मा0 अध्यक्ष महोदय से आग्रह करूँगा कि मेरे यहां कोई एक विश्वविद्यालय खोलने की सरकार कृपा करे। हमने लगभग 550-600 एकड़ जमीन चिह्नित करा करके सरकार को दी है तो राज्य सरकार केन्द्र सरकार से वार्ता करके एक विश्वविद्यालय खुलवाने की कृपा करे। इसके अलावा, मेरे यहां एक ट्रॉमा सेण्टर की घोषणा हुई थी, सरकार उसको वहां देने की कृपा करें। मान्यवर, आपने मुझे यहां बोलने का अवसर दिया, मैं इसके लिए आपको कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं। मैं अपने मा0 सदस्य सुनील जी जिन्होंने यहां समर्थन का प्रस्ताव रखा। मैं उसका पुरजोर समर्थन करता हूं। भारत माता की जय।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

मा0 अध्यक्ष जी, श्री राज्यपाल जी के द्वारा प्रस्तुत अभिभाषण पर मा0 नेता विरोधी दल जी द्वारा रखे गए संशोधन प्रस्ताव पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मा0 अध्यक्ष जी, महामहिम राज्यपाल जी ने जो सरकार का लेख पढ़ा, उसकी शुरुआत प्रयागराज कुम्भ से की। हमारे सत्ता पक्ष के बहुत से साथियों ने भी अपनी बात की शुरुआत कुम्भ से की। मैं समझता हूं कि आप एक विद्वान सदस्य भी हैं और ब्राह्मण भी हैं।

(सत्ता पक्ष के कतिपय सदस्य द्वारा बीच में टोका टाकी करने पर।)

अरे भई मुझे कहने दो। कोई बात असंसदीय हो तो निकलवा देना।

श्री अध्यक्ष-

हो सकता है कि आप कुछ दक्षिणा देने वाले हों तो उनको काहे रोकते हो।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

असल में वह पिछड़े वर्ग के हैं, वह हमारा दर्द जानते हैं। मा0 अध्यक्ष जी, जहॉ तक मेरी जानकारी है इस बार प्रयाग में अर्द्ध कुम्भ है, अगर मैं सही हूं तो। पिछली बार कुम्भ था, हमारी सरकार थी और मा0 अखिलेश यादव जी मुख्यमंत्री थे। जिस तरह की व्यवस्था उस

कुम्भ में की गई थी, दुनिया के पैमाने पर उसकी सराहना हुई। उस समय हमारे तत्कालीन नगर विकास मंत्री जी को दुनिया के पैमानों पर, मंचों पर बुलाकर सम्मानित करने का काम किया गया।

(सत्ता पक्ष के कतिपय सदस्य द्वारा पुनः टोकाटाकी करने पर।)

अभी तो निर्मल बाबा के प्रवचन हो रहे थे, तब तो हम चुप थे। अभी हमने अपनी बात शुरू भी नहीं की और आपको बड़ी पीड़ा हो रही है। आपको दर्द शुरू हो गया। मा0 अध्यक्ष जी, आप इनको समझाइए, ये मिनिस्टर इन वेटिंग बहुत परेशान हैं। मा0 मंत्री जी तो कुछ नहीं बोलते लेकिन ये वेटिंग मिनिस्टर बहुत परेशान हैं।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य को बोलने दीजिए, बैठे-बैठे कोई टिप्पणी न करें। अब आप अपनी बात कह लीजिए।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

मैंने कल भी कहा था कि आप इन वेटिंग मिनिस्टर को समझाइए, ये बहुत परेशान हैं। मैंने आपके बीच में एक भी शब्द नहीं बोला। अब आप लोग मुझे सुन लीजिए या अगर आप लोगों के निर्देश हों तो मैं बैठ जाऊँ। मा0 अध्यक्ष जी, यहां ऐसा वर्णन किया गया कि जैसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार में ही प्रदेश में पहली बार कुम्भ या अर्द्ध कुम्भ हो रहा है। युगों-युगों से, सदियों से इसकी परम्परा रही है। कुम्भ का कन्नौज से बड़ा गहरा जुड़ाव है जो हमारे नेता आदरणीय अखिलेश यादव जी और उनकी पत्नी का संसदीय क्षेत्र भी है। वहां के राजा ने ही आकर सबसे पहले कुम्भ में वहां पर बैठकर तब तक दान किया था जब तक उन्होंने अपना पूरा धन कुम्भ में दान नहीं कर दिया। मुझे ऐसा लगता है कि जैसे सारे निर्मल बाबा यही हैं हम लोग कुछ नहीं जानते। ऐसी व्याख्या करते हैं जैसे हम लोग हिन्दू धर्म के मानने वाले नहीं हैं। अभी महामृत्युंजय जाप, 9 दिन की पूजा कराकर मैं घर से आ रहा हूं। ऐसा लगता है कि ठेकेदार सिर्फ यही है। क्या किसी एक पार्टी में पैदा होना ही धर्म की ठेकेदारी है? क्या किसी एक राजनीतिक दल का ही एक धर्म पर अधिकार है ? इस तरह की बात करना ओछी मानसिकता का परिचय देने का काम यह लोग करते हैं। माननीय अध्यक्ष जी, बार-बार अर्धकुम्भ और कुम्भ की बात होती है। हमारे पण्डित जी यहां बैठे हैं उनसे पूछ लीजिए, हमारे बारे में जानते होंगे कि हम कितने दानी हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप बिना पैसा दिये उनसे पूछते हैं कि ऐसे ही पूछ लेते हैं?

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

मान्यवर, पैसा भी देते हैं और दान भी देते हैं।

श्री अध्यक्ष-

दक्षिणा देकर पूछा करिए।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

मान्यवर, दक्षिणा तो खुलकर देते हैं। उतना कोई नहीं देता होगा। माननीय अध्यक्ष जी, कुम्भ में दान किया जाता है, सब लोग दान के लिए जाते हैं। हम तो कहेंगे कि यह लोग भारत सरकार से मांग कर लें अभी अक्षय वट सिर्फ इन्होंने देखने के लिए खोला है यदि भारत सरकार उसे उत्तर प्रदेश को दान कर देती तो रोज उसको देखने का मौका मिलता। अध्यक्ष जी, मैं दो-तीन बातें कहना चाहता हूं। 'एक जनपद-एक उत्पाद योजना' का बड़े जोर-शोर से उल्लेख किया गया है, हकीकत यह है कि अखबारों में, रेडियो में, टी0वी0 में चाहे जितना प्रचार-प्रसार हो जमीन पर यह कहीं स्पष्ट रूप से दिखायी नहीं देता है। अपने प्रचार के लिए यह सरकार चाहे जो कहे लेकिन वास्तव में यह जमीन पर दिखायी नहीं दे रहा है। 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' की बात कही गयी और विश्वकर्मा भगवान की पूजा के लिए इन्होंने छुट्टी ही बंद कर दी। यदि इतना विश्वकर्मा भगवान के लिए सम्मान होता तो कम से कम एक दिन पूजा का अवसर तो देते। यह उनको मानते नहीं है इसलिए इन्होंने छुट्टी बंद कर दी है। अभी वन मंत्री जी यहां सदन में बैठे थे वह हमारे मित्र उठकर चले गये हैं, मेरी मांग है कि अगर विश्वकर्मा समाज के सम्मान की बात आप करना चाहते हैं और अगर सरकार इस समाज के प्रति गंभीर है तो कम से कम आरा मशीनें प्राथमिकता के आधार पर विश्वकर्मा समाज के लोगों को, जो लोग मांगे उनको इसका लाइसेंस दिया जाये। अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड की बात करते हैं हमारे नेता माननीय मुलायम सिंह यादव जी जब मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने सबसे पहले कुम्हारों को माटी के लिए पट्टे का अधिकार देने का काम किया था। किसान कल्याण की बात हो तो अगर सिर्फ किसान पर बात होगी तो आप घण्टी बजाना शुरू कर देंगे। आज पूरे प्रदेश के जो हालात हैं हम तो सिर्फ किसान के बेटे नहीं हैं बल्कि किसान भी हैं और गांव में रहते हैं। यहां प्रदेश की सरकार में जब मंत्री थे तब भी अपने गांव में ही रहते थे। आज भी हम अपने गांव में रहते हैं। सरकारी ऑकड़े चाहे जो कुछ बिक्री के हों लेकिन आज भी उत्तर प्रदेश का किसान 12 सौ से 13 सौ रुपये में बिचौलिए के माध्यम से अपना धान बेचने के लिए मजबूर है। अगर एक एकड़ में 15 कुन्तल धान पैदा होता है तो अगर 13 सौ में उसने धान बेचा और सरकारी रेट यदि 1750 रुपये है तो लगभग 450 रुपये बिचौलिया एक कुन्तल में खा रहा है और एक एकड़ में उसका 6,750 रुपये का नुकसान हो रहा है। भारत सरकार कह रही है कि हम उसको 6 हजार रुपये देंगे। जितना आप सालभर में देने की बात करते हैं उतना तो हमारा आपकी कुनीतियों के कारण एक एकड़ में ही नुकसान हो रहा है, उसकी भरपाई आप कहां से करेंगे ? जहां तक गन्ना किसानों का सवाल है मैं आपसे कहना चाहता हूं कि मैं पूरे प्रदेश के बारे में बात नहीं करना चाहता।

लेकिन मैं अपने जनपद के बारे में कहना चाहता हूं। इस साल हमारे जनपद में लगभग 1388-1400 हेक्टयर गन्ने का रकबा है। अब तक महज 1.200 लाख कुन्तल गन्ने की खरीद हुई है। आधे से अधिक गन्ने की खरीद अभी खेतों में पड़ी है। गन्ना की खरीद नहीं हो पायी है। अब तक लगभग 372 लाख रुपये की खरीद हुई है। कल मंत्री जी कह रहे थे कि 97 परसेन्ट हमने दे दिया है। मैं निश्चित जानकारी आपको देना चाहता हूं कि मेरे जनपद में जो गन्ना अब तक 372 लाख कुन्तल लगभग उठा है, जिसमें से महज 170 लाख का भुगतान

हुआ है। 202 लाख रुपया यानी की लगभग 55 परसेन्ट से ज्यादा बकाया है। 40-45 परसेन्ट सिर्फ गन्ने का भुगतान हुआ है और सरकार पीठ ठोक रही है कि हमने 97 परसेन्ट दे दिया। ये सरकार इस तरह से यहां प्रवचन कर रही है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं बहुत थोड़ी-थोड़ी बात कहना चाहता हूं, स्वच्छता कार्यक्रम के बारे में, हमारे साथी लगता है यहां से चले गये हमारे पड़ोसी विधायक रमेश मिश्रा जी लगता है चले गये। मेरे विधान सभा क्षेत्र के रहने वाले हैं एक दिन जल्दी में उनके गांव की तरफ जा रहा था, उनके घर से जो रास्ता मेन रोड पर आता है। मैंनें ड्राइवर से कहा कि देखो बड़ी गन्दगी है ऐसा बचा कर चलना कि लगने न पाये। महज कुछ दिन पहले की बात है। एक हफ्ते पहले की बात मैं कह रहा हूं आपके विधायक के गांव का हाल बता रहा हूं। भारतीय जनता पार्टी के विधायक का गांव जो मेरी विधान सभा का गांव है। आप भी चले जाये विधायक जी के साथ देख लें और आप कहते हैं कि सारा इज्जत घर, अरे जो इज्जत घर बना है मा0 अध्यक्ष जी, कोई सदस्य जरा उसमें बैठ ले तो मैं जानूं। जो इज्जत घर बना है उसमें बैठ लीजिए और आपके जो बाथरूम हैं उसमें बैठ लीजिए। आधे से अधिक मैं अपने पूरब के गांव की हालत मैं देख रहा हूं, अगर ढ़ांचा बन भी गया है तो उसमें कण्डा और जलौनी सब रखे हैं, हालात यह है। आप लोग चलिए मैं दिखा दूंगा। आप लगता है गांव में नहीं रहते। प्रधानमंत्री आवास की बात। मैं निश्चित रूप से कहना चाहता हूं कि जितने बड़े पैमाने पर लूट प्रधानमंत्री आवास में हो रही है, सीधे-सीधे 1,20,000 में 20,000 सेक्रेटरी बी0डी0ओ0 के माध्यम से ले लिया जा रहा है। आप चाहे जिस भी जिले के ब्लाक में इसकी जांच करा लो, इस तरह का भ्रष्टाचार इस योजना में चल रहा है। मा0 अध्यक्ष जी बहुत हल्ला मचाया गया इन्वेसटर्स समिट का, बड़े-बड़े पोस्टर लगाये गये, बड़े एम0ओ0यू0 पर दस्तखत हुए। हम पूंछना चाहते हैं कि जितने लोगों ने एम0ओ0यू0 पर दस्तखत किये, जितना धन लोगों ने लगाने की बात की, उतने पैसा का इंतजाम उन उद्योगपतियों को कौन से बैंक ने फाइनेन्स किया, उसकी कोई जानकारी आपके पास है। जब कोई बैंक उन्हें धन देने के लिए तैयार ही नहीं था, तो अपना काम शुरू कहां से कर रहे हैं। ये खाली अखबारी ढ़िढोरा पीटने का काम इन लोगों ने इस तरह से किया है। अभी हमारे आगरा के दो साथी बोल रहे थे। हमे लगता है कि ये लोग आगरा एक्सप्रेस-वे से घर नहीं जाते। अगर उस एक्सप्रेस वे से घर जाते होते तो शायद इस तरह की बात नहीं करते और इनकी सरकार क्या कर रही है। अरे सुन लो यार, वो तुम्हारे मेयर की देन है। जांच हो रही है। जांच करवा लेना। बैठो। अध्यक्ष जी, समझाईये, इनको, ये खड़े क्यों हो गये।

श्री अध्यक्ष-

आप बैठिये-आप बैठिये। बैठे-बैठे टिप्पणी से वातावरण बिगड़ता है। बोलिये।

श्रम एवं सेवायोजन मंत्री (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

माननीय सदस्य इस सदन के बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं और जब पीठ पर आप मौजूद हैं तो इनको अगर किसी बात पर शिकायत है तो पीठ का निर्देश लेना चाहिये। सीधे सदस्य को डपट करके क्या यह साबित करना चाहते हैं कि अभी इनके भीतर का गुण्डाराज खत्म नहीं हुआ है।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

अध्यक्ष जी आप खड़े हो गये, मैं बैठ गया।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, आप बोलिये।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

यह पीठ इसीलिये होती है कि अगर किसी को किसी से कोई आपत्ति है तो वह आपसे कहे। इस प्रकार से किसी सदस्य को डपटकर के धमकाना यह अच्छी परम्परा नहीं है। यहॉ लोकतांत्रिक परम्पराओं का हनन नहीं होना चाहिये।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य, अब आप विषय पर बोलें।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

माननीय अध्यक्ष जी जैसे ही आप खड़े हुये, मैं बैठ गया। आपने फिर मुझे कहा कि आप बोलिये, फिर यह क्यों खड़े हो गये।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

माननीय अध्यक्ष जी, क्यों खड़े हो गये, यह बताना चाहता हूं कि आपकी अनुमति से कोई भी सदस्य किसी भी वक्त बोल सकता है।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है। अब आप बोलिये यह थोड़ी-थोड़ी बहस हो जाती है, अच्छा लगता है।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

माननीय अध्यक्ष जी, एक कहावत है कि नया-नया मुल्ला पॉचों वक्त नमाज पढ़ता है। बेचारे को अपनी वफादारी सिद्व करनी है।

श्री अध्यक्ष-

मौर्य जी को हमने अनुमति दी थी, आपको भी दी है, आप बोलिये।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

माननीय अध्यक्ष जी, जब श्री माननीय अखिलेश यादव जी की सरकार थी तो रिकार्ड 23 महीने के अंदर जमीन खरीदने से लेकर मिग और सुखोई विमान उतारने तक 302 किमी0 का आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे हमारी सरकार ने अपने संसाधनों से बनवाने का काम किया और वह एशिया का सबसे अच्छा एक्सप्रेस वे है। मैं एक उदाहरण देना चाहता हूं। लखनऊ से बनारस वाया सुल्तानपुर-जौनपुर 275 किमी0 है। टू लेन की सड़क पहले से थी, भारत सरकार की एन0एच0आई उसको बना रही है, 5 साल हो गये और अब तक टू लेन की सड़क फोर लेन नहीं बन पायी, यह है इनका काम। माननीय अध्यक्ष जी, चिकित्सा शिक्षा पर मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूँ कि माननीय अखिलेश यादव जी जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने जौनपुर में एक मेडिकल कालेज का शिलान्यास किया और हमारी सरकार के रहते

लगभग 70-80 प्रतिशत वह मेडिकल कालेज बन गया। जैसे ही हमारी सरकार गयी, वहीं का वहीं मेडिकल कालेज का काम पड़ा हुआ है, तब से 5 परसेंट भी उस मेडिकल कालेज का काम नहीं हुआ। इसको आप रिकार्ड उठाकर देख सकते हैं। यह हालत है इनकी चिकित्सा शिक्षा की व्यवस्था का। परसों मैं ट्रामा सेंटर, के0जी0एम0यू0, लखनऊ गया था। वहॉ के डाक्टरों ने मुझे बताया। हमारी सरकार के समय 2012 के पहले उस ट्रामा सेंटर में 10 वेंटीलेटर थे। जब माननीय अखिलेश यादव जी की समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तो हमारी सरकार ने 50-50 करके वहॉ 200 वेंटीलेटर का इंतजाम किया। हमारी सरकार के रहते 150 से ज्यादा वेंटीलेकर वहॉ लग गये और काम करना शुरू कर दिये। सरकार जाने के बाद लगभग 47 वेंटीलेकर तब से डिब्बे में बंद पड़े हुये हैं। सिर्फ 10 से 12 करोड़ रुपये का अगर इंतजाम हो जाये तो जो वेंटीलेकर 2 साल से बंद पड़े हुये हैं वह मेडिकल कालेज ट्रामा सेंटर, लखनऊ में 47 वेंटीलेटर चलना शुरू हो जायेंगे। यह है, इनके चिकित्सा शिक्षा के इंतजाम। माननीय अध्यक्ष जी, यह सरकार कहती है कि इंसेफ्लाइटिस से कोई मृत्यु नहीं हुई, दो-तीन बताते हैं। मेरे पास जानकारी है और कार्यालय प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक, नेहरू चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर की दिनॉक 13.12.2018 की जो जानकारी है, उसके अनुसार इस वर्ष कुल 161 मरीजों की मृत्यु हुई है। सरकार उसे छुपाने का काम करती है और कहती है कि कोई मृत्यु नहीं हुई है। इस तरह का काम, सरकार ऑकड़ों में हेराफेरी करके अपनी पीठ थपथपाने का काम करती है। माननीय अध्यक्ष जी, आज हालात यह हैं कि आप चले जायें जिला चिकित्सालय तक में विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध नहीं है। इधर-उधर से खोजे जा रहे हैं और चिकित्सालयों में दवा का अभाव है और दवा के अभाव के कारण, वहां तमाम मशीनें ठप पड़ी होने के कारण, डॉक्टर न होने के कारण, मरीजों को मजबूरी में सरकारी अस्पतालों को छोड़कर प्राइवेट अस्पतालों का सहारा लेना पड़ रहा है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करिये।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

और मान्यवर, यह लोग कहते हैं कि इतनी सफाई हमने कर दिया है कि कोई बीमारी हो ही नहीं रही है। तो बताओ, वित्त मंत्री जी, क्या सफाई में आपके नहीं रहते, विदेश मंत्री जी आपके सफाई में नहीं रहते ?

(सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों के बोलने का प्रयास करने पर।)

श्री अध्यक्ष-

आप हमारी तरफ देख कर कहिए। असल में उनका आपसे प्रेम ज्यादा है तो गड़बड़ हो रहा है, हमारी तरफ देखिये।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

मान्यवर, शिक्षा की बात इन्होंने की, मैं बेसिक शिक्षा पर जाना चाहता हूं। मैं बताता हूं, माननीय अध्यक्ष जी, स्कूलों में जूते की सप्लाई हो रही है, स्कूलों में मोजे की सप्लाई हो रही है। एक जोड़ी जूता, एक डिब्बे में नहीं लाया जाता। हमारे जनपद जौनपुर की शाहगंज

बी0आर0सी0 पर गाड़ी आई और गाड़ी से उनके इकट्ठे सारे जूते गिरा दिये, पता नहीं कौन किस जोड़ी का है और कौन किस जोड़ी का है और मोजा ऐसा है, अगर उस मोजे को आज के बेसिक शिक्षा मंत्री जी को पहना दीजिए, एक हफ्ते में चर्म रोग हो जायेगा क्योंकि इतने घटिया किस्म का है। वह घटिया किस्म का है, आप उस मोजा की जॉच करा लीजिए, उस जूते की जॉच करा लीजिए।

(श्री पल्टूराम के खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर।)

श्री अध्यक्ष-

अभी आप का नम्बर आयेगा तो आप कह लीजिएगा।

श्री पल्टूराम-

बच्चों के मोजे मंत्री जी कैसे पहनेंगी ? आपने कहा है कि बच्चों का मोजा मंत्री जी को पहनाइये, मंत्री जी बच्चों का मोजा पहनेंगी ?

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

अरे, उनके बच्चों को पहना कर देख लें। इतने घटिया किस्म के जूते और मोजे हैं। अध्यक्ष जी, अगर वह बोल रहे हैं, तो मैं बैठ जाता हूं।

श्री अध्यक्ष-

वह बैठ गये हैं, अब आप समाप्त करिये।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

माननीय अध्यक्ष जी, इतने घटिया किस्म के जूते और मोजे की सप्लाई है, मैं समझता हूं कि अगर उसको आप देख लेंगे तो आप सबसे पहले उसका विरोध करेंगे। यह स्तर इन लोगों का है, बच्चों के साथ, उनके स्वास्थ्य के साथ इस तरह का खिलवाड़ यह सरकार कर रही है।

श्री अध्यक्ष-

अब आपके पन्ने खत्म हो गये।

(सदन में हंसी)

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

नहीं-नहीं मान्यवर। कौशल विकास की हालत यह है कि यह सरकार पेट्रोल पम्प के कर्मचारियों को भी ऑकड़े में रखने जा रही है कि हमने इनको रोजी-रोटी दी। अब पेट्रोल पम्प के कर्मचारियों को भी रिकार्ड में अपने रखने जा रही है, इनकी सूची मॉगी गई है, पूरे पेट्रोल पम्पों से कि उनको हमने रोजगार दिया। अब तो पकौड़ा बिचवा ही रहे है, चाय-पकौड़ा तो बिचवा ही रहे हैं। कौशल मिशन कहीं धरती पर दिखाई नहीं दे रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, हमें बड़ी उम्मीद थी कि इस बार हो सकता है कि पेंशन पर कोई सवाल हो। जब माननीय अखिलेश यादव जी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो हमारी सरकार ने उत्तर प्रदेश की 55 लाख महिलाओं को समाजवादी पेंशन 500 रुपये प्रति महीने देने का काम किया था और उसमें कोई भेदभाव नहीं था। उसमें दलित भी थे, पिछड़े भी थे,

अकलियत के भी थे और उच्च वर्ग के बड़ी जाति के भी थे। सभी वर्ग के लोगों को 55 लाख परिवार की महिलाओं को उत्तर प्रदेश में समाजवादी पेंशन माननीय अखिलेश यादव की सरकार देने का काम कर रही थी और हमारे नेता का यह वादा था कि अगर हम दोबारा सरकार में आये तो स्वयं एक हजार रूपया महीना और 55 लाख की जगह एक करोड़ महिलाओं को देने का काम करेंगे। ये लोग आये, इन्होंने उसको बन्द कर दिया, जॉच के नाम पर इन्होंने बन्द कर दिया, कुछ लोग इसको लेकर मा0 सर्वोच्च न्यायालय तक गये थे। मा0 सर्वोच्च न्यायालय के पॉच जजों की पीठ ने यह टिप्पणी की कि पूरे प्रदेश में अगर कोई सुन्दर पेंशन व्यवस्था है तो वह उत्तर प्रदेश की समाजवादी पेंशन व्यवस्था है। यह मा0 सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी है उसके बाद भी इन्होंने 55 लाख परिवारों को उस पेंशन से मरहूम करने का काम किया है। बहुत दुर्भाग्य की बात है कि आपने ऐसा किया, हमने समाजवादी नाम दिया था, समाजवादी शब्द तो संवैधानिक शब्द है हमने संविधान से लेकर यह नाम देने का काम किया था आप किसी नाम से दे देते आप पॉच सौ की जगह एक हजार दे देते तो हम आपका स्वागत करते लेकिन इन्होंने उसे बन्द करने का काम किया।

श्री अध्यक्ष-

अब कृपया समाप्त करें।

श्री शैलेन्द यादव 'ललई'-

मान्यवर, जहॉ तक छात्रवृत्ति का सवाल है, दो मिनट के लिए मैं मा0 मंत्री राजभर जी के पास बैठा था, वह बहुत मायूस थे। उन्होंने कहा कि मैं मा0 मुख्यमंत्री जी से कई बार मिला लेकिन वह पिछड़े वर्ग के बच्चों की छात्रवृत्ति नहीं दे रहे हैं। बहुत दुःखी होकर आज उन्होंने मुझसे कहा, जब मंत्रिमण्डल का मंत्री इतना दुःखी है तो उसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। मा0 अध्यक्ष जी, मार्ग निर्माण के बारे में मैं कहना चाहता हूं कि मा0 लोक निर्माण मंत्री जी जब विधायक नहीं रहे होंगे, उसके पहले की जो सड़कें बनी हैं उस पर भी इनकी फोटो मा0 मुख्यमंत्री जी के साथ अच्छी-अच्छी लगी हैं। एक दिन मैं अपने क्षेत्र के एक गांव में जा रहा था, ना जाने किस जमाने की रोड है मुझे भी होश नहीं है, मैंने देखा कि लोक निर्माण मंत्री का फोटो बहुत अच्छा लगा है उसमें मा0 मुख्यमंत्री जी का फोटो भी था। मान्यवर, सड़क चाहे अंग्रेजों के जमाने की हो, चाहे कांग्रेस के जमाने की हो, चाहे श्री कल्याण सिंह जी के जमाने की हो, चाहे सपा, बसपा के जमाने की हो, फोटो इन्होंने लगवा दिया और कोई काम नहीं किया है। बाकायदा यहां लोक निर्माण मुख्यालय से लिख कर गया है कि किसी भी सड़क का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण इस वर्ष नहीं किया जायेगा, आप मंगवाकर दिखवा लीजिए कि लिखकर गया है या नहीं गया है। ये लोग कहने को कुछ कहते हैं और भेजने का काम कुछ करते हैं इस वर्ष कोई चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का काम नहीं हो रहा है।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका समय समाप्त हो गया, आपने ज्यादा समय ले लिया है।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

कानून व्यवस्था के बारे में मैं कहना चाहता हूं कि ये कहते हैं कि ठोंक दो तो कहीं पब्लिक पुलिस को ठोंक दे रही है और कहीं पुलिस पब्लिक को ठोंक दे रही है। बड़ा दर्द हो

रहा है गठबंधन से, अब गठबंधन हो गया है तो जनता लोकसभा चुनाव में इनको ठोंक देगी। मान्यवर, कानून-व्यवस्था की हालत यह है कि जातियों के आधार पर, धर्म के आधार पर थानों पर इंस्पेक्टर रखे जा रहे हैं। आप पूरे प्रदेश में दिखवा लीजिए, पूरे प्रदेश में जातियों के नाम पर, धर्म के नाम पर थानों में इंस्पेक्टर रखे जा रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य श्रीमती रजनी तिवारी जी।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

मा0 अध्यक्ष जी, एक मिनट और दे दीजिए आपका संरक्षण चाहिए। मान्यवर, सरकार ने कहा 'वनटॉगिया ग्रामों का विकास', मान्यवर, मुसहर हमेशा से वोटर रहे हैं, जब आदरणीय नेता जी की सरकार थी तो हमने खुद अपने क्षेत्र में कई मुसहरों के गॉव में कॉलोनियां, सोलर लाइट, हैण्डपंप लगवाने का काम किया है। मुसहर प्रधान भी होते हैं, बी0डी0सी0 भी होते हैं इस सरकार ने मुसहर और वनटॉगिया को जोड़कर भ्रमित करने का काम किया है। मान्यवर, पर्यटन के क्षेत्र में आपने बताया कि उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप फिर नया विषय ले रहे हैं, कृपया हमारा सहयोग करें और समाप्त करें।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

मान्यवर, जुमलेबाजी में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। मा0 अध्यक्ष जी, जो लोग हमें नैतिकता का पाठ पढ़ा रहे थे, कृपया करके उन्हें कर्नाटक भेज दीजिये। अभी कल भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने कर्नाटक विधान सभा के अंदर श्री राज्यपाल महोदय जी को चार मिनट भी नहीं बोलने दिये।

श्री अध्यक्ष-

आप विषयांतर कर रहे है, यह बिल्कुल गलत बात है। आप दूसरे राज्य का संज्ञान इसमें नहीं ले सकते।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

मा0 अध्यक्ष जी, यह नैतिकता की बात करते हैं। ''सूप हँसे, सूप हँसे, चलनियों हँसे, जिसमें बहत्तर छेद''। मा0 नेता विरोधी दल ने मा0 राज्यपाल जी के अभिभाषण पर जो संशोधन का प्रस्ताव रखा, उस पर बल देते हुए मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

कभी-कभी अपनों की भी सुन लिया करें। श्री शैलेन्द्र जी, आप श्री रमेश मिश्रा जी से अलग से मिल लीजियेगा और उनको चाय पिलाइयेगा, उसमें योगेन्द्र जी एवं अन्य कई लोग भी रहेंगे।

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

आपने मेरे ऊपर एक बहुत बड़ा आरोप लगाया है कि आप हमारे घर जा रहे थे, रास्ते में आपको बहुत गंदगी मिली। आप हमारे घर कब गये? गलत बात मत करिये।

श्री अध्यक्ष-

श्री रमेश जी, आप बैठ जाइये।

(कई सदस्यों के एक साथ बोलने पर शोर/व्यवधान।)

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

आप ऊर्जा राज्यमंत्री थे, तत्कालीन समय 6-7 घण्टे बिजली मिलती थी। अब बिजली मिलती है या नहीं।

श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-

हमने तुम्हारे गॉव को बिजली दिया है। अगर हम झूठ कह रहे हैं तो आप सड़क को दिखवा लीजिये और उसकी जॉच करा लीजिये।

श्री अध्यक्ष-

श्री रमेश जी, हमने विषय को बदलने की कोशिश की, लेकिन आप हमारे खड़े होने के बावजूद भी नहीं बैठे, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद ही कर सकता हूं। मैं इसके लिए खेद व्यक्त करता हूं कि हमारे अनुग्रह करने के बावजूद आप नहीं बैठे। सदन में व्यवस्था बनाये रखने में कठिनाईयॉ आती हैं, आप वहां बैठकर अनुभव करते होंगे। अनेक वरिष्ठ सदस्य जैसे ही खड़े होते हैं हम उनको बैठा देते हैं, लेकिन आप बहुत देर तक खड़े होकर बोलते रहे। आपको मा0 ऊर्जा मंत्री जी ने भी बैठने के लिए संकेत किया, लेकिन आप बोलते रहे।

***श्रीमती रजनी तिवारी-**

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे मा0 राज्यपाल महोदय जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करती हूं। मा0 विधायक सुनील शर्मा जी के समर्थन प्रस्ताव से स्वयं को सम्बद्ध करते हुए मैं अपनी बात रखती हूं। श्रीमान् राज्यपाल महोदय का अभिभाषण हमारी सरकार की कार्यशैली को दर्पण की तरह स्पष्ट कर रहा है। मा0 अध्यक्ष जी, हमारे कुछ विपक्षी सदस्य भी अपनी बात रख रहे थे, लेकिन पूरी तरीके से यह लग रहा था कि अभिभाषण को देखकर वह जहॉ पिछले बजट को देखते आये हैं, एक बार पुनः उस दर्पण को देखकर वह पूरी तरीके से परेशान दिख रहे थे। जनता के मध्य में, जनता के सुख-दुःख में उनके साथ रहते हुए मुझे पता है कि जनता सरकार के कार्यो से संतुष्ट है।

(इसी मध्य 03 बजकर 01 मिनट पर अधिष्ठाता श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही पीठासीन हुए।)

सरकार के विकास कार्यों की सराहना कर रही है। ग्राम पंचायत से लेकर शहरों तक हर जगह विकास कार्य दिखाई दे रहे हैं और लम्बी अवधि के बाद जनता को अहसास हो रहा

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही बिना किसी भेदभाव के कार्य करवा सकती है। इन्हीं जनहितकारी योजनाओं, सरकार की स्पष्ट पारदर्शी नीतियों का अभिभाषण जब माननीय राज्यपाल महोदय जी हम लोगों के समक्ष पढ़ रहे थे तो जहाँ एक तरफ हम लोग मेजों को थपथपा रहे थे तो वहीं दूसरी तरफ विपक्ष कागज के गोले फेंक रहा था, उसके बावजूद भी श्री राज्यपाल महोदय धैर्यपूर्वक अभिभाषण पढ़ते चले जा रहे थे। उनकी सहृद्यता, उनकी उदारता को देखते हुए कुछ पंक्तियाँ याद आ रही हैं। उनका अभिभाषण वर्ष के प्रथम सत्र के प्रारम्भ में सिर्फ एक बार होता है, हम सभी लोगों को उनको धन्यवाद देना चाहिए लेकिन उसके बावजूद उनके ऊपर कागज के गोले फेंके जा रहे थे लेकिन वह धैर्यपूर्वक अभिभाषण को पढ़ रहे थे। उनकी सहृदयता दिख रही थी। इस अवसर पर कुछ पंक्तियाँ याद आयीं-

'वह पथ क्या पथिक कुशलता क्या, जिस पथ में बिखरे शूल न हों।
नाविक की धैर्य कुशलता क्या, जब धारायें प्रतिकूल न हो।।

(सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपायी।)

माननीय अध्यक्ष जी, हमने मा0 राज्यपाल महोदय की उदारता, सहृदयता और इतने धैर्य से अभिभाषण को पढ़ते हुये देखकर इन पंक्तियों की याद आयी। ऐसा होना स्वभाविक था, विपक्ष के द्वारा जो कृत्य किया गया, वह भी स्वभाविक ही था। जहाँ एक ओर पूरे प्रदेश को जनहितकारी योजनायें देने वाली सरकार, पूरे प्रदेश की भलाई के लिए विकास कार्य करने वाली सरकार, जनहित की योजनायें लाने वाली सरकार, वहीं सिर्फ कुछ जिलों को ही पूरा प्रदेश समझने वाली विपक्ष की सरकार जो पहले रही, विपक्ष के इस आचरण, इस कार्यशैली के कारण ही जनता ने आपको उधर भेजने का काम किया है। माननीय अध्यक्ष जी, एक बात समझ से परे है, हमारी सरकार द्वारा चलाये जा रहे व्यापक स्वच्छता अभियान का भी विपक्ष द्वारा विरोध किया जा रहा है। अभी हमारे एक माननीय विधायक जी सामने से बोल रहे थे कि उसमें कंडे रख दिये गये, उनका यूज नहीं किया जा रहा। लेकिन अगर हम जनप्रतिनिधि ही अच्छे कार्यों की सराहना नहीं करेंगे और जो जिस कार्य के लिए बनाया गया है उसका प्रयोग करने के लिए हम लोग आगे भी नहीं बढ़ेंगे तो फिर दोषारोपण किसके ऊपर करेंगे। शौचालय सरकार ने बनवाये महिलाओं के लिए, उसकी तो सराहना होनी चाहिए। अगर उसमें कंडे भरे जा रहे हैं। मा0 विधायक जी आप बोल रहे थे, आपको तो यहां कहना चाहिए था कि इतनी सारे शौचालय बन गये इसकी सराहना करते हैं और उसमें अगर कोई कंडे भर रहा है तो आपको उसको हटवाना चाहिए था। माननीय अधिष्ठाता महोदय, हमारी सरकार ने 01 करोड़, 71 लाख शौचालयों का निर्माण करवा दिया, इसको इज्जतघर का नाम दिया गया। यह स्वच्छता के सम्मान से जुड़ा विषय है विशेषकर महिलाओं के लिए। कृपया माननीय सदस्यों को इसका विरोध नहीं करना चाहिए। हमारी सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अभी तक 10 लाख 09 हजार आवासों का निर्माण करवा चुकी है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना सबके लिए, शहरी क्षेत्र में 9 लाख 33 हजार अवास स्वीकृत हो चुके हैं। हमारे विपक्ष के विधायकों को इसकी सराहना करनी चाहिए। जहाँ हम लोग सोचते हैं, किसी गरीब व्यक्ति को देखते हैं कि उसके पास आवास नहीं है, उसको परेशान देखते हैं तो सोचते हैं कि कैसे इसका भला किया जाये। हमारी सरकार ने उनको छत देने का काम किया। हम अपने विपक्ष के

भाईयों से कहेंगे कि हर जगह राजनीति नहीं करनी चाहिए, अच्छे कार्यों की सराहना आपको भी करनी चाहिए। हमारी सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग में, प्रत्येक क्षेत्र में सुधार एवं विकास हेतु प्रतिबद्ध है।

दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के अन्तर्गत दिसम्बर 2018 तक एक लाख 50 हजार मजरों को विद्युतीकृत किया गया है। जो कि आजादी के 70 वर्षों बाद भी रोशनी से दूर थे। इसके साथ ही उजाला योजना में एल0ई0डी0 बल्बों का वितरण किया गया सौभाग्य योजना में 94 लाख विद्युत कनेक्शन दिए गए। हम अपने विपक्षी विधायकों से भी कहेंगे, मैं तो लगभग 12-13 सालों से यहां सदस्य हूं हमारे कुछ भाई भी पिछले सालों में हमारे साथ यहां के सदस्य रहे हैं। क्या आपने कभी ऐसी योजना देखी ? पहले हम लोग दर-दर भटकते थे, ग्रामों में, मजरों में कैसे विद्युतीकरण करवायें, कैसे लोगों को लाभान्वित करवायें, अरे जनता के कार्यों को छोड़िए, अगर अपने घर में कुछ करवाना होता था तब भी बीसियों चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन कोई कार्य नहीं होता था। आज हमारी सरकार ने इतना अच्छा कार्य करवाया उसकी सराहना हम सबको करनी चाहिए। स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोत्तरी हो रही है, अत्याधुनिक सुविधाओं में वृद्धि की जा रही है मेरे जनपद हरदोई को मेडिकल कालेज की सौगात प्राप्त हुई है इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगी। गरीब परिवारों को गम्भीर बीमारियों के निःशुल्क उपचार हेतु आयुष्मान भारत प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत प्रति परिवार 05 लाख रुपये प्रतिवर्ष की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। माननीय अध्यक्ष जी, बहुत सारी योजनायें ग्राम पंचायतों से लेकर शहरों तक, हर जगह विकास कार्य हो रहा है। माननीय अध्यक्ष जी जब हम किसी कार्य के लिए जाते थे कि हमारे क्षेत्र में विकास कार्य हो जाए, कैसा सौतेला व्यवहार होता था यह हम लोगों ने स्वयं देखा है। क्षेत्रीय जनता के कार्यों को करवाने में कितनी परेशानियां हुआ करती थीं यह सारी चीजों को भी हम लोगों ने देखा है। जैसाकि राज्यपाल महोदय ने कहा हमारी सरकार संविधान की मूल भावना के अनुरूप बिना किसी भेदभाव के प्रदेश वासियों को शासन की योजनाओं का लाभ उपलब्ध करा रही है जिसमें गरीब गॉव किसान नौजवान एवं महिलाओं सहित समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों का विकास करना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। विकास के लिए जो सशक्त कदम हमारी सरकार ने उठाए हैं उनको जारी रखते हुए सबका साथ, सबका विकास के संकल्प को साकार करती रहेगी। मान्यवर, कुंभ का आयोजन प्रयागराज में चल रहा है। विश्व विख्यात आयोजन है। 13 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आ चुके हैं हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी, हमारे माननीय मंत्री जी सामने बैठे हुए हैं कुंभ का आयोजन व्यक्तिगत रूप से भी देख रहे हैं। मैंने अपने जीवन में पहली बार कल्पनगर को इतना व्यवस्थित और सुनियोजित देखा है। अत्यन्त मनोहारी है मेरा सबसे अनुरोध है एक बार प्रयागराज कुंभ आयोजन में अवश्य जाएं। जिसको आस्था है संगम में स्नान करे। स्वच्छता व सुरक्षा को देखकर मन प्रसन्न हो जाएगा। माननीय अध्यक्ष जी, बहुत सारी चीजें हम लोगों ने भी कहीं, वाकई में सत्य है सरकार ने जनहितकारी योजनायें चलाईं। पहले सरकार कुछ जिलों को ही अपना प्रदेश समझती थी। कुछ जिलों को ही प्रदेश समझकर योजनायें लाने का काम करती थी, विकास कार्य करवाती थी लेकिन आज हमारी योगी जी की सरकार पूरे प्रदेश में

जनहितकारी योजनाओं को लाकर प्रदेश को विकास की गति दे रही है और ऐसा योगी जी का शासन जिसकी सभी सराहना करते हैं बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए मैं अपनी बात समाप्त करती हूं।

***श्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका धन्यवाद् ज्ञापित करता हूं कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया। मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं उनके अभिभाषण में से कुछ बिन्दु आपके समक्ष रखना चाहता हूं। अभी हमारे विपक्ष के मा0 सदस्य कह रहे थे कि हमने कुम्हारी कलॉ के लिए पट्टे दिए थे, लेकिन दूसरी तरफ इन्होंने मिट्टी को खनिज घोषित कर दिया था। और जब कभी कोई हमारा भाई मिट्टी लेकर आता था तो पुलिस वाला पकड़ लेता था कि यह तो खनिज है और जेल चला जाता था। मैं योगी जी को बधाई देना चाहता हूं कि योगी सरकार ने मिट्टी से खनिज वाला कानून खत्म कर दिया आज किसान मिट्टी ला सकता है और कोई पुलिस वाला उसको पकड़ता नहीं है। यह बात बड़ी महत्वपूर्ण है सामान्यतया ध्यान नहीं जाता है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आप सबके संज्ञान में लाना चाहता हूं। अभी हमारे पूर्व वक्ता कुम्भ के विषय में बोल रहे थे, हमारे विपक्ष के साथी जब बोलते हैं तो कुम्भ का इस प्रकार से वर्णन करते हैं जैसे कुम्भ भी कोई भारतीय जनता पार्टी का हो। यह हमारी संस्कृति का, हमारे धर्म का, हमारे देश का एक गौरवशाली क्षण है, लेकिन आप भाजपा की बुराई करने के चक्कर में कुम्भ की भी बुराई करने लगते हैं। हम लोग प्रयागराज के समीप रहने वाले हैं, वहीं पढ़े-लिखे हैं। चाहे माघ मेला हो, चाहे कुम्भ हो सदैव स्नान करते रहे हैं। यह बात बिल्कुल सही है कि जिस प्रकार की व्यवस्था इस बार हुई है, ऐसा सामान्यतया कभी देखने को नहीं मिला है और यह निष्ठा का सवाल होता है, जब एक महात्मा गद्दी पर बैठता है तो कुम्भ जैसे आयोजन स्वतः भव्य हो ही जाते हैं। इसमें कोई बुरा मानने की बात नहीं है, यह तो प्रशंसा की बात है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके समक्ष यह भी कहना चाहूंगा कि बिजली के बारे में पक्ष-विपक्ष दोनों तरह की बातें हैं, लेकिन आज किसी गांव में चले जाइये, हम लोग जाते हैं, सरकार में होने के नाते हर तरह की बातें सुनने को मिलती हैं, लेकिन जब भी हम लोगों से पूछते हैं कि बिजली आ रही है, कितनी आ रही है तो लोग कहते हैं कि बिजली तो खूब आ रही है। एक सामान्य सा उत्तर हर जगह मिलता है। यह किसी भी सरकार के लिए और किसी भी शासन के लिए बहुत बड़ी बात होती है कि आम आदमी किसी भी गांव में जाये तो कहेगा कि बिजली खूब आ रही है इतनी तो कभी भी नहीं आयी। चाहे कोई भी सरकार रही हो, सबको करना चाहिए था, कितने मजरे हैं, सबमें बिजली पहुंच जाये, सबको कनेक्शन मिल जाये, एल0ई0डी0 बल्ब मिल जाये, बिजली 18 घण्टे, 20 घण्टे, 24 घण्टे मिल जाये। इस कार्य के लिए मैं अपने मा0 मुख्यमंत्री जी को और मा0 ऊर्जा मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। हमारे बुन्देलखण्ड में कृषि विभाग से इस बार बीज खरीदने के लिए 80 प्रतिशत की छूट मिली है। चाहे वह खरीफ के बीज रहे हों, चाहे रवी के बीज रहे हों

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

80 प्रतिशत की छूट देने के लिए मैं अपनी सरकार को बहुत-बहुत बधाई देता हूं और जहां तक कानून व्यवस्था की बात है। मैं जनपद चित्रकूट से आता हूं, जहां दस्यू सम्राट रहा करते थे। 30-40 साल के इतिहास में वहां बड़े-बड़े डकैत रहते थे और यहां तक कि जब चुनाव होते थे तो उनके फरमान जारी होते थे कि किस पार्टी का कौन प्रत्याशी जीतेगा, लेकिन आप सबको मैं आमंत्रित करता हूं आप जाकर देख लीजिए अब वहां पर कोई गुण्डा, बदमाश नहीं है, सब गायब हो गये हैं। यह इस सरकार की कानून व्यवस्था का एक बहुत बड़ा जीता जागता स्वरूप और प्रतीक है। मैं आंकड़ों की बात नहीं करता हूं, मैं प्रतीकों की बात करता हूं। इसको जाकर कोई भी देख सकता है। हमारे यहां चित्रकूट में हवाई अड्डे का निर्माण हो रहा है और जैसाकि हमारी सरकार ने कहा है कि हवाई चप्पल वाला भी हवाई जहाज में उड़ेगा, इसलिए मैं सरकार को बधाई देना चाहता हूं। हमारे यहां एक्सप्रेस-वे जो आगरा से निकलकर बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे है, वह भी हमारे चित्रकूट में बन रहा है, उसके लिए भी मैं सरकार को बधाई देना चाहता हूं। मान्यवर, आप जानते हैं कि भगवान नारायण ने स्वयं भगवान राम का रूप धारण करके चित्रकूट के सुधार के लिए साढ़े ग्यारह वर्ष बुन्देलखण्ड की धरती पर रहे थे। यह आदिकाल से बहुत पिछड़ा और जंगली इलाका है, लेकिन अब उसके दिन बहुरे हैं, एक्सप्रेस-वे भी बन रहा है, डिफेंस कॉरीडोर भी बन रहा है। इसमें 5-6 लाख नौजवान नौकरी पायेंगे। इसके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं और अभी कुछ दिन पहले बुन्देलखण्ड विकास बोर्ड का गठन भी हमारी सरकार ने किया है, इसके लिए भी मैं मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को बधाई देता हूं। कुछ हमारे क्षेत्र की बातें हैं, जिन्हें पूरा किये जाने की मैं मांग करता हूं। हमारे बुन्देलखण्ड में नदियां बहुत हैं, लेकिन पिछड़ा होने के नाते वहां कभी पुल नहीं बने हैं। चिल्लीमल गांव में यमुना नदी पर एक पुल बनाया जाए। पैचुली नदी में दो जगह तेरहुंवा और मकरी में पुल का निर्माण किया जाए। वाल्मीकि नदी में भी पटना कोरड़िया के बीच में तथा सैगुआरा में पुल का निर्माण किया जाए। बागे नदी में भदावल घाट पर पुल का निर्माण किया जाए। गेरूआ नाले पर पुल का निर्माण किया जाए और बाणगंगा में नागर तथा महादेवन के बीच में पुल का निर्माण किया जाए। एक बात मैं और कहना चाहता हूं कि हमारी आशा बहुओं की समस्या, आंगनबाड़ियों की समस्या और जो रसोइये का कार्य करती हैं, उन सबकी समस्याओं का समाधान केन्द्र सरकार ने भी किया है और प्रदेश सरकार ने भी उनके लिए बजट का प्राविधान किया है।

मेरा अनुरोध है कि शिक्षामित्रों को भी बिठाकर जो कुछ भी हो सकता है काफी समाधान हुआ है लेकिन जो भी रह गया है उसका भी समाधान किया जाय तो बड़ी कृपा होगी। सरकार ने जो हमारे बेसहारा पशु घूमते हैं उनके लिए बाड़े बनवाए हैं और काफी बाड़े बन भी गए हैं लेकिन जो उनके खान-पान की व्यवस्था है यद्यपि यह हो रही है काफी अच्छा काम हुआ है लेकिन इसमें थोड़ा सहयोग करने की जरूरत है एक बात मैं और कहना चाहूंगा कि हमारे यहां जो चित्रकूट है वहां बड़े जंगल हैं वहां एक संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए जिसमें आयुर्वेद की एक फैकल्टी बनाई जाए और वहां के लोगों को उससे रोजगार भी मिलेगा और देश के लोगों को उससे दवाई भी मिलेगी आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए धन्यवाद देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं।

(श्री अधिष्ठाता द्वारा श्री रितेश पाण्डेय, इरफान सोलंकी, हाजी श्री मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खॉ, श्री नाहिद हसन का नाम पुकारे जाने एवं उनके अनुपस्थित होने पर।)

श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा-

मान्यवर, मैं बोल रहा हूं।

श्री अधिष्ठाता-

मैं आपके द्वारा भेजी गई सूची से नाम पढ़ रहा हूं। आप बाद में बोल लीजिए।

(श्री दुर्गा प्रसाद यादव, कल्पनाथ पासवान, हाजी रिजवान, मो0फहीम, मनोज पारस, सुरेश यादव का नाम पुकारे जाने एवं उनके अनुपस्थित हाने पर।)

***श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर जो बातें नेता प्रतिपक्ष ने कही हैं मैं उससे अपने को सम्बद्ध करता हूं। यह जो महामहिम का अभिभाषण है इस अभिभाषण में किसान, बेरोजगार नौजवान, छात्र और छोटा व्यापारी इसके हितों को ध्यान में नहीं रखा गया है। आज उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक परेशान कोई है तो किसान और खेती से जुड़े हुए लोग हैं मजदूर हैं। आवारा पशु किसानों के जी के जंजाल बन गए हैं पूरे प्रदेश में किसानों ने आवारा पशुओं से खेतों की फसल की सुरक्षा के लिए कंटीले तार लगा रहे हैं और कुछ क्षेत्रों में तो किसानों ने कंटीले तार वह जो आरी वाले होते हैं वह लगा दिए हैं जिससे पशु चारा प्राप्ति की चाहत में वहां जाकर फंस रहे हैं और कट रहे हैं। और सड़क पर पशु मर भी रहे हैं। अधिष्ठाता महोदय गन्ना किसान पूरे प्रदेश का बेहाल है गन्ना किसान पूरे प्रदेश का बेहाल है भुगतान किसानों का हो नहीं पा रहा है। गन्ना के समर्थन मूल्य की बढ़ोत्तरी नहीं की गई है और गन्ना किसान औने पौने दामों पर खाण्डसारी और कोल्हू पर अपना गन्ना 150-160 रुपए प्रति कुंतल बेचने पर मजबूर हो रहा है। धान की लेवी पर बैनर तो लगे हुए हैं लेकिन जो सरकारी खरीद मूल्य है 1770 रुपया उस रेट पर पूरे प्रदेश में धान की खरीद नहीं हो पा रही है। नहरों की टेल तक पानी नहीं जा पा रहा है नहरों की सफाई ठीक ढंग से नहीं की जा रही है ट्यूबवेल पूरे प्रदेश में अधिकांशतः बन्द पड़े हैं किसान की खाद के दाम डी0ए0पी0, एन0पी0के0, पोटास के दाम बढ़ा दिए गए और यूरिया के बैग में पॉच किलो की कटौती कर दी गई । बीज के दाम बढ़ गए कीटनाशक के दाम बढ़ गए बिजली के दाम बढ़ गए ट्यूबवेल में बिजली का रेट बढ़ गया इस कारण किसान बदहाल और परेशान है। बेरोजगारी भारतीय जनता पाटी के लोक संकल्प पत्र में था कि पॉच वर्षों में 7 लाख युवाओं को हम रोजगार देंगे 19 मार्च को आपका दो वर्ष पूरा हो जाएगा रोजगार के नाम पर युवा बेरोजगारों को झुनझुना पकड़ा दिया गया कहीं कौशल विकास के नाम पर प्रशिक्षण कराकर उनको बैंकों के चक्कर लगाने पर मजबूर किया जा रहा है।

लेकिन, युवा रोजगार नहीं पा रहा है। शिक्षामित्र परेशान हैं, वह आत्महत्या कर रहे हैं। रोजगार सेवक परेशान हैं, अनुदेशक परेशान हैं, आशा बहू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ती, रसोईया यह सभी बहुत ही परेशान हैं। पूरे प्रदेश में आउटसोर्सिंग के माध्यम से जिन लोगों से काम कराया जा रहा है उसमें एस0सी0 तथा ओ0बी0सी0 का आरक्षण लागू नहीं किया गया है और इसके साथ ही साथ उन्हें उनकी मजदूरी का जो मूल्य मिलना चाहिये वह न मिलकर के ठेकेदार औने-पौने दाम पर कहीं चार हजार कहीं साढ़े चार हजार और कहीं पॉच हजार पर उनको टरका करके उनसे मजदूरी करवा रहे हैं। पेंशन के नाम पर प्रदेश में 55 लाख महिलाओं की

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

समाजवादी पेंशन बंद कर दी गयी। इसकी जॉच कराई गयी और जॉच में कुछ महिलाएं मृतक पाई गयीं, लेकिन 50 लाख के आसपास जो महिलाएं पात्र पाई गयी हैं तो मेरी मांग है कि यह सरकार उन पात्र महिलाओं को समाजवादी पेंशन दे।

मान्यवर, पूरे प्रदेश में विकास के काम ठप्प पड़े हुए हैं। सड़कें जर्जर हैं और मा0 अखिलेश यादव जी की पिछली सरकार में जो सड़कों का चौड़ीकरण तथा पुल बन रहे थे उनका धन रोक दिया गया है। निश्चित तौर पर पूरे प्रदेश में जो अधूरे पड़े काम हैं सरकार को वह काम पूरे करवाना चाहिये। महंगाई, चाहे विद्युत की मूल्य वृद्धि हो, चाहे खाद के दाम हों, चाहे वह कीटनाशक दवायें हों, चाहे डीजल हो, अधिकांश चीजों के दाम बढ़ गए हैं, लेकिन किसान की उपज के दाम नहीं बढ़ाए गए हैं। अब तो हद हो गयी कि सोना-चांदी और हीरे-जवाहरात पर जीएसटी 3 परसेंट है, लेकिन ट्रैक्टर पर 28 परसेंट है। किसान के हित की बात की जा रही है। ट्रैक्टर कौन खरीदता है और सोना-चांदी, हीरे-जवाहरात कौन खरीदता है तो जहॉ तक मेरी जानकारी है कि ट्रैक्टर गॉव का किसान खरीदता है और सोना-चांदी, हीरे-जवाहरात बड़े-बड़े उद्योगपति या बड़े-बड़े लोग खरीदते हैं तो निश्चित तौर पर राज्य सरकार को इस मामले में भारत सरकार को लिखना चाहिये और ट्रैक्टर पर जीएसटी शून्य की जानी चाहिये और कृषि यंत्रों पर भी जीएसटी समाप्त किये जाने के लिये राज्य सरकार को प्रयास करना चाहिये। निश्चित तौर पर मा0 अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में पिछली सरकार में पूरे प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में, स्वास्थ्य के क्षेत्र में, सिंचाई के क्षेत्र में जो काम हुए थे उन कामों को वर्तमान सरकार ने रोका है। चाहे मेडिकल कॉलेज हों, चाहे इंजीनियरिंग कॉलेज हों, चाहे वह सीएचसी हो, पीएचसी हो, जिस स्तर पर निर्माण हो रहा था उसी स्तर पर आज ठप्प पड़ा हुआ है। जो लोहिया गॉव थे, जो सड़के थीं, जो त्वरित विकास की सड़कें थीं, जो आयुष के तहत स्मार्ट योजना के गॉव थे, जो व्यापार विकास निधि की सड़के थीं उन सड़कों पर पूर्व की सरकार में जो काम हुआ था आज भी वहां पर काम ठप्प पड़ा हुआ है। मेरे विधान सभा क्षेत्र महमूदाबाद सीतापुर में पैतेपुर केश्वारा डामर रोड त्वरित विकास की अधूरी पड़ी हुई है। बाबूपुर का राजकीय हाईस्कूल अधूरा पड़ा हुआ है। शमसाबाद मार्ग पर लोन जिगनिया डामर रोड डा0 राम मनोहर लोहिया योजना के अन्तर्गत स्वीकृत सड़क अधूरी पड़ी हुई है। बजेहरा लोन की सड़क अधूरी पड़ी है। गुलामपुर बनिगवॉ की सड़क अधूरी पड़ी है और धरमपुर धोबिनपुरवा की सड़क भी पिछले कार्यकाल से अधूरी पड़ी है। इस सरकार में निश्चित तौर पर चुनाव के पूर्व प्रदेश की जनता से जो वायदे किये गये थे उन वायदों पर यह सरकार खरी नहीं उतरी है। इण्टर पास बच्चों को लैपटाप देने की बात कही गयी थी। दो साल हो गये, लेकिन लैपटाप उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। उनको मोबाइल डाटा देने की बात कही गयी थी, लेकिन वह भी आज तक नहीं दिया गया और न ही लोगों को रोजगार मिला, न बच्चों को लैपटाप मिले, न किसानों की आमदनी दोगुनी हुई। इस सरकार ने पूरे प्रदेश की जनता को 2017 में जो सपने दिखाए थे कहीं न कहीं उनको साकार करने में यह सरकार असफल रही है। लोक कल्याणकारी सरकार के संबंध में आपके नेता जैसा कि बार-बार कहते हैं कि 'सबका साथ सबका विकास' तो पूरे प्रदेश की यूनिवर्सिटीज में रोस्टर प्रणाली लागू होने के कारण पिछड़ों और दलितों का हक मारा जा रहा है। नियुक्तियों में पिछड़ों और दलितों की भागीदारी शून्य की जा रही है और निश्चित तौर पर एक साजिश इस प्रदेश के पिछड़ों और दलितों के खिलाफ की

जा रही है। मा0 नेता प्रतिपक्ष ने जो संशोधन प्रस्ताव रखा है मैं उस पर बल देते हुए अपनी बात समाप्त करूंगा। धन्यवाद।

श्री रजनीकांत मणि त्रिपाठी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आज मैं माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण पर शर्मा जी ने जो धन्यवाद स्पीच प्रस्तुत किया है उसके समर्थन में प्रस्तुत हुआ हूँ। हमारे विधायक मित्र जो उस दिन अभिभाषण के दौरान बीमार पड़ गये, मैं उनके स्वास्थ्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ 'हे ईश्वर उन्हें यथाशीघ्र स्वस्थ्य करें'। अभी तमाम हमारे मित्रों ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज नहीं है। मैं ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता हूँ, सिर्फ इतनी सी अनुमति चाहता हूँ कि आप अपने शासन काल के कुछ ही महीनों के अखबारों को उठाकर पढ़ लें जिनमें मोटे अक्षरों में लिखा मिलेगा कि तीन बरस की बच्ची से लेकर नब्बे बरस की बुढ़िया का बलात्कार होता था, यह समाजवादी पार्टी के शासनकाल की व्यवस्था थी। आप लोग जब बोल रहे थे तब हम लोग सुन रहे थे हम चाहेंगे कि धैर्यपूर्वक हमारी बात सुन ली जाये। सबका साथ-सबका विकास के नारे के साथ उत्तर प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है। सरकार के कार्य संविधान की मूल भावना के अनुरूप है। गांव, गरीब, किसान और महिलाओं के प्रति सम्मान हमारी सरकार की प्राथमिकता है। प्रयागराज में कुम्भ लगा हुआ है और मैं अपने आप को इस बात के लिए सौभाग्यशाली भी समझता हूँ, जैसा कि अभी कुम्भ की चर्चा हो रही थी कि वहां पर इतनी गन्दगी है, आम आदमी वहां तक पहुँच नहीं सकता है लेकिन एक बात मैं कहना चाहता हूँ कि दिनांक 04.02.2019 को सारी वी0आई0पी0 व्यवस्था रोक दी गयी थी और मैं अपने विधान सभा के कार्यकर्ताओं के साथ जब मेले में गया तो मुझे ब्रह्म मुहूर्त में नहाने का अवसर प्राप्त हुआ यह माननीय योगी जी की वजह से संभव हो सका है। (सत्ता पक्ष द्वारा मेजें थपथपायी गयीं) इसके पहले भी कुम्भ आता था लेकिन ब्रह्म मूहर्त में स्नान नहीं हो पाता था क्योंकि मार्ग तक पहुँचने के रास्ते सुगम नहीं होते थे। हमने रास्ते को सुगम बनाया है और इतनी बड़ी भीड़ को समय से स्नान कराया है यह कुम्भ की उपलब्धि नहीं है तो क्या है ? 2019 के कुम्भ का मेला एक मानव प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उस पर हम व्यंग करते हैं, धर्म पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करते हैं और वह लोग भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करते हैं जो कहते हैं कि हम महामृत्युंजय का जाप कराकर आये हैं, अपने दीर्घायु होने के लिए तो सब लोग जाप कराते हैं यदि किसी पंडित ने बता दिया कि आपके जीवन पर संकट है तो आपने महामृत्युंजय का जाप करा लिया। देश प्रदेश और तीर्थ स्थान के लिए कोई जाप करा कर दिखाये तब मैं समझूँ कि आपकी धर्म में आस्था है। पॉच वर्षों के अन्दर 20 लाख लोगों को रोजगार देने का काम हमारी सरकार ने किया है। आप कहते हैं कि पेट्रोल पंप पर काम करने वालों को हम रोजगार की श्रेणी में लेते हैं जब सूची आयेगी तो आप देख लीजियेगा। हमारी सरकार ने उन लोगो को भी रोजगार देने का काम किया है जो कौशल विकास योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षित हुये थे। चाक कला समाप्त हो गई थी, गांव में मिट्टी का काम नहीं होता था लेकिन हमारी सरकार ने कुल्हड़ का प्रयोग शुरू कराकर कुम्हारों को रोजगार देने का काम किया है। जिन परिवारों के बच्चे अच्छी तालीम के लिए परेशान रहते थे हमारी सरकार ने माटी कला बोर्ड के माध्यम से उन गरीब परिवार के बच्चों को खुशहाल बनाने का काम किया है। अभी किसानों पर चर्चा हो रही थी मैं कहना चाहता हूं कि किसानों के लिए यह सरकार वरदान साबित हो

रही है। आज कोई किसान नहीं कह सकता है कि यूरिया और डी0ए0पी0 के लिए उन्होंने कहीं लाठी खाई हो। अगर वास्तव में कोई किसान हितैषी है तो उसे ईमानदारी से एक बात को स्वीकार करना चाहिये कि यूरिया और डी0ए0पी0 के लिए किसान ने कहीं लाठी नहीं खाई है। इस दिशा में सरकार ने एक अच्छी पहल की है और एक अच्छा प्रयास किया है। केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी और प्रदेश में बसपा और सपा की सरकारें थी लेकिन मैं कह सकता हूं कि सबने किसानों को छलने का काम किया है। किसान पहले भ्रष्टाचार का शिकार होता था लेकिन हमारी सरकार ने इस भ्रष्टाचार को रोकने का काम किया है और डायरेक्ट अनुदान ट्रांसफर के जरिये किसानों के खातों में पैसे पहुंचाने का काम किया है। प्रदेश के सभी जनपद खुले में शौच से मुक्त हो गये हैं। किसी ने यहां पर इस बारे में कुछ कहा था। मैं उनको कहना चाहता हूँ कि हमारी विधान सभा में एक बार आप आ जाईये। आप तो मिश्रा जी के यहां गये थे तो शायद आपकी गाड़ी के चक्के गन्दे हो गये थे लेकिन आप मेरी विधान सभा में आ जाईये अगर आपके चक्के में कहीं पर गंदगी लग जायेगी तो मैं विधान सभा से इस्तीफा दे सकता हूं। हिन्दुस्तान के अंदर जिम्मेदारी का इससे बड़ा कोई उदाहरण नहीं हो सकता है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, हमारी सरकार ने आवास के क्षेत्र में बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है। अलग-अलग पार्टियों की पिछली सरकारें भी रही हैं लेकिन उनके पास इस तरह का कोई उदाहरण नहीं होगा। आज भी हमारे विधान सभा क्षेत्र के अंदर पिछली सरकारों के समय के अधूरे आवास बने पड़े हैं। वहां पर आवास बन गये हैं, सूचीबद्ध हो गये हैं लेकिन उनकी छत नहीं पड़ी हैं। यदि कोई माननीय सदस्य इन्हें आकर देखना चाहे तो मैं दिखा सकता हूं। हमारी सरकार ने मुसहर बस्तियों में आवास बनाये हैं और पूर्ण रूप से आवास का निर्माण सम्पन्न कराकर उसे रहने योग्य बनाया है। हमारी सरकार ने लोगो को चाभी देकर उनमें गृह प्रवेश कराया है। अगर आपने कोई भी ऐसा काम किया हो तो उसका उदाहरण आप हमें बता दीजिये। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में गरीब मरीज का निःशुल्क इलाज हो रहा है। अभी हमारे माननीय नेता प्रतिपक्ष एक बात कह रहे थे कि मेरे ईलाज की कोई चिंता नहीं कर रहा है। मेरी सरकार चिंता कर रही है और मैं स्वयं विधायक होने के नाते आपके ईलाज की जिम्मेदारी लेता हूं। मैं इस सदन के माध्यम से बताना चाहता हूं कि उनके इलाज पर जो भी खर्च होगा उसके लिए यह विधायक उनकी सेवा में समर्पित है। मेरा पूरा जीवन उनके लिए समर्पित है, वह जल्दी से जल्दी स्वस्थ हो जाये इस बात के लिए मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ है। आप ईमानदारी से किसी भी स्कूल के शिक्षकों की संख्या देख लीजिये और विद्यार्थियों की संख्या देख लीजिये। लेकिन आप इस तरह की जवाबदेही बना रहे हैं कि जैसे दावा कोई प्रस्तुत करता है और जब वकील साहबान जवाबदेही लिखाना शुरू करते हैं तो जो बातें सही भी रहती हैं तो उनको भी कहते हैं कि धारा फलां से हमको इंकार है। अगर विपक्ष के बंधु भी कहते कि अभिभाषण की पृष्ठ सं0 1 से 30 इनकार है तो आपकी बात खत्म हो जाती और मैं खुद जब अपनी विधानसभा में क्षेत्र में सम्पर्क के लिए निकलता हूं, और मैं अपने मित्रों को भी सदन के माध्यम से यह बात कहना चाहूंगा कि मैं दोपहर का भोजन उन बच्चों के साथ करके एक परिवारिक वातावरण देने का काम करता हूं जिससे हमको एक फायदा मिला है कि कोई भी शिक्षक बिना प्रार्थना-पत्र के अनुपस्थित नहीं रहता है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करिए।

श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी-

अधिष्ठाता महोदय जी, आप जब कहेंगे मैं तब अपनी बात समाप्त कर दूंगा मैं सीमा में रहने वाला आदमी हूं। आपका आदेश है, इसलिए मैं अपनी विधानसभा की दो-तीन बातें कहकर समाप्त कर देता हूं। मेरी विधानसभा में एक एयरपोर्ट का काम हो रहा है और मुझे विश्वास है कि वह काम जल्दी ही शुरू हो जाएगा और मा0 मुख्यमंत्री जी को मैंने जिस दिन यहां श्रद्धेय अटल जी की श्रृद्धांजलि सभा थी उस दिन भी प्रार्थना-पत्र दिया था। मैं इस सदन के माध्यम से एक निवेदन करूंगा कि कुशीनगर एयरपोर्ट का नाम श्रद्धेय अटल जी के नाम पर रखा जाए यह मेरी और मेरे क्षेत्र की जनता की मांग है। मा0 योगी जी के नेतृत्व में समाज के हर तबके का विकास हो रहा है। काम की तेजी नये विकास के कार्य को लेकर पिछली सरकार और वर्तमान सरकार में हम विभेद स्थापित कर सकते हैं। मुझे लगता है कि मा0 मुख्यमंत्री जी जब तक एक नया काम प्रतिदिन नहीं कर लेते तब तक चैन से नहीं बैठते हैं। अब आप सोच सकते हैं कि पांच वर्षों के अंदर कितने नये काम उत्तर प्रदेश के अंदर होने वाले हैं ? मा0 योगी जी प्रतिदिन एक नया काम करते हैं। हमको तो यह लगता है कि उन्होंने तय कर लिया है कि हम तभी जलपान और जब कोई नयी काम कर लेंगे तो भोजन करेंगे क्योंकि जब मैं अखबार उठाता हूं तो कोई न कोई नया संदेश हमें पढ़ने को मिलता है। मैं ऐसे माननीय योगी जी को इस सदन के माध्यम से धन्यवाद देना चाहता हूं। कुछ वर्षों पहले लोग कहते थे कि छोड़ो यार इस उत्तर प्रदेश के अंदर कुछ बदलने वाला नहीं है, लेकिन आज मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि उसी उत्तर प्रदेश की जनता ने नुक्कड़ और चौराहों पर कहना शुरू कर दिया है कि उत्तर प्रदेश बदल चुका है और हिंदुस्तान का स्वरूप बदल चुका है तथा विकास की गंगा उत्तर प्रदेश के अंदर बह रही है। इसी के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं। धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 डा0 सतीश चन्द्र द्विवेदी जी। नहीं हैं क्या? मा0 कपिल देव अग्रवाल जी।

श्री कपिल देव अग्रवाल-

अधिष्ठाता महोदय जी, आपने मुझे श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव जो श्री सुनील शर्मा जी के द्वारा रखा गया है उसके समर्थन में बोलने का अवसर प्रदान किया मैं आपका बहुत धन्यवाद अदा करता हूं। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, अभी विपक्ष की ओर से लगातार यह बात आ रही है कि इतने काम पौने दो वर्ष के अंदर सरकार द्वारा नहीं किये गये हैं। पांच वर्ष का अमेंडमेंट हम लोगों को मिला, लेकिन विपक्ष को लगता है कि दो वर्ष के अंदर ही नहीं बल्कि डेढ़ वर्ष के अंदर ही वह सारे काम हो जाने चाहिए थे। काम की गति कैसी है ? काम की चाल कैसी है ? करने वाले के मन में आकांक्षा कैसी है ? करने वाले व्यक्ति के मन का संकल्प कैसा है अगर इन बातों को हम देखेंगे तो हमको दिखता है कि देश के अंदर श्री नरेन्द्र मोदी जी और प्रदेश के अंदर श्री योगी आदित्यनाथ जी इन दोनो की जोड़ी

मिलकर जिस प्रकार देश और प्रदेश का विकास कर रही है उससे विपक्ष के नेताओं के हौसले पस्त हैं और उन्हें कुछ सूझ नहीं रहा है क्योंकि उनके पास कोई एजेंडा नहीं है, उनके पास कोई संकल्प नहीं है। उनके पास यदि कोई एजेंडा है तो वह केवल यह है कि लोकसभा चुनाव में श्री नरेन्द्र मोदी जी को कैसे परास्त किया जाए और उनको कैसे हटाया जाए ?

''गैर परों से उड़ सकते हो केवल तुम दीवारों तक,
अम्बर तक तो वही उड़ेंगे जिसके अपने पर होंगे।''

अपने बलबूते पर आपके पास लड़ने की हिम्मत नहीं है। जो आपस में एक-दूसरे को गाली देने का काम करते थे, एक-दूसरे को कोसते थे और जो फूटी आंखे नहीं सुहाते थे, उन सब लोगों ने गठबंधन करके लोगों को चश्मा लगाकर सपने दिखाने का काम किया है कि हम ऐसा करने वाले हैं, हम वैसा करने वाले हैं।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं तुलना करना चाहूंगा कि डेढ़ सौ वर्ष पूर्व एक सूर्य का उदय स्वामी विवेकानन्द के रूप में हुआ था। जिस समय देश के अंदर लोगों में वैचारिक प्रतिबद्धता नहीं थी। मुगलों का शासन था और देश को लोग फकीरों का, भिखारियों का देश मानते थे। स्वामी विवेकानन्द जी ने 125 वर्ष पूर्व शिकागो के अंदर 11 सितम्बर, 1893 में जाकर एक संकल्प देने का काम किया। भारतीय सांस्कृतिकवाद का उदय करने का काम किया, और पूरी दुनिया को ये दिखाने का काम किया कि हमारे देश की कैसी संस्कृति है। सहिष्णुता का हमारा सिद्धान्त है। अगर मैं योगी आदित्य नाथ जी की बात करूं, तो वही गेरूआधारी व्यक्ति, वही व्यक्तित्व, वही विचार, वही ब्रह्मचारी । उत्तर प्रदेश के अंदर योगी आदित्य नाथ के रूप में स्वामी विवेकानन्द का उदय हुआ है। जिसने अपने व्यक्तित्व, अपनी कार्यशैली के आधार पर, अपनी वाणी के आधार पर आज उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे देश के अंदर आज जैसी योगी आदित्य नाथ की मान्यता है जैसी डिमाण्ड है, विपक्ष के लोगों के पास कोई शब्द नहीं है बोलने के लिए, क्योंकि योगी आदित्य नाथ स्वामी विवेकानन्द की तरह दूसरे सूर्य के रूप में उदय हुये हैं। आदरणीय साथियों, आज प्रयागराज कुम्भ की बात हो रही है। विपक्ष के लोगों ने कुम्भ को भी राजनीतिक मुद्दा बना लिया। अभी हमारे साथी चर्चा कर रहे थे कि किस तरह सुप्रभात की बेला में उन्हें स्नान करने का मौका मिला। हमारे प्रदेश अध्यक्ष जी, मुख्यमंत्री जी, कैबिनेट के सारे मंत्री वहां जाकर स्नान करके आये। आप कल्पना कर लीजिए कि घर में 10 आदमी आ जायें तो आदमी पागल सा हो जाता है कि इतने मेहमान आ गये उनको रोटी खिलानी है। जबकि कुम्भ में 05 करोड़ लोगों ने स्नान किया। और कोई भी अव्यवस्था नहीं हुई। ईश्वर की कृपा है कि कोई दुर्घटना नहीं हुयी है। आज दुनिया देख रही है कि मोदी जी और योगी जी के शासनकाल में भगवान भी साथ दे रहा है, गंगा मईया भी साथ दे रही हैं कि बहुत सुन्दर वातावरण प्रयागराज के अंदर है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बात करूं तो मुख्यमंत्री जी ने इलाहाबाद का नाम प्रयागराज और फैजाबाद का नाम अयोध्या करके उसकी सांस्कृतिक विरासत को सजाने और संवारने का काम किया है। अयोध्या के अंदर जो दीप प्रज्वलित करने का काम किया पूरी दुनिया के अंदर उसकी जयजयकार हुयी। होली का पर्व भी उन्होंने वरसाना में जाकर मनाने का काम किया है। उसके लिए मा0 मुख्य मंत्री जी को बधायी देना चाहता हूं।

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, विपक्ष के मा0 सदस्य प्रदेश की कानून व्यवस्था की बात करते हैं। इनके समय में प्रदेश में कानून व्यवस्था का कैसा हाल था। अभी आज के समाचार पत्रों में आपने पढ़ा होगा। अगर मैं अपने जनपद की चर्चा करूं कि कवाल के अंदर एक घटना हुयी थी। आज से साढ़े पांच वर्ष पूर्व। दो बहन के सम्मान के लिए दो नौजवानों ने अपने प्राणों का बलिदान कर दिया। कुछ लोगों ने मिलकर उनको मार डाला। उस समय समाजवादी पार्टी की सरकार थी। आजम खॉ यहां पर नहीं हैं। उनका नाम सीधा-सीधा उसके अंदर आया कि उन्होंने अपराधियों को छुड़वाने का काम किया। साढ़े पांच वर्ष पूर्व एक कलंक मुजफ्फरनगर जनपद के ऊपर लगा और जिसने तत्कालीन डी0एम0 सुरेन्द्र सिंह और तत्कालीन एस0एस0पी0 मंजिल सैनी को वहां से हटाकर अपराधियों को छुड़वाने का काम किया। मैं न्यायापालिका का सम्मान करना चाहता हूं कि उन्होंने कल ही निर्णय दिया और सारे अपराधियों को सजा मुकर्रर कर दी है और कल उसका निर्णय आने वाला है। हमारे विधायक विक्रम सैनी यहां बैठे हैं उनको भी एक वर्ष की सजा उसके अंदर हुयी। रासुका लगाने का काम किया। हमारे दो विधायक उनमें से एक मंत्री हैं उनको रासुका लगाकर जेल भेजने का काम किया। यह समाजवादी पार्टी की सरकार लगातार गुण्डो, माफियाओं को संरक्षण देने का काम करती रही और आज यह लोग हम पर उंगली उठाने का काम करते हैं। हमारे कैराना में पलायन होता था। व्यापारी छोड़कर चले गये, सरेआम चेतावनी देकर गोली मारी जाती थी। स्वर्गीय बाबू हुकुम सिंह जी ने पलायन का विषय लोक सभा में उठाया था। आज समाजवादी पार्टी का शासन नहीं है। भारतीय जनता पार्टी का शासन है कोई पलायन नहीं कर रहा है। कोई भाग नहीं रहा है। सबका संरक्षण है, सबका विकास है। सबका साथ है। अपराधी गले में पट्टा डालकर घूम रहे हैं कि हमको गिरफ्तार कर लो, हमको जेल भेज दो, हमारे जीवन का हमको संरक्षण दे दो। आज यह वातावरण मा0 योगी जी की सरकार में होने का काम हुआ है।

अधिष्ठाता महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि इस सरकार में प्रौद्योगिक विकास का वातावरण बना है, बहनो-बेटियों एवं शिक्षा का सम्मान का माहौल बना है और साथ-साथ प्रतिवर्ष जब प्रधानमंत्री और एक तरफ मुख्यमंत्री जी सबके सम्मान की बात कर रहे हैं शायद पहले कभी किसी ने नहीं देखा होगा कि जब दीपावली पर अपने परिवार दोस्तों को छोड़कर के देश की सीमा पर जाकर अपनी सेना के साथ दीपावली मनाने का काम करता हो, प्रतिवर्ष कहीं न कहीं जाकर के उनका हौसला-अफजाई एवं सम्मान बढ़ाने का काम करते हैं, ऐसे हमारे प्रधानमंत्री जी हैं। वर्तमान समय में जो राज्यपाल जी ने अपना अभिभाषण प्रस्तुत किया है उसमें पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी जिनका अन्त्योदय का संदेश था। अन्त्योदय के माध्यम से गरीब, पीड़ित, असहाय, निर्धन, मजदूर, किसान, व्यापारी, छात्र-छात्राएं एवं महिलाएं सभी के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम इस सरकार ने किया है। इस सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास' करने का काम किया है। अभी शौचालय पर चर्चा चल रही थी, लोग उपहास करते हैं। उस समय भी लोगों ने उपहास किया जब प्रधानमंत्री जी ने लालकिले से शौचालय की बात की, लोग हंसने लगे। विपक्ष को जब कोई मुद्दा नहीं मिला तो उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री शौचालय की बात करता है। हम सब लोग ग्रामीण पृष्ठभूमि के लोग हैं, मैं भी गांव में रहा हूं एक गांव की बालिका जिसकी उम्र 12 वर्ष, 14 वर्ष या 16 वर्ष की या कोई

नव-विवाहिता की शादी होकर के गांव में आती थी और गांव में आने के बाद उसकी सास उसकी नन्द, जेठानी या देवरानी से कहती थी कि बेटा इसको शौच के लिए ले जाओ। आप कल्पना कीजिए कि जो नव-विवाहित एक घण्टे पहले शादी करके आई है उसको सर्दी एवं बारिश में सड़क पर शौच करने के लिए जाना पड़े तो उसके लिए कितना मुश्किल का काम होता होगा। प्रधानमंत्री जी ने सबसे गरीब, साधन विहीन व्यक्ति की महिलाओं की बेटियों को समझने का काम किया है स्कूलों के अंदर शौचालय बनाये, बिना किसी भेद-भाव, बिना किसी जातिवाद के घरों के अंदर शौचालय बनाने का काम किया है और मुख्यमंत्री जी उस कार्य को बढ़ावा दे रहे हैं। एक विलक्षण योजना है जो विपक्ष के मन में कभी नहीं आई 'एक जनपद, एक उत्पाद' आज विपक्ष इसकी प्रशंसा नहीं करता है। यह कितना बड़ा संकल्प है, कितनी बड़ी योजना है छोटे-छोटे गांवों में लोग व्यापार करते हैं, कारीगरी करते हैं। मुख्यमंत्री जी ने योजना के माध्यम से लोगों को उत्साहित करने, उनको प्रोत्साहित करने का काम, उनको लोन देने का काम एवं उनके प्रोडेक्ट को बाजार में बेचने की कल्पना है, यह कल्पना पहले किसी के मन में नही आई है। इसके लिए मैं मा0 मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूं और उसमें मुजफ्फरनगर का गुड भी है जो पूरी दुनिया के अंदर मशहूर है उसको भी (एक जनपद एक प्रोडक्ट) की योजना के अंदर लिया है। इसके लिए मैं उनको धन्यवाद देता हूं।

उन्होंने मिट्टी की संस्कृति से गांव के व्यक्ति को जोड़ने का काम किया जिसके माध्यम से 20 लाख रोजगार सृजित होने का काम होगा। विश्वकर्मा श्रम सम्मान के माध्यम से बढ़ई, दर्जी, लूहार, सुनार, कुम्हार, हलवाई एवं मोची यह सब छोटे वर्ग के लोग हैं जिनकी कोई सुनता भी नहीं था। उनकी भी सरकार में सहभागिता होती है उसकी सहभागिता को सुनिश्चित करने का काम प्रदेश मा0 मुख्यमंत्री जी ने किया है। व्यापारी वर्ग की बात समाजवादी पार्टी एवं बहुजन समाज पार्टी सरकार ने कभी की ही नहीं है। इन सरकारों ने व्यापारी को सिर्फ मुर्गी समझने का काम किया है। मा0 मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश के अंदर व्यापारी कल्याण बोर्ड बनाकर के व्यापारी को सम्मान देने का काम किया है। बेटी की शादी के लिए 31 हजार रुपये से बढ़ाकर के 51 हजार रुपये देने का काम किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना में सबको मकान मिलें। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि हम सबको छत देने का काम करेंगे और मुख्यमंत्री जी उस योजना को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से 61 हजार करोड़ रुपये की 81 परियोजनायें चालू हुई हैं। मुजफ्फरनगर में 1300 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट चालू हुए हैं, आयुष्मान भारत योजना के अंदर 13 लाख 81 हजार 720 गोल्डन कार्ड बनाकर 5 लाख रुपये की सहायता, चिकित्सा मुख्यमंत्री जी ने देने का काम किया है और आज ही बजट के अंदर जो शेष लोग हैं उनको स्वीकृति देने का काम मा0 पूर्व मुख्यमंत्री जी ने किया है। बेसिक शिक्षा के अंदर आशातित परिवर्तन हुए हैं। मुख्यमंत्री कहा करते थे कि नकल करो छात्र नकल के माध्यम से पास होंगे। हमारे मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नकल नहीं होगी, नकल करने की परमीशन किसी को भी नहीं दी जायेगी।

जो लोग परिश्रम करेंगे, उन्हीं को पास होने का मौका मिलेगा। ऐसी शिक्षा का माहौल माननीय मुख्यमंत्री जी के शासनकाल में मिला है जिससे सब लोग प्रसन्न हैं, इसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं। विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन शिविर लगाकर दी जा

रही है, शिविर कभी नहीं लगाए जाते थे, पेंशन के लिए लोगों को धक्के खाने पड़ते थे, पटवारी पैसे मांगता था, इस सरकार के अंदर शिविर लगाकर सबको पेंशन दी जा रही है। मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि कोई भी विधवा, कोई भी वृद्धा ऐसी नहीं रहेगी जिसे पेंशन न मिल रही हो। मैं इसके लिए मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूं। ऊर्जा मंत्री के द्वारा सौभाग्य योजना के माध्यम से गांव-गांव में घूम-घूमकर लोगों को बिजली देने का काम किया गया। पं0 दीन दयाल उपाध्याय योजना के अन्तर्गत तीन लाख मजरों के विद्युतीकरण का काम किया गया। मैं दो-तीन मिनट में अपनी बात पूरी कर रहा हूं।

श्री अधिष्ठाता-

अब आपका लिखा नहीं जा रहा है।

श्री कपिलदेव अग्रवाल-

मान्यवर, ठीक है अब मैं समाप्त करता हूं। आपने मुझे राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का अवसर प्रदान किया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री रफीक अंसारी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। सबका साथ, सबका विकास बहुत अच्छा लगता है, 100 दिन में गड्ढामुक्त सड़क का वादा इस सरकार ने किया था बहुत अच्छा लगता है, लेकिन ये सबका साथ-सबका विकास नहीं ये इनका साथ-इनका विकास हो रहा है। अधिष्ठाता महोदय, मेरी विधान सभा के अंदर गड्ढे ही गड्ढे हैं, हापुड़ रोड-आजाद रोड पर गढ्ढे ही गड्ढे हैं, वह हाइवे हैं लेकिन ये सरकार गूंगी-बहरी हो गयी है। इस सरकार को नजर नहीं आता है। अधिष्ठाता महोदय, खासतौर से जहां-जहां माईनॉरिटीज रहते हैं, जहां-जहां मुसलमान रहते हैं, भेदभाव करने का ये सरकार कर रही है।

श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल-

मान्यवर, ये गलत बात कह रहे हैं, ये धार्मिक भावना के खिलाफ है।

श्री रफीक अंसारी-

अधिष्ठाता महोदय, ये नहीं सुन रहे हैं, सच्चाई को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। ये सच्ची बातें इन्हें कड़वी लग रही हैं। मैं कहना चाहता हूं कि 1947 के अंदर जब ये मुल्क आजाद हुआ था, जब हिंदुस्तान-पाकिस्तान का बंटवारा हुआ था तो यहां के मुसलमान पाकिस्तान की तरफ रवाना हो रहे थे, मुसलमान जा रहे थे तो गांधी जी ने कहा था ऐ मुसलमानों ये मुल्क आपका है, कहां जा रहे हो, संविधान के अनुसार से आपके साथ इंसाफ होगा, लेकिन आज इंसाफ नहीं हो रहा है। (सत्तापक्ष एवं विपक्ष के कई मा0 सदस्यों के एक साथ खड़े हो बोलने से शोर/घोर व्यवधान, वक्ता की बात सुनाई नहीं दी) लेकिन उत्तर प्रदेश के अंदर दो कानून है बीजेपी वाले का कानून अलग और संविधान का कानून अलग। (व्यवधान) ये बोलने नहीं दे रहे हैं।

(इसी मध्य 03 बजकर 55 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठीसीन हुये।)

(समाजवादी पार्टी एवं भारतीय जनता पार्टी के कई सदस्यों के एक साथ खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर व्यवधान)

***श्री सुखदेव राजभर-**

अधिष्ठाता महोदय, एक माननीय सदस्य बोल रहे हैं, आपका सम्मान हैं, आप इस सदन के एक वरिष्ठ सदस्य भी हैं और इस पीठ पर आसीन हैं। जिस तरह से एक माननीय सदस्य की बात नहीं अच्छी लग रही है, उसका आप प्रतिवाद करिए, अगर लोकतंत्र में आपका विश्वास है तब। हम लोगों को तो विश्वास है लेकिन आप लोगों को तो है नहीं। आज इतना खराब आचरण लगा, एक माननीय सदस्य मॉइनारिटी के हैं, इसलिए जो चाहें आप कहें।

(सत्तापक्ष और विपक्ष के कई सदस्यों के पुनः एक साथ बोलने पर व्यवधान।)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग बैठ जायें। मैं खड़ा हुआ हूं, कृपया बैठें।

श्री सुखदेव राजभर-

अध्यक्ष जी, एक माननीय सदस्य बोल रहे हैं, उन्हें बोलने तक नहीं दिया जा रहा है। इतनी गन्दी-गन्दी हूटिंग हो रही है। 'जियो शेर, जियो बहादुर', ऐसी-ऐसी हूटिंग हो रही है, मान्यवर, इच्छा नहीं करती कि सदन में बैठकर सुना जाये। माननीय सदस्य ने गॉधी जी का एक उद्धरण दिया, क्या बुरा कहा ? वह तो उनको देशभक्त ही बोले।

(पुनः कई सदस्यों के बोलने का प्रयास करने पर।)

श्री अध्यक्ष-

आप सब लोग न बोलें।

श्री सुखदेव राजभर-

अध्यक्ष जी, इतनी हूटिंग हो रही है, यह बहुत दुख का विषय है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, अभी जब हम लोग आपके कक्ष में थे, तब आपस में कुछ बात हुई। मेरा आपसे अनुरोध है कि अगर ऐसी कोई बात जो संसदीय नियमों और परम्पराओं के अनुरूप न हो तो मान्यवर, उसको निकलवा दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

मैं उसको देख लूँगा।

नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, मैंने सबेरे भी आग्रह किया था। सदन की परिपाटी है, कोई सदस्य अपनी बात कहता है, चाहे कितनी ही तीखी हो, उसको सुनिए, फिर माननीय अध्यक्ष जी से टाइम ले करके उसकी पीड़ा, उसका जवाब जैसे चाहें दें। लेकिन इस विधान सभा में एक नयी परम्परा आ गयी है कि इधर के सदस्य बोल रहे हैं तो उधर से टोका-टाकी और उधर के सदस्य बोल रहे हैं तो इधर से टोका-टाकी। यह सदन है, अध्यक्ष जी, इस सदन की गरिमा है, कभी-कभी उत्तर प्रदेश विधान सभा का उदाहरण लोकसभा

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

में दिया जाता है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश विधान सभा में यह निर्णय लिया। यह देश की सबसे बड़ी विधान सभा है, अगर इस विधान सभा में इस तरह से काम होगा, अशोक जी।

***श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल-**

अध्यक्ष जी, मेरा यह कहना है, आपको जो कुछ कहना है, आप अपनी बात को कहिए लेकिन उस बात का प्रारूप पूरे कम्युनल रूप में नहीं होना चाहिए, मेरा इतना अनुरोध है।

श्री अध्यक्ष-

चन्देल साहब, आप बैठिए।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

अध्यक्ष जी, वह भी बात कहने के अधिकारी केवल माननीय अध्यक्ष जी हैं, हम आप नहीं हैं। अशोक जी पुराने मेम्बर हैं, एम0पी0 भी रहे हैं। कोई खराब बात बोल रहा है, उसको टोकने का अधिकार माननीय अध्यक्ष जी का है या संसदीय कार्य मंत्री जी खड़े होकर अध्यक्ष जी से कहें कि यह गलत बात है, इनको रोकिए। परम्परा को चलाइये। हम लोग भी बहुत दिनों से विधान सभा में हैं, जितनी तीखी-तीखी बातें, कमेंट उधर से आते हैं, अगर हम लोगों की तरफ से आने लगें, एक बार यहीं पर इतनी कुर्सी चली थीं कि आज तक उदाहरण दिया जाता है, आप उस समय एम0एल0ए0 थे, संसदीय कार्य मंत्री जी भी थे तो उससे क्या फायदा ? अध्यक्ष जी, अभी कल ही मैं एक चैनल देख रहा था, उस समय एक ने उदाहरण दिया कि उत्तर प्रदेश विधान सभा में आपने देखा क्या हुआ ?

अन्ना जी जब आंदोलन कर रहे थे तो कुछ फिल्म सिटी के लोग आए हुए थे उनके समर्थन में तो उसमें से एक मुसलमान थे जो अब मर चुके हैं, उन्होंने हमारी इन्हीं हरकतों की वजह से कहा था कि लोक सभा और विधान सभा में अनपढ़ और गवार लोग बैठते हैं। अध्यक्ष जी, जब हमारा ऐसा आचरण होगा तो नाचने वाले भी हमको बताएंगे कि अनपढ़ और गवार लोग बैठते हैं। मा0 अध्यक्ष जी, आपसे प्रार्थना है कि सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए आप कई बार इस सदन के सदस्य रहे हैं और विधान परिषद में भी रहे हैं, इस बार जितना विपक्ष सदन चलाने में सहयोग कर रहा है कभी उतना विपक्ष ने सहयोग नहीं किया है हमने भी किया है आप इससे परिचित हैं मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी इससे परिचित हैं, इस व्यवस्था को आप लागू रखें कि कोई भी मा0 सदस्य अपनी बात रखता है हम उसको सुने और आपसे परमीशन लेकर के हम उसका उसी की भाषा में जवाब दें। यह तो हो सकता है इस पर मैं जरूर अपनी व्यवस्था चाहता हूं।

***संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

मा0 अध्यक्ष जी, हमारी पार्टी का स्पष्ट मत है। हम संविधान पर विश्वास करते हैं। मान्यवर, हमारे नेता का नारा यही है कि सबका साथ सबका विकास। मान्यवर, बजट पर हम इस बहस को लंबी नहीं बढ़ाना चाहते हैं। बजट में 31 नम्बर पेज पर जो भी हमने आज

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बजट प्रस्तुत किया है उसमें सारी चीजें इस बात के लिए दी गई हैं कि हम किस-किस विषय पर क्या-क्या करने जा रहे हैं। और उससे इस बात का स्पष्ट रूप से संकेत मिलता है कि हम हर एक को हम मंदिर, मस्जिद गिरिजाघर और गुरूद्वारे में हिन्दू, मुस्लमान, सिक्ख और ईसाई हो सकते हैं, लेकिन हिन्दुस्तान के संविधान के संबंध में एक नागरिक हैं और उस नागरिक के अधिकार सबके बराबर हैं। इसलिए हम कोई भेद ना तो मन से करते हैं और ना व्यवहार से करते हैं। यह हम दावे के साथ कह सकते हैं। मैं मान्यवर उस क्षेत्र से चुनकर आता हूं जहां 43 प्रतिशत मॉनयारिटी रहती है। मैं पिछले आठ बार से इस विधान सभा में हूं और कभी भी इस लाईन पर ना तो सोच है और ना व्यवहार में है। यह 31 नम्बर का मैटर बजट का जरूर पढ़ लें। किसी भी प्रकार का डिबेट इस आधार पर नहीं होगा यह अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से आश्वस्त करना चाहता हूं। मेरा अनुरोध है कि इस विषय को यहीं पर समाप्त कर दिया जाए।

श्री रफीक अंसारी-

अध्यक्ष जी, मैंने ऐसा कोई शब्द नहीं कहा जिससे किसी को तकलीफ या ठेस पहुंचे। सच्चाई अगर है तो मुसलमान को और मुसलमान की बात को मैं अभी भी कर रहा हूं।

श्री अध्यक्ष-

आपका आदर है इसमें हिन्दू और मुसलमान की कोई बात ही नहीं।

श्री रफीक अंसारी-

अध्यक्ष जी, जो आज हमारी पीड़ा है और जो आज हमारे साथ हो रहा है। अगर मैंने भी यह बात पेश की है तो किसी को कुछ बुरा नहीं लगना चाहिए। हमारी जगह आप आकर देखो तो पता चले। अध्यक्ष जी, खासतौर से उत्तर प्रदेश के अंदर मुसलमान दहशत में जी रहा है। आप सोच नहीं सकते अध्यक्ष जी जब यह मुल्क आजाद हुआ था, जब बंटवारा हुआ था तो तमाम मुसलमान गरीब पटलियां बांधकर पाकिस्तान की तरफ जा रहे थे तो गांधी जी ने आवाज दी थी कि मुसलमानों कहां जा रहे हो यह मुल्क आपका है। आपके साथ ईमानदारी होगी और आपके साथ इंसाफ होगा, लेकिन आज हमारे साथ इंसाफ नहीं हो रहा है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मा0 अध्यक्ष जी, यह आप अपनी निजी व्यथा कह सकते हैं, लेकिन व्यवस्था के ऊपर कह सकते हैं, लेकिन इस आधार के ऊपर मैं समझता हूं कि यह उचित भी नहीं होगा। मेरा आपसे अनुरोध है कि मा0 सदस्य से यह कहा जाए कि इस लाईन पर बात ना करें तो अच्छा होगा, क्योंकि बात बढ़ती है और जब बढ़ती है तो बहुत दूर तक जाती है। मैंने जैसे आपसे अनुरोध किया कि हम उस आधार के ऊपर बात नहीं करना चाहते। हमारे ना तो मन में है और ना ही व्यवहार में। हम इस बात को यहीं पर खत्म करना चाहते हैं, लेकिन सामने वाले सदस्य को भी इस बात को सोचना चाहिए कि इस लाईन पर बात ना करें, ना तो यह समाज के लिए अच्छी है और ना प्रदेश और देश के लिए।

श्री रफीक अंसारी-

गांधी जी, अब देख लो आकर अपना हिन्दुस्तान आपके सारे चेले कैसे हो गए बेईमान। अध्यक्ष जी, यकीन मानिए आज हमारे बिजली मंत्री बैठे हैं, कई बार हमारे बुनकर

प्रतिनिधि मण्डल उनसे मिले हैं। अध्यक्ष जी, आज बुनकरों का उत्तर प्रदेश के अन्दर क्या हाल है आप सोच नहीं सकते। जब बच्चा पैदा होता है तो कपड़े की जरूरत पड़ती है। पहले बुनकर कपड़ा तैयार करता है तब बच्चे को पहनाया जाता है और जब आदमी मरता है तब भी कपड़े की जरूरत पड़ती है। उस कपड़े को भी बुनकर ही तैयार करता है। अध्यक्ष जी, इस पर इस सरकार का कोई ध्यान नहीं है। आज उत्तर प्रदेश के अन्दर और खासतौर से मेरठ के अन्दर हमारे मंत्री जी बैठे हैं, कई बार गए हैं। अगर वहां बिजली की चेकिंग होती है तो बोर्ड पर चिन्हित करके नाम लिखे रहते हैं कि इन-इन क्षेत्रों में ही चेकिंग होगी। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या सब लोग दूध के धुले बैठे हैं। अगर हम गलत हैं तो क्या सारे लोग सही हैं? अगर चेकिंग हो तो सबके साथ हो और एक सिरे से होनी चाहिए लेकिन टारगेट बनाकर चेकिंग की जा रही है। इसीलिए हमें दर्द और तकलीफ है।

श्री अध्यक्ष-

ऐसा नहीं है।

मो0 रफीक अंसारी-

अध्यक्ष जी, मुझे उम्मीद है क्योंकि बिजली मंत्री जी बैठे हैं, ये इंसाफ करेंगे। ये मंत्री केवल बी0जे0पी0 के नहीं हैं, पूरे उत्तर प्रदेश के मंत्री हैं, ये सबके मंत्री हैं। इसलिए सबके साथ इंसाफ होना चाहिए, हमारे साथ भी इंसाफ होना चाहिए। अध्यक्ष जी, राजकीय कन्या इण्टर कॉलेज मेरठ के अन्दर हापुड़ रोड पर बना है। इनका नारा है बेटी बढ़ाओ बेटी पढ़ाओ। उस कॉलेज में पूरे उत्तर प्रदेश के अन्दर सबसे ज्यादा 2000 लड़कियॉं हैं और वहां 100 परसेण्ट रिजल्ट आया है, सबसे अच्छा रिजल्ट आया है। लेकिन बदकिस्मती क्या है कि दो सालों से बच्चियॉं जमीन पर बैठ रही हैं, उनके बैठने के लिए सीटें उपलब्ध नहीं कराई गईं तो बेटी बढ़ाओ बेटी पढ़ाओ कैसे चलेगा। सर्दी के मौसम में बच्चियॉं जमीन पर बैठ रही हैं लेकिन इस गूंगी-बहरी सरकार को यह नजर नहीं आ रहा। इनका टारगेट है कि यह किसका स्कूल है, यहां किसकी बच्चियॉं पढ़ती हैं, किसके बच्चे पढ़ते हैं? अध्यक्ष जी, आज मेरठ के अन्दर छोटा सा मामला हो गया, एक जे0ई0 से कहासुनी हो गई लेकिन गम्भीर धाराओं में सैंकड़ों लोगों के खिलाफ मुकदमा लिखवाने का काम कर दिया गया। सिर्फ इसलिए कि टारगेट बनाकर यह सरकार काम रही है। मैं कहना चाहता हूं कि ये वे लोग हैं कि

सितम करोगे सितम करेंगे, करम करोगे करम करेंगे
हम भी हैं आदमी आपकी तरह, जो तुम करोगे वो हम करेंगे।

अध्यक्ष जी, आज पूरे देश और उत्तर प्रदेश के अन्दर हालात क्या हैं ? ये सिर्फ साल 2019 की तैयारी कर रहे हैं और टारगेट बनाकर कर रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि

जमीन पर बैठकर क्या आसमान देख रहे हो
जरा पर खोलकर देखो जमाना उड़ान देखता है।

अध्यक्ष जी, साल 2019 में जनता इनको बता देगी कि आज पूरे उत्तर प्रदेश के अन्दर ये एकतरफा काम कर रहे हैं। रोज नये-नये जुमले पेश कर रहे हैं। रोज नया जुमला आ रहा है। कुम्भ को पूरा राजनैतिक बनाने का काम कर दिया। कुम्भ तो सबका है लेकिन

इन्होंने सिर्फ उसको बी0जे0पी0 का बनाकर रख दिया। क्या यही उत्तर प्रदेश है, क्या यही सबका साथ सबका विकास है ? सबका साथ सबका विकास का मतलब यह है कि

बन्द करो ये खून की होली
मत मारो फिर गांधी के सीने में गोली
ये खून तो हिन्दुस्तान का है,
जब लहू टपकता गीता से तो बहता खून कुरान का है।

अध्यक्ष जी, अगर उत्तर प्रदेश का यही हाल रहा तो वह दिन दूर नहीं है कि जब वह तो जाएगी ही जाएगी लेकिन ये भी नहीं बच पाएंगे। इंशाअल्लाह इनका भी सफाया हो जाएगा, ये भी कहीं नहीं बच पाएँगे। अगर वह चली गई तो ये अपने आप गिर जाएँगे। ये इधर आ जाएँगे, हम उधर जाएँगे। रुक नहीं सकते आप लोग। आप देखते रहिए कि आज उत्तर प्रदेश के क्या हालात हो गए हैं ? आज पूरी जनता तैयार बैठी है, त्रस्त है और जो ये कर रहे हैं तो एक-एक बच्चा, एक-एक माँ, एक-एक बहन पूरी ताकत के साथ देख रही है और साल 2019 की तारीख ढूँढ रही है और बटन है कि ऐसे दबेंगे कि ये बस भूल जाएँगे कि हम कहाँ थे और कहाँ चले गए और ये लोग बच नहीं पाएंगे।

श्री अध्यक्ष-

साल 2019 की तैयारी ये भी कर रहे हैं, आप भी कर रहे हो।

मो0 रफीक अंसारी-

ये साल 2019 की तैयारी नहीं कर रहे, ये डूबने की तैयारी कर रहे हैं। ये तो जाने की तैयारी कर रहे हैं।

(श्री दल बहादुर कोरी के अपने स्थान से खड़े होकर बोलने पर)

भाषण के मध्य कतिपय सदस्य द्वारा की गई टिप्पणी पर श्री अध्यक्ष द्वारा हस्तक्षेप

श्री अध्यक्ष-

मैं आपसे निवेदन कर रहा हूँ कि आप शांत रहिए। आप बीच में भी दल बहादुर जी बिना अनुमति के खड़े होकर बोलने लगे थे, तो बिना अनुमति के आप बाहर बोला करिए। यह आदरणीय सदन है और बैठे-बैठे आप टिप्पणी कर रहे हैं। आप मंत्री रहे हैं पहले, आप हमारे पुराने मित्र हैं।

श्री रफीक अंसारी-

माननीय अध्यक्ष जी, यह मंत्री की कुर्सी पर बैठे इसलिए भूल जाते हैं।

श्री अध्यक्ष-

यह आपके भी मित्र हैं।

(श्री दल बहादुर कोरी के पुनः अपने स्थान से खड़े हो कर बोलने पर)

आप फिर बिना पूछे खड़े हो गये ? आप फिर से हमारे अनुरोध के बावजूद बिना अनुमति के खड़े हो गये। मेरा अनुभव है। इस आदरणीय सदन का कि पैनी से पैनी बात,

नुकीली से नुकीली बात यदि वक्ता बोल रहा है तो दूसरे पक्ष को सुनना चाहिए चाहे इधर के लोग बोलें तो उधर के लोगों को सुनना चाहिए और उधर के लोग बोलें तो इधर के लोगों को सुनना चाहिए। बीच में टोका-टाकी से वातावरण बिगड़ता है। अभी हम लोग एक अति आवश्यक बैठक कर रहे थे, माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी, माननीय नेता विरोधी दल, माननीय वित्तमंत्री जी और हम । इसी बीच में यह बैठे-बैठे टोका-टाकी करने से वातावरण बिगड़ा और जब मैं आया तो मुझे आत्मविश्वास था कि हमारे पहुँचने पर, खड़े होने पर यह वातावरण ठीक हो जायेगा लेकिन तब भी अनुरोध के बावजूद भी बैठे-बैठे बोलना, बैठे-बैठे टिप्पणी करना, तीखी टिप्पणी करना यह उचित नहीं है। हमें ऐसा लगता है कि आप सबको सत्तापक्ष और विपक्ष सभी को हमारा सहयोग करना चाहिए। मैं माननीय नेता विरोधी दल की बात से सौ प्रतिशत सहमत हूं जो उन्होंने यहां आकर कहा। उन्होंने दोनों पक्षों का नाम लिया है कि किसी भी तरह से सत्तापक्ष द्वारा भी टिप्पणी नहीं होनी चाहिए और विपक्ष के द्वारा भी टिप्पणी नहीं होनी चाहिए। माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी ने कहा। इतने सीनियर्स के प्रबोधन के बावजूद कुछ लोग बैठे-बैठे टिप्पणी करते रहते हैं, यह दुखद है। मुझे ऐसा लगता है कि अब ऐसा नहीं करेंगे, ऐसा मानकर मैं बैठ रहा हूं। रफीक जी, आप अपनी बात को समाप्त करिए।

श्री रफीक अंसारी-

माननीय अध्यक्ष जी, आपको धन्यवाद। मैं मेरठ पर आ रहा हूं हमारे बिजली मंत्री जी यहां पर तशरीफ फरमा रहे हैं। बिजली के खम्भे बदले जा रहे हैं और तार भी बदले जा रहे हैं लेकिन अहमदनगर, शाहजहॉ कालोनी, करीमनगर में बल्लियॉ लगी हुई है उसमें भी भेदभाव हो रहा है।

श्री अध्यक्ष-

ऐसा भेदभाव नहीं होगा हमारे यहां भी तमाम जगह बल्लियां नहीं हैं।

श्री रफीक अंसारी-

मेरे पैमाने में कुछ, उसके पैमाने में कुछ, देख साकी तेरे मैखाने में न हो जाये कुछ।

श्री अध्यक्ष-

बस ऐसे ही जरा अदा से पिलाइये।

(सदन में हंसी)

श्री रफीक अंसारी-

अध्यक्ष जी, अब तो इतने भी मयस्सर नहीं हैं मैखाने में, जितनी छोड़ दिया करते थे हम पैमाने में। आज अगर हम कोई आवाज उठा दें उसकी भी परमिशन नहीं है। यह कैसा अन्याय है।

श्री अध्यक्ष-

खूब परमिशन है। संसदीय लोकतंत्र है, आप इस आदरणीय सदन के सदस्य हैं आपको विचार अभिव्यक्त की आजादी है।

श्री रफीक अंसारी-

अध्यक्ष जी, मैं दिल की गहराइयों से आपका शुक्रिया अदा करता हूं कि मुझे बोलने का मौका मिला है। हमारे स्वास्थ्य मंत्री जी यहां नहीं हैं, हमारे अखिलेश यादव जी ने एक हॉस्पिटल 50 बेड का हापुड़ रोड कमेले की जगह पर दिया था। दो-ढाई साल से मैं दर-दर भटक रहा हूं। पैसे भी रिलीज हो गये हैं, जमीन भी उस सरकार ने उपलब्ध करा दी थी। 50 बेड की जगह 20 बेड का हॉस्पिटल हो गया है लेकिन वहां काम शुरू नहीं हुआ। हम पर यह बात गुजर रही है अगर यह हमारी जगह होंगे तो इनको भी ऐसा ही लगेगा। सिर्फ इसलिए काम शुरू नहीं हुआ क्योंकि मायनॉरिटी की जगह पर वह हॉस्पिटल है इसलिए इन सबको अखर रहा है कि वहां हॉस्पिटल क्यों बन रहा है।

श्री अध्यक्ष-

आपको ऐसा लगता है तो उसका कोई ।

श्री रफीक अंसारी-

साढ़े तीन करोड़ ढाई साल से विभाग लिये बैठा है, काम शुरू नहीं कर रहा है।

''कितने कमजर्फ हैं ये गुब्बारे, जो चन्द सांसों में फूल जाते हैं।

जब घटिया लोग रूज पर आते हैं तो अपनी औकात भूल जाते हैं।''

एक शेर और पढ़ूंगा।

''बंद करो ये खून की होली.....

श्री अध्यक्ष-

यह तो आप सुना चुके हैं। अब ये पुराना हो गया। आप बैठिये।

श्री दल बहादुर-

बहुत बढ़िया शेर है, अध्यक्ष जी आज्ञा दे दीजिये। मैं इनके शेर का जवाब देना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष-

आपका मार्गदर्शन बहुत मिल गया। आप बैठिये। कृपा करके बैठे।

श्री दल बहादुर-

मान्यवर, बस एक शेर और बोलूंगा।

श्री अध्यक्ष- मा0 नागेन्द्र सिंह राठौर जी हैं। दल बहादुर जी आप बाद में इनको मिलकर सुना देना। अब आप बैठिये।

श्री दल बहादुर-

मा0 अध्यक्ष जी, मान जाईये, वो भी मान गये हैं।

श्री अध्यक्ष-

उनको सुना देना। आप कृपा करके बैठिये।

श्री दल बहादुर-

मा0 सदस्य को उधर बहुत पीड़ा पहुँच रही है। इनको मैं दो शेर सुनाता हूँ। मा0 सदस्य अगर उधर बहुत पीड़ा हो तो-

''मरीजों का मोहल्ला है, हजारों रोज मरते हैं।
दबे पॉव चले आओ कि घुंघरू शोर करते हैं।''

श्री अध्यक्ष-

चलिए ये शेर पुराना है।

श्री दल बहादुर-

''चंद रोज है जवानी, यहां न चल सर उठा-उठा के।
खुदा ने ऐसे तमाम चेहरे बिगाड़ डाले बना-बना के।''

श्री अध्यक्ष-

मा0 नागेन्द्र जी।

श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा (क्रमागत)

श्री नागेन्द्र सिंह राठौर-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव मा0 सुनील शर्मा जी ने रखा है उसके समर्थन में बोलने का अवसर दिया। अभिभाषण पर मैं अपनी कोई बात कहूं उससे पहले मा0 अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि जब मैं इस सदन में पहली बार आया तो आपके द्वारा जो प्रथम बार विधायक चुने गये थे, उनके लिए एक प्रबोधन कार्यक्रम चलाया गया और उस प्रबोधन कार्यक्रम में मा0 अध्यक्ष जी आपका भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, नेता प्रतिपक्ष का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ और बहुजन समाज पार्टी की सरकार में विधान सभा अध्यक्ष रहे मा0 राजभर जी का भी मागदर्शन प्राप्त हुआ और उसमें सदन के विषय में जो नियमवली और जो भी नियम जिसके हिसाब से होना चाहिए ये सब हम लोगों को बताया गया लेकिन जो चीजें बतायी जाती हैं उन चीजों को स्वयं में अनुसरण नहीं किया जाता है और यदि अनुसरण किया जाता तो महामहिम जी जब अभिभाषण पढ़ रहे थे उस समय की आप टी0वी0 फुटेज निकलवा लीजिए ये जो टेबिल है जिस पर संविधान के अंतर्गत बनायी हुई किताबें और नियम रखे जाते हैं इनके ऊपर जूते पहनकर के कौन लोग खड़े थे, क्या इस पर कभी विचार किया गया? सत्ता पक्ष के पास संख्या बल भारी है इसलिए ऊंगली उठा देना आसान है। अरे आप खामखां परेशान होते हैं। अरे, 2014 में तो आपकी सरकार थी तब 73 सांसद आये थे और जब 2017 में चुनाव हुए तो 325 आए तब भी आपकी ही सरकार थी और बड़े-बड़े यहां बोर्ड दिखाये जा रहे थे। मा0 मुख्य मंत्री जी के ऊपर तमाम तरीके के नारे लगाये जा रहे थे। मा0 अध्यक्ष जी, इस देश का इतिहास गवाह है, इस देश का उद्धार तभी हुआ है, सबको न्याय तभी मिला है, जब इस देश की सत्ता ऋषि और मुनियों के हाथों में रही है।

मुझे यह कहने में फक्र है कि माननीय मोदी जी सफेद कपड़ों में संत हैं और इस प्रदेश के मुख्य मंत्री हमारे नेता माननीय योगी जी गेरूआ वस्त्रों में संत हैं और इसीलिये सबका

साथ सबका विकास हो रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, कानून व्यवस्था उन लोगों को दिखाई नहीं देती जो लोग स्वंय कानून तोड़ना जानते हैं और अगर कानून तोड़ना नहीं जानते थे तो 1989 में पहली बार आये थे तो रामभक्तों पर गोली चलवाई थी और अभी 1993 की घटना का उल्लेख सम्मानित नेताजी स्वंय कर रहे थे। उसके बाद जो भी घटनायें हुयी 1995 में यहॉ तक कि माननीय उच्च न्यायालय को भी नहीं बख्शा गया था तो किस कानून व्यवस्था की बात हमको सुनाई जाती है और जब सत्ता में होते हैं तो किस कानून व्यवस्था को अपनाया जाता है, यह बहुत ही विचारणीय विषय है । किसानों के विषय में बहुत लम्बी बातें की गयीं। एक छोटा सा उदाहरण देना चाहता हूँ कि जब सत्ता में थे तो किसानों के साथ किस तरह का व्यवहार इनके द्वारा हुआ। जब सूखा राहत का पैसा बंट रहा था तो उतनी ही आराजी की जमीन की चेकें कन्नौज और इटावा में 14000 से लेकर 21000 तक की मिल रही थीं और जो पड़ोस के जनपद थे उनमें 700 से लेकर 1400 रुपये दिये जा रहे थे और आज वह लोग किसान के हित की बात करते हैं। अरे किसान का हित अगर कोई सही तरीके से देख रहा है तो वह मोदी जी और योगी जी देख रहे हैं। मैं आभारी हूं कि जो आपने सदन में मुझे विचार रखने के लिये समय दिया है । योगी जी की सरकार में किसानों को कभी रात में पानी अपनी फसल में नहीं लगाना पड़ा। आप जरा याद करिये आपकी जब सरकारें थीं तो ऐसी कौन सी रात गयी, जब किसान ने पूरी-पूरी रात जाग करके खेत में पानी लगाने के लिये अपना समय व्यतीत नहीं किया है। तमाम तरीके की अव्यवस्थाओं का यह प्रदेश मार्च, 2017 में भारतीय जनता पार्टी की योगी जी की सरकार को मिला था और अगर आपने व्यवस्थायें सही रखी होतीं, किसानों की बात सुनी होती, गरीबों की बात सुनी होती, गांव की बात बात सुनी होती, युवाओं की बात सुनी होती तो शायद यह दिन आपको नहीं देखना पड़ता। लेकिन अभिभाषण को अगर आप गौर से पढ़ेगें और संविधान में जिस चीज की व्यवस्था है, माननीय मुख्यमंत्री जी ने उन सारी बांतों का प्राविधान इसमें किया है इसके लिये मैं उनको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

माननीय अध्यक्ष जी, भ्रष्टाचार की बात बहुत होती है। स्वच्छ भारत अभियान की तरफ ऊँगली उठाई जाती है। मैं आपके माध्यम से माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी से एक निवेदन करना चाहता हूं स्वच्छ भारत अभियान के विषय पर कल लल्लू जी भी बोल रहे थे। मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूँ कि इज्जत घर का निर्माण कोई अभी शुरू नहीं हुआ। 2005 से 2010 के कार्यकाल में भी शौचालय के नाम पर निर्माण कराये गये और 2010 से 2015 तक और 2015 से 2017 तक इस प्रदेश में शौचालय के नाम पर कितने सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ है, इसकी अगर जॉच करा ली जाय तो जो आप अभी कह रहे थे कि सरकार गलत आकड़ें दे रही है तो सब सच पता चल जायेगा।

अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से इनके संज्ञान में लाना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने, माननीय योगी जी सरकार ने बेसलाइन सर्वे के ऊपर पूरे प्रदेश को ओ0डी0एफ0 घोषित किया है। आप जो गोरखपुर के 55 हजार के आकड़ें बता रहे थे वह उन प्रधानों के द्वारा खाया हुआ पैसा है जो आपकी सरकार में और आपकी सरकार में खाया गया है, इसकी जॉच कराइये और जो दोषी हैं उनसे इस पैसे की रिकवरी की जाय। एक छोटा सा

उदाहरण देना चाहता हूं। हमारी विधान सभा में एक गांव है जरारी और गगाइच, विकासखंड है कमालगंज। जब इनकी सरकार भी लोहिया आवास की योजना चल रही थी तो एक गांव में 265 आवास बने और कोई घर ऐसा नहीं है जो सिंगिल स्टोरी का हो तो क्या यह पात्रता की सूची थी।

मैं आपके माध्यम से यह अनुरोध कराना चाहूँगा कि कमालगंज विकास खण्ड के जरारी और गगाइच में जो लोहिया आवास दिये गये हैं और उन पर जो धनराशि खर्च हुई है, वह पात्रों को मिली है या अपात्रों को मिली है, इसकी जांच हो और जो इसके दोषी हैं, उन पर कार्रवाई की जाये। इसलिए मैं आपके माध्यम से माननीय योगी जी को और माननीय मोदी जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं। नेता प्रतिपक्ष जी कह रहे थे, अभी उधर से सदन में बहुत जोर से यह बातें आ रही थी कि 19 की तैयारी चल रही है। अरे, 19 की तैयारी के लिए मोदी जी का जो बजट आया है, उससे आपसबके होश खराब हैं और यह महागठबंधन अब सारी बातें भूल गया है। माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से एक छोटी सी बात कह करके अपनी वाणी को विराम देना चाहता हूं कि एक बार दिल्ली में बैठे गठबंधन के नेताओं को पता चला कि किसी बिल्ली के बच्चों का जन्म हुआ है और वह महागठबंधन-महागठबंधन की बात कर रहे हैं। यद्यपि यह लोग बड़े खुश थे, उन बच्चों को दिल्ली बुलाया गया और जब वह बच्चे दिल्ली ले जाये गये और उनको खोला गया तो वहां मोदी-मोदी, योगी-योगी के नारे लग रहे थे। इनके नेता नाराज हुए और ले जाने वाले से पूछा कि यह क्या है तो उन्होंने कहा कि साहब क्या बतायें, जब यह महागठबंधन की बात कर रहे थे, इनकी आंखे नहीं खुली थी और दिल्ली आते-आते इनकी ऑखे खुल गईं हैं। (सत्तापक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गईं) इसलिए यह मोदी-मोदी, योगी-योगी चिल्ला रहे हैं। जनता की आंखे खुल चुकी हैं, आप निश्चिन्त रहिए, योगी जी फिर इस उत्तर प्रदेश में 19 में मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने में विजय पताका फहरायेंगे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका आभारी हूं और माननीय मुख्यमंत्री जी और प्रधानमंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं, जय हिन्द, जय भारत।

(सदस्य, श्री कैलाशनाथ सोनकर का नाम पुकारने और उनके अनुपस्थित होने पर।)

श्री अध्यक्ष-

बृजेश कुमार प्रजापति जी, आप बोल लीजिए।

(मा0 सदस्य, श्री कैलाशनाथ सोनकर के सदन में आ जाने और उनके खड़े होने पर।)

कैलाश जी, आप थे नहीं, इसलिए हमने बृजेश जी को बुला लिया है, अब आप बैठिये, आपका बाद में नम्बर आयेगा।

श्री बृजेश कुमार प्रजापति-

माननीय अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे माननीय राज्यपाल महोदय जी के अभिभाषण पर जो श्री सुनील शर्मा जी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव रखा गया है, उस पर बोलने के लिए आमंत्रित किया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय अध्यक्ष जी, जब कल 5 तारीख को माननीय राज्यपाल जी अपना अभिभाषण पढ़ने के लिए यहां आये तो सदन का

जो माहौल था, वह ऑटोमेटिक ऐसे परिवर्तित हुआ, विपक्ष के सदस्यों के द्वारा जो कहावत हम लोग वर्षों से सुनते चले आये हैं कि ''चोर मचाये शोर'' की भूमिका में सारे के सारे नजर आने लगे हैं, मैं आपके माध्यम से यह बात कहना चाहता हूँ। माननीय अध्यक्ष जी, हमारी सरकार ''सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः'' के सिद्धांत को अपनाते हुए गॉव, गरीब किसान, मजदूर, नौजवान, बेरोजगार व महिलाओं सहित समाज के सभी वंचित और उपेक्षित वर्गों के उन्नयन के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा हमारी सरकार सभी वर्गों की उन्नति एवं उसके सर्वांगीण विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक व सांस्कृतिक धरोहर को एक नई पहचान दिलाते हुए प्रदेश के गौरव को पुनर्स्थापित करने और उसमें उत्तरोत्तर वृद्धि करने के लिए प्रयासरत है। माननीय अध्यक्ष जी, सौभाग्य का विषय है कि जिस समय हमारे उत्तर प्रदेश के दोनों सदनों का सत्र प्रारम्भ हुआ है, हम सबके लिए सौभाग्य की बात है कि उसी समय पर हमारे उत्तर प्रदेश की धरती पर प्रयागराज में दिव्य और भव्य कुम्भ का आयोजन भी चल रहा है। माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी व सूबे के यशस्वी मुख्य मंत्री, माननीय आदित्यनाथ योगी जी महाराज जी के प्रयासों से यूनेस्को द्वारा कुम्भ के महत्व को देखते हुए मानवता की अमूल्यसांस्कृतिक धरोहर की मान्यता प्रदान की गई है। इसके साथ ही साथ इलाहाबाद का नाम परिवर्तित कर प्रयागराज और फैजाबाद का नाम परिवर्तित कर अयोध्या कर भारतीय संस्कृति को पुनः स्थापित करने का एक विशाल उदाहरण पेश किया गया है। माननीय अध्यक्ष जी, कुम्भ के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए हमारी सरकार द्वारा प्रयागराज मेला प्राधिकरण का गठन किया गया है और इसके साथ ही साढ़े चार सौ वर्षों से बन्द पड़े अक्षयवट और सरस्वती कूप का दर्शन भी पहली बार श्रद्धालुओं के लिए खोला गया है।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि जो पूर्व की समाजवादी पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में चल रही थी उन्होंने एक अधूरा लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे बनाया और बिना कम्प्लीट हुए उसका खूब ढिंढोरा पीटा। हमारी दो साल की उत्तर प्रदेश की सरकार ने चार-चार एक्सप्रेस-वे बनाने का निर्णय लिया है और उस पर काम बहुत तेजी के साथ चल भी रहा है यह मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं। चाहे वह गंगा एक्सप्रेस-वे हो, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे हो, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे हो या बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे हो, इन सभी पर काम शुरू हो गये हैं। मान्यवर, इसके साथ ही साथ बुन्देलखण्ड जो उत्तर प्रदेश के पिछड़े हुए इलाकों में से एक माना जाता रहा है हमारी सरकार के आने के बाद बुन्देलखण्ड के विकास के लिए मा0 प्रधानमंत्री जी के द्वारा और मा0 योगी जी के द्वारा वहां औद्योगिक विकास को डेवलप करने के लिए वहां के पलायन को रोकने के लिए, वहां के लोगों को वहीं पर रोजगार मिल सके इसकी व्यवस्था के लिए डिफेंश कॉरीडोर के निर्माण का फैसला हमारी सरकार ने लिया है उसका भी काम संचालित हो रहा है उसके लिए भी बजट में व्यवस्था की गई है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि 'एक जनपद एक उत्पाद' बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है। मूल रूप से जो गरीब समाज के लोग हैं उनको 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना से लाभ पहुंचाया गया है। इसके साथ ही साथ विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत् जो परम्परागत कारीगर हैं, जैसे वह बढ़ई समाज के हों, दर्जी समाज के हों, बुनकर समाज, सुनार समाज, लोहार समाज, प्रजापति समाज, हलवाई समाज, नाई समाज, मोची

समाज, राजमिस्त्री समाज और इस तरह के जो व्यवसाय करने वाले लोग हैं उनके लिए भी सरकार के द्वारा व्यवसायगत प्रशिक्षण और निःशुल्क टूलकिट भी मुहैय्या करायी गयी है। इसके साथ ही साथ मिट्टी के काम को बढ़ावा देने के लिए, जो मिट्टी की कला थी जो हमारे देश से लगभग लुप्त होने के कगार पर थी, खास तौर पर मिट्टी से जुड़े हुए समाज प्रजापति समाज, कुम्हार समाज लम्बे समय से मांग भी करता चला आ रहा था कि उत्तर प्रदेश में माटी कला बोर्ड का गठन किया जाय परन्तु पूर्व की किसी भी सरकार ने इसकी तरफ ध्यान ही नहीं दिया। मुझे बताते हुए प्रसन्नता हो रही है मैं धन्यवाद् देना चाहता हूं योगी सरकार को, जिन्होंने उत्तर प्रदेश में माटी कला बोर्ड का गठन किया है और आज जो बजट पेश किया गया है उसमें 10 करोड़ रुपए का प्रावधान भी माटी कला बोर्ड के लिए किया गया है। मा0 अध्यक्ष जी, अभी हमारे विपक्ष के साथी श्री ललई जी बोल रहे थे उन्होंने बताया कि श्री मुलायम सिंह यादव जी जब मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने प्रजापति समाज के लिए मिट्टी के पट्टे आवंटित किये थे। मैं उनको सच्चाई से अवगत कराना चाहता हूं शायद वह उस समय की चकाचौंध वाली जिन्दगी में सच्चाई नहीं समझ पाये होंगे इसलिए मैं विपक्ष के साथियों को सच्चाई बताना चाहता हूं कि जो पट्टे उस समय श्री मुलायम सिंह यादव जी ने प्रजापति समाज को कुम्हारी कला के लिए आवंटित किये थे वही सेम तालाबों के पट्टे मछली पालने के लिए मछुवारों को निषाद भाइयों के लिए भी आवंटित किये थे। अब अगर प्रजापति समाज को मिट्टी निकालनी है तो वह तालाब सूखा होना चाहिए और अगर उसमें मछुवारों को मछली पालन करना हो तो उसमें पानी होना चाहिए इस प्रकार दोनों भाइयों की आपस में लड़ाई करवाने का काम किया। मेरा दावा है कि पूरे उत्तर प्रदेश में एक भी ऐसा मिट्टी का पट्टा ये बता दें जो किसी कुम्हार को मिल पाया हो और उसका आज की कब्जा मौजूद हो, यदि ये एक भी उदाहरण दे देंगे तो हम राजनीति से सन्यास भी लेने को तैयार हैं, क्योंकि इसका भुक्तभोगी मैं स्वयं हूं। मैं आपके माध्यम से यह भी बताना चाहता हूं कि मा0 मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश में सिर्फ माटी कला बोर्ड का गठन ही नहीं किया है बल्कि उसके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए और भी तरह-तरह के रास्ते खोजे हैं। सभी सरकारी ऑफिसों में प्लास्टिक के इस्तेमाल पर प्रतिबन्ध लगाते हुए उन सभी जगहों पर मिट्टी के कुल्हड़ का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल किया जाय, ऐसी व्यवस्था की गई है। आज मुझे खुशी होती है जब हम किसी डी0एम0 और एस0पी0 के यहां जाते हैं तो जब वहां चाय पीते हैं तो मिट्टी के कुल्हड़ में चाय आती है और मिट्टी के कुल्हड़ की खुशबू आती है जो धरती माता की खुशबू उसमें महसूस होती है। यह आज योगी जी की सरकार की बदौलत हमें देखने को मिल रहा है इसके लिए मैं अपनी सरकार को बधाई देता हूं।

मा0 अध्यक्ष जी, हमारी सरकार ने एक करोड़ इक्हत्तर लाख इज्जत घर का निर्माण कराकर स्वच्छता के मामले में एक बड़ा योगदान दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से ग्रामीण/शहरी क्षेत्र में लगभग 10-10 लाख आवास दिये हैं। तमाम ऐसे ब्लाकों को पूर्व की सरकारों ने डार्क जोन घोषित कर दिया था, ताकि किसान भाईयों को बिजली न मिल सके। हमारी सरकार जैसे ही सत्ता में आयी है, मा0 मुख्यमंत्री जी ने तत्काल उन सभी ब्लाकों को डार्क जोन से मुक्त कराकर बिजली कनेक्शन पुनः शुरू कराये हैं और आज बिजली के कनेक्शन से सिंचाई कर रहे हैं और किसानों को 50 प्रतिशत की छूट भी प्रदान की गयी है।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र की तरफ आकृष्ट करना चाहूंगा। मैं जनपद बांदा के तिंदवारी विधान सभा से आता हूं। हमारे बांदा में कई जीवनदायिनी नदियाँ हैं, जिसमें केन, बागे, चन्द्रावल एवं यमुना नदी प्रमुख हैं। मा0 अध्यक्ष जी, पूर्व की समाजवादी एवं बहुजन समाज पार्टी की सरकार ने उन जीवनदायिनी नदियों का दोहन किया है। अवैध तरीके से खनन करके उन नदियों का जीवन नष्ट करने का कुत्सित प्रयास किया है। मैं आपके माध्यम से अपनी सरकार से केन, बागे, चन्द्रावल एवं यमुना नदी के अस्तित्व को बचाये रखने पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं।

श्री अध्यक्ष-

अब आप अपनी बात समाप्त करिये।

श्री बृजेश कुमार प्रजापति-

मा0 अध्यक्ष जी, हमारे जनपद बांदा में वर्षों से कताई मिल बन्द पड़ी है। बहुत बड़ी जमीन (लैंड) पर किसी जमाने में कताई मिल संचालित होती थी। मैं पूर्व में भी इस विषय को सदन में रख चुका हूं। मैं आपका पुनः ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि इस कताई मिल को संचालित करने पर सरकार विचार करे। यदि संचालित करना संभव नहीं है तो सरकार उस जगह को इस्तेमाल करते हुए कोई अन्य उद्योग स्थापित करे, जिससे वहां पर लोगों को रोजगार मिल सके। मा0 अध्यक्ष जी, हमारी सरकार ने बुन्देलखण्ड के विकास के लिए बुन्देलखण्ड विकास बोर्ड का गठन किया है। इसके लिए मैं मा0 योगी सरकार को, अपनी सरकार को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। अभी जो ठगबंधन की चर्चा बहुत देर से हम लोग सुन रहे थे। इन्होंने केवल प्रदेश को ही ठगने का काम नहीं किया है, बल्कि इन्होंने जिनके नाम पर जातिवादी राजनीति करते हैं, उनको भी ठगने का काम किया है। मा0 श्री मुलायम सिंह यादव जी को पूरे उत्तर प्रदेश में अपने पूरे जीवन काल में एक भी ऐसा यादव परिवार का बालक नजर नहीं आया, जिसको अपने पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना सकें। मा0 नेता जी को केवल अपना बेटा ही नजर आया। उन्होंने अपने बिरादरी को भी धोखा देने का काम किया।

श्री अध्यक्ष-

अब आप अपनी बात को समाप्त करिये।

श्री बृजेश कुमार प्रजापति-

मा0 अध्यक्ष जी, बहन कु0 मायावती जी को भी अपने 30 साल के राजनीतिक जीवन में कोई दलित परिवार का व्यक्ति नजर नहीं आया, जिसको आने वाले समय में राजनीति में आगे बढ़ा सकें। उन्होंने भी अपने भतीजे श्री आकाश को आगे बढ़ाने का काम किया। मा0 अध्यक्ष जी, यह भी ठगबंधन है।

(विपक्ष के कई सदस्यों के एक साथ बोलने पर शोर/व्यवधान।)

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठ जाइये।

श्री बृजेश कुमार प्रजापति-

मा0 अध्यक्ष जी, जनता जान चुकी है। भारतीय जनता पार्टी में पूरे देश/प्रदेश की जनता का विश्वास है। पिछली बार से ज्यादा लोक सभा सीटें आने वाले समय में जीत करके वर्ष 2019 में आयेंगे।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठ जाइये। हम कह रहे हैं बैठ जाइये।

नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

अभी आपने सदन में इतनी शिक्षा-दीक्षा दी।

***श्री सुखदेव राजभर-**

माननीय चौधरी साहब एक मिनट बैठ जाईये। माननीय अध्यक्ष जी, मैं एक मिनट का समय लूँगा। यह नये सदस्य हैं, मैं इनका सम्मान करता हूं। नये सदस्य होने के नाते आवेश में बहुत कुछ बोले हैं लेकिन उसका स्वागत करते हैं। पहले इन्होंने एक किस्सा शुरू किया कि चोर मचाये शोर। उस दिन महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्ष के आचरण का ऐसा वर्णन किया कि चोर मचाये शोर चरितार्थ हो गया। मैं चाहूंगा कि यह शब्द कार्यवाही में न रहे तो अच्छा है, मैं संसदीय/असंसदीय की परिभाषा में नहीं जाना चाहता हूं। दूसरे, माननीय मुलायम सिंह यादव जी जो इस सदन के सदस्य भी नहीं हैं और उन पर आरोप लगाना कि उन्होंने अपने परिवार के अलावा किसी को राष्ट्रीय महासचिव नहीं बनाया और अपने बेटे को ही उसका अध्यक्ष बनाया। मैं समझता हूं कि यह शब्द भी कार्यवाही में न रहे। माननीय मुलायम सिंह यादव एक बहुत बड़े सम्मानित नेता हैं। मा0 सदस्य की तरफ से इंगित की गयी बात को अगर कार्यवाही में रखेंगे तो यह अच्छा नहीं रहेगा। मेरा आग्रह है कि दोनों पर निर्णय ले लें और यह कार्यवाही में न रहे। माननीय मुलायम सिंह यादव के लिए अपशब्द बोलना ठीक नहीं है वह बहुत कुछ हैं, बहुत सम्मानित हैं उनकी तरफ इंगित करना, जातिवाद का आरोप लगाना निंदनीय है। मैं सिफारिश करता हूं कि उसको कार्यवाही से निकाला जाये, वह कार्यवाही में न रहे।

श्री अध्यक्ष-

मैं इसको देख लूंगा।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

माननीय अध्यक्ष जी, आपके समझाने के बावजूद इस तरह की बात अगर सदन में होगी तो यह उचित नहीं है। जो नेता वर्तमान में इस सदन का सदस्य नहीं है, जो इस सदन में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर तीन-तीन बार बैठे और दो-दो बार नेता विरोधी दल रहे। ठीक है, हमको जनता ने चुन लिया है तो क्या हम बिल्कुल बेलगाम बोलने लगें। अरे! अपनी भी उम्र है, हमसे उम्र में कौन बड़ा है, राजनीति में कौन बड़ा है ? अगर यही हम आप नहीं सीखेंगे, तो आपको जनता ने चुनकर लगता है कि भूल कर दिया। जनप्रतिनिधि मतलब, एक प्रतिष्ठित व्यक्ति, समाज का एक माननीय आदमी। तो हम जो बात करें उससे जनता को लगे कि यह

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

माननीय हैं। मैंने सुबह भी आग्रह किया था कि हम लोग अपने में इतना उलझ गये हैं कि ट्रेन में या बस में नेताओं को लोग गाली दे रहे हैं। अब पता है पहली बार विधायक बन करके आये हैं नेताजी के ऊपर ही बोलने लगे।

(श्री बृजेश कुमार प्रजापति के अपने आसन पर खड़े होकर कुछ बोलने का प्रयास करने पर।)

श्री अध्यक्ष-

आप बैठिये।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

बैठिये, बैठिये। हम लोग इस विधान सभा में आते-आते बूढ़े हो गये, लेकिन किसी नेता के प्रति अपशब्द हम लोगों ने कभी नहीं निकाला। नीतियों का, कार्यक्रमों का विरोध विधान सभा में होता है, बाहर हम आप सब एक हैं। कार्यक्रम और विचारधारा से हम अलग हैं, आप दूसरी विचारधारा मानते हैं, हम दूसरी विचारधारा को मानते हैं, आप दूसरा कार्यक्रम लागू करते हैं, हम दूसरा कार्यक्रम लागू करते हैं। गाली-गलौज के लिए थोड़े ही हम यहां पर आये हैं। आपकी महानता को मैं दाद देता हूं कि कम से कम आपने हमारे नेता के विषय में इस तरह से अभद्र टिप्पणी की।

(श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल के खड़े होने पर।)

श्री अध्यक्ष-

अशोक जी आप बैठिये। नेता विरोधी दल खड़े हैं तो आप कैसे खड़े हो जायेंगे ?

***श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल-**

माननीय चौधरी साहब, माननीय नेता मुलायम सिंह यादव जी का सम्मान कल भी था, आज भी है और आगे भी रहेगा। उनके लिए हम कुछ नहीं कह सकते। जो हुआ उसके लिए हम क्षमा चाहेंगे।

श्री अध्यक्ष-

चन्देल जी, आप अचानक कैसे खड़े हो गये, क्या आवश्यकता थी ? हम तो यही कह सकते हैं कि वरिष्ठों से सीखना चाहिए। किसी को अगर हमारे बिठाने से हो सकता है कि बेइज्जती हुई जा रही हो, आज मैं ऐसा अनुभव कर रहा हूं।

श्री अशोक कुमार चन्देल-

मैं आपसे क्षमा चाहता हूं, मैंने नहीं देखा कि आप खड़े हैं। मैं मा0 चौधरी साहब की तरफ देख रहा था।

श्री अध्यक्ष-

मैंने आपको नहीं कहा है। पुराने लोग हैं तो एक दूसरे के नेताओं पर, हम लोग साथ-साथ रहे हैं, टिप्पणी हो ही नहीं सकती है लेकिन यह देखना चाहिए यह मा0 सदस्य पहली बार आए हैं विधान सभा में, तो उन्होंने विषय रखा और कोई बात स्लिप कर गई, इसको हमने पहले ही कह दिया था कि हम इसको देख लेंगे। ऐसे ही हम लोग भी पहली बार

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आए थे तो इस तरह की गल्ती नहीं होती थी लेकिन कभी-कभी जोश में हो जाती है। आप अध्ययन करके बोले ठीक बोले, आपको उदास नहीं होना चाहिए। माननीय रामगोविन्द चौधरी जी या हम लोग नये सदस्यों को समझाते हैं यह भी हमारी ड्यूटी है। यह कोई इसलिए नहीं समझाते,जो मैं समझता हूं, लालजी वर्मा जी, या माननीय राजभर जी, यह तो इस सदन के अध्यक्ष भी रहे हैं, अगर राजभर जी हमारे किसी विधायक को, हमारे का मतलब, इस सदन के किसी पार्टी के विधायक को टोकते हैं तो यह हमारे सदन का सौभाग्य है कि इस सदन में राजभर जी जैसे वरिष्ठ नेता गण हैं। अगर रामगोविन्द चौधरी जी टोकते हैं तो नेता विरोधी दल होकर टोकते हैं ऐसा नहीं है यह सदन के वरिष्ठ सदस्य हैं बहुत सीनियर हैं तो अगर वह टोकते हैं तो यह हमारा सौभाग्य है कि टोकने वाले इस सदन में हैं। हम समझते हैं कि अब मा0 सदस्य अपना भाषण शुरू करें।

***श्री नरेश सैनी-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मुझे मौका दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद अदा करता हूं। साथ ही मैं अपने प्रतिपक्ष नेता माननीय रामगोविन्द चौधरी ब0स0पा0 नेता वर्मा जी,और अपने नेता अजय कुमार लल्लू जी के साथ अपने विचारों को जोड़ता हूं। मान्यवर, 2017 में भा0ज0पा0 की सरकार प्रदेश में बनी जिसका नारा था सबका साथ, सबका विकास। लेकिन मुझे विधान सभा में बैठकर एहसास हुआ भा0ज0पा0 सरकार केवल अपना विकास चाहती है।अपने विधायकों का विकास चाहती है। क्योंकि दो दिन से लगातार विधान सभा में आवाज आ रही है नेता प्रतिपक्ष भी कह रहे हैं नेता ब0स0पा भी कह रहे हैं नेता कांग्रेस भी कह रही है कि पॉच करोड़ की निधि हम लोगों को नहीं दी जा रही है लेकिन इस पर न कोई जवाब संसदीयकार्य मंत्री का आया न ही किसी मंत्री का आया तो मुझे बड़ा खेद हुआ कि आपकी तरफ से कोई आवाज नहीं आई। फिर हम क्या कहेंगे हम लोग यही कहेंगे कि सरकार के लोग सरकार का विकास कराना चाहते हैं। अभी-अभी मेरे एक भाई विधायक बोल रहे थे कि राम गोविन्द चौधरी का इलाज करा देंगे। बहुत अफसोस हुआ।

श्री अध्यक्ष-

ऐसा किसी ने नहीं कहा।

(विपक्ष के कई सदस्य एक साथ खड़े होकर कहा था।)

श्री नरेश सैनी-

हम लोग सक्षम हैं हम लोग रामगोविन्द चौधरी जी का इलाज करा देंगे लेकिन आपकी आत्मा मर चुकी है आप में से किसी ने यह कहा कि आप विकास की निधि देंगे तो हम नहीं लेंगे यह आवाज आपकी तरफ से आनी चाहिए थी।यह आवाज नहीं आई मुझे अफसोस इस बात का है अगर आप रामगोविन्द चौधरी जी का इलाज करा सकते हैं तो अपनी निधि भी दे सकते थे। जब सबको साथ लिया जाएगा सबके साथ चलेंगे तो अच्छा लगता।इसके साथ जो आप किसान की बात कर रहे हैं आप लोग, सबका साथ सबका विकास की बात कर रहे हैं मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आपने 50 के0जी0 का कट्टा 45 के0जी0 का कर दिया।

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

आप बहुत जोर बोल रहे हैं इसमें आ नहीं रहा।

श्री नरेश सैनी-

हमारे बुजुर्ग कहते थे कम तोल मीठा बोल, तो आप लोगों की भी नीति यही है आप लोग कम तोलते हैं मीठा बोलते हैं। लेकिन यह कड़वा बोलते हैं पूरा तोलते हैं मैं कहना चाहता हैं।

(मेजें थपथपाई गईं)

साथियों मैं आपसे कहना चाहता हूं सबका साथ सबका विकास चाहते हैं। तो इंसाफ के साथ चलना, हम आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का काम करेंगे। आपने गन्ना किसान के भुगतान की बात कही और कहा अगर 14 दिन तक भुगतान नहीं हुआ तो हम आपको मय ब्याज के भुगतान कराने का काम करेंगे। लेकिन कल नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे। माननीय अध्यक्ष जी, कल मा0 नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे कि ब्याज की बात करो मैंने कहा कि ब्याज की बात नहीं कर रहे हैं केवल फैक्ट्री चलाने की बात कर रहे हैं। आप कार्यवाही में देख सकते हैं, लेकिन जो जवाब हम चाहते हैं, वह जवाब सरकार की तरफ से नहीं आ रहा है। साथियों बार-बार सरकार की तरफ से कहा जा रहा है कि यह भाजपा की सरकार में पहली बार हुआ है, बिल्कुल पहली बार हुआ है कि गन्ने का रेट इस बार नहीं बढ़ाया गया, यह भी भाजपा की सरकार में ही हुआ है और मैं आपसे प्रदेश की कानून व्यवस्था पर बात कहना चाहता हूं। आप किसी भी जिले में चले जाइये कोई भी जिला ऐसा नहीं है जहां चोरी, डकैती का कार्य न हो रहा हो। मेरे जिले में 40 लाख की चोरी हुई। इसके साथ ही साथ हर दिन कहीं वकील के साथ, कहीं डॉक्टर के साथ मारपीट हो रही है। जब हम लोग क्षेत्र में जाकर देखते हैं तो पता चलता है कि क्या हो रहा है। इसके साथ-साथ अभी प्राथमिक शिक्षा की बात हो रही थी। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि 2015 में जो ग्राम प्रधानी के चुनाव हुए, उसमें जब मजरे बड़े हो गये और ग्राम सभायें अलग हो गयीं तब भी कुछ गांवों में प्राथमिक विद्यालय नहीं हैं। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि जो मजरे ग्राम सभाओं में तब्दील हो गये हैं, उनमें प्राथमिक विद्यालय खुलवाने का कार्य करें। इसके साथ-साथ मैं आपसे कहना चाहता हूं कि सहारनपुर में एक मेडिकल कॉलेज है। उसमें पढ़ते हुए बच्चों को 14 साल हो गये हैं। जिस मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम हाउस न हो तो वह बच्चे पढ़कर क्या डॉक्टरी कर पायेंगे, मैं इसका जवाब चाहता हूं। अभी तक उस मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम हाउस नहीं है। उसके पोस्टमार्टम सिविल हॉस्पिटल, सहारनपुर में करने का कार्य किया जाता है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि वहां पर एक पोस्टमार्टम हाउस खुलवाने का कार्य करें, जिससे कि वहां पर बच्चे पढ़ने का कार्य कर सकें। इसके साथ-साथ मैं खनन नीति के बारे में कहना चाहता हूं। मेरे जिले की बेहट विधान सभा में सबसे ज्यादा खनन का कार्य होता है। मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूं कि एन0जी0टी0 की रोक लगने के बावजूद रात-दिन खनन हो रहा है। वह अवैध खनन किस हिसाब से हो रहा है ? मैं जानता हूं कि इसमें शासन और प्रशासन के लोग मिले हुए हैं। यदि मिले हुए न होते तो एन0जी0टी की रोक के बाद खनन न होता। दूसरी ओर सरकार कह रही है कि खनन नहीं हो रहा है। रात के 10 बजे से सुबह के 04 बजे तक

100 नम्बर की गाड़ियां पहरा देने का कार्य करती हैं, लेकिन अवैध खनन अभी भी जारी है। आपसे कहने का तात्पर्य यह है कि आप सरकार से इसकी जांच कराने का कार्य करें। इसके साथ ही साथ कौशल शिक्षा केवल कागजों में है, इसके अलावा और कुछ नहीं है। आई0टी0आई0 के बच्चे खाली बैठे हुए हैं। जो अप्रेन्टिस के लिए बच्चे जाते हैं, वह बड़ी दुविधा में हैं, वह पढ़ते ज्यादा हैं और प्रैक्टिस कम कर पाते हैं। उनके लिए भी सरकार को व्यवस्था करनी चाहिए। इसके साथ-साथ विद्युत की बात आती है। सौभाग्य योजना के बोर्ड चारों तरफ लग गये हैं। जहां बोर्ड लगते हैं तो दिखता है कि सौभाग्य योजना का कार्य हुआ होगा, लेकिन क्षेत्र में चले जाइये तो केवल बोर्ड ही दिखेगा, कार्य कहीं नहीं दिखेगा। इसकी जांच कराई जाए, क्योंकि केवल कागजों में कार्य है, प्रैक्टिकल में कार्य नहीं है। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत धन्यवाद देता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

श्री अध्यक्ष-

अब मैं मा0 सदस्य श्री प्रभात वर्मा जी को आमंत्रित करता हूं।

***श्री प्रभात कुमार वर्मा-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव श्री सुनील शर्मा जी ने रखा है, मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मेरी सरकार का लक्ष्य भयमुख तथा विकासोन्मुखी वातावरण सृजित करना है, कानून का राज स्थापित करना है।

सभी वर्गों विशेष रूप से किसानों, गरीबों, वंचितों, शोषितों एवं समाज के अन्य उपेक्षित वर्गों के उन्नयन के लिए प्रतिबद्ध है। मेरी सरकार बिना भेदभाव किए प्रदेश वासियों को शासन की योजनाओं का लाभ उपलब्ध करा रही है। गॉव गरीब किसान, नौजवान एवं महिलाओं सहित समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों का उत्थान सरकार की प्राथमिकता है। माननीय अध्यक्ष जी सबका साथ सबका विकास के साथ साथ संकल्प के साथ मेरी सरकार काम कर रही है। मेरी सरकार ने कुंभ के आयोजन को भव्य बनाने के लिए काम किए अभी हमारे विरोधी दल के लोग इसका विरोध कर रहे थे लेकिन हमारी सरकार ने अच्छे काम किये। ये माननीय मुख्यमंत्री जी को कुंभ के भव्य आयोजन के लिए बधाई देना चाहता हूं। कुंभ में शटल बस सेवा चलाकर जो यात्रियों को अच्छी सुविधाएं दीं उसके लिए हम अपनी सरकार को बहुत बहुत बधाई देना चाहते हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी को और माननीय परिवहन मंत्री जी को किसानों की समस्याओं के बारे में अभी हमारे तमाम सदस्य चर्चा कर रहे थे कि हमारी सरकार किसानों के लिए कुछ नहीं कर रही है। हम माननीय अध्यक्ष जी के माध्यम से आपको बताना चाहते हैं किसानों के उत्थान के लिए मेरी सरकार कटिबद्ध है चाहे केन्द्र में माननीय मोदी जी की सरकार हो चाहे प्रदेश में योगी जी की सरकार हो 65 प्रतिशत आबादी की जीविका कृषि पर आधारित है उपज का लाभकारी मूल्य किसानों को मिल रहा है धान खरीद हो रहा है गेहूं खरीद हुआ गन्ना खरीद हुआ गन्ने में घटतौली नहीं हो रही है योगी जी की सरकार आते ही चीनी मिलों की घटतौली बन्द हो गयी हम आपको बताना चाहते हैं हमारे गोण्डा जनपद में

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मनकापुर चीनी मिल, दतौली व बलरामपुर चीनी मिल बभनान जो मेरे जनपद में आता है शत प्रतिशत भुगतान हो गया है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को और गन्ना मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि शत प्रतिशत भुगतान हुआ अभी खरीददारी अच्छी तरह से हो रही है किसानों को कोई दिक्कत नहीं है मेरी सरकार में किसानों को खाद की समस्या नहीं आई। पिछली सरकारों में खाद्य के लिए लाठियां खाते थे किसानों को लाइन लगाकर खाद मिलता था। आज किसानों का पैसा सीधे उनके खाते में मिल रहा है सरयू नहर परियोजना काफी दिनों से बन्द पड़ा था 1984 के जमाने से चल रहा सरयू नहर परियोजना के बारे में हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि आने वाले दिनों में सरयू नहर परियोजना पूरा करके किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने का काम करेंगे। जब इन लोगों की सरकारें थीं तो सरयू नहर को ठेके के नाम पर लूटने का काम किए थे आज हमारी सरकार इसको आने वाले दिनो में पूरा करने जा रही है वाण सागर परियोजना पूरी हुई। बिजली के बारे में अभी हमारे विपक्ष के सदस्य बता रहे थे कि काम नहीं हो रहा है हम सदन को बताना चाहते हैं माननीय अध्यक्ष जी आप के माध्यम से पूरे उत्तर प्रदेश में कोई मजरा ऐसा नहीं बचा है जहां बिजली ना लगा हो। हम अपने विधान सभा क्षेत्र की बात करना चाहते हैं कि आने वाले एक दो महीने के अन्दर कोई घर नहीं बचेगा जिस घर में बिजली न पहुंच जाए। सभी मजरे संतृप्त हो चुके हैं पहले जब विधायक के पास लोग जाते थे पत्र लेकर तो शायद 10 गांव पांच गांव एक साल में हो पाते थे आज शत प्रतिशत बिजली लग रही है। मोदी जी के आशीर्वाद की बदौलत सौभाग्य योजना के तहत सभी गॉवों में लाइन पहुंच रही है बिद्युत सब स्टेशन बन रहे हैं इतना बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्टर अगर किसी ने देने का काम किया है तो इस देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी ने देने काम किया है। मैं बिजली मंत्री को बधाई देना चाहता हूं कि आने वाले दिनों में जो भी ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि करनी है वह भी की जाएगी। माननीय मंत्री जी का आदेश भी हो चुका है। गांवों में सर्वे भी शुरू हो गए हैं और जिन घरों में बिजली नहीं पहुंचेगी वहां सोलर लाइट के माध्यम से सौभाग्य योजना के अन्तर्गत बिजली देने का काम किया जाएगा। किसानों के लिए अलग से लाइन की व्यवस्था हो रही है पहली बार किसी सरकार ने ऐसा सोचने का काम किया है। मैं माननीय ऊर्जा मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि शत प्रतिशत हम लोगों के जनपद में पूरे प्रदेश में बिजली का काम चल रहा है। स्वास्थ्य के मामले में भी बताना चाहता हूं अध्यक्ष जी स्वास्थ्य के मामले में सभी सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 पर पहले की सरकारों में कोई डाक्टर नहीं मिलते थे अस्पताल बन्द रहते थे रात में कहीं कोई दुर्घटना हो जाए किसी को कोई इमरजेसी पड़ जाए अस्पताल बन्द रहते थे हम लोगों की सरकार आने के बाद अस्पताल 24 घंटे खुले रहते हैं रात में भी डाक्टर बैठते हैं और सभी लोगों को व गरीबों को दवा मिलती है प्रधानमंत्री जी ने आयुष्मान भारत योजना शुरू करके गरीबों को लाभ दिया आज के बजट से मैं मा0 मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि जिन गरीबों के नाम छूटे हैं। उन गरीबों को भी जोड़ने की बात इस बजट में की गई है, इसके लिये मैं मा0 मुख्य मंत्री जी और अपनी सरकार को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। स्वास्थ्य के मामले में हमारे देश के प्रधानमंत्री ने इतना बड़ा निर्णय लिया, इसके लिये वह बहुत-बहुत बधाई के पात्र हैं। हम शिक्षा के क्षेत्र में भी बताना चाहते हैं कि हमारी सरकार ने आते ही शिक्षा के क्षेत्र में भी बहुत बड़ा सुधार किया है। नकल के नाम पर पहले 5-5, 6-6, 10-10 हजार रुपये वसूले जाते थे।

आज शिक्षा माफिया इस प्रदेश से समाप्त हो गये हैं और कहीं पर भी परीक्षाओं में नकल नहीं हो रही है, अच्छी पढ़ाई हो रही है।

प्राईमरी स्कूलों की अच्छी व्यवस्था हो रही है। कायाकल्प योजना के तहत सभी प्राईमरी स्कूलों में टाईल्स लगाने और बाउण्ड्रीवॉल बना करके बहुत अच्छी व्यवस्था की जा रही है। एक-एक विधान सभा क्षेत्र में 13 से 14 स्कूल इंग्लिश मीडियम स्कूल में चयनित हुए हैं। बच्चों के लिये बहुत अच्छी व्यवस्था की जा रही है, उनको अच्छे-अच्छे ड्रेस दिये गये, जूते-मोजे दिये गये, स्वेटर दिये गये। यह सारी व्यवस्था माननीय योगी जी ने करने का काम किया है, इसके लिये मैं उन्हें बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। मा0 अध्यक्ष जी, मेरे क्षेत्र गोण्डा जनपद में एक भी राजकीय इण्टर कॉलेज नहीं था। यह सरकार आते ही एक राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज हथिया पर, दूसरा राजकीय इण्टर कॉलेज जो छपिया विकास खण्ड में मा0 मुख्य मंत्री जी तथा मा0 शिक्षा मंत्री जी के आर्शीवाद की बदौलत मिला है। मेरे क्षेत्र में आई0टी0आई0 कालेज नहीं था, लेकिन इसी डेढ़ साल के अन्दर वह भी मिलने का काम हुआ है। मेरे जनपद गोण्डा से पूर्ववर्ती सरकारों में कई मंत्री हुआ करते थे। लखनऊ से गोण्डा, बलरामपुर जाने के लिये रास्ता नहीं था, लेकिन मेरी सरकार आते ही वह भी हो गया है। अभी हमारे साथी कह रहे थे कि गड्ढामुक्ति के नाम पर सड़कें नहीं बनीं। हम विपक्ष के सभी लोगों को बताना चाहते हैं कि हमारी सरकार आते ही एक-एक विधान सभा क्षेत्र में सैकड़ों से ज्यादा सड़कें गड्ढामुक्त हुई हैं, नयी सड़के भी बन रही हैं। लखनऊ से गोण्डा के लिये पैसा स्वीकृत हो गया है और जल्दी ही 3-4 महीने के अन्दर सड़क भी बन जायेगी। हमारे गोण्डा जनपद में कई सड़कों की मा0 मुख्यमंत्री जी ने घोषणा की जिसमें हमारे क्षेत्र में अयोध्या से डुमरियागंज को जोड़ने के लिये टू लेन सड़कें, स्वामी नारायण छपिया मंदिर को पर्यटन स्थल का दर्जा दिया गया और इसके लिये बजट भी दिया गया है। हमारे क्षेत्र में टू लेन से छपिया मंदिर को जोड़ा गया, फोर लेन भी प्रस्तावित है। मा0 अध्यक्ष जी, हमारे क्षेत्र और पूरे प्रदेश में विकास जिस गति से हो रहा है, आने वाले दिनों में हर जगह सड़के बनती हुई दिखाई देंगी। 250 से 500 तक आबादी के लगभग सभी मजरे पक्की सड़क से जुड़ गये हैं जो नहीं जुड़े हैं तो हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि वह भी आगे ले लिये जायेंगे। वर्ष 2019 के बजट में 100 से 250 तक आबादी के मजरों को सड़कों से जोड़ने का काम किया जायेगा। अभी वनटांगिया गांव की बात हो रही थी। वनटांगिया गांव के नाम पर हमारे विधायक जी बता रहे थे कि मा0 मुख्य मंत्री जी तो मुसहर के नाम झूठी घोषणाएं करते हैं। मैं विपक्ष के लोगों को बताना चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र में मेरे जनपद में 04 वनटांगिया गांव हैं जिसमें 03 गांव मेरे विधान सभा में तथा 01 बगल में है, यह चारो गांव राजस्व गांव घोषित कर दिये गये हैं। उन चारो गॉवों में गरीबों को मुख्यमंत्री आवास मिले, शौचालय मिले और इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मिले, आने-जाने के लिये रास्ता बन रहा है। आज उन गरीबों के घरों में छप्पर में पंखा लगा है, बिजली उनको मिल रही है और उनका घर भी बन जायेगा। वनटांगिया लोग जो जंगलों में रहते थे उनके बच्चों के लिये शिक्षा का अभाव था, उनको राशन नहीं मिलता था, उनको वोट देने का अधिकार नहीं था, लेकिन आज उन वनटांगिया परिवारों में किसी को 16 बीघे, किसी को 10 बीघे, किसी को 08 बीघे खेत भी मिलने का काम हुआ है, क्योंकि वन विभाग अपनी जमीन पर किसी गरीब को सड़क बनाने के लिये भी परमिशन नहीं देता है, लेकिन

मा0 मुख्यमंत्री जी के आशीर्वाद की बदौलत उन गरीबों को जमीन से लेकर, आवास से लेकर सारी सुविधायें देने का काम मा0 मुख्य मंत्री ने करने का काम किया है। हम मा0 मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहते हैं कि उन्होंने उत्तर प्रदेश में सभी वनटांगिया गांवों को राजस्व गॉव घोषित करके उसका लाभ गरीबों तक पहुँचाने का काम किया है। उन गरीबों की चिन्ता करने का काम अगर किसी ने किया है तो वह उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री मा0 योगी जी ने किया है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि गोण्डा जनपद बहुत पिछड़ा क्षेत्र माना जाता है, लेकिन जब से उत्तर प्रदेश में मा0 योगी जी की सरकार बनी है।

एक-एक सड़कों का हो चाहे स्कूल का हो। हम विपक्ष के साथियों को बताना चाहते हैं कि गोण्डा जनपद देवीपाटन मण्डल मुख्यालय होने के बाद भी आज तक वहां राजकीय महाविद्यालय नहीं है, मण्डल मुख्यालय होने के बाद भी राजकीय महाविद्यालय नहीं है और यह लोग कहते हैं कि विकास कर गऐ, सब विकास हो गया कांग्रेस के जमाने में या जो भी सरकारें रही लेकिन आज तक राजकीय महाविद्यालय नहीं है। हम अपने माननीय मुख्यमंत्री जी से मांग करते हैं कि हमारे गोण्डा जनपद जिला मुख्यालय पर राजकीय महाविद्यालय बनाया जाये, राजकीय महिला महाविद्यालय बनाया जाये और गोण्डा जिला मुख्यालय पर मेडिकल कॉलेज की सुविधा उपलब्ध करायी जाये। मान्यवर, आपने मुझे धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

चर्चा जारी रहेगी। मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी।

बजट भाषण में हुई लिपिकीय त्रुटि को नियम-315 के तहत ठीक करने का अनुरोध

***संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

माननीय अध्यक्ष जी, आज जो बजट भाषण मा0 वित्तमंत्री जी का था उसके पृष्ठ आठ पर एक लिपिकीय त्रुटि हुई है। मैं आपका ध्यान इस पर आकृष्ट करना चाहता हूँ। पृष्ठ आठ पर शीर्षक ग्राम विकास से सम्बन्धित मद है इसकी पॉचवी पंक्ति में 71 लाख आवास विहीन एवं कच्चे आवासों में निवास करने वाले परिवारों को पक्का आवास 31 मार्च, 2019 तक उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। मान्यवर, इसमें गलती यह हुई है कि यह संख्या 11.71 है और गलती से यह संख्या 71 लाख छप गयी है। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि आपके पास सर्वाधिकार सुरक्षित हैं और इसमें जो लिपिकीय त्रुटि हुई है इसको ठीक कर दिया जाये। आपके पास सभी अधिकार हैं और मैं चाहता हूँ कि यह अधिकार जो नियमावली के नियम-315 में आपको दिए गये हैं उसके तहत आप इसको सही कर सकते हैं। ऐसे कई प्रेसिडेन्स है, इस प्रकार के क्लरिकल एरर को हमारे उच्च सदन में भी ठीक किया गया है। यह कोई ऐसा विषय नहीं है जिससे बजट का कोई आकार प्रभावित हो। अगर बजट का कोई आकार प्रभावित नहीं होता तो यह क्लरिकल एरर है, इसको संशोधित किया जा सकता है। मान्यवर, आप अपने अधिकारों का प्रयोग करके नियम-315 के तहत इसको ठीक करवा सकते हैं।

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

***श्री लालजी वर्मा-**

माननीय अध्यक्ष जी, जबसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है तब से हर बार त्रुटि देखने को मिल रही है, परसों महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में भी त्रुटि हुई थी जिसे उन्होंने स्वयं संशोधित करके पढ़ा था। हर बार त्रुटि दिखायी पड़ती है और मा0 मंत्री जी कह रहे हैं कि इससे आकार नहीं बढ़ रहा है। अब 11.71 और 71 में तो बहुत अन्तर है। इसलिए अगर गलती से 71 लाख लिख गया है तो 71 लाख लोगों को पक्के मकान बनवा दिए जायें, उसमें कम करने की क्या आवश्यकता है। मान्यवर एक बार नहीं हर बार क्लेरिकल त्रुटि मानी जाती है, भाषण कईं बार पढ़ा जाता है उसके बाद अंतिम रूप देकर छपने के लिए भेजा जाता है। इसके पहले एक भी त्रुटि नहीं हुआ करती थी। जबसे मा0 श्री खन्ना जी की सरकार बनी है तब से ही इस तरह की त्रुटियां हो रही हैं। अगर जिसने त्रुटि की है उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी तो बात कैसे बनेगी। यह कोई मामूली त्रुटि नहीं है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल प्रदेश का बजट है और यह एक जगह नहीं है अनेकों जगह है। एक जगह यह भी त्रुटि है जहां पर वर्ष 2019 से 2220 तक का बजट दिखाया गया है। तो क्या यह माना जाये कि यह वर्ष 2019 से वर्ष 2220 तक का बजट प्रस्तुत किया गया है। मान्यवर, इसमें त्रुटि हुई है तो कार्यवाही भी होनी चाहिये। माननीय मंत्री जी ने कहा कि बजट का आकार नहीं चेंज हो रहा है जबकि इसमें आकार चेंज हो रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, इसलिये जैसा आप उचित समझे निर्णय ले लीजिये।

नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

माननीय अध्यक्ष जी, अभियुक्त को एक बार माफ करने का प्राविधान है लेकिन किसी मुल्जिम को बार-बार नहीं छोड़ा जाना चाहिये। पिछली बार हमने यह मामला उठाया था कि महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में दूसरा लिखा है और बजट में दूसरा लिखा है। इस बार फिर महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में दूसरा लिखा है और बजट में दूसरा लिखा है। इसके बाद अब यह तीसरी गलती है। पिछली बार की गलती तो माफ हो गई थी लेकिन इस बार सजा तो जरूर मिलनी चाहिये। माननीय अध्यक्ष जी, यह आपका अधिकार है लेकिन नहीं भी है। दोनों बाते हैं क्योंकि आप और हम नियमावली और संविधान से बंधे हुये हैं। ऐसा तो कभी उत्तर प्रदेश में हुआ ही नहीं कि बजट और महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में बार-बार गलती होती हो। पता नहीं कहां से पढ़ लिखकर लोग आये हैं। बजट भाषण कई स्तरों पर चेक होता है। माननीय वित्त मंत्री जी बहुत विद्वान व्यक्ति हैं और उन्होंने माननीय उपाध्यक्ष की कुर्सी को भी सुशोभित किया है। लेकिन वह करें क्या, जब सिस्टम मनहूस हैं। वित्त मंत्री जी को बजट पढ़ना है लेकिन मुख्य मंत्री जी लाल बक्सा लेकर खड़े हैं। वित्त मंत्री जी ने बजट को पढा नहीं केवल अंत में दस्तखत किये हैं। आज सदन में बजट आया और सवेरे कैबिनेट की बैठक हुई जिसके बाद उन्होंने बजट पर दस्तखत किये हैं। इसलिये वह पूरा पढ़े ही नहीं होंगे। हम उनकी कशमकश समझ रहे थे जब वह वहां पर बैठे थे और वह प्रमुख सचिव से कह रहे थे कि जरा नियमावली ले आईये। हम तो तभी समझ रहे थे जब वह पसीना-पसीना हो रहे थे। अगर आज बजट पेश होना है और आज आप कैबिनेट की बैठक कर रहे हैं तो वित्त मंत्री

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

उसे कैसे पढ़ेगे। अब वित्त मंत्री को इतना मूर्ख बनाने की क्या आवश्यकता है। इसलिये इस बार आप दोषी को छोड़िये मत, बल्कि सजा दीजिये। जैसा कि माननीय वर्मा जी ने कहा है कि क्या हर्ज है और आपके यहां कोई कमी तो है नहीं। आपने बजट भाषण में जितने आवास कहे हैं उतने आवास आप गरीबों के लिए बनवा दीजिये। गरीबों के तो आप समर्थक हैं ही क्योंकि आपने कल ही सदन में कहा है कि पहले हम गरीबों को छत दे देंगे तब हम किसी बात पर सोचेंगे। इस तरह आप अपनी बात से बंध गये हैं। अगर आप अपनी बात से हटेंगे तो फिर आपको विधायकों को फ्लैट देना पड़ेगा। इसलिये आप सदन में यह उत्तर दीजिये कि चलिये जो लिख गया है गरीबों के भाग्य से सही लिख गया है। गरीबों का भाग्य भी होता है, हो सकता है कि उन्हीं के भाग्य से लिख गया हो। इसलिये इसको आप करिये। माननीय अध्यक्ष जी,मैं आपकी इस पर व्यवस्था चाहता हूं कि हर बार सजाए माफ नहीं होनी चाहिये।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, आजकल कई छोटे-छोटे सीरियल बनते हैं और यह सीरियल बड़े पापुलर हो जाते हैं। सीरियल से लोग निकलकर बड़ी जगहों पर पहुंच जाते हैं। हमारे नेता विरोधी दल के बारे में कई बार हमने सोचा कि लोगो का इतना मनोरंजन करने वाले हीरो कहां मिलेंगे जो इतने बढ़िया तरीके से अभिनय करते हैं। अभिनय भी कई तरीके के होते है। जो अभिनय को बिल्कुल सच करके प्रस्तुत कर दे वह सबसे बड़ा कलाकार कहलाता है। हमने कई फिल्में देखी हैं हालांकि हम तीस वर्षो से टाकीज नहीं गये थे। हम फिल्मों में देखते थे कि अपनी बात कहते-कहते लोगो के चेहरे पर पसीना आ जाता था। हमने दिलीप कुमार को कई बार ऐसे अभिनय करते हुये देखा है। एक पुरानी फिल्म है 'दिल दिया दर्द लिया' जिसमें अभिनय के दौरान उनके चेहरे पर पसीना आ गया था और उनके चेहरे पर पसीना आ गया। वह सुना पिछली बातें रहे हैं और उसे इतना सच्चा करके दिखाया गया है कि उनके चेहरे पर पसीना आ गया। मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारे यहां बहुत विद्वान-विद्वान लोग हैं और इन विद्वानों की जो प्रतिभा है वह पूरी तरह से उभार नहीं ले पाई है। अगर यह कैमरे के सामने होते तो निश्चित रूप से बहुत वजनदार, बहुत औदेदार और पूरी दुनिया में बॉलीवुड क्या और हॉलीवुड क्या सबको मात करने के बाद वह कर देते। इतना अच्छा अभिनय लोग पैसे देकर देखते हैं। हम लोग तो सौभाग्यशाली है कि इसको निशुल्क रूप में देख रहे हैं। मान्यवर, इन लोगों ने हमें अभियुक्त बता दिया।

श्री अध्यक्ष-

इन्होंने आपको नहीं कहा है। इस त्रुटि के लिए जो रिस्पांसिबिल है उसे कहा है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, यह मानवीय भूल है।

श्री लालजी वर्मा-

यह मानवीय भूल नहीं है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, यह मानवीय भूल के अलावा और कुछ भी नहीं है। यह मानवीय भूल किसी से भी हो सकती है। हमको किसी ने इस बात के लिए इंगित नहीं किया है। हमारी जो कमी थी

हम तो खुद ही उसको आपके सामने लाए हैं। मान्यवर, मैं न आपका समय लेना चाहता हूं और न ही इस सदन का। आपका सर्वाधिकार सुरक्षित है। इसको सही करवा दिया जाए। यह अभी प्रस्तावित भाषण है और प्रस्तावित भाषण में इसके लिए जो दोषी होगा वह तो सजा पाएगा ही और मैं विशेष रूप से ईश्वर से प्रार्थना करता हूं मा0 नेता विरोधी दल को जल्दी स्वस्थ्य करें।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

आपने प्रार्थना की है तभी तो स्वस्थ्य होकर आए हैं। आपने दिलीप कुमार की बात कही है (श्री अध्यक्ष द्वारा हंसी के ठहाके)। हम और आप आमने-सामने हैं। पिक्चर तब चरम सीमा पर पहुंचती है जब हीरो-हीरोईन दोनों का रोल सही हो। हम दिलीप कुमार हैं तो संसदीय कार्यमंत्री को हमें सायराबानों कहने में कोई हर्ज नहीं है (सदन में हंसी के ठहाके) और यह गरीबों के हमदर्द हैं। अगर गरीबों के भाग्य में यही लिख गया है तो आप भाग क्यों रहे हैं? सरकार क्यों भाग रही है? कह दीजिए कि हम बना देंगे। मान्यवर, हम जब गांव से बलिया पढ़ने आए थे तो पहली पिक्चर देखने गये थे जिसका नाम था आरजू। उसमें एक गाना बड़ा मजेदार था जिसकी दो लाइने मैं कह देता हूं कि ''अजी रूठकर अब कहां जाइएगा, जहां जाइएगा हमें पाइएगा'' (सदन में हंसी के ठहाके)। मान्यवर, यह माफ करने वाली बात नहीं है। गरीबों का घर बने नहीं तो मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी बताएं कि किस नियमावली के अंदर यह संशोधन किया जा सकता है ?

श्री अध्यक्ष-

वह तो बता दिया गया है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, हमने नेता विरोधी दल को दिलीप कुमार नहीं कहा है। हमने उनकी सच्चाई का बखान करते हुए कहा है कि ऐसी-ऐसी फिल्में हैं कि जिसमें फ्लशबैक दिखाते हुए उनके चेहरे पर पसीना आ जाता था और एक बार राम गोविन्द चौधरी जी ने सीता का भी उदाहरण दिया था। आपको मालूम है कि सीता की वजह बहुत कुछ विध्वंस हो गया था। पूरी रावण की लंका सीता की वजह से जल गयी थी। इसलिए हमने दिलीप कुमार कभी नहीं कहा। हमने तो केवल उदाहरण दिया था। और जो मैंने कहा उसको मैं दोहराना नहीं चाहता। यह एक क्लेरिकल मिस्टेक है इसलिए इसको नजरअंदाज किया जाना चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

आपने तो पहले ही आश्वासन दिया है कि जो दोषी होगा उस पर कार्रवाई की जायेगी।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

जी मान्यवर। वह तो पहले ही कह दिया। वह तो अब संज्ञान में आ गया। तो उसके ऊपर कार्रवाई तो होगी ही। लेकिन इसको मानवीय भूल समझकर इसको सुधार लिया जाये। मैं समझता हूं कि यह कोई बड़ी बात नहीं है और जिसकी वजह से यह गलती हुयी है उसके विरुद्ध कार्रवाई होगी।

बजट भाषण में हुई लिपिकीय त्रुटि को संशोधित करने के अनुरोध पर श्री अध्यक्ष के निर्देश

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 07 फरवरी, 2019 को सदन में प्रस्तुत किये गए वित्तीय वर्ष 2019-2020 के आय-व्ययक के विषय में मा0 वित्त मंत्री द्वारा पत्र दिया गया था, यहां पर संसदीय कार्य मंत्री जी ने भी प्रस्तुत किया है कि वित्त मंत्री के बजट भाषण में पृष्ठ 8 पर ''ग्राम्य विकास'' शीर्षक के अन्तर्गत पांचवी पंक्ति में त्रुटिवश यह अंकित हो गया है कि, ''71 लाख आवासविहीन एवं कच्चे आवासों में निवास करने वाले परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।'' 71 लाख के स्थान पर यह संख्या 11.71 लाख है, जो कि टंकण की त्रुटिवश कारित हुई। मा0 वित्त मंत्री द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि इस त्रुटि को उनके बजट भाषण में संशोधित करते हुए तद्नुसार सदन की कार्यवाही में अंकित किया जाए।

चूंकि उपर्युक्त त्रुटि टंकण की त्रुटि है एवं इसके संशोधन से बजट के आकार के संबंध में कोई प्रभाव नहीं पड़ता। अतः मेरा यह समाधान है कि इस त्रुटि का निवारण कर दिया जाए, जिससे अभिलेखों में स्थिति स्पष्ट रहे।

अतः उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम 315 के अन्तर्गत यह व्यवस्था दी जाती है कि सदन की कार्यवाही में बजट भाषण को तद्नुसार संशोधित मानते हुए पृष्ठ-8 पर ''ग्राम्य विकास'' शीर्षक के अंतर्गत पांचवी पंक्ति में 71 लाख के स्थान पर 11.71 लाख अंकित किया जाए।

नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

माननीय अध्यक्ष जी, नियम-315 तो हम लोग ढूढ़ रहे हैं लेकिन वह हमको कहीं मिला ही नहीं।

श्री अध्यक्ष-

315 हमारे द्वारा घोषणा होती है। तो हमने घोषणा की।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

आप घोषणा कार्य संबंधित कर सकते हैं।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, नियम-315 में अध्यक्ष की व्यवस्थायें और घोषणायें हैं। मान्यवर, यह आपकी व्यवस्था है आप दे सकते हैं।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

आप व्यवस्था दे सकते हैं लेकिन नियम 315 में कोई चीज बदलने का अधिकार नहीं है। नियम-315 में मा0 अध्यक्ष जी का अधिकार यह है कि वह क्या घोषणा कर रहे हैं। बदलने का अधिकार नहीं है। पिछली बार भी मैंने इसको उठाया था। तो इसको फिर वापस किया जाये। फिर कैबिनेट में सुधार कर पास करें। फिर मंत्री जी का दस्तखत हो तब सदन में आये। हमारा यह कहना है।

श्री अध्यक्ष-

हमारा अभिमत यह है कि जिस प्रकार आप सब इस पक्ष के मा0 सदस्य और इस पक्ष के मा0 सदस्य, वरिष्ठ नेतागण बीच-बीच में अनुरोध करते हैं कि इस भाग को कार्यवाही से संशोधित कर दिया जाये। इसको बाद में देख लिया जाये। जहां कहीं कोई आपत्तिजनक बात होती है तो कार्यवाही में संधोधन का अधिकार हमको है। ऐसा आप दिन भर हमसे अनुरोध किया करते हैं। और यह कार्यवाही में ही हमने संशोधन किया है। इसमें यही तो कहा गया है कि अभिलेखों में कोई त्रुटि न हो।

यही हमने किया है कदाचित आप लोग रोज मांग किया ही करते हैं लेकिन मैं मा0 वर्मा जी एवं नेता प्रतिपक्ष को इस बात के लिए बधाई दूंगा कि उन्होंने संगत विषय पर हमारा ध्यान आकर्षित किया।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मान्यवर, विधान सभा की कार्यवाही में संशोधन करने का आपको अधिकार है लेकिन बजट में संशोधन करने का अधिकार नहीं है। आप विधान सभा के अंदर चाहे जो घोषणा कर दीजिए लेकिन यह त्रुटि घोषणा योग्य नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

बजट में भी संशोधन का अधिकार है बजट शुरू होगा आप संशोधन ही रखने वाले हैं। आपको संशोधन पेश करने का अधिकार है, मुझे उस संशोधन को सुनकर निर्णय देने का अधिकार है।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मान्यवर, आपको यह है कि कार्यवाही में जो चीज आती है उसमें से आप जिसको अच्छा समझे उसको रखें और जिसको अच्छा न समझे निकाल दीजिए लेकिन बजट और राज्यपाल के अभिभाषण पर संशोधन करने का अधिकार किसी को नहीं है। इसमें वही प्रक्रिया अपनाई जाए जिस प्रक्रिया से बजट आया है।

श्री अध्यक्ष-

इस आदरणीय सदन को, सरकार को और आपको बजट में संशोधन करने का अधिकार है इसीलिए आप बजट में संशोधन के अधिकार देते हैं और आपने तमाम संगत नियमों की ओर ध्यान दिलाया इसलिए नेता प्रतिपक्ष बधाई के पात्र हैं। संसदीय कार्य मंत्री जी ने कहा है कि हम जिम्मेदार व्यक्ति पर कार्यवाही करेंगे।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मा0 अध्यक्ष जी जब यह बात उठाई गई कि अधिकार नहीं है, व्यवस्था तो आ गई लेकिन यह बात सुधार लेनी चाहिए कि आप लोग बराबर उधर से कटौती का प्रस्ताव रखते हैं हमने जो प्रस्ताव रखा है वह कार्यवाही में ही संशोधन का प्रस्ताव रखा है क्योंकि बजट भाषण में कार्यवाही आ गई। जब तक बजट पास नहीं हो जाता है तब तक आपकी तरफ से बराबर प्रस्ताव आयेगा कि इसमें कटौती करके ऐसा कर दिया जाये और उसके ऊपर बकायदा मतदान होगा। इसलिए सदन को सबकुछ करने का अधिकार है।

श्री अध्यक्ष-

नेता विरोधी दल एवं आप कोई नई फिल्में देखिये जैसे-सिम्बा आदि।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मान्यवर, आपके बजट पर हम कटौती करते हैं उसको बदलने का संशोधन हम नहीं करते हैं। आपके बजट में जो प्रक्रिया थी उसको बदलने का संशोधन हम नहीं करते हैं। उस मद में कमी कर दी जाए हम बदल नहीं सकते हैं। आप जो चाहें निर्णय ले लीजिए इस पर बहुत देर चर्चा हो गई।

[05:22]

नियम 51 के अन्तर्गत सूचनायें

श्री अध्यक्ष-

हमने जो सूझाव दिया है कि आप लोग साथ-साथ फिल्में देखा कीजिए।

अब हम नियम-51 की सूचनायें लेते हैं।

आज दिनांक 07-02-2019 को नियम 51 के अन्तर्गत कुल 49 सूचनायें प्राप्त हुई।

पहली सूचना श्री प्रभुनारायण सिंह यादव की गेल कम्पनी द्वारा अधिग्रहीत भूमि का प्रतिकर दिये जाने एवं एम0पी0 ऐक्ट, 1962 में संशोधन के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना श्री मनोज कुमार पाण्डेय की जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार में कतिपय मार्गों की निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री अशोक सिंह चन्देल की कानपुर विकास प्राधिकरण के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भू-खण्ड संख्या-42 व 43 की फर्जी रजिस्ट्री की एफ0आई0आर0 कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्रीमती सुषमा पटेल की पूरे प्रदेश में एस0सी0/एस0टी0 के सभी अपराध पीड़ितों के आश्रितों को अनुमन्य सहायता राशि प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में है, पांचवीं सूचना श्री लालजी वर्मा की जनपद अम्बेडकर नगर की तहसील टाण्डा में घनी आबादी के बीच से एन0टी0पी0सी0, टाण्डा से हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन लाईन ले जाये जाने से उत्पन्न समस्या के समाधान के सम्बन्ध में वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई, छठी सूचना श्री शैलेश कुमार सिंह शैलू की जनपद बस्ती के भूमिधरी आराजी संख्या-579, 580, 542/80 तथा 542/12 पर अवैध कब्जा हटा कर पैमाईश कराये जाने के सम्बन्ध में है, सातवीं सूचना श्रीमती जयदेवी की उ0 प्र0 के शिक्षामित्रों को सहायक अध्यापक बनाये जाने हेतु न्यायोचित निर्णय लिये जाने के सम्बन्ध में है, आठवीं सूचना श्री उज्जवल रमण सिंह की उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चयनित अभ्यर्थियों को राज्य स्तरीय सेवा में जोड़े जाने के सम्बन्ध में है, तथा नवीं सूचना श्री नफीस अहमद की जनपद आजमगढ़ के विकास खण्ड महाराजगंज में तहसील सगड़ी में सरयू नदी पर लघु सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई, दसवीं सूचना श्री प्रभात कुमार वर्मा एडवोकेट की जनपद गोण्डा के विधान सभा क्षेत्र गौरा, तहसील मनकापुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पिपरा बारा खां में खेल के मैदान को भू-माफियाओं से मुक्त कराये जाने के सम्बन्ध में है, ग्यारहवीं सूचना श्री ओम कुमार की जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नहटौर में गागन नदी पर क्षतिग्रस्त पुल के निर्माण हेतु स्वीकृति के बाद भी धन उपलब्ध न कराये जाने के सम्बन्ध में है,

बारहवीं सूचना श्री अगयश राम सरन वर्मा की जनपद पीलीभीत में आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों से धन वसूली की शिकायत की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है, तेरहवीं सूचना श्री जवाहर लाल राजपूत की जनपद झांसी के विधान सभा क्षेत्र गरौठा में कतिपय क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत/निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौदहवीं सूचना प्रिन्स वीर विक्रम सिंह की जनपद शाहजहांपुर के तहसील तिलहर में मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से संबंधित कतिपय आई0जी0आर0एस0 के निस्तारण कराये जाने के सम्बन्ध में है, पन्द्रहवीं सूचना श्री ब्रजभूषण राजपूत की जनपद महोबा के विकास खण्ड चरखारी के अन्तर्गत बम्हौरी कलां में लिफ्ट कैनाल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, सोलहवीं सूचना श्री रजनीकांतमणि त्रिपाठी की जनपद कुशीनगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवंटन में किये गये भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है, तथा सत्रहवीं सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र की जनपद जौनपुर के विकास खण्ड महराजगंज में होम्योपैथिक चिकित्सालय भवन की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत हुई।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनायें अस्वीकार की गई :-

1-श्रीमती राजबाला,
2-श्री मूलचन्द्र सिंह,
3-डॉ0 श्याम बिहारी लाल,
4-श्री धनन्जय कन्नौजिया,
5-श्री आनन्द स्वरूप शुक्ल,
6-ठा0 कारिन्दा सिंह,
7-डा0 डी0 सी0 वर्मा,
8-श्री रामप्रताप सिंह,
9-श्री अम्बरीश सिंह पुष्कर एडवोकेट,
10-श्री जटाशंकर त्रिपाठी,
11-श्री रोशन लाल वर्मा,
12-श्री पवन कुमार उर्फ पवन केडिया,
13-श्री धर्मराज यादव उर्फ सुरेश यादव,
14-इंजी0 बृजेश कठेरिया,
15-श्री अमिताभ बाजपेई,
16-डा0 नीरज बोरा,
17-श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा,
18-श्री अनिल कुमार मौर्य,
19-श्री राहुल प्रकाश,
20-श्री संजय प्रताप जायसवाल,
21-श्री रामचन्द्र यादव,
22-श्री राम अचल राजभर,
23-श्री सुखदेव राजभर,
24-डा0 हरगोविन्द भार्गव,
25-श्री रितेश पाण्डेय,
26-श्री आजाद अरिमर्दन,
27-श्री सुरेश राही,
28-श्री संगम लाल गुप्ता,
29-श्री नरेश सैनी,
30-श्री मसूद अख्तर,
31-श्री पारस नाथ यादव तथा
32-श्री वीरेन्द्र यादव।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, मेरी सूचना बड़ी महत्वपूर्ण है, इसे ले लीजिए।

श्री अध्यक्ष-

लालजी वर्मा जी का नहीं लेंगे क्योंकि वे बड़े हैं।

(हंसी)

श्री नफीस अहमद-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरी सूचना लास्ट में है कृपया इसे ले लीजिए।

श्री अध्यक्ष-

वर्मा जी आपका सुझाव क्या है?

श्री लालजी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, हमारा जो प्रस्ताव था वह बहुत महत्वपूर्ण है, किसानों की जमीन और घरों पर जबरदस्ती पोल लगाए जा रहे हैं इसलिए ये सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।

श्री नफीस अहमद-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरा बहुत पिछड़ा इलाका है। मेरी सूचना ले लीजिए।

श्री अध्यक्ष-

हम क्रमानुसार ले लेंगे, यहां डिसीजन नहीं हो पाएगा।

श्री नफीस अहमद-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरा नफीस अहमद नाम है।

श्री अध्यक्ष-

आपका नाम याद है। बहुत-बहुत धन्यवाद। आज बीच में कुछ मा0 सदस्यों के आसन पर बैठे-बैठे बोलने के कारण सदन के संचालन में दिक्कत आई।

अब हम कल 11:00 बजे तक के लिए उठते हैं।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 05 बजकर 30 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे तक के लिए स्थगित हो गया।)

लखनऊ :
दिनांक 7 फरवरी, 2019.08.22

प्रदीप कुमार दूबे,
प्रमुख सचिव, विधान सभा,
उत्तर प्रदेश।

पी0एस0यू0पी0-107 विधान सभा (174)-02-08-2019-631 प्रतियां (डी0टी0पी0/आफसेट)।